

सं० 41]

नई बिल्ली, शनिवार, अक्तूबर 9, 1982 (आश्विन 17, 1904)

No. 41]

NEW DELHI, SATURDAY, OCTOBER 9, 1982 (ASVINA 17, 1904)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संस्था दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग गा---वण्ड 1

[PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियम्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग मर भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

गृह मंत्रालय का०एवं प्र०सु० विभाग केन्द्रीय भन्वेषण क्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 14 सितम्बर 1982

सं॰ ए०-19021/13/82-प्रशा०-5—राष्ट्रपति श्रपने प्रसाद से श्री सी० जनार्दन, भारतीय पुलिस सेवा (श्रान्ध्र प्रदेश ---एस॰ पी० एस०) को दिनांक 1 सितम्बर, 1992 के पूर्वाह्व से केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में प्रतिनियुक्ति पर पुलिस अधीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 16 सितम्बर 1982

सं ० ए०-19021/1/76-प्रणासन-5- प्रत्यावर्तन हो जाने पर, श्री एच० जे० डोरा, भारतीय पुलिस सेवा (श्रान्ध्र प्रदेश: 1965) पुलिस अधीक्षक, केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना, हैदराबाद णाखा की सेवाएं दिनांक 1 सितम्बर, 1982 के पूर्वाह्न से श्रान्ध्र प्रदेश सरकार को सौंपी जाती हैं। श्रार० एस० नागपाल

आर० एस० नागपाल प्रजासनिक स्रधिकारी (स्था०) केन्द्रीय स्रन्वेषण स्यूरो समन्वय निदेशालय (पुलिस बेतार)

नई दिल्ली-3, दिनांक 13 सितम्बर 1982

सं० 12012/1/81-प्रशासन—समन्वय निदेशालय (पुलिस बेतार) के श्री सी० एल० ढींगरा, वरिष्ठ तकनीकी सहायक (भंडार) को इस निदेशालय में प्रगले प्रादेशों तक ग्रस्थायी प्राधार पर ग्रितिरिक्त सहायक निदेशक के पद पर वेतनमान क० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200/- पर तारीख 10 श्रगस्त 1982 के पूर्धाञ्च से पदोन्नति दी गई है।

बी० के० दुवे निवेशक पुलिस द्र संचार

महानिदेणक का कार्यालय केन्द्रीय **औद्योगिक** सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110003, दिनांक 13 सितम्बर 1982

मं० ई०-38013(4)/5/81-कार्मिक---प्रोन्नति पर, श्री एन० जी० णुकुल ने 27 मार्च, 1981 के पूर्वाह्म से के०

(13967)

भी । सु॰ ब॰ यूनिट ए० एस॰ पी० दुर्गापुर के सहायक कमाडेट के पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

विनांक 14 सितम्बर 1982

सं० ई०-32015(2)/2/81-कार्मिक—राष्ट्रपति, श्री दलजीत सिंह को पुनर्तियुक्ति के ग्राधार पर 22 जुलाई, 1982 के पूर्वाह्म से के० ग्री० सु० व० यूनिट बी० एच० ई० एस० हरिद्वार का कमीडेंट नियुक्त करते हैं।

> सुरेन्द्र नाथ महानिदेशक

भारत के महापंजीकार का कार्यालय नई दिल्ली-110011, दिनांक 16 सितम्बर 1982

मं० 11/12/81-प्रशा०-1—राष्ट्रपति, निम्नलिखित उपनिदेशकों को, जो इस समय उनके नामों के समक्ष दिशित कार्यालय में तदर्थ श्राधार पर संयुक्त निदेशक जनगणना कार्य के पद पर कार्यरत हैं, उन्ही कार्यालयों में तारीख 17 श्रगस्त, 1982 के पूर्वाह्म से श्रगले श्रादेशों तक नियमित श्राधार पर श्रस्थायी तौर पर संयुक्त निदेशक जनगणना कार्य के पद पर पदोष्ठति पर सहर्ष नियुक्त करते हैं:——

क्रम सं० ग्रधिकारी कानाम

कार्यालय का नाम

- श्री बी० टी० पिल्लई जनगनना कार्य निदेशक का कार्यालय, केरल, ज्ञिबेन्द्रम ।
- 2 श्रीश्रब्दुल घनी जनगणना कार्य निदेशक का कार्यालय, जम्मू श्रौर कश्मीर, श्रीनगर।
- 3 श्री एस० सिन्हा जनगणना कार्य निदेशक का कार्यालय, पश्चिम बंगाल, कलकत्ता ।
- श्री श्रदंगान सिंह जनगमना कार्य निदेशक का कार्यालय, संघ राज्यक्षेत्र चण्डीगढ़।
- श्री ए० डब्स्यू० जनगणना कार्य निदेशक का कार्यालय महात्मे महाराष्ट्र, बम्बई।
- 6. डा० एच० मजूमदार भारत के महापंजीकार का कार्यालय, नई दिल्ली।
- श्री श्रर्दमान सिंह जनगणना कार्यालय संघ राज्यक्षेत्र, चण्डीगढ़ में पदेन क्षमता में जनगणना कार्य निदेशक के पद पर कार्य करते रहेंगे।
- 3. सर्वश्री पिल्लई, घनी, सिन्हा, सिंह, महारमे ग्रौर मजुमदार का मुख्यालय क्रमशः विषेन्द्रम, श्रीनगर, कलकला, चण्डीगढ, अम्बई श्रौर नई दिल्ली में होगा।

पी० पद्मनाभ भारत के महापंजीकार वित्त मन्त्रालय

भाषिक कार्य विभाग बैंक नोट मुद्राणालय

देवास-455002, दिनांक 14 सितम्बर 1982

सं० बी० एन० पी०/सी०/5/82 इस विभाग की समसंख्याक श्रधि-सूचना दिनांक 28-3-82 के तारतस्य में श्री एस० चन्द्रशेकरन की लेखा श्रधिकारी के पद पर प्रतिनियुक्ति की श्रवधि वर्तमान शर्तों पर दिनांक 28-2-83 तक श्रीर बढाई जाती है।

> मु० वै० चार महाप्र**बन्धक**

वित्त भ्रायोग नई दिल्ली, दिनांक 15 सितम्बर 1982

सं० 8 वि० म्रा०-(13)-ए/82—केन्द्रीय सिचवालय म्राशुलिपिक सेवा के ग्रेड 'ख' म्राशुलिपिक और म्राठवें वित्त म्रामोग के रू० 775/- से 1200/- के वेतनमान में निजी सिचव श्री एम० एल० भाटिया को 1 सितम्बर 1982 के पूर्वाह्म से म्रगला म्रादेश होने तक रू० 1100/- से 1600/- के वेतनमान में निजी सचिव नियुक्त किया गया है।

विनांक 17 सितम्बर 1982

सं० 8 वि० मा० 2(17)-ए०/82—माधिक कार्य विभाग, नई दिल्ली से स्थानान्तरण होने पर भारतीय भाधिक सेवा के ग्रेड III श्रिष्ठकारी श्रीर वरिष्ठ भनुसंधान श्रिष्ठकारी श्रीपी० बी० धवन को 2 सितम्बर 1982 के श्रपराह्म से श्रगला भादेग होने तक भाठवें वित्त श्रायोग में ह० 1300/- से 1800/- के वेतन-मान में विशेष कार्य श्रिष्ठकारी नियुक्त किया गया है।

सं० 8 वि० ग्रा० 2(16)-ए०/82—योजना ग्रायोग नई विल्ली से स्थानान्तरण होने पर श्री मनोहर लाल, ग्रनुसंधान ग्रिधकारी को 1 सितम्बर 1982 के पूर्वाह्न से श्रगला ग्रावेग होने तक, ग्राठवें वित्त श्रायोग में ६० 1100/- से 1600/- के वेतन मान में उप-निदेशक नियुक्त किया गया है।

मुखवासी लाल माथुर श्रवर सचिव

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग कार्मालय निदेशक लेखापरीक्षा केन्द्रीय राजस्व

नई दिल्ली-2, दिनांक 16 मितम्बर 1982

सं० प्रशासन-1/का०आ० सं० 268—निदेशक लेखा-परीक्षा केन्द्रीय राजस्व नई दिल्ली इस कार्यालय के स्थानापन्न लेखापरीक्षा ग्रधिकारी श्री ग्रार० सी० गोयल को दिनाक 1-9-1982 से 840—1200 रुपये के समयमान में लेखा-परीक्षा ग्रधिकारी के स्थामी पद पर स्थायी रूप में नियुक्त करते हैं। सं० प्रणासन-I का० ग्रा० संख्या 278—इस कार्यालय के एक स्थायी लेखापरीक्षा भ्रधिकारी श्री के० के० दीवान जो इस समय जनकल्याण भ्रधिकारी के रूप में कार्य कर रहे हैं वार्षक्य श्रायु प्राप्त करने के परिणामस्वरूप 30 सितम्बर 1982 श्रपराह्म को भारत सरकार की सेवा से सेवा निवृत्त हो जायेंगे।

उनकी जन्मतिथि 5 सितम्बर 1924 है।

सं० प्रशासन-1/का० भा० संख्या 279—इस कार्यालय के एक स्थायी लेखापरीक्षा भ्रधिकारी श्री तिलकराज कपूर वार्धक्य श्रायु प्राप्त करने के परिणामस्वरूप 30 सितम्बर 1982 अपराह्म को भारत सरकार की सेवा से सेवा निवृत्त हो जाएंगे।

उनकी जन्मतिथि 28 सितम्बर, 1924 है।

प्र० विपाठी संयक्त निदेशक लेखापरीक्षा (प्र०)

कार्यालय निवेशक लेखा परीक्षा वाणिज्य, निर्माण कार्य तथा विविध नई दिल्ली, दिनांक 15 सितम्बर 1982

सं प्रशासन-III /28—इस संगठन के निम्नलिखित लेखा परीक्षा प्रधिकारियों को उनके सामने वशार्यी गई तिथियों से लेखा परीक्षा प्रधिकारी के स्थायी पद पर नियुक्त किया जाता है:—

 श्री प्रेम चन्द ग्रोहरी 	•		10-9-1981
2. श्री सुणील कुमार .	•	•	1-11-1981
3. श्री ए० एन० गूहा			1-12-1981

स० र० मुकर्जी निदेशक लेखा परीक्षा

महालेखाकार का कार्यालय-1, कर्नाटक बेंगलूर-560001, दिनांक 29 ज्लाई 1982]

सं० स्था० 10/ए०4/82-83/461—महालेखाकार ने, निम्नलिखित स्थायी अनुभाग अधिकारियों को, केवल , स्थापन्न लेखा प्रधिकारियों के रूप में, उनके वरिष्ठों के बिना प्रतिकृल प्रभाव डाले उनके कार्यभार ग्रहण किरने के तारीख से पदोन्नत किये हैं:——

- 1. श्री एन० रामचंद्रा
- 2. श्री सी० वेणुगोपाल
- 3. श्री वै० ग्रन्नामलै

दिनांक 11 ग्रगस्त 1982

सं० स्थापना 1/म्र 4/82-83/503—महालेखाकार-I ग्रीर महालेखाकार-II के कार्यालय के नीचे लिखे स्थानापन्न लेखा प्रधिकारियों, उन्हीं कार्यालयों में स्थायी रूप के लेखा-श्रिधकारियों के पद में, उनके नामों के ग्रागे सूचित दिनांक से नियुक्त हो गये हैं:---

स्थिर हुए दिनांक
1-11-1980
4-4-1981
18-12-1981
5-4-1982
1-5-1982
1-7-1982
· · · · · ·

मार० के० चंद्रशेखरन् लेखा भ्रधिकारी

श्रम मंत्रालय

(श्रम स्यूरा)

शिमला-171004, दिनांक 1 अक्तूबर 1982

सं. 23/3/82-सी.पी.आई.—अगस्त 1982 मे आँखो-गिक श्रीमकों का असिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (आधार वर्ष 1960=100) जुलाई 1982 के स्तर से दस अंक बढ़कर 488 (बार सी अठ्ठारी) रहा। अगस्त 1982 माह का सूचकांक (आधार वर्ष 1949=100) पर परिवर्तित किए जाने पर 593 (पांच सी तिरानवें) आता है।

> भान्न्य स्वरूप भारद्वाज निवासक

रक्षा मंत्रालय

भारतीय धार्डनेंन्स फक्टरियां सेवा धार्डनेन्स फैक्टरी बोर्ड

कलकत्ता-16, दिनांक /13 सितम्बर , 1982

सं० 41/जी०/82—-राष्ट्रपति महोदय निम्नलिखित ग्रफसरों को स्थानापम महाप्रबन्धक (सेलेक्शन ग्रेड) स्तर-1/डी० डी० जी० ग्रो० एफ० स्तर-1 के पद पर उनके सामने दर्शाई गई तारीख से नियुक्त करते हैं:—

- श्री ए० पी० भट्टाचार्य्या स्थानापस डी०डी० जी० स्तिर-II . 26 जुलाई, 1982
- 2. श्री के॰ पी॰ श्रार॰ पिल्लाय स्थाना-पन्न नहाप्रबन्धक (सेलेक्शन ग्रेड)/स्तर11 26 जुलाई 1982
- 4. श्री डी॰ श्रार॰ ग्रयर, स्थानापन्न डी॰ डी॰ जी॰ भो॰ एफ॰/स्तर-II 26 जुलाई, 1982

विमान 17 सितम्बर, 1982

सं० 42/जी०/82—वार्धक्य निकृति श्रायु (58 वर्ष) प्राप्त कर, श्री सी० एस० गौरीशंकरन, स्थानापन्न एडीशनल डी० जी० श्रो० एफ०/सदस्य, श्रार्डनैन्स फैक्टरी बोर्ड, विनांक 31 श्रगस्त, 1982/श्रपराह्न से सेवा निवृत्त हुए।

वी० के० मेहता निदेशक

वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक, भ्रायात-निर्यात का कार्यालय भ्रायात भ्रौर निर्यात व्यापार नियंत्रण (स्थापना)

नई दिल्ली, विनांक 16 सितम्बर 1982

सं० 6/611/60-प्रशा०(राज)/5186—सेवा निवृत्ति श्रायु होने पर इस कार्यालय के श्री टी० जे० स्टीफन, उप मुख्य नियंक्षक, श्रायात-निर्यात (केन्द्रीय मचिवालय सेवा वर्ग-1) को 31 ग्रगस्त, 1982 के दोपहर बाद से सरकारी सेवा में निवृत्त होने की श्रनुमित दी गई है।

ए० एस० कौल उप मुख्य नियंत्रक, ग्रायात-निर्यात

(वस्त्र विभाग)

बस्त्र धायुक्त का कार्यालय बस्बई-20, दिनांक 8 सितम्बर 1982

सं० 10(1)/82-सी० एल० बी० दो/8—कपास नियंत्रण प्रादेश, 1955 के खण्ड 5(1) में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं एतद् द्वारा वस्त्र प्रायुक्त की प्रधिसूचना सं० 10(1)/73-74/सी० एल० बी० दो, दिनांक 19 मिनम्बर, 1974 में निम्नलिखित श्रौर संशोधन करता हूं, श्रर्थात्:—

उक्त अधिसूचना में, स्पष्टीकरण (एक) की जगह निम्न-लिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

> "ग्रौसत मासिक उपभोग की गणना उत्पादक द्वारा वस्त्र ग्रायुक्त को 31 ग्रगस्त को समाप्त होने वाले पूर्व कालीन कपास-वर्ष के लिए प्रपत्न सी० एस० टी० एच० में सूचित किए गए ग्रांकड़ों के श्राधार पर होगी।

> > टी० रामचन्द्र राव संयुक्त वस्त्र श्रायुक्त (मिनिल सं० 1(31)/81-82/कपास)

हथकरघा विकास ग्रायुक्त का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 16 सितम्बर 1982

सं० ए०-12026/1/81-प्रशासन V (क)—राष्ट्रपति, श्री ए० बी० राममूर्ति को जो कि बाणिज्य मंत्रालय (वस्त्र विभाग)

न**ई दिल्ली, हमकरमा विकास भ्रामुक्त के कार्यालय के श्रधीन** भारतीय हथकरमा प्रोद्योगिकी संस्थान, वाराणसी में निदेशक के पद पर कार्य कर रहे थे, को 31 श्रगस्त 1982 के श्रपराह्म में सरकारी सेवा से निवृत्त होने की श्रनुमति देते हैं।

> पी० गंकर ग्रपर विकास घ्रायुक्त (हथकरघा)

उद्योग मंत्रालय

श्रौद्योगिक विकास विभाग विकास श्रायुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय नई दिल्ली, विनांक 30 श्रगस्त, 1982

सं० ए०-19018(566)/81-प्रशा० (राज०)—राष्ट्र-पति, लघु उद्योग सेवा संस्थान, बम्बई के लघु उद्योग संबर्धन प्रधिकारी श्री उपेन्द्र नाथोबा शिन्दे को लघु उद्योग सेवा संस्थान, बंगलौर में 29-7-1982 (पूर्वाह्म) से, श्रगले श्रादेशों तक, सहायक निदेशक, ग्रेड-1 (चर्म/पादुका) के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 8 सितम्बर 1982

सं० 12(753)/72-प्रणासन (राज०)--भारत लेदर कारपोरेशन लिमिटेड, नई दिल्ली में प्रबन्धक (तकनीकी) के रूप में नियुक्ति के परिणामस्वरूप, लधु उद्योग मेवा संस्थान, हैदराबाद में उप निदेशक (चर्म/पादुका) श्री डी० के० सेट ने दिनांक 16 श्रगस्त, 1982 (श्रपराह्न) से श्रपने पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ए.०-19018(276)/77-प्रणा० (राज०)—राष्ट्रपति लघु उद्योग सेवा संस्थान, मुजफ्करपुर में सहायक निदेशक, ग्रेड-2 (ग्राधिक श्रन्वेषण) श्री पी० पी० श्रीवास्तव को लघु उद्योग सेवा संस्थान, पटना में दिनांक 2 श्रगस्त 1982 (पूर्वाह्म) से, श्रगले भादेशों तक, तदर्थ श्राधार (पर सहायक निदेशक, ग्रेड-I (ग्राधिक श्रन्वेषण/उत्पादन सूचकांक) के रूप में नियुक्त करते हैं।

> सी० सी० राय उपनिदेशक (प्रशा०)

इस्पात ग्रौर खान मंत्रालय (खान विभाग) भारतीय भूवैज्ञान सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 1982

सं० 4705डी/ए०-32013 (4-ड्रिलर)/78-19बी— भारतीय भूवैज्ञानिक के वरिष्ठ तकनीकी सहायक (ड्रिलिंग) श्री बटलू सिंह को ड्रिलर के पद पर भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में वेतन नियामानुसार 650-30-740-35-810-द०रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 ६० के वेतनमान में, म्थानापन्न क्षमता में, स्नागामी स्रादेण होने तक 6 ज्लाई, 1982 के पूर्वीह्म से पदोन्नति पर नियुक्त किया जा रहा है।

> एस० के० मुखर्जी महानिदेशक

भारतीय प्राणि सर्वेक्षण

कलकत्ता-12, दिनांक 15 सितम्बर, 1982

मं० फा० 9-1/82-स्थापना/24227—भारतीय प्राणि, सर्वेक्षण, मुख्यालय, कलकत्ता के निम्नलिखित वरिष्ठ प्राणि विज्ञान सहायकों को सहायक प्राणिविज्ञानी (ग्रुप-की) के पद पर 650—1200 रु० वेतन मान में 31 ग्रगस्त, 1982 (पूर्वाह्म) से अगले आदेण तक तदर्थ श्राधार पर श्रस्थायी रूप मे नियुक्त किया गया है।

- 1. श्री अमलेस मिश्र
- 2. श्री मनोमय घोष
- 3. श्री एस० के० ताल्कदार

डा० बी० के० टिकादर निदेशक भारतीय प्राणि सर्वेक्षण

सूचना ग्रीर प्रसारण मंत्रालय

फिल्म विभाग

बम्बई-26, दिनांक 15 सितम्बर, 1982

सं ० ए.०-19012/8/82-ई०-1--श्री बी० के० स्वामीनाथ्न, तेखा ग्रिधिकारी, टेलिकाम, महा प्रबंधक का कार्यालय, महाराष्ट्र मर्कल, बम्बई को, फिल्म प्रभाग, बम्बई में दिनांक 13 सित्र म्, 1982 के पूर्वाह्न से एक वर्ष की ग्रवधि के लिए प्रतिनियुक्ति के ग्रधार पर लेखा ग्रधिकारी नियुक्त किया जाता है।

एच० जी० भांडारकार सहायक प्रशासकीय ग्रधिकारी **कृते** मुख्य निर्माता

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 8 सितम्बर 1982

सं० ए० 12025/20/81-(एच० क्यू०) प्रशासन-1---स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री प्रेम नारायण चहल को स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, नई दिल्ली में 31 मई, 1982 (पूर्वाह्म) में ग्रागामी श्रादेशों नक महायक वास्तविद्य के पद पर ग्रस्थायी श्राधार पर नियुक्त किया है।

सं० ए० 12025/20/81-(एच० क्यू०)) प्रशासन-I— स्वास्थ्य मेवा महानिदेशक ने श्री फकीर चन्द सूथरा को स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, नई दिल्ली में 19 जुलाई, 1982 (पूर्वाह) से श्रागामी श्रादेशों तक सहायक वास्तुविद के पद पर श्रस्थायी श्राधार पर नियुक्त किया है।

दिनांक 13 सितम्बर 1982

सं० ए० 19019/25/80-प्रशासन-1—इराक सरकार में विदेश तियुक्ति से लौटने के पश्चात् डा० (श्रीमती) दया बी० सिंगल ने 16 जुलाई, 1982 के पूर्वाह्न से लेडी हार्डिंग मेडिकल कालेज ग्रीर श्रीमती मुचेता कृपलानी ग्रस्पताल, नई दिल्ली में दंत चिकित्सा विज्ञान के लेक्चरार के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

मं० ए० 38013/2/82-(एच० क्यू०) प्रशासन-1— राष्ट्रपति ने स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, नई दिल्ली की अनुभाग अधिकारी, श्रीमती जी० चोपड़ा को 31 जुलाई, 1982 अपराह्म से सरकारी सेवा से स्वेच्छा से निवृत होने की अनुमति दे दी है।

> क्रिलोक चन्द्र जैन उपनिदेशक प्रणासन

नई दिल्ली, दिनाक 13 सितम्बर 1982

स० ए० 19011/7/78-स्टोर-1---राष्ट्रपति ने श्री विश्व विभूति को 27 श्रास्त, 1982 पूर्वाह्न से आगामी श्रादेशों तक स्वास्थ्य सेवा महा निवेशालय, नई विल्ली में उप सहायक महा निदेशक (स्टोर) के पद पर नियुक्त किया है।

शिव दयाल उप निवेशक प्रशासन (स्टोर)

परमाणु ऊर्जा विभाग

ऋय श्रीर भड़ार निदेशालय

वम्बई-400001, दिनांक 8 सिनम्बर 1982

सं० क्रभित 12/15/80-स्थापना/19647—क्रय ग्रीर भंडार निदेशालय के निदेशक ने स्थायी भंडारी श्री वेंकटरामन् श्रीपत्त राव को तदर्थ ग्राधार पर रुपये 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000 द० रो०-40-1200 के वेतनमान में 3 मई, 1982(पूर्वाह्न)से 1 श्रगस्त, 1982(ग्रपराह्न) तक के लिये इसी निदेशालय में स्थानापन्न सहायक भंडार ग्रिधकारी ग्रौर 2 ग्रगस्त, 1982 (पूर्वाह्न) से ग्रगले ग्रादेशों तक के लिये नियमित क्षमता में सहायक भंडार ग्रिधकारी नियक्त किया है।

दिनांक 10 सिद्धान्वर 1982

सं० ऋभिन 1/23/4/82-प्रशासन/19725—परमाणु ऊर्जा विभाग के ऋय और भंडार निदेशालय के निदेशक ने सहायक ऋय अधिकारी श्री एस० जी० जेबले की छुट्टी मंजूर किये जाने पर स्थायी ऋय सहायक श्री पी० एन० सावंत की तदर्भ ग्राधार पर रुपये 650-30-740-35-810- द० रो०-35-

880-40-1000-द० रो०-40-1200 के बेतनमान में 26 जुलाई, 1982 (पूर्वाह्न) से 4 सितम्बर 1982 (श्रपराह्म) तक के लिए इसी निदेशालय में स्थानापन्न रूप में महायक कय श्रिधकारी नियुक्त किया है।

एस० कृष्णन् प्रशासन श्रधिकारी-II

बम्बई-400001, दिनांक 10 सितम्बर, 1982

सं० क्रभनि/2/1(16)/77-प्र०/खंड-II/19846--परमाणु ऊर्जा विभाग के क्रय और भंडार निदेशालय के निदेशक ने सहायक भंडार श्रिधिकारी श्री पी० के० राधाकृष्णन् की छुट्टी मंजूर किये जाने पर इस निदेशालय के स्थायी कनिष्ठ भंडारी श्रीर स्थानापन्न भंडारी श्री एम० भार० प्रकाश को तवर्थ श्राधार पर ६० 650-30-740-35-810-व० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतन मान में 5 जुलाई, 1982 (पूर्वाह्न) से 5 श्रगस्त, 1982 (ग्रपराह्न) तक के लिए इसी निदेशालय में स्थानापन्न रूप से महायक भंडार श्रिधकारी नियुक्त किया है।

बी० जी० कुलकर्णी सहायक कार्मिक ग्रधिकारी

परमाणु खनिज प्रभाग

हैदराबाद, दिनांक 16 सितम्बर 1982

सं० प० ख० प्र०-4/5/81 भर्ती—परमाणु ऊर्जा विभाग, परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्द्वारा परमाणु खनिज प्रभाग के स्थायी कनिष्ठ मकैनिक व स्थानापन्न वैज्ञानिक सहायक 'ग', श्री श्रर्जुन प्रसाद को उसी प्रभाग में 1 फरवरी, 1982 के पूर्वीह्न से श्रगले श्रादेश होने तक स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक श्रिधकारी/श्रिभियन्ता ग्रेड 'एम० बी०' नियुक्त करने हैं।

टी० डी० घाडगे वरिष्ट प्रशासन व लेखा प्रधिकारी

भारी पानी परियोजनाएं

बम्बई-400008, दिनांक 17 सितम्बर 1982

ंसं० 05012/म्रार०2/34/4095—भारी पानी परियोजनामों के, प्रधान-कार्यकारी, परमाजु खनिज प्रभाग, परमाजु कर्जा विभाग के, श्री एन० गंगाधरन नायर, स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक तथा स्थान ।पन्नसहायकु सुरक्षा श्रीकारी को श्रगस्त 21, 1982 पूर्वाह्न से श्रागे म्रादेश होने तक के लिए, भारी पानी संयंत्र (बग्रौदा) में स्थानापन्न सहायक कार्मिक ग्रिधिकारी नियुक्त करते हैं।

स्रार० सी० कोटियानकर प्रशासन स्रधिकारी

रिएक्टर धनुसंधान केन्द्र

कलपाक्कम, दिनांक 4 सितम्बर 1982

सं० म्रार० म्रार० सी०/पी० एफ०/99/71/11665—
रिएक्टर म्रनुसंधान केन्द्र, कलपाक्कम के स्थायी वैज्ञानिक सहायक
"सी" तथा म्रस्थायी वैज्ञानिक म्रधिकारी/म्रभियंता ग्रेड "एस०
बी०" श्री याक्ब बकर घेरिफ को स्वेच्छा से सेवा-निवृत
होने पर 20-5-1981 के म्रपराह्न से सरकारी सेवा से मुक्त

के० वी० मेतुमाधवन मुख्य प्रशासन तथा लेखा म्रधिकारी कृते निवेशक, रिएक्टर ग्रनुसंधान केन्द्र कलपाककम

भ्रंतरिक्ष विभाग सिविल इंजीनियरी प्रभाग

बंगलौर-560009, विनोक 31 प्रगस्त 1982

सं० 4/8/81-सि० इं० प्र० (एच०)—मुख्य श्रभियंता, सिविल इंजीनियरी प्रभाग, श्रंतरिक्ष विभाग, बंगलौर निम्न- लिखित व्यक्तियों को श्रंतिरिक्ष विभाग के सिविल इंजीनियरी प्रभाग में इंजीनियर एस० बी० के पद पर श्रस्थायी रूप में प्रत्येक के सामने दी गई तारीखों के पूर्वाह्म से श्रागामी श्रावेश तक नियुक्त करते हैं:—

कम सं०	नाम	इंजीनियर एस पद पर वि तार्र	त्यु पित की
 श्री सी० कुमारी ज श्री एस० 	ती ं वाई० सुन्दर व ल्लि	3-5-1982 17-5-1982 16-7-1982	(पूर्वाह्न) (पूर्वाह्न) (पूर्वाह्न)
		प्रशासन	स०रामवास ग्रधिकारी-! ग्रभियन्ता

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 8 सितम्बर 1982

सं० ए० 32013/10/80-ई० ए०---राष्ट्रपति ने निम्न-लिखित ग्रधिकारियों की वरिष्ठ विमान क्षेत्र ग्रधिकारी के ग्रेड में की गई तदर्थ नियुक्तियां दिनांक 14-2-1982 तक जारी रखने की स्वीकृति प्रदान की हैं:---

ऋम सं०	नाम	स्टेशन
(1)	(2)	(3)
 1. श्री एस	० महालिंगम	मद्रास
2 श्रीएग	्राप्त े के ज मेनन	मद्रास

(1) (2)	(3)	ग्रेड में नियमित नियुक्ति होने तक, इस जारी रखने की स्त्रीकृति प्रदान की	तमें से जो भी पहले हो,
3. श्री ए० सी० जान	कलकत्ता	चारा रखन वर्ग स्थापुरास अक्षान वर्ग	
 श्री म्रार० कृष्णाम् 	कुम्भी ग्राम	ऋम मं० नाम	स्टेण न
5. श्री एम ० ए० पा ल	नागपुर		د وجود کا کا که باند ند. بده که که که که اید
 श्री म्रो०पी० दींगरा 	बंगलौर	1. श्री एच० एस० ुसन्धु	. ग्रमृतसर
7. श्री एम०पी० खोमला स	हायक निदेशक (मुख्यालय) नई दिल्ली	2. श्री एच० डी० घोषा ल 3. श्री बी० एम० ग्रार० राव	. पोरबन्दर . हैदराबाद
8. श्रीके०एस०प्रसाद	कलकत्ता	4. श्री पी० के० दास	, कलकत्ता
9. श्री के०ए० एन० डी० घोष	कलकना	5. श्रीपी० के० डे	. मी० ए० टी०
10. श्रीरविसम्खा	दिल्ली	Di all lita pa v	मी० इलाहाबाय
11. श्रीसी०भार० राव	भुवनेश्वर	6. श्री गोपाल सिंह .	. दिल्ली
12. श्री ग्रार० एस० भागवन	कलकसा	7. श्री एम० ग्रार० नायडु.	. ग्रहमदाबाद
13. श्री कुन्दन लाल	ग्रौरंगाबाद	8. श्री एम० के० राय चौधरी	. सी० ए० टी०
14. श्री के०सी० मिश्रा	सी० ए० टी० सी० इलाहाबाद	9. श्री जे० भ्रार० सोनी .	सी० इलाहाबाद . विल्ली
15. श्री जी० बी०के० नायर	बम्बई	10. श्रीपी० एन० धर .	. कलकत्ता
16. श्री डी० डी० सरदाना	विल्ली -	11. श्री म्नार० डी० बाजपेयी	. पटना
17. श्री के० एन० वेंकटचलैय्या	खम्बई	12. श्रीजे०एल०कपूर .	. दिल्ली
18. श्री एस० सी० गेखरी	दिस्ली	13. श्रीं एम० जी० घोरट .	. ग्रहमदाबाद
19. श्री डी० रामानुजम	मद्रस	14. श्री प्रेम कुमार .	. कलकत्ता
20. श्री ए० टी० वरगीस	कोईम्बट्र	15. श्री एम० गोपाल .	. मद्रास
21. श्री के० बी० एस० राव	. ू हैदराबाद	16. श्रीसी० जी० पेंज .	. वम्बई
22 श्री एन० पी० गर्मा	वस्वई (लीबिया)	17. श्री वाय० एल० मोनी .	, दिल्ली
23. श्री एस० के० बनर्जी	वाराणसी	18. श्रीधर्मपाल .	. दिल्ली
24. श्री श्रार० कोइंडरामन	वि र धी	19. श्री एम० एम० भारद्वाज	. विल्ली
25. श्री के० के० सक्सेना	दिल्ली		
26. श्री ए० एम० थामस	वस्बर्ध	सं० ए० 32013/7/82-ई०-I	
27. श्री एस० ए० राम	इ∓फाल	निदेशक, विमानमार्ग ग्रौर विमानक्षे प्राप्त कर लेने पर दिनांक 31 श्रगस	
2.8. श्रीडी०सी० खर्व महायक नि	दिशक ए० ग्राई० एस० (मुख्यालय)	सरकारी सेवा मे निवृत्त हो गए हैं।	
29. श्री के० बी० के० खन्ना	भोपाल	दिनांक 15 सिर	गम्बर 1982
30. श्री डी० एन० दीवान	बम्बई	मं० ए० 31013/2/82-ई० 1- म्रार ् चन्द्रशेखर को दिनांक 6 जुलाई,	

सं० ए०-32013/3/81-ई० ए०---राध्ट्रपति ने निम्न-लिखित प्रधिकारियों की विमानक्षेत्र प्रधिकारी के ग्रेड में की गई तदर्थ नियुक्ति दिनांक 31 दिसम्बर, 1982 तक अथवा

पी० गानन विभाग में निवेशक अनुसंधान और विकास के ग्रेड में स्थायी रूप से नियुक्त किया है।

> सुधाकर गुप्ता उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 8 सितम्बर 1982

स॰ ए॰ 32013/5/81-६० सी॰—-राष्ट्रपति ने निम्नलिखित सहाय़क सचार प्रधिकारियों को उनके द्वारा उच्चतर पद का कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से तदर्थ ग्राधार पर संजार ग्रिधकारी के ग्रेड में नियुक्त किया है भौर उन्हें उनके नाम के सामने दिए गए स्टेंगन पर तैनात किया है ——

क्रम सं०	नाम	M-8	वर्तमान तैनाती स्टेशन	तैनाती स्टेशन		ग्रह ण करने रीख
1. श्री एस०	<u> शंकरनारायणन</u>		. वै० सं० स्टेशन बंगलौर	वै० सं० स्टेशन मद्रास	8-4-1982	(पूर्वाह्म)
2. श्रीमीं० 🏾	। र० नारायणन	. •	वै० सं० स ्टे शन वदोद रा	वै० सं० स्टेशन मद्रास	29-5-1982	(पूर्वाह्म)
3. श्रीजै० ज	र्जि	•	. पै० मं० स्टेणन गोहा टी	षै० मं० <i>स्टेशन</i> गोहाटी	20-3-1982	(पूर्विह्न)

दिनांक 9 सितम्बर 1982

सं० ए० 32013/5/81-ई० सी०—राष्ट्रपति ने वैमानिक संचार स्टेशन, ग्वालियर के श्री एम० एस० सम्बदेब, सहायक संचार ग्रिधकारी को दिनांक 2-6-1982 (पूर्वाह्न) से संचार ग्रिधकारी के ग्रेड में तदर्थ ग्राधार पर नियुक्त किया है ग्रीर उन्हें वैमानिक संचार स्टेशन विल्ली में तनात किया है।

दिनांक 14 सितम्बर 1982

सं० ए० 38013/1/82-ई० सी०—नागर विमानन विभाग के वैमानिक संचार संगठन के निम्निलिखित तीन अधि-कारियों ने निवर्तन श्रायु प्राप्त कर लेने के फलस्वरूप प्रस्येक के नाम के मामने दिए गए स्टेशन से सरकारी सेवा से निवृत

होने	पर	दिनांक	30-6-1982	(श्रपराह्न)	मे	भ्रपने
पद क	न कार	र्यभार त्याग	ादिया हैः—			

क्रम सं० नाम श्रीर पदनाम	तैनाती स्टेशन	
1. श्री वी० कृष्णामूर्ति तकनीकी		
श्रधिकारी	वै० सं० स्टेशन, मद्रास	
2. श्री एच० एस० श्रीवास्तव,		
वै० मंचार ग्रधिकारी	वै० सं० स्टेशन, विल्ली	
 श्री भ्रार० एचे० सुद्रमण्यम, वै० सं० म्रधिकारी 		
वर्गाधकारा	वै० सं० स्टेशन, बम्बई	

दिनांक 17 सितम्बर 1982

सं० ए० 32013/2/82-ई० सी०—राष्ट्रपति ने निम्नलिखित चार श्रधिकारियों को प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख से छ: मास की श्रविध के लिए सहायक निदेशक संचार के ग्रेड में तदर्थ झाधार पर नियुक्त किया है श्रौर महानिदेशक नागर विमानन (मुख्यालय) में तैनात किया है:—

फ्रम सं०	नाम श्रौर पदनाम	Γ	वर्तमान तैनासी स्टेशन	कार्यभार ग्रहण की तारीख	ग करने
1.	श्री ए० जी० नर्रासम्हा, वरिष्ठ तकनीकी श्रविकारी		. महानिदेशक नागर विमानन (मुख्यालय)	6-5-1982	(पूर्वाह्म)
2.	श्री राकेश कुमार, वरिष्ठ तकनीकी ग्रधिकारी		. रेडियो निर्माण भौर विकास एकक, नई दिल्ली	21-6-1982	(पूर्वाह्न)
3.	श्री ग्रहण तलवार, वरिष्ठ संचार ग्रधिकारी		. महानिदेशक नागर विमानन (मुख्यालय)	5-5-1982	(पूर्वाह्म)
4.	श्री श्रार० सी० चितकारा, वरिष्ठ संचार श्रधिकारी		. महानिदेशक नागर विमानन (मुख्यालय)	5-5-1982	(पूर्वाह्म)

प्रेम चन्द सहायक निदेशक प्रशासन

विधि, न्याय भ्रौर कम्पनी कार्य मंत्रालय (कम्पनी कार्य विभाग) कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय ''कम्पनी ग्रिधिनियम 1956 ग्रींग गोम,न्तक फटिलाईज्यस एण्ड मिनरल्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में''

गोवा, दिनाँक 13 सितम्बर 1982

मं० 203/जी०/3051—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुमरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के श्रवसान पर गोमान्तक फर्टीलायजरस एण्ड मिनरल्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम, इसके प्रतिकूल कारण दिशात न किया गया तो रिजस्ट्रर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटिन कर दी जाएगी।

कम्पनी श्रधिनियम 1956 श्रौर पनजी होटल्म लिमिटेड के विषय में

पणजी, दिनाक 17 सितम्बर 1982

मं० 201/जी०/3080—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि पनजी होटल्स लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है ग्रीर उक्त कंपनी विघटित हो गई है।

एम० एल० गणबिर कंपनियों का रजिस्ट्रार गोम्रा, दमण और दीव

कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 ग्रीर मौर्या केंब्रुल कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

पटना, दिनांक 15 सितम्बर 1982

सं० (1292) 560/5/81-82/3917—कम्पनी ग्रिधि-नियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के ग्रनुसार एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के ग्रवसान पर मौर्या केबुल कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृल कारण दिशित न किया गया तो रेजिस्ट्रर से काट दिया जाएगा ग्रौर उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी; । कम्पनी अधिनियम, 1956 और तिरहुत फुट्स एण्ड एमो व्लब्हित ब्राइबेट निमिटेड के विषय में'' पटना, दिनांक 15 मितम्बर 1982

मं० (937) 560/6/80-81/3920—कम्पनी अधि-नियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसार एनव्द्वारा यह सूचना दी जानी है कि इम तारीख से तीन मास के अवसान पर तिरहुत फुटस एण्ड एग्रो इन्डस्ट्रीज प्राइवेट निर्मिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और अनुकूल कारण दिश्ति न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

> ए० बहाब श्रनसारी कम्पनी रजिस्ट्रार, विहार पटना

"कम्पनी श्रधिनियम 1956 श्रौर प्रीतम एस्टेंट प्राइवेट लिमिटेड के विषय में"

जालन्धर, दिनांक 16 मितम्बर 1982

मं० जी०/स्टेट/560/15231—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एनदद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख में तीन मास के अवसान पर प्रीतम एस्टेट प्राइवेट लिमिटेड का नाम, इसके प्रतिकृल कारण दिंगत न किया गया तो रिजस्टर में काट दिया जाएगा श्रीर उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

"कम्पनी ग्रिधिनियम 1956 ग्रीर खज्जर फाईनेन्स एण्ड चिट फन्ड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में" जालन्धर, दिनांक 16 सितम्बर 1982

सं० जी०/स्टेट/560/15233—कम्पनी अधिनियम,
1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में
एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास
के अवसान पर खज्जर फाईनेन्स एण्ड चिट फन्ड कम्पनी
प्राइवेट लिमिटेड का नाम, इसके प्रतिकूल कारण दिशत न
किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी
विषटिस कर दी जायेगी।

बी० ए**म० जैन** कम्पनी रजिस्<mark>द्रार</mark> पंजाब, हिमाचल प्रदेश एवं चण्डीगढ़

श्रायकर भ्रायुक्त का कार्यालय, कोचिन-682016, दिनांक 24 श्रगस्त 1982 भादेश

वित्रय:—संस्थापना—श्रायकर श्रधिकारी—श्रेणी 'बी' पदोन्नति श्रौर नियुक्तियों का श्रादेश जारी करना— सं० 2/एस्ट/कोण/82-83—निम्नलिखित पदोन्नति श्रौर नियुक्तियों का श्रादेश एनद्द्वारा दिया जाता है — पदोन्नतियां

श्री पी० एम० वर्गीस, श्रायकर निरीक्षक, सहायक निरीक्षक ग्रायकर भायुक्स (ग्रर्जन) कार्मालय. एरणाकुलम, उनके कार्य-भार लेने की तारीख से श्रीर श्रागामी श्रादेशों तक क० 650-30-740-35-810- ई० बी०-35-880-40-1000--ई० बी०-40-1200 के बेतनमान में श्रायकर श्रीधकारी, श्रेणी--"बी०", के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए एतद्दारा नियुक्त किया जाता है। 2--276 GI/82 वे दो वर्ष के भ्रवधि तक परिवीक्षा पर होंगे। उपयुक्त पदों की नियुक्ति बिलकुल भ्रस्थायी श्रौर सामयिक है, ओ किसी सूचना के बिना समाप्त करने लायक है। स्थानान्तरण श्रौर नियुक्तियां

क्रम सं०	नाम		. -	से	पर	ग्रभ्युक्तियां
1. 체 리 ං	जोण जोर्ज		-	श्रायकर श्रधिकारी (ए० ए०), श्रायकर ग्रायुक्त का कार्यालय, कोचिन ।	श्रायकर ग्राधिकारी (टी०), भायकर ग्रायुक्त का कार्यालय, कोचिन ।	खाली पद
2. श्री पी० ए	म० वर्गीस	٠	•	श्रायकर निरीक्षक (श्राय- कर श्रधिकारी, श्रेणी- 'बी' के रूप में पदोन्नति पर)। मि	श्रायकर श्रधिकारी (ए० ए०) श्रायकर श्रायुक्त काकार्यालय,कोचिन।	स्थानान्तरण किए गएश्रीटी० जोण जोर्ज के स्थान पर।

टी० **ए० बालकृष्णन्** श्रायकर श्रायुक्त, कोचिन प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, 2 नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 28 अगस्त 1982

निर्देश सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०-भ्रार०-2/ 1-82/6515--भ्रतः मुझे, नरेन्द्र सिह,

आयकर अधिनियम, 1961 1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन स्थम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति,, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० 13 ब्लाक-जे०10, है, तथा जो राजोरी गार्डन, नई दिल्ली में स्थित है (श्रांर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची मे पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जनवरी, 1982

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दृष्यमान प्रति-फल के निए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करन का कारण है कि यथ पूर्वोक्त सम्पत्ति का छचित बाजार सूस्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरण के (मन्तरको) और अन्तरिती (भन्तरित हो) के बाब में अन्तरण के निए तय रामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्तरण जिल्लित में वा विक रूप सक्षित नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबता, उक्त अधिनियम् के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बुधने में सुविधा के सिए; और/मा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- (1) मैं ० सुभाष चन्दर कथूरिया एच० यु० एफ०, एण्ड मैं ० रमेश चन्दर कथूरिया एण्ड सन्स एच० यु० एफ०) ए०-47 किर्ती नगर, नई दिल्ली । (अन्तरक)
- (2) श्री शीतल कुमार भण्डारी सुपुत्र श्री करम चन्द भण्डारी । निवासी—8-देश बन्धु गुप्ता मार्केट नहैं दिल्ली । (भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृश्वित सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति तुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्दोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मृत्यी

प्लाट सं० 13, ब्लाक नं० जे० 10 राजोरी गार्डुन, भूमि का माप—272 वर्गगज, एरिया-ततारपुर, ग्राम दिल्ली प्रशासन विल्ली ।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, 2 विल्ली नई दिल्ली-110002

विनांक: 28-8-1982

मधिक है

प्ररूप साईं∙टी०एन०एस•----

श्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घार। 269-व (1) के भ्राचीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर भायुक्त, (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज ।।, नई बिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 28 ग्रगस्त 1982

निदेश सं० धाई० ए० सी० /एक्यू०/—/एस० धार०-।/
1-82/6602—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,
प्रायकर प्रधिनियन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्प ध्रिधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-खं के
प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति जिसका उचित्र बाजार मूल्य 25,000/- ६० ग

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम टिकरी कलां, दिल्ली में स्थित है ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक जनवरी, 1982

को गुर्दोक्त सम्परित के उचित बाजार मृल्य से कम् के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोकत सम्पत्ति का उचित्र बाजार मूल्य. उसक दृश्यमान प्रतिकत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिकल निम्नितियों उद्देश्य से उनन अन्तरण लिखित में वास्तविक क्ये से कियन नहीं किया गया है:—

- (क) परनरण संद्रुई किसी आय की बाबत उक्त ग्रक्ति-नियम के प्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायिस्थ में कमी करने या उसने बचने में मुक्किश के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसो श्राय या किसी धन या प्रनय प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रिव्रित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रिव्रित्यम, या घन कर प्रिव्रित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना काहिए था, कियाने में सुविद्यों के लिए;

वतः धन, न्नन प्रधिनियम को धारा 269-ग क प्रमुसरण में, में, प्रक्त प्रधिनियम को गया 269-क को उपधारा (1) प्रधीन निम्नविस्तित व्यक्तिया, अर्थात् :--- (1) श्री जय रतन सुपुत्र श्री सिया राम निवासी ग्राम--टिकरी कलां, दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री मनूप सिंह सुपुन्न श्री सरूप सिंह, निवासी-1859, जोर बाग, ज़िनगर, दिल्ली । (भ्रन्तरिती)

को य**ु सूचना जारी** करके पूर्वीक्त सम्पति के <mark>धर्जन</mark> के लि<mark>ए कार्यवाहियां कर</mark>ता हूं।

उनन सम्यति के अर्जन के मम्बन्ध में कोई भी ब्राह्मप :---

- (क) इस पूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख मे 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील मे 30 दिन की अवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजरत में प्रकाणन की नारीब य 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्नाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वज्होकरण: ---इसमें प्रयुक्त अन्दों भीर पदों का, जो उक्त मितियम के श्रद्धाय 20-क में परिभाषित है, बही भयं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि माप ० बीघा ग्रीर 13 जिस्के, ग्राम-टिकरी मंलां, दिल्ली में स्थित है ।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, 2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 28-8-82

प्रकार पाई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व(1) के भ्रष्टीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहारक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज -।।, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनाक 28 अगस्त 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०-।।/एस० π ार० Π /1-82/6558--श्रत मुझे, नरेन्द्र सिंह,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सभम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उधित बाजार मून्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है

श्रोर जिसकी स० प्लाट स० जी०-140 ग्राम-तिहार, दिल्ली में स्थित है (श्रोर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक जनवरी, 1982

को पृत्वा वित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐमे अन्तरण के लिए, तयपाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तिक क्ष्य से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त प्रश्चितियम के प्रद्योत कर देने के प्रस्तरक के दायिस्य में करने या उससे बचने में सुविधा के लिए घोर/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य बास्तियों की, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1-922 का 11) या उक्त भिन्नियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए।

अतः, बब, उक्त अधिनियम, की धारा की 269-गके मनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निस्तिखित व्यक्तियों, धवींट :---

- (1) श्रीमती राम कौर पत्नी श्री मुन्दर सिंह पुरी निवासी—ए०--210, डिफैन्स कालोनी, नई दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री देविन्दर सिंह सुपुत्र श्री पृथ्वी सिंह निवासी—सी० 5 ए०/78,जनकपुरी, नई दिल्ली। (ग्रन्सरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के सर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के धर्मन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजात में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविधि, जो भी प्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राज्यत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताकारी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पहों का, जो सक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिधादित हैं, वही अर्थ होना, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

वन्स्वी

प्लाट सं० जी० -140, माप 200 वर्ग गज, जी०-ब्लाक हरि नगर, नई दिल्ली ग्राम तिहार के क्षेत्र में !

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 28-8-82

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज ।।, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 28 श्रगस्त 1982

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०/।।/एस० म्रार०-।।/ 1-82/6570---ग्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रू. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० प्लाट मं०-142 है तथा जो ग्राम मौजा तिहार, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इमसे उपावद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनाक जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) कुन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिनें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिये था छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अब, उकत अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उकत अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः— (1) श्रीमती ग्रमर कौर पत्नी श्री गुरुवचन सिंह सेठी निवासी—-114-ए, बजीरबाग, श्रीनगर, जम्मू ग्रौर कश्मीर ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती मनमोहन कौर पत्नी श्री दर्शन सिंह निवासी—2894, राम बाजार, मोरीगेट, दिल्ली । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संस्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के वर्जन संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाबन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्ष्री के पास सिविस में किए जा सकरेंगे।

स्पस्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शुक्यों और पदों का, जो अक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वृही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया ग्या हैं!

अनुसूची

प्लाट सं०-140 खसरा सं०-540 माप 210 वर्ग गज, ग्राम# तिहार में मकान सं० डब्ल्यू० जेड़-903 (न्यू०) 643—ए० (ग्रोल्ड), शिव नगर एक्सटेंशन जय रोड़, नई दिल्ली।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंजआ दिल्ली, नई दिल्ली–110002

दिनांक : 28-8-82

प्रकप नाइं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जेस रेंज-॥, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 28 धगस्त 1982

निर्वेश सं० माई० ए० सी०/एक्यू०-11/एस० भार०-11/ 1-82/6604---ग्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-दिकरी कलां, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से व्यणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्नालुक्ति उद्देश्य से उक्त अंतरण लिक्ति में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मं, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अधीत '---

- (1) श्री जय रतन सुपुत्र श्री सिया राम, निवासी टिकरी कला, दिल्ली । (श्रन्तरक)
- (2) श्री सत्य प्रकाश, श्री इन्दर, श्री मनोज कुमार सुपुत्र श्री रामेश्वर दयाल, निवासी-2385/213, त्रिनगर, दिल्ली-33, सुनील कुमार सुपुत्र श्री जगदीश चन्द्र, 175 ई०/2, मुरादाबाद, श्रीमती वर्षा शुक्ला पत्नी श्री हरगोविन्द निवासी-57, बाली नगर, दिल्ली ।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाध्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति प्रारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा भ्रष्टोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंबे।

स्पन्तीकरण :---इसमें प्रयुक्त शन्तों भौर पदों का, जो अक्त स्विन नियम के सहयाय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अह्याय में दिया गया है।

नन्स्थी

कृषि भूमि, कुल माप 4 बीघा श्रौर 12 बिस्वे, ग्राम-टिकरी कलां, नई दिल्ली में स्थित हैं।

> नरेन्द्र सिह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर **ग्रायुक्त** (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-।। दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनाक 28~8−82

प्ररूप आइ⁴. ठी. एन एस ------

आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-।।, नई दिल्ली

नई दिल्ला, दिनांग 28 धगरन । 1982

निर्वेश सं० ग्राई० ए० सो०/एक्यू०-।।/एस० भ्रा२०-।।/ 1-82/6605---भ्रत मुझे, नरेन्द्र सिह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25.060/- रु. से अधिक है

और जिसकी स० कृषि भूमि है था जो ग्राम टिकरी कला, दिल्लो में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारों के कार्यालय, नई दिल्ली में भारताय रजिस्ट्रांकरण श्रिशिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक जनवरों, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिएत य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, उक्त जिभिनियम के अधीन कर दोने के जन्तर्रक के दायित्व में कमी करने या उसमे क्वने में सृविधा के लिए; और/या _
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्राः सूरज सभ सुपुत आ बद्गावर, निकासो - टिकरी क्ला, दिल्ली । (अन्तरक)

(2) श्री सूरक भान सुपुत्र श्री क्रिक्वेण्यर दशाल, 2739, त्या बास श्रीर श्रमीरचन्द सुपुत्र श्री तेलू राम, 197-सी०, पूराचा गुप्ता, कालोनी, श्रामती किणन देवा पत्नी श्री विजय कुमार, कुंचा शालीग्राम, सुद्रशंन, नियासी - बी-40, श्रशोक विहार, दिल्ली । (श्रन्तरिनी)

को यह सूचना जारी कारके पृत्रों क्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हु।

उस्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की टारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवाकित सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोह स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धिकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि कुल माप 4 बोधा श्रौर 12 विस्वे, ग्राम-टिशरी कलां, दिल्ली में स्थित हैं।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जनरेज-॥ दिल्ला, नई दिल्ली--110002

दिना ह : 28-8-82

प्रूप आहूं. टी. एन. एस ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्ष्ण) ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ला, दिनाक 28 ग्रगस्त 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० मी० /एक्यू०/2/एस०-श्रार०-2 1-82/6695-- ग्रान: मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसका सं० भूमि है तथा जो ग्राम नागल।साकावताः दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप में विजित है), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारताय रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जनवरी 1982

को पूर्वों कत सम्पत्ति के उच्ति बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने जा कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित्त बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीक्ष ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए: और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन था अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती देवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अत:, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निस्थित व्यक्तियों, अर्थात—
3—276 GI/82

(1) श्रा जगन नाथ सुबुत श्री साधु राम, निवासा--- इन्त्यू०-जेड-- 423 शिव गगर, नई दिल्ले।

(अन्त'रक)

(2) श्रीमता पूनम मनहोता पत्नी श्री एम० पा० मल्होत्रा नियामा—बा० एफ०-25, टैगोर गार्ड , नई दिल्ली ।

(द्रान्तिंग्नी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इसारा;
- (थ) इस स्वना के राजपत्र के प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याद 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

भूमि तादादो 20 बिघे 14 बिग्ने, (1/5 भाग हिस्से) म्बन्या न० 27/7/2, 14, 17, 254, 25/2, 27, 29/4, ग्राम-नागर्नामाकावना, दिल्ले। ।

नरेन्द्र सिंह सक्षम **प्रा**धिका**री** सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरक्षण) स्रर्जन रे**ज-**8 दल्ला, नई दिल्ला—110002

दिनाक : 28 -8 - 82

प्रकप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2,नई दिल्ला

नई दिल्ला, दिलां ह 28 श्रगस्त 1982

निर्देण स० श्राई० ए० मी०/एक्यू०/2/एस०~श्रार०-2/ 1-32/6636---ग्राः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

कारान्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-त्व के अनीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य

श्रीत जिसके सं के कृषि भूमि है सथा जो ग्राम-राषोपुर, दिल्ली में स्थित है है (ग्रीट इक्टें अ बद्ध श्रनुभूची में पूर्ण रूप से बणित है), र्िक्ट्रा जी प्रश्चित राजे वार्यालय, नई दिल्ला में भारत य कि स्टूर क्या पश्चितियम, 1908 (1908 का 16) के श्रवीत दि ते जिस्स, 1982

को प्वीवत सम्पत्ति के रचित बाजार मूल्य से कम के एरयमान प्रीत्याल को लिए अल्लिग्ति की गई है और मूक्ते यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापवीकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एोमे एर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्मित्वित उददाव्य मे व्यक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक एप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधितियम को अधीन कर दोने के अन्तरक को बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा को लिए, और/या
- (स) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिश्चित व्यक्तियां, अर्थात् :--- (1) मैं ० स्कन्दा फार्मस, ग्राम-राघोपुर, तहसील-महरौली नई दिल्ला।

(সন্বেশ 🖅

(2) पं० र.म किशन गावर सुपुत्र पं० जानका प्रसाद, निवासाः—~609 वार्ड सं० 3, महर्गला, दिल्ला । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवाँक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पर्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- क्ष्य किशी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे अयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वमुसुची

कृषि भूमि तादादो 17 बिघे 7 बिघ्वे, ग्राम -राघोपुर, तहसील-महरोली, नई दिल्ली, किला मं० 22/9(2-15), 22/12(5-0), 22/8(4-16), 22/13(4-16),

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारो, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) म्प्रजैन रेंज-II धिल्ली, नई दिल्ल(--110002

दिनांक :28-8-1982

प्ररूप० माई० टी० एन० एस०---

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन जूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 28 ग्रगस्त 1982

निर्देश सं० भ्राई० ए० सी० एक्यू०/-2/एस०-भार०-2/1-82/6732--- अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,0(∞)/- रुक्त से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम घेवरा, दिल्ली में स्थित है और जिमकी सं० (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई **दिल्ली** में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियग, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति क उचित बाजार मूल्य में कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है घौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का ष्ठिश्वत बाजार मुख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इक्ष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रांतशत से ब्रधिक है घीर अन्तरक (अन्तरकों) ग्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच हेसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित जहेंग्य से उमत अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित **महीं** किया यया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ[‡] किसी जाय की बाबत उक्त **वाँध**-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिल्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- 💌) एोसी किसी अगय या किसी धन या अन्य अगस्तियों को, जिन्ही भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त, अधिनियम या भन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269- व की उपधारा (1) 📦 अभीन, निम्नीनिवित व्यक्तियों, अर्थाव् ः---

- (1) श्री सुरिन्दर कुमार सुपुत्र श्री बिहारी लाल, निवासी-21/24, बेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली । (भ्रन्तरक)
- (2) कु० गनी श्रीवास्तव पुत्री श्री ए० बी० लाल, निवासी---जनपथ, नई दिल्ली । (भ्रन्सरिती)

को पर्युक्ता वारी करके पूर्वातः सन्पति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शर करता है।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में बोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिया पर भूवनः को तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सर्पात्त म हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरां के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पष्टोकरणः – इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वहीं वर्ष होना, जो उस वध्याय में ब्रिया गया है।

जमीन, माप 6 बीघा श्रौर 18 बिस्वे, ग्राम-घेवरा,नई दिल्ली में स्थित है।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 28-8-82

मोहुरु:

प्ररूप आई+ टी- एन- एस-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 268-व (1) के सधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 28 श्रगस्त 1982

निर्देण सं० ष्राई० ए० सी० /एक्यू०/2/एस०-प्रार०-2/
1-82/6694—प्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,
प्रायक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इमर्में इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा
269-ख के अधीन सक्षम पाधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर मम्पिस, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/• रुपमें में प्रजिक है थौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम हस्तमाल, बिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनांक जनवरी, 1982

को पूर्वो कत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रित्फल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पन्नस प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अम्तरण से हुई किसी जाय की नाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे जचने में सविधा के लिये; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जिस्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मा स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

- (1) श्री एम० के० त्यागी सुपुत्र श्री श्रो० एस० निवासी--उत्तम नगर, नई दिल्ली । (श्रन्तरक)
- (2) श्री दर्शन सिंह, कुलदीप सिंह श्रीर श्रमरजीत सिंह सुपुत श्री रतन मिह, निवासी—-ग्राम-नवादा, दिल्ली । (श्रन्तरिती)

को यह गुनना बारा करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अजन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उन्त पम्यति के पर्वत के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इप सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील में 30 दिन की प्रविध, जी भी ध्विध बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (ख) इस सुचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रशंहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

साबदीकरण:-इसमें त्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भिर्मियम के भश्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस श्रष्टयाय में बिमा गया है।

अनुसूची

भूमि नादादी । बिद्या और । बिद्या, स्थापित-ग्राम-हस्तमाल, दिल्ली ।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-110002

तारीख : 28+8-82

प्ररूप आर्ड टी एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 28 श्रगस्त 1982

निर्वेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०-2/एस० श्रार०-2/1-82/6714--श्रत मुझे, नरेन्द्र सिंह,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुं), की भारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. सं अधिक हुं

श्रौर जिसकी स० हिप भूमि है तथा जा ग्राम डिचौन कला, दिल्ली म स्थित है (ग्रौर इपसे उपायक्ष श्रनुसूची मे पूर्ण रूप स विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनाक जनवरी, 1982

को पूर्वीक्त सपित के उचित बाजार मुख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपित का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अध्यक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई िकसी बाय की बाबत उक्त बिध-नियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौद्ध/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सृविधा के लिए;

नतः सन, उन्त निधनियम की भारा 269-ग के जनुसरण में, में, उन्त निधनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, स्थात् :---

- (1) श्री सुरेन्द्रर सुपुत्र श्री राम नारायण द्वारा उनके जनरल श्रिसस्टेण्ट राम नारायण निवासी—ग्राम डाबरी, नई दिल्ली (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती सीता बाई पत्नी श्री शिव दयाल, निवासी—ई०-336, ग्रेटर कैलाण, पार्ट-I, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप.--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्याक्त यो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा,
- (हा) इस सूचना को राजपत्र मो प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपरित मो हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मो किए जा सकांगे।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदी का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

समस ची

1/8 हिस्सा कृषि भूमि, कुल माप, 75 बीचा और 18 बिस्वे, ग्राम-डिपौन कला, दिल्ली में स्थित है।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनाक : 28-8-82

प्ररूप ग्राई० दी० एन० एस∙→-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 28 अगस्त 1982

निर्वेश सं० श्राई० ए० सी० /एन्यू० 2-एस० श्रार०-2 1-82/6713---श्रतः मुझें, नरेन्द्र सिंह,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रू. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम डिचौन, कलाँ, दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबड़ श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्परित के उणित बाजार मूख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फन निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से किथित नहीं किया प्रा है:--

- (क) ध्रम्तरण से हुई किकी धाय की बाबत, उक्त प्रश्निनयम के प्रधीन कर देने के प्रम्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और√या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपान में सुविधा के लिए।

ग्रतः प्रव, उक्त श्रिप्तियम की भारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त श्रिप्तियम की श्रारा 269-व की उपधारा (1) श्रिष्ठीन निम्नलिखित व्यक्तियों ग्रयति :---

- (1) श्री राज करण मुपुत्र श्री राम नारायण द्वारा राम नारायण प्रसिस्टेण्ट, निवासी---ग्राम डाबरी, नई दिल्ली (भ्रन्तरक)
- (2) श्री णिव दयाल सुपुत्र श्री घातमा राम निवासी—ई०-336, ग्रेटर केलाश, पार्ट-।, नई दिल्ली ।

को यह सूचना जारी कारके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खसे 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति दवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पर्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकेंगे।

स्पर्धिकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

भूमि का 1/8 हिस्सा, कुल माप 75 बीघा धौर 18 बिस्वे, ग्राम डिजौन कलां, नई दिल्ली में स्थित है।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) शर्जन रेंज 2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 28-8-82

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IJ नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 28 ग्रगस्त 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-11/एस०-म्रार०-11/1-82/6656--अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम बस्तावर पुर, हिस्ली में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ग रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रित्मल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्से यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिनें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिये था छिपाने में स्विधा के लिए;

(1) धा सरल को० घोपरेटिव एस्टेट लिमिटेड बख्तावरपुर, दिल्ली, द्वारा इसके अध्यक्ष श्री कुलदीप राग्र ।

(घन्तरक)

(2) श्रीमती शाण गुप्ता पत्नीः श्री विनोध कुमार श्रीर श्रीमती सीता सिघल पत्नी श्री परमानग्द, दोनों का निवास-सी०-105, श्रमोक विद्यार, फेस-1, दिल्लीः।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की क्षारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की क्षामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पध्दीकरण: -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वगुसूची

भूमि माप 6 विघा और 12 1/2 विस्वे, ग्राम—विस्तावरपुर, दिल्ली में स्थित है।

नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

दिनांक : 28-8-82

प्ररूप जाई. टौ. एन. एम.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 28 ग्रगस्त 1982

निर्देण मं० श्राई० ए० सी०/एक्यू० ७/एम० श्रार० 11/1~ 82/6655--श्रनः मझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके एक्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम बख्तावरपुर, दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनाक जनवरी, 1982

को प्वांकित सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रितिफ ल के लिए अन्तरित की गईं है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंकित सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ए'से दश्यमान प्रतिफल का प्रेवह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हर्र्ड किसी आय की बाब्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-अर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के निए;

श्रतः अब, उपत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन., निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) दा रूरल कोम्रोपरेटिव इंडस्ट्रीज ऐस्टेट लिमिटेड बक्तावरपुर, दिल्ली द्वारा इसके म्रध्यक्षश्री कुलदीप राज ।

(ग्रन्तरक)

(2) लक्ष्मी नारायण मुपुत्त श्री रतीराम अग्रवाल, निवासी, जे-138, अणोक विहार, फेस-1, दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोंक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हु।

उक्स संपरित के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियाँ में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीध से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्तित व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकीगे।

स्पष्टीकरणः - इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

भूमि माप 9 बीघा श्रौर 12/1/2 बिस्वे, ग्राम-बज्नावर-पुर, दिल्ली में स्थित है।

नरेन्द्र सिंह, सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक . 28-8-1982 मोहर: प्ररूप बाई० टी० एन० एस०----

ग्रापकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-घ (1) के ग्रधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरोक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 28 ग्रगस्त 1982

श्रौर जिसकी मं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम बख्तावरपुर, दिल्ली में िष्यत है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रतुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), राजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय राजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के निवन आजार सूद्य से कथ के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाप करने का आरण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार सूह्य, उसके एएयलान प्रतिकत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकन निम्नतिज्ञित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) यन्तरण से हुई किसी आप को बाबत, उबत ग्रीध-नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायिस्व में कमा करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों तो जिन्हें भारतीय द्याय-कर प्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या भूत-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) ते प्रयोजनाये प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, छिपाने में गुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों अधीत :——
4—276 GI/82

(1) दा करल कोबोपरेटिय उंडण्डीयल एस्टेट, लिमिटेड बखताबरपुर, दिल्की द्वारा इसके श्रध्यक्ष श्री कुलदीप राज ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री श्याम लाल चुपुत्र श्री लक्ष्मी नारायण, निवासी, जे०-138, ग्रणोक विद्यार, फेस-1, दिल्ली । (श्रन्तरिती)

को प्रद्रसूचना जारी करके पूर्वतः गण्यति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है ।

अन्त सम्यन्ति के अर्था के प्रस्थाय में कोई भी आलोग ।---

- (ज) इय ग्वाम के राजणा में प्रकायन की तारीख से 45 किया में अविधि भावत्त्वक्षी व्यक्तियों पर सूचना की नामील के 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि साक में स्थल की ना के भी र पूर्वीक्त व्यक्तियों सात कि भी का का से स्थल का सामील
- (ख) इस सूचना के एजपत में अकाशन की तारीख से 45 दिन हे भीतर उन्त भरावर सम्बद्धि में हितबद्ध किसी अन्य क्यंत्रित होता प्रयोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का साहित

स्परदोकरण:--इममें प्रयुक्त शब्दी चीर की हा, जा उक्त अधि-नियम; के अध्याय 20-क म परिभाषित हैं; वहीं सर्थ होगा, जो उप अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि माप, 9 नीघा और 12/4/2 तिस्वे, ग्राम बख्तावरपुर, दिल्ली में स्थित है।

नरेन्द्र सिंह, सक्षम प्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 28-8-1982

मोह्रः :

प्ररूप आई. टी. एन एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर धायकत (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज 2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 28 भ्रगस्त 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/11/एस० श्रार० 11/1-82/6657—श्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम बख्तावरपुर, विल्ली में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ना ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक जनवरी, 1982।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, ऐसे ध्रयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अपिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (a) अन्सरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें वचने में मृणिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनत्तर अधिनियम, या धनत्तर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवध के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग क अनुसरण में ये उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की रणधारा (1) क्षेत्रभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) दा रूरल कोग्रोपरेटिव इंडस्ट्रीयल ऐस्टेट लिमिटेड, बख्तावरपुर, दिल्ली द्वारा इसके श्रध्यक्ष श्री कुलदीप राज।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री भ्रनिल कुमार ग्रौर सुधीर कुमार सुपृत्न श्री सोहन लाल, निवासी, 21/बी० डी० ऐस्टेट, दिल्ली (अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पर्क्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पक्कीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि माप, 6 बीघा और 16/1/2 बिस्वे, ग्राम बख्तावरपुर, दिल्ली में स्थित है।

नरेन्द्र सिंह, सक्षम अधिकारी महायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली—110002

दिनांक: 28-8-1982

प्ररूप आर्द्<u>द</u>ि. एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनाक 28 श्चगस्त 1982

निर्देश मं० श्राई० ए० मी०/एक्यू०/2/एम० श्रार०-2/1-82/6731—स्रत मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयंकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्यात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269—ख के प्रधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजिन बाबार मूल्य 25,000' रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी स० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम घेवरा, दिल्ली मे स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण च्य से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनाक जनवरी, 1982।

को पूर्वनित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और स्फेयर निर्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वाक्त सम्पत्ति का जिन बाजार मूल्य उनके दृष्ट्यमा । प्रतिफल से, ऐसे दृष्टणमार प्रतिकृत का पन्द्रह प्रतिगत स प्रधिक है और श्रन्तरक (धन्तरको) श्रीर धन्तरिल (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय । । या गा स्तिफल निम्नांत्रीखन उद्देश्य से अन्त अन्तरण लिखन में वास्तरिक कर से किश्वत नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी ग्राय की बातन है अधिनियम के अधीन कर है है प्राप्तरण के बायर में कमी करने या उसस बचन म सुविधा के सिए। और/या
- (ख) ऐसी कि ते श्राय ा किसी धन या अन्य श्रास्तियां को, जिन्हें भारतीय श्रायकर भिविनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिविनियम, या धन-कर भिविनियम, 1957 (1957 वा 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए के अन्यरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :~-

(1) श्री मुरिन्द्र कुमार मुपुत्र श्री बिहारी लाल, निवासी 21/24 बेस्ट पटेल नगर, दिल्ली

(भ्रन्तरक)

(2) श्री चिरागुद्दीन कुरेशी सुपुत्र श्री एच० इसला-मुद्दीन, निवासी कुरेश नगर, दिल्ली

(श्रन्तरिती)

का यह मूचना बारी खरके पूर्वीका पमानि के अर्बन के लिए कार्यवाहियां गुरु करना हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन क यन्त्र में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुबता क राजपत्र में प्रकाशन को नारीख से 45 दिन की मबधि मा नन्यम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामीच से 30 दिन की अवधि, जो भी मबधि बाद में समाप्त होता हो, के मीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इत सूचना के नाजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन के भीतर उयत स्थावर सम्पत्ति में हितबस किसी भाष्य क्यांक्त द्वारा भाषांहस्ताक्षरी के पास लिखन में किए जा मकी।

स्वाह्महरण --इसमे प्रमुग गव्दो और पदों का, ता प्रकृत श्रीपित्यम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहा जब दागा, जी उस अध्याय म वियागया ।

अनुसूची

कृषि भूमि 3 विघे 13 विश्वे, स्थापित-ग्राम-घेवरा, दिल्ली

नरेन्द्र सिह, सक्षम श्रधिकारी सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली--110002

दिनाक . 28–8–198*2*

मोहरः

प्ररूप बाह्र .टी.एन.एस.------

आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वार 269-र (1) की अधीन सूचना

भारत भरकार

कार्यालय, सहायक कायकार काय्क्त (निरीक्षक)

श्राजेन रेपा- 2, गई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 25 प्रगम्न 1982

निर्देश स० प्रार्थ० ए० गाः०/ए५७० $2/\nu$ स० प्रार० -2/1-82/6733—श्रत म् $\dot{\omega}$, नरेन्द्र सि \dot{z}

आयकर अधिनिगम, 1961 (1961 जा 43) जिस इसम इसके परधात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-क के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, धिसका उपित बाजार मूल्य' 25,000/-रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी स० छीप तूस है । वा ना भ्राम पेवरा, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इसरा उपानद्ध अनसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता राजिकारी के दावात्य, एई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1903 (1908 का 16) के श्रधीन दिनाक, जनवरी, 1962

को पूर्वोक्त सपित का उत्तित बाजार मूल्य यो कम के इश्यमान प्रतिकल के लिए अनिरित को गई हैं जार मुक्ते यह विश्वा करने का कारण हैं कि गथा प्रश्नित रंगीति का उच्चित बाजा मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकत्त स, एम दश्यमान प्रतिकल वा पन्नह प्रतिकात स को एक हैं की नान्य (अन्तरका) और अन्त रिती (अन्तर्भ निया) का एम नारण के नियं पाया गया प्रतिकल नियमीको एक द्राण स । कतरा, निकल म वास्त-विक स्थ म का थिए नहीं विशास गया हैं---

- (क) बन्तरण से हुइ फिसी ज्याय की बाबत, अक्तु अधि(नियम के बशीन कर दोने के बन्तरक के दायित। में कभी अपने या उससे बचने में स्विधा के लिए; बार्ड∕गा
- (व) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य वास्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 शा 11) या उक्त अधिनियम, या धनुकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाज तथा रिन्ति ह्यारा प्रकट नहीं किया गया था या जिल्या जाना चाहिए था छिपाने में सृतिया के सिए।

करा अब, उका अधिन में का धारा 269-ग के अन्सरण मो, मी, उक्त अधिनियम जी भारा 269-ए की उपधारा () के अधीन निम्नलिशिय व्यक्तियों अधीतः— (1) सुरिन्द्र कुमार भुपुत्र भी बिहारी ताल, निवासी 21/24 वेस्ट पटेल नगर, दिल्ली

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सनकाम चण्डा, सुपुत भी किणन चन्द निवासी 65/61 न्यू राह्तक राड, नई दिल्ली

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त स्पास्त के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

चक्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 4/5 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी वितयों पर सूरना की तामील स 30 दन को विधि, जा भी अविधि याद में समाप्त होते हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यापता में से किसी किलत दुवागा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीता उक्त स्थार संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य स्थक्ति व्यारा अभोहस्ताक्षरी के पास स्थित में किए जा सकेंगे।

स्पटाकरण —-इसमा प्रयुक्त शब्दों और पर्दा का, जो उक्त पश्चिनियम के अध्या 20-6 में प्रारमियित हों, वहीं पर्थ होंगा जो उस अभाय में दिया गया हों।

अनुसुची

कृति भूमि 3 विधे 4 विश्वे स्था पन-ग्राम-पेवरा, दिल्ली

नरेन्द्र सिह, सधम अधिकारी सहायक श्रायं कर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनाक 28-8-1982 मोहर प्ररूप शाई । टी • एन • एस • ------

श्रायकर धिवनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा 269-म (1) के मधीन सूधना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 28 ग्रगस्त 1982

निर्देश मं० प्रार्ट० ए० सी०/एक्यू० 2/एम० प्रार<math>0-2/1-82/6603—श्रत: मुझे, नरेन्द्र सिंह,

न्नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 40) (जिसे इसमें इसके पम्चात् 'उक्त अधिनियम' यहा गया है), ही धारा 269-ख के अबीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्बंति जिसका उचित बालार मूल्य 25,000/- द० से शिधक है

श्रौर जिसकी सं० हापि भूमि है तथा जो ग्राम टिकरी कलां दिल्ली में स्थित है (श्रौर इसरे उपाबद्ध ग्रगुसूची में पूर्ण रूप से वर्षित है), राजस्ट्रीकर्सा श्राधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय राजस्ट्रीकरण श्रधिनेयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक जनवरी 1982

को पूर्यों क्त संप्रित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित का उचित ताजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिं त्यों) के बीच एसि अन्तरण के लिए तय पासा गया प्रतिफल निम्निलिखा उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिवन रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई कियो प्राय की वाष्ट्रत, उक्क प्रधिन नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दाजित्व में कमी करी या उपये बचने में मुक्छा के लिए; और/या
- (व) ऐसी किनी भाष य किसी धन श भन्य शास्त्रिकों को जिल्ले भारतीय पायकर शिवनिश्म, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनिश्म, या धन-कर प्रधितिश्म, 1957 (1957 को 27) के अयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, फिपाने में मुविधा के लिए;

श्रतः सब, उन्त पश्चिनियम की खारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त सिवित्रम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अर्थान् निम्नलिश्ति व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री जय रतन सुपुत्र श्री शिव राम, निवासी-ग्राम-टिकरी कर्सा, दिल्ली

(ग्रन्तरक)

(2) श्री राधेलाल, प्रहलाद सरन, मुपुत्र श्री भगवत सरण निवासी पीलाखवा, गाजियाबाद, ग्रीर श्री सुखदेव किशन सुगुत्र श्री पूरन बन्द, 1939/148 त्रीनगर, जसबीर सिंह सुपुत्र श्री सुखमीन्दर सिंह सुपुत्र श्री ग्रजमेर सिंह, ए-536 शक्ति नगर, दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह पूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उना समात्ति के अर्जा के सम्बन्ध में कोई भी पायोर:--

- (क) इस सूचना के राजाश में प्रकाशन की तारोख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी क्राक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बार में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकालन की तारीख सं 45 दिन को भीतर उच्यत स्थातर संपत्ति मों हिटबस्थ किसी अना व्यक्तियों द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकारी।

स्पव्हीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित ही, तहीं कर्य होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुगुची

कृषि भूमि 4 बिघे 12 बिश्वे, स्थापित-ग्राम-टिकरी कलां, दिल्ली।

> नरेन्द्र सिंह, सक्षम ग्रधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-2, दिल्ली, नई रिल्ली-110002

दिनांक: 28-8-1982

मोहरः

प्ररूप भारी टी. एन. एस.------

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प (1) के अर्थान सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्राक्षण) प्रार्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 28 श्रगस्त 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०-11/एस० श्रार० 11/1— 82/6634—श्रत: मुझे, नरेन्द्र सिंह,

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है।, की धारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी की, यह शिश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- उन से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० कृषिय भूमि है तथा जो ग्राम राघोपुर, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे जपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रितस्ट्रीकर्त्ता श्रिश्वितरी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रितस्ट्रीकरण श्रिधितयम, 1908 (1903 का 16) के श्रधीन, दिनांक जनवरी, 1982।

को पूर्वोक्त समास्ति के उचित बाजार म्ल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए उन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वसि छरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार म्ल्य, उसके दश्यमान प्रितिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अतिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विश्वित में वासी-विक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की अवत उक्त बिध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन य अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आ कार अधिनियम, 19?2 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ उन्तरिती ब्वान प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, ष्टिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थातः—

- (1) राघव फार्मस, ग्राम राघोपुर महरौली, दिल्ली (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती सोना देश पत्नी पण्डित रामिकशन गौड़, निवासी 609, वार्ड नं०-3, महरौली, दिल्ली (अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तित्यों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अबिंध, जो भी अबिंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के गम लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: --- इसमें प्रगुक्त शब्दों और पदों कः, जो उक्त अधिनियम, के अध्याग 20-क मे परिभाषित हैं, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुस्ची

कृषि भूमि, कुल माप 14 बीवा और 8 बिस्बे, बिल्ला नं० 22/18 (4-16), 22/22 (4-16), 22/23 (4-16), ग्राम राघोपुर, तहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित है ।

नरेन्द्र सिंह, सक्षम प्रधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली–110002

दिनांक: 28-8-1982

प्रस्प बाई० टी० एन० एस०-----

मायकर घ्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के घ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ऋर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 28 स्रगस्त 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०-11/एस० श्रार० 11/1-82/6633—श्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

कायकर भिधिनियन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/- क० से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम राघोपुर, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण एप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनांक जनवरी, 1982।

को पूर्वेक्त संपत्ति के उचित बाजार महय से कम के दूष्यमान अतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यभान प्रतिकल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिकल का पख्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्तलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिध-नियम के ग्रधीन कर देने के श्रन्तरक के वायित्व में कसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या प्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रवः श्रव, उक्त श्रिविनयम की धारा 269-ग के श्रनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के श्रीत, निम्निवित ध्यक्तियों, अर्थात् क्ल्च

- (1) राधव फार्मस, राघोषुर, तहसील महरौली, नई दिल्ली (भ्रन्तरक)
- (2) पण्डित रामिकशन गौड़ सृपुत्र श्री जानकी प्रसादः निवासी 609, वार्ड नं०-3, महरौली, दिल्ली (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के **ग्राव**न के जिए **कार्यवाहियां कर**ता हूं।

उरत सम्पत्ति के ग्रार्वेत के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इप ग्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तक्सम्बन्धे व्यक्तिये पर सूचना की तामील से 39 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध वाड में सभाप्त होती हो, के भीतार पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इप भूचना के राजयत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संगति में हिन-बद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण —हमर्व पयुक्त शब्दों स्रोर गर्दा का, जो उकत अधिनियम है पत्र्याप 20-क में परिभाषित है, वहीं भ्रथं होगा को उस स्रध्याय में विसा गया है।

अनुस्ची

कृषीय भूमि, कुल माप 15 बीघा ग्रौर 8 विस्ते, विल्ला सं० $22/_{-9}$ /4 16), $22/_{20}$ (2-7), $22/_{21}$ (4-7), $31/_{1}$ (3-18) ग्राम-राघो गुर, तहमील-महरीली, नई दिल्ली में स्थित है।

नरेन्द्र सिह, सक्षम ग्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली–110002

विनांक: 28-8-1982

प्ररूप आहें. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 28 श्रगस्त 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-11/एस० श्रार० 11/1-82/8787---श्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम श्रीधकारी कां, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000 रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी प्लाट सं० नं० 177 है तथा जो ग्राम श्राजादपुर, नई विल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपादद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधवारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक, जनवरी 1982।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिसत बाजार मूल्य से कम के एर्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का जिसत वाजार मूल्य, उसके एर्थमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्न्नह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक स्प से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुर्इ किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; बौर/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया दाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन निम्नु निस्ति व्यक्तियों, अर्थोत् --

(1) श्री सुरिन्द्र कुमार सुपुत्र श्री पन्ना लाल, निवासी $\dot{a}-2/1$, माडल टाऊन, दिल्ली-9

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमती सुमित्रा गुप्ता पत्नी श्री श्रोम प्रकाश गुप्ता, त्री-482, मजलिया पार्क, दिल्ली-33 (धन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्मत्ति को अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपृत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूत्रना के राजपात में प्रकाशन की तारी खासे 45 चिन् की अवधि या तत्सम्बन्धा व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किनी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सक्तें।

स्पष्टीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ह³।

अनुसुची

प्लाट नं० 177 माप 150 वर्ग गज खसरा नं०-13, ग्राम ग्राजादपुर, नई दिल्ली में स्थित है।

> नरेन्द्र सिंह, सक्षम अधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

विनांक: 28-8-1982

प्ररूप आइ.टी.एन.एस.-----

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269 थ(1) के श्रशीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) प्रार्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नर्ष दिल्ली, दिनांक 28 अगस्त 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/एस० आर० 11/1-82/6635---श्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

श्रायकर ग्रिवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/-व० से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम राघोपुर, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक जनवरी, 1982।

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का प्रमह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अम्तरितयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्मलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निविद्य में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया कथा है:—

- (क) अग्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अग्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- ्खः ऐसी िन्सी अप या किसी धन या अभ्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय ग्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1942 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग **के अनुसरण** में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तिसामों, अर्थात् :----

- (1) रामत्र फार्मस, ग्राम राषोपुर, महरौली, दिल्ली (ग्रन्तरक)
- (2) श्री जगदीण चन्द्र, श्री जय प्रकाण सुपुक्ष पण्डित राम किणन गौड, निवासी 609, वार्ड नं०-3, महरौली, दिल्ली 1 (श्रन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्तः सम्मिरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रष्टोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमे प्रयुक्त शृब्दों और पर्यों का, जो उच्का ग्रिधिनियम के प्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रयं होगा जो उस ग्रष्ट्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

कृषीय भूमि, कुल माप 13 बीघा श्रौर 1 बिस्वा, विल्ला नं० 31/2 (5–19), 31/3 (7–2) ग्राम-राघोपुर, तहसील-महरौली, नई दिल्ली में स्थित है।

नरेन्द्र सिह, सक्षम अधिकारी महायक घायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली–110002

दिनांक: 28-8-1982

मोहर:

5-276 GI/82

प्ररूप आर्ड.टी.एन.एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रुजैन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 28 म्रप्रैल 1982

निर्वेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०-11/एस० श्रार० 11/1-82/6667—श्रतः मुझें, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्कत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रौर जिसकी कृषि भूमि है तथा जो ग्राम बपरौला, दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक, जनवरी, 1982।

को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का प्नदृह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिचित उद्वेष्य से उक्त बन्तरण लिचित में बास्तविक रूप से किश्त नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बदने में सुविधा के लिए, और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन्-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपान में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अधीतः :—

(1) श्री संत लाल सुपुत्र श्री छोटू राम, ग्राम बंपरौला, दिल्ली

(ग्रन्तरक)

(2) श्री डी० एन० ग्रानन्द सुपुत्र श्री मलिक चन्द ग्रानन्द, निवासी, ए-12, नारायणा विहार, नई दिल्ली (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन को कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हा से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोध से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर बक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी की पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिल्का नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि, कुल माप 9 बीघा श्रौर 13 बिस्वे, ग्राम-अपरौला, नई दिल्ली में स्थित है।

> नरेन्द्र सिंह, मक्षम प्राधिकारी, महायक स्रायकर त्रागुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 28-4-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.--

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

निर्वेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०-11/एस० श्रार० 11/1-82/8767—श्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेजात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

स्रौर जिसकी स० प्लाट नं० 129 है तथा जो कीर्ती नगर, नई दिल्ली में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जनवरी, 1982।

को पूर्वों कत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक कप से किथत नहीं किया गया है:-

- (क) जन्तरण से हुइ जिल्ली जाय की बाबत, उक्त अभिनियत्र के बभीन कर दोने के जल्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के बिए; और/मा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए भा, द्विपाने में सविभा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं. उक्त अधिनियम की भार 269-घ की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिकित स्वक्तिस्यों, अभीत— (1) 1. श्री सुभाष चन्द बवेजा सुपुत्र श्री हुकुम चन्द बवेजा 2. श्रीमती इन्दिरा बवेजा पत्नी श्री ग्रार० सी० बवेजा दोनों का निवास 1-129, कीर्ति नगर, नई दिल्ली

(श्रन्तरक)

(2) श्री श्याम लाल बिज सुपुत्र श्री ल'हा राम विज, निवासी 135-ए, गुड़मण्डी, दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को महत्त्वना जारी करको पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन को सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है ते 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति व्वाय अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में किया गया है।

मन्त्र्याः

प्लाट नं० 1-129 की खुली जमीन पर ढाई मंजिला बना मकान जो कीर्ति नगर, नई बिल्ली में स्थित है।

> नरेन्द्र सिंह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 28--8--1982

प्ररूप आईं.टो.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 28 भ्रगस्त 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०-11/एस० श्रार० 11/1-82/6717—श्रत: मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट नं०-सी। 139 श्रौर सी-140 है तथा जो न्यू मुल्तान नगर, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबड़ श्रनुसूची मे पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम,

1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जनवरी, 1982। को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके एश्यमान प्रतिफल सो, एसे एश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वसूने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हुं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्ः—

- (1) श्रीमती मंजु गुप्ता पुत्नी श्री भ्रोम प्रकाश गुप्ता पत्नी श्री जगदीश कुमार गुप्ता निवासी मकान नं०-15, रोड नं०-29, पंजाबी श्राग, नई दिल्ली-26 (श्रन्तरक)
- (2) 1. श्री गोपी नाथ सुपुत्र श्री चमन लाल श्रौर 2. श्री हरीण कुमार सुपुत्र श्री चमन लाल निवासी मकान नं० 120-ए, शिवाजी पार्क, नई दिल्ली-26 (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कसे 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों मं से किसी व्यक्ति व्यक्ति ग्
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विस्ति में किए जा सकोंगे।

स्मष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

प्लाट नं०-सी०-139 श्रौर मी-140 माप $373\frac{1}{8}$ वर्ग गज जो 312.15 वर्ग मीटर के होता है (साइज 48 फीट \times 70 फीट) मान्यता प्राप्त निवासी एरिया जो न्यू मुल्तान नगर, नई दिल्ली के नाम से जाना जाता है, में स्थित है।

नरेन्द्र सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली–110002

_{दिनाक 28-8-1982}

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 28 ग्रगस्त 1982

निर्देश सं० आई० ए० मी०/एक्यू०-11/एस० आर० 11/1-82/6609—अत: मुझे, नरेन्द्र सिंह.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

धीर जिसकी सं० प्लाट नं०-51 है तथा जो न्यू सुलतान नगर, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक, जनवरी, 1982।

को पूर्वों कत सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के धरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सूविधा के लिये; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए,

- (1) श्री प्रकाश लाल शिकारपुरी सुपुत्र श्री मेघ राज, बैरक नं॰ 4-सी/2, ब्राऊटरम लाइन्स, किंगज्वे कैम्प, दिल्ली (ग्रन्तरक)
- (2) श्री गोपाल कृष्ण सुपुत्र श्री शांति स्वरूप निवासी सी-9, शिवाजी पार्क, नई दिल्ली (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों मे से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्षित में किए जा सकोगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं०-51 माप 206-2/3 वर्ग गज, खसरा नं० 4/18 जो मान्यता प्राप्त निवासी एरिया न्यू मुल्तान नगर, नई दिल्ली में स्थित है।

नरेन्द्र सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग कं अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :--

दिनांक: 28-8-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर भायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 28 श्रगस्त 1982

निर्देश सं० भाई० ए० सी०/एक्यू०-11/एस० म्रार० 11/1-82-8793-मतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्तम प्रधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थाव्य सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- र के से अधिक है

श्रौर जिसकी स० प्लाट नं० एफ०/63 है तथा जो रजौरी गार्डन, नई दिल्ली में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जनवरी, 1982।

को पूर्वकित सम्पत्ति के उण्चित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उण्चित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गमा प्रतिक्त कि निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्नरण लिखित में शस्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) जुन्तरण ते हुई जिसी भाग की बाग्त, बनत नहिं। नियम के समीन कर देने के सन्तरक के बाबिस्त में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के जिए। सीर/सा
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, चिन्हें भारतीय बाय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, कियाने में सृष्धि। के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिन्त व्यक्तिया, अधीत्:---

- (1) श्री प्रीतम सिंह सुपुत्र श्रीतिलोक मिंह निवासी जै०/71, रजौरी गार्डन, नई दिल्लो श्री तुलसो राम की प्रदोनीं द्वारा (ग्रन्तरक)
- (2) श्री वेद प्रकाश वत्त सुपुत्र श्री दीना नाथ दस्त निवासी एस-311, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली

(ग्रन्तरिती)

को य**ह सूव**ना जारी करके पूर्वींक्त सम्पक्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उत्त नस्पत्ति ने प्रजेन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मैं से किसी व्यक्ति डारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा ग्राभोहस्ताक्षरी के पास निखात में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों जौर पर्वो का, भी उक्क ग्रिधिनियम के ग्रष्टवाय 20-क में परिभाषित हैं बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया

बन्स्ची

प्लाट नं० एफ०/63 माप 261.3 वर्ग गज रजौरी गार्डन, नई दिल्ली में स्थित है ।

नरेन्द्र सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 28-8-1982

प्ररूप गाई॰ टी॰ एन॰ एस॰----

भागकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की चारा 269-च (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्राय्क्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 28 ग्रगस्त 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/II/एस० श्रार० III/1-82/6688—श्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

धायकर श्रीक्षिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रिवित्यम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/-द० से प्रिधिक है

ग्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-घेवरा, विल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपायद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई विल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, विनांक जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वान करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान ब्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तर्ह प्रतिशत से प्रधिक है और मन्तरक (मन्तरकों) भौर मन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया ब्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, खबत भ्रक्षिनियम के भ्रभीन कर देने के भ्रन्तरक के दायिस्य में कभी करने या उससे बचने में सुविद्या के लिए; भ्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी पाय या किसो धन या प्रन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रीधनियम, या धनकर श्रीधनियम, या धनकर श्रीधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने म सविधा है लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) 1. श्री ईश्वर सिंह 2. श्री सूरज भान श्रीर 3. श्री हंस राज सुपुत्र श्री होणियार सिंह, 4. श्रीमती वाखू पत्नी श्री होणियार सिंह, 5 श्रीमती सूरज कौर द्यौर 6. श्रीमनी राजबाला पुत्रियां श्री होणियार सिंह, निवासी ग्राम घेवरा दिल्ली

(भ्रन्तरक)

(2) 1. श्री मदन लाल सुपुत्र श्री जीवन दास निवामी रतन नगर, करोल बाग, नई दिल्ली 2. श्री ग्रोम प्रकाश सुपुत्र श्री पी० मी० जैन ग्रौर 3. श्री हर गोबिन्द जग्गी सुपुत्र श्री मोती राम जग्गी. निवासी रतन नगर, करोल बाग, नई दिल्ली

(भ्रन्तरिनी)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के झर्जन के लिए कार्यवाहियां मुरू करता हं।

उका सम्पत्ति के ग्राचन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की ध्रवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 ग्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा प्रघोहस्ताक्षरी के पास शिक्षित में किए जा सकेंगे।

र स्का करण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो सकत अधिनियम के प्रध्याय-20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो सम ग्रध्याय में दिया गया है।

वनुसुची

कृषि भूमि, कुल माप 3 बीघा घौर 14 विस्वे, खमरा नं० 80/5/2, ग्राम-घैवरा, दिल्ली में स्थित है।

> नरेन्द्र सिह, सक्षम श्रधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली—110002

दिनांक : 28-8-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज+2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनोक 28 अगस्त 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू० II/एस० श्रार० II/1-82/-6666—श्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/-रा. से अधिक है

मौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम बपरोला, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक जनवरी, 1982

को पूर्वोंक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तर पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथा गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए,

(1) श्री संत लाल सुपुत्र श्री छोटू राम, निवामी ग्राम-बपरौला, दिल्ली

(भ्रन्तरकः)

(2) श्री राजीय श्रानन्द सुपुत्र श्री डी० एन० श्रानन्द, निवासी ए-12, नारायणा विहार, नई दिल्ली (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां भूक करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उत्कत स्थातर संपत्ति में हिल्बद्ध किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः -- इसमे प्रयुक्त इन्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषी भूमि, कुल माप 9 बीघा श्रौर 12 बिस्वे, ग्राम-बपरोला, नई दिल्ली में स्थित है।

> नरेन्द्र सिंह, सक्षम श्रधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली—110002

अतः अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध को उपधारा (1) के अधीन निम्नलिनित व्यक्तियों, अर्थात् :---

दिनांक: 28-8-1982

प्ररूप आई टी एन एस

आर र प्राधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- ह(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनाक 28 ग्रगस्त 1982

निर्देश स० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/ I^{I} /एस० ग्रार० II/1– 82/6679—ग्रत मुझे, नरेन्द्र सिंह,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन स्क्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25 000/- रह से अधिक है

श्रौर जिसकी म० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम—घेवरा, दिल्ली में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनाक जनवरी, 1982

को पूर्वाक्त सपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अतिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथित नहीं किया गया है.——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर दन के अंतरत के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-रर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) व प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने ग सिन्जा मिल्ए

अत अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण \mathbf{r}^- , \mathbf{r}^+ , उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन निम्निन्नित व्यक्तियों, अर्थात् —— 6—276 GI/82

- (1) भी योग पकाण राणा गुगन श्री बदाम सिह, निवासा 6038 व्याक न०2 ग्या न०40 देव नगर दिल्ली। (अन्तरक)
- (2) श्री ज्याम लाल सुपुत्र श्री सोहन लाल निवासी 8772, रोशनारा रोड, दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सपित्त के अर्जन के लिए का अभिकार करा हु '

उक्त गर्मात। के अर्जन के सम्बन्ध म काई भी आक्षेप --

- (क) इस सूचना क राज्यत म प्रकार का राज्य है। राज्य है 45 दिन की अवधि या तत्मबंभी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि , जो भी अवधि बाद म समाप्त हाती हा, के भातर पूर्वोक्त पान्तया के गाजिस के प्रकार प्रवाकत
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अभ्याय 20-क मा परिभाषित ह[‡], वहीं अर्थ होंगा जा उस अध्याप मा दिया गया ह[‡]।

अनुसूची

कृषी भूमि, कुल माप 5 बीघा ग्रोर 1 बिस्वा, ग्राम-घेवरा दिल्ली में स्थित है।

> नरेन्द्र सिह सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर त्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनाक 28-8-1982 मोहर

प्ररूप धाई• टी• एन• एस• →--

भ्रायकर अधिनियम; 1961 (1961 का 43) की घारा 26%-घ(1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक भ्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 28 श्रगस्त 1982

निर्देश मं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०-II/एस० श्रार०-II/1— 82/6716---श्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-डिचोन कलां, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपावड श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्मति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत भिश्च है भौर भन्तरक (भन्तरकों) भौर भन्तरिती (भन्तरितयों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखिन में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम्, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम्, या धनकर अधिनियम्, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अधीत् :-- (1) श्री राम नारायण सुपुत्र शी बुट्टी, निवासी ग्राम-डाबरी, नई दिल्ली

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती वीना सहगल परेनी श्री रमेश महगल, निवासी 275, डी० एस० न्यू राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में भे किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल्ला किसी प्रस्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

हपक्टीकरण .--इसमें त्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उनत श्रिष्ठ-नियम के अध्याप 20-क में परिधायित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याप पे दिया गया है।

अमुसूची

जमीन का 1/8 हिस्सा, कुल माप 75 बीघा श्रीर 18 बिस्ये, ग्राम-डिचौन कला, दिल्ली में स्थित है।

नरेन्द्र सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 28-8-1982

प्ररूप आई. टी एन एस.-----

धायकर अधिनियम, 1981 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के ग्रंधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहाय्क आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 28 भ्रगस्त 1982

निर्देश स० श्राई० ए० मी०/एक्यू०-II/एस० श्रार०- I_I /1-82/6696—श्रत मुझे, नरेन्द्र सिह,

श्रामकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उनत श्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के श्रधीन मक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- र • से अधिक है और जिसकी स० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम नगली सकरावती, दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनाक जनवरी, 1982

को पूर्वोत्तत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझं यह बिश्वास करने का कारण है कि नथापृत्रोंकन सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रविक है और बन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पात्र गया प्रतिफल, निम्नलिखित उहेश्य मे उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त भ्रष्ठिक नियम के भ्रधीन कर देने के मन्तरक के दायिस्व मे कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) एसी किसो भाय या किसी धन या भ्रम्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग क अनुसरण मं, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ का उपधारा (1) के अधीन निम्नीलिखिन व्यक्तियों, अर्थात :---

(1) श्री जगन्नाथ सुपुत श्री साधू राम, निवासी णिय नगर, दिल्ली

(भ्रन्तरक)

(2) श्री गोरधन सिंह सुपुत्र श्री चंदगी राम, निवासी ग्राम-हिलम्बी खुर्द, दिल्ली

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन की अर्वाध, जो भी अविधि साथ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विल के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्ध व्यक्ति स्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण .---६समें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

'मूिम का 1/5 हिस्सा, माप 20 बीघा और 14 बिस्थे खसरा नं० 27/7/2, 14, 17, 25/2, 27, 29/4 ग्राम-नगली , सकरावती, दिल्ली मे स्थित है।

नरेन्द्र सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, विल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनाक 28-8-1982

- , जाहर र। । एस -----

अभयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्मन हेन ३, सद दिल्ला

निर्देश म० आह० ए० नी०/एस्यू०/11/एस० फ्रान्० 11/1--82/8765---आ मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परंपात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की भारा 269-स के अधीन सक्षम अधिकारी कां, यह विष्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रू. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी स० प्रोपर्टी न० है तथा 6324, प्लाट न० 13, ब्लाक ए, कमला नगर, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसके उपावद्ध श्रनुसूची में पूर्णस्प में विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ना श्रीधकारी के एश्यीलय, नई दिल्ली में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रवीन दिना , अनंतरा, 1982 ।

को पूर्वांक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गर्द है और मुम्ने यह विश्वास करन का नारण है कि यक्षापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितियों उद्दर्शय से उक्त अन्तरण लिग्ति में वास्त्रीय रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण संहुदं कि ली बाव की बावत, उक्त बिम्हिन्दन के बधीन कार दोने के अन्तरक को दायित्व में कामी कारने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बार/या
- (स) एसी किसी बाब वा किसी धून या बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर आधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधिनियम आया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूर्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 260-गं के अनुसरण मं, भी, उक्त अधिनियमं की धारा 260-धं की ज्यापार (1) के अधीन, निम्नतिकत व्यक्तियों, अधीत् :-- (1) श्रा जगन्नाथ मुपुत्र श्रा स्राप्य बीव एत्व गाम रूप, निवास। 74. टोडरमल रोड, दिल्ला

(ग्रन्तरक)

(2) मोनालाल कुला दवा (व्यप्टि) इसके कर्ता द्वारा, मातालाल गायल सुपुत श्रा खिचू मन, निवासी 79, प्रेम सगर, दिल्ला ।

(भ्रन्तिस्ता)

का यह स्चला जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अजन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्योक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेह्म्नाक्षरी के पास लिखित में किए जा स्केगे।

स्पष्टोकरणः -- इसमा प्रयुक्त शब्दा और पदा का, जा जास्त अधिनियम के अध्याय 20-क मो परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होंगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुधी

प्रापर्टी न० 6324, 'लाट न० 13, ब्लाफ न० ए, कमला नगर, दिल्ली का उत्तर। ऋष्धा हिस्सा ।

> नरेन्द्र सिह्, सक्षम प्राधिकारः यहायनः प्राधिकार श्रायुक्तः (विराक्षण) प्रजीन रेज-¹¹, दिल्ला, नई दिल्ला--110002

हिशास - उप प १४४३ मार्ह्यः प्ररूप आहरे. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण

श्रर्जन रेज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 28 अगस्त 1982

निदेश स० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/11/एस० ग्रार० 11/1-82/8828—-ग्रत मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी स० प्लाट न० 1 है तथा जो ब्लाक न० ए स्वण सिह रोड, प्रादणं नगर, दिल्ली म स्थित है (श्रीर इससे उगावह अनुसूच। मं पूर्णस्प रे विणित है), रिक्स्ट्राक्ली प्रधिक्षारी के कार्यालय नई दिल्ला। म रिजस्ट्राकरण श्रीधानयम, 1908 (1908 का 16) के प्रवान दिनाक जनवरी 1982।

का पूर्वोंक्त सपित्त के उचित बाजार मूल्य स कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्तें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सपित्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं एमें दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत स अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अतिरती (अन्तरित्या) के बीच एम अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण विणित में वास्त-विक रूप से किथित नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुद्द किसी आय को बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में श्विशा के लिय, और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण गं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 260-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिक्त व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्रा ग्रर्जन देव मेठा मुपुन्न श्री एक० मोहन काल मेठी, निवासी, 205/ग्राप्त०, सानीपत, (माडल टाऊन) जिला राह्तक, हरियाणा

(भ्रन्तरक)

(2) श्री क्रान्नाल गुष्ता सृपुत्र श्री टाका राम गुष्ता, क्रिवासी, बी-4-ए/10, राणा प्रताप बाग, दिल्ली। (श्रन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपित्त में हित- बस्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्डीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों जीर पढ़ों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵., वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसुची

एक प्लाट न० 1, ब्लाक न० ए, स्वर्ण सिंह राड़, म्रादर्श नगर, दिल्ली, क्षेत्र ग्राम—बरौला, खसरा न० 35, 36, 38 जैसा कि 262/258/217/4 म्रीर 263/258/217/4 कृत माप 213 वर्ग गज ।

नरन्द्र मिह, मक्षम प्रधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-11, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनार 2प-९-19प्र गोहर. 1

प्ररूप आई.टी.एन.एस,-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की आगर 269-व (1) के अभीन सूचना

पारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज II, नई दिल्ली

नई दिल्ली; दिनांक 28 ग्रगस्त 1982

निदेश स० श्राई० ए० मी०/एक्यू०/11/एम० श्रार० 11/1--82-6521---श्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रभिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्भित्त, जिसका उजित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी स्र० मकान नं० श्री०-10 है तथा जो इन्द्रपुरी कालोनी, विल्ली में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्णहप रें वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्लो में र्राजेस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधोन. दिनाक जनवरी, 1982।

को पूर्विक्त सम्परित के उत्वित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए शन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से शिषक है और जन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिति तयों) के बीच श्रेसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्मलिखत में सासानिक हम से किश्वत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसो आप की बाबत; उक्त प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के निए; गौर/या
 - (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत मिधिनियम, या धन-कर मिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविधा के लिए।

- (1) श्रीमती विद्यावती पुत्री श्री भगत राम, पत्नी श्री दया कृष्ण खोमला, निवासी 47/25, ईस्ट पटेल नगर, नई विल्ली (ग्रन्तरक)
- (2) डा० मोहन चन्द्र जोशी सुपुत श्रो पी० एन० जोशी के०/ग्राफ श्री योगेश्वर दयाल मिश्रा, खतरीवारा, जिला बुलन्दशहर (यू० पी०) ग्रीर 2. श्रीमती योग मावा जोशी, निवासी जैसा कि ऊपर है।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वाक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को प्रविध, यो भी प्रविध बाद में समापन होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में दितथळ किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा पशोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही ग्रायं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

भनुसूची

एक मंजिला मकान, इन्द्रपुरी कालोनी, ग्रामीण एरिया, नारायणा, दिल्ली ।

> नरेन्द्र सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज II, दिल्ली, नई दिल्ली~110002

अतः अव, उम्स् अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भे-, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभार (1) के अधीन किन्निसित व्यक्तियों, मधीत :—

दिनांक: 28--8--1982

भोहर.

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-Il, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 28 ग्रगस्त 1992

निवेश स० आई० ए० गी०/एसयू०/11/एम० आर० 11/1-82/6698--आत मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसके इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर स्म्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी स० कृषि मृमि है तथा जो ग्राम घेवरा, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्णस्प से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिनारों के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण हुश्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रियोन, दिनाक जनवरी, 1982।

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंच्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिलित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया हैं ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में सविधा के लिए, और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था छिपाने में सिवधा के लिए;

- (1) नक्की सुपुत्र श्रीः देका, निवासी साम-चेवसा दिव्ही। राज्य (अन्तर्भ)
- (2) श्राहरी राम मृपुत श्राजगन्नाथ निवासा स् (५) वार्ति नगर नई दिल्ली (श्रन्तिर्ति।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सपरित के अर्जन के सबध मा कोई भी आक्षेप --

- (क) इस सूजना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण ---इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदा का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसची

भूमि माप, 8 बीघा और 5 बिस्वे,ग्रा मीण एरिया, चेवरा, दिल्ली में स्थित है।

> नरेन्द्र सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-I^I, दिल्ली, नर्ट दिल्ली -110002

अस अव, उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के अनसरण मी, भी, उक्त अधिनियम की पास 269-व की उपधास (1) के अधीन, रिक्तियिमा सिन्तियों अर्थीन ---

दिनाक 28-8-1982 मोहर प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

यायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को भारा 269-घ (1) को अभीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजन रेन-2, नई दिल्ली कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायका (निरीक्षण) नई दिल्ली, दिनाक 28 ग्रगम्न 1982

निर्देश स० ग्राई० ए० २१०/एनगू०/Ш/एस० श्रास्० Ш/।-82/8770 - श्रुत मुझे, नरेन्द्र गिट,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सपित्त जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. मं अधिक हैं

स्रीर जिसकी सं० क्वाटर न० है तथा जो क्यू० 16, बैस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपावह श्रनुस्ची में पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्राकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधोन, दिनाक जनवरी, 1982

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य म कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य. उसके एर्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रमुह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्न्लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिकक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क्क) अम्तरण सं हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम को अधीन कर दोने को अन्तरक को दायित्व में निर्मा करने या उसमें बचने में सिविधा को लिए; बीर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) रा उक्त की बिनयम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वें प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा एकट रहीं किया गय था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सृविधा के सिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियो, अर्थात्:——

- (1) श्रा केशर दास तिवासा क्वाटर न० क्यू/46, बैस्ट पटेन नगर, नई किसा । (वास्स
- (2) श्रा सरदार निह गुलाहो, क्वाटर न० वय्०/ ६०, वैस्ट पटेल नगर, नई दिल्ला । (धन्तिरिना)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्परिस के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकास विस्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी कि पास लिखित में किए जा मकांगे।

स्पट्टीकरण: -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, भो उत्तत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रन्सुची

सरकार। क्वाटर न० क्यू०/46, वैस्ट पटेल नगर नई दिल्ल। में स्थित है ।

> नरेन्द्र सिंह, सक्षय प्राधियार। सहायक ग्रायकर प्रायुवन (निरक्षण) क्षर्जन रेज-2 दिल्ला नर्ट क्रिन्ट का रो 10002

दिनाक 28-8-1982 रे मोहर प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 28 ग्रगस्त 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्य्०/11/एस० श्रार० 11/1-82/8820—श्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० प्लाट नं० है तथा जो 14, भ्रादर्श नगर, नई दिल्ली में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, नई विस्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जनवरी, 1982।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित्त बाजार मूल्य, उस्के दश्यमान प्रतिफल से, एसे ख्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृतिधा के सिए; और/या
- (अ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनयम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——
7—276 GI/82

(1) श्री बसल्त कुमार चावला सुपुत्र श्री दरगाई लाल चावला सी → 73 - ए, मजलिस पार्क, दिल्ली - 33

(मन्तरक)

(2) श्री भगवान सिंह सुपुत्र श्री संतोख सिंह ए-13, पंचवटी कालोनी, दिल्ली-33

(भ्रन्तरिती)

स्त्रं यह सूचना जारों करके पृषांक्त सम्मरित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 बिन की विविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों हर सूचना की तामील से 30 दिन को अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोक्ति व्यक्ति या दिन से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकोंगे।

स्पव्योक्तरणः -- इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त निधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाजित हैं, वहीं सर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

प्लाट नं 14, झ्लाक नं बी, शंकराचार्य रोड, श्रावर्श नगर, दिल्ली-33 में स्थित है।

> नरेन्द्र सिंह, सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज 2 विल्ली, नई विल्ली-110002

दिनांक: 28-8-1982

प्रस्प ग्राई० टी० एन० एस०---

भायकर प्रतिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-म (1) के प्रधीन मुखना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जेन रेंज 2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 28 प्रगस्त 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एनयू०-II//एस० श्रार०-11/1-82/6628---श्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित बाजार मूर्य 25,000/- क० से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० कृषि भृमि है तथा जो सरसपुर, दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक जनवरी 1982

को पूर्वोक्त सम्मति के उचित बाजार मृह्य से कम के दृश्यमान प्रतिकत्त के लिए अन्तरित की गई है भीर मृझे यह विश्वास करने का का रण है कि यथापूर्वोक्त सम्मति का उचित बाजार मृह्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पण्डह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित प्रदृश्य से इक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक छप में कथित नहीं किया गया है । ---

- (क) अंश्तरण से हुई कियो आय की बाबत, छक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंश्तरक के दाविस्त्र म कभी करते या उसमें बचने में नृथिधा के लिए; और/या
- (ब) ऐती किनो आप या कियो घर या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जनत प्रधिनियम, या धन-कर श्रिविनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए वा, खिपाने में सुविधा के लिए;

श्रत अव, जनत अधिनियम की घारा 269-ग के मनुसरण में, में, जनत अधि(नयम की घारा 269-घ की बपधारा (1) के अधीन. निम्निखिखित अ्वितियों सर्वात् :⊶- (1) श्री श्याम लाल सुतुत्र श्री मथुरा प्रसाद, निवासी बी-175, शास्त्री नगर, दिल्ली-52 ग्रीर श्री गोरधन दास गर्मा सुपुत्र श्री ब्रे मिंह, निवासी ए-465, शास्त्री नगर, दिल्ली

(श्रन्तरक)

(2) श्री विजय कुमार पुरी सुपुत्र श्री बाल किशण पुरी, निवासी 81, श्रशोक बिहार, दिल्ली-52

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के सर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उस्त सम्बत्ति के अर्थन के संबंध में कोई वो आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजात में प्रकाशन की तारी खासे 45 किन की अवधि या तश्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामी लासे 30 दिन की घविध, जो भी घविध बाद में समाप्त होती हो, के भोतर पूर्वी न व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस मूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी आप से 45 दिन के भीतर अक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास निष्ठित में किए जा सर्वेंगे।

स्राध्योकरण --इत्रवें प्रगृत्त शन्दी भीर पर्दो का, जो सन्त अधिनियम के अध्याय 20-क म परिभाषित है, नहीं पर्व होगा, जो उस वाडणाय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि, माप 2 बीघा, ग्राम-सरसपुर, दिस्ली राज्य में स्थित है।

> नरेन्द्र सिंह, सक्षम मधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज 2 दिल्ली, नई दिल्ली–110002

दिनांक: 28-8-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2. नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 28 प्रगस्त 1982

निर्देश स० श्राई० ए० सी०/एक्यू०-II/एस० श्रार० 11/1-82/6584—श्रत. मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी स० कृषि मूमि है तथा जो ग्राम—बुरारी, दिल्ली में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, दिनाक जनवरी, 1982।

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मू भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसं दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पागा गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्तित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत उक्त अधि-रिवास के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बार्/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना चाहिए था, छिपाने में सूविभा के निए;

सतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री पयन कुमार गुप्ता सुपुत्र श्री तिलोक राम, निवासी 156/11, गुजरानवाला टाऊन, दिल्ली 1

(भ्रन्तरक)

(2) श्री गोविन्व कुमार सुपुत्र श्री भोम प्रकाश, निवासी, ई-30, कमला नगर, विख्ली

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पस्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजप में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्स होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिरण .--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिन्निम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस मध्याय में दिया गया है।

वनुसूची

भृमि माप 19/1/2 बीधा खसरा नं० 846, ग्राम बुरारी, दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह, सक्षम ग्रधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजेन रेंज -II, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 28-8-1982

मोहरः

त्रक्ष वार्षे हो. एन. एष.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सुरकार

कार्यासयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज II, नई विस्ली

नई दिल्ली, दिनांक 28 ग्रगस्त 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू० 11/एस० श्रार० II/I-82/6583—श्रतः मुक्षे, नरेन्द्र सिंह,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उसत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन संक्षम प्राविकारी को, यह विक्थात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-बुरारी, दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबड श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्सा श्रधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक, जनवरी, 1982

को पूर्विति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में करने वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की नावत, उक्त अधिनियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे वजने में सुविधा के सिए; बार/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य जास्तियों का, जिन्हें भारतीय जायकर जिभिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर जिभिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

- (1) और पक्स कुमार गुप्सा सुपुत्र श्री विलोक राम निवासी 156/11, गुजरानवाला टाऊन, दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती चरणजीत कौर पत्नी श्री प्रीतम सिह, निवासी, सी-2/109-सी, फ्लेट्स, लारेंस रोड़, दिल्ली (भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिए कार्ववाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी माझोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर अधिकता में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हित-बक्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थळाकिरंगः — इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उन्तर अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्ज्जी

कृषि भूमि माप 19 बीवा, खसरा नं०-846 ग्राम-बुरारी, दिल्ली में स्थित है।

> नरेन्द्र सिह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ज्ञायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-110002।

जतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग को, अनुकरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) को जधीन, निश्नलिखित व्यक्तियों, नर्थात् :---

तारीच : 28-8-82

प्रकप आई. टी. एक. एंचु.------

आयकर अभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन स्पना

भारत सरकार

<mark>कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त, निरीक्षण</mark>

मर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 28 भ्रगस्त 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०II/एस० श्रार० 11/1-82/6523—श्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-बुरारी, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जनवरी, 1982।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्रयमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल निम्नलिसित उद्देश्य से उसत अन्तरण निस्ति में बास्त-विक रूप से किथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयुकी वावत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय् या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, जनूसरण मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निक्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री विश्वसन मासी सुषुष श्री एस॰ मासी, निवासी 222, ग्राम-ढाका, दिल्ली

(ग्रन्तरक)

(2) श्री विजय कुमार मेगन सुपुत्र श्री लाल चन्द मेगन निवासी 8769, गली रोहित गंज, रोणनारा रोड़, दिल्ली।

(भ्रम्लंरिती)

को यह सूचना कारी करकी पृशिक्त सम्बद्धित के वर्षन के हिसए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्परित को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी काश्रोपः ज

- (क) इस्त सूचना को राजपण में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अवधि या तत्सक्त मधी क्यां कित मों पड़ सूचना कही तामील से 30 दिन की बनिथ, जो भी बनिथ बाद में समाप्त हमेली हो, को भीतार पूर्वी कर क्यां क्तियों में से किसी मालित द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनबुध किसी अम्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सर्कों ने ।

स्मक्का किरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों की र नहीं का, को सकत किथियम, के अध्याय 20-क में निर्धाणिक ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका स्था ही।

वनसूची

भूमि माप 1 बीघा, भौर 1 जिस्सा खसरा नं० 479, ग्राम-बुरारी, दिल्ली में स्थित है।

> नरेन्द्र सिंह, संक्षम ग्रिधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनीक: 28-8-1982

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस.------

नायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भा<u>रा</u> 269-म (1) के नभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज 2, नई दिल्ली

नई विल्ली, विनोक 28 घगस्त 1982

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे समें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269- च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-नंगली शकरावती, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध भनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक जनवरी, 1982।

को पूर्वों क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दर्यमान प्रतिफल से, एसे दर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल निम्नलिसित उद्योध्य से उस्त अन्तरण लिसत में बास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वायत, उक्त अधिनियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सृविधा के लिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयु-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

नतः नवः, उनतः अधिनियम की भारा 269-ग के, अमृसरण में, में, उनत अधिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के अधीरां, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री ईश्वर सिंह शर्मा सुपुत्र छतर सिंह, निवासी ग्रार॰ जैंड़-22, नया बाजार, नजफगड़, नई दिस्सी (ग्रन्सरक)
- (2) श्रीमती माया देंबी पत्नी श्री मुकन्द लाल कटियाल निवासी डब्ल्यू० जैब्-31, उग्नसैन मार्कीट, ध्रशोक मगर, नई दिल्ली-32

(घन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पृत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीवर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकोंगे।

स्पत्नाकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, थो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह्⁴, वही अर्थ होगा, थो उस अध्याय में दिया गवा है।

नगुसूची

भूमि माप 1 बीघा भीर 5 बिस्बे, मुस्टाटिल नं० 32, बिस्ला नं० 21/2, ग्राम-नंगली शकरावती, विस्ली में स्थित है।

> नरेन्द्र सिंह, सक्षम ग्रधिकारी सहायक भायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज 2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

विनांक: 28-8-1982

मोहरः

प्रक्म बाइ. टी. एन. एस.----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध(1) के अधीन स्चना

भारत शरकार

कार्यालय, सहादक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज II, नई दिस्सी

नई दिल्ली, दिनांक 28 ग्रगस्त 1982

निर्वेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०-II/एस० श्रार०-II/1-82/6527—श्रतः मृक्षे, नरेन्द्र सिंह,

नायकर निभिन्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसने परवात् 'उन्त अधिनियम' नहा गया हैं), की भारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मिति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-सिरासपुर, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ला श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उमके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रति- खत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रति- फल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिक इप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, उक्त जिभीनयन के जभीत कर दोने के अन्तरक के वाजित्य में कमी करने ना उससे क्याने में सुविधा के सिन्द; जरि/का
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, जिल्पाने में स्थिधा के सिए।

(1) श्री रामानन्व और श्री कपचन्य सुपुत श्री बुद्धा, निवासी ग्राम-सिरासपुर, दिल्ली।

(भ्रम्तरक)

(2) श्री लक्ष्मी नारायण शर्मा सुपुत्र श्री रामजी लाल, निवासी ए-229, शास्त्री नगर, दिल्ली।

(चन्तरिती)

का अह सूचना धारी करके पृथांक्त सम्परित के वर्षन के तिष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पर्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितवबृध
 किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी ने पास
 हैं, वही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया
 लिखित में किए वा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के कथ्याय 20-क में परिभाषित है. **पदा है**।

समसंबी

कृषि भूमि, कुल माप 4 बीघा भौर 16 विस्वे, खसरा नं०-38, ग्राम-सिरासप्र, दिल्ली के रिवेन्यू एस्टेट क्षेत्र में स्थित है।

नरेन्द्र सिंह, सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, दिल्ली/नई दिल्ली-110002

जतः अस उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, मैं, उक्त सिधिनयम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन निम्निलिक व्यक्तियों, अर्थात् :--

दिनकि : 28-8-1982

जनम जाई० टी॰ एन॰ एस०--

श्रायकर प्रश्रितियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-म (1) के प्रधीत सूचता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर जायूक्त (निरक्षिण) प्रजीन रेंज- Π , दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 28 ग्रगस्त 1982

सायकर प्रक्रितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके कृत्रकात् 'उक्त समितियम' कहा गया है), की धारा 269-स के प्रसीत सजम प्राधिकारी की, यह विश्वसस करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- क॰ से प्रसिक है

धौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम हस्तसाल, दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, नई विल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जनवरी, 1982। उचित बाजार को पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रतिकृत के लिए अम्तरिन कम के दुश्यमान **र्गाहे और मुक्ते** यह विश्वास करने का है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्तिका उचित बाजार मूख्य, उसके वृत्रयमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है भीर प्रस्तरक (प्रन्तरकों) ग्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के ग्रेच ऐमे अस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्त्रलिखित उद्देश्य में उत्तत अन्तरण लिखित में वास्तविक **क्ष्य से कथित नहीं किया गया है:--**-

- (च) अन्तरण से हुई किसी श्राप की बाबत, उन्त अधिनयम के अधीन कर देने के अन्तरक के दासिस्य में कमी करने वा अससे वचने में सुविद्या के सिए और/या
- (ख) ऐसी किसी अाथ या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर श्रिधितयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधितियम, या धनकर घिधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनामं अन्तरिती द्वारा प्रत्य नहीं किया गया था या किया जाना चाड़िए या खिराने में मुखिया के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण ग्रों, में उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्निसिवित स्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री रामानंत्व सुपुत्र श्री धीरज निनासी वी० गी० झो०, हस्तसाल, दिल्ली

(म्रन्तरक)

(2) श्री सुरेन्द्र पाल सुपुत्न श्री ग्ररकत राम. निवासी बी०पी०श्रो०, जिला होशियारपुर, पंजाब।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजरत ने प्रसायत को तारीख से 45 दित की चवित्र या तत्पम्बन्धों व्यक्तियों पर सूबता को नामीत में 30 दिन को चवित्र, जो भी सबित बाद में समाप्त होती हो, ह मोनर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन के मीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हित बद किसी मन्य व्यक्ति द्वारा संघोहस्ताक्षरी के पान लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पडटो करण: ----इसमें प्रयुक्त भव्यों भीर पर्यों का, जो उक्त श्रीधिनियम, के ग्रष्टमाय 20-क में परिमाणित है, बही अर्थ होगा, जो उस श्रष्टमाय में विया गया है।

बन संची

भूमि, माप 7 बीघा ग्रौर 7 बिस्वे, ग्राम हस्तसाल, दिल्ली में स्थित है।

नरेन्द्र सिंह सक्षम अधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II दिल्ली/नई दिल्ली-110002

तारीख: 28-8-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आस्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेज II, दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 28 अगस्त 1982

निर्देश सं० ब्राई०ए०मी०/एक्यू०/II/एस०ब्रार० 11/1-

82/6721--- मृतः मुझे, नरेन्द्र सिंह, न्यायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें रसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार भूल्य 25,000/- रह. से अधिक है भ्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम हस्तसाल, दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबद्ध ग्रन्सुची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन नारीख जनवरी, 1982। को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विज्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उत्सको दृष्यमान प्रतिफाल से, एसे दृष्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिश्वत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया

प्रतिफल निम्नलिसित उत्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में

वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उनत अधिनियम के अधीन कर बेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. व्यापन में स्थिधा के लिए;

अतः अज, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 8—276 GI/82 (1) श्री बेद राम सुपृष्न श्री बुद्धराम निवासी ग्राम- हस्तमाण, दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री सरदुल सिंह सुपुत्र. श्री सुजान सिंह, निवासी 102-26, ग्राम तिहार, दिल्ली ।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारी ख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध िक सी अन्य व्यक्तियों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास कि खित में किए जा सक गै।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयूथित शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि माप, 4 बीघा श्रौर 16 बिस्वे, ग्राम हस्तसाल, दिल्ली में स्थित है ।

> नरेन्द्र सिंह् सक्षम श्रीधकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 28-8-1982 मोहर प्ररूप आर्धः. टी. एन. एस.-----

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर नायक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज-II, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 28 श्रगस्त, 1982

निर्देश सं० ग्राई०ए०सी०/एक्यू०/II/एस० 11/1-82/8811—श्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 260-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 8 है तथा जो पंजाबी बाग, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी के कार्या-लय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से उधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाब्त उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृविधा के लिये; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हुं भारतीय आयकर अधिनियम, 1002 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अवं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के उन्सरण माँ, माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अधीत :--- (1) श्री सुखदेव मेहरा सुपृत्र श्री जगन्नाथ मेहरा, निवासी 8/81, पंजाबी बाग, गई दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री शिश भूषण ननगिया, श्रीर श्रीमती बन्देना ननगिया, निवासी 8/81, पंजाबी बाग, नई दिल्ली ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सैं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—-इसमें प्रय्क्त शब्दों और पदों का, थे। उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० $8/\hat{a}$ 1/2 हिस्से में बना मकान नं० / रोष्ट नं० 81 माप 268 $5\frac{1}{2}$, वर्ग गज पंजाबी बाग नर्ड दिल्ली में स्थित है । ग्रामीण एरिया ग्राम बसई, दारापुर दिल्ली राज्य ।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम (ग्रधिकारी) सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-II दिल्ली, नई दिल्ली-110002

नारीख: 28-8-1982

प्रकृष आई. टी. एत. एस.-----

आरथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारतं सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 28 श्रगस्त, 1982 निर्देश सं० श्राई०ए०सी०/एक्यू०/II/एस०श्रार० 11/1-82/6692—श्रतः मझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- राज्य से अधिक हैं

धीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम बुरारी, दिल्ली, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुमूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्राधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्राधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन तारीख जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है ---

- (क) प्रश्रदण ने हुई कियो ग्राय की यात्रवा उत्तर ग्रहि नियम के प्रधान कर देने के शस्ति के द्वागिस्त्र में कमी करने या उससे बचन में मृतिधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आध-कर प्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसर प्रिधिनियम या धन-कर प्रिधियम, 1957 (1937 का 27) के ग्रीजरार्ग (निर्धेत ज्ञास एकर नहीं किया गया या या किया जाना बाहिए था, खियाने में सुविधा के लिए;

अत. अब, उभन अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, वर्धातः :— (1) श्री बलराज सिंह सुपुत श्री शिव प्रसप्द, ग्राम हैदर पुर, दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री ईग्वर चन्द गुप्ता सुपुत्रं, श्री कली राम, निवासी डी-3/8, मोडल टाउन, विल्ली ।

(भ्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी कर हे पूर्वीक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध मं कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजात्र म प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में पे किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे '

स्वच्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दां धौर पदो का, जो उक्त प्रधि-नियम, के प्रध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थं होगा जो उस ग्रष्ठगाय में विया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि, कुल माप 1 बीघा और 4 बिस्वे, (1200 वर्ग गज) खसरा नं० 19/26, ग्राम बुरारी, दिल्ली में स्थित हैं।

नरेन्द्र सिंह सक्षम प्रधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) \mathbf{n} प्रजेन रेंज- \mathbf{I} , दिल्ली, नई दिल्ली- $\mathbf{1}$ 10002

तारीख: 28-8-1982

मोहरः

प्ररूप आर्ड.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

म्रर्जन रेंज-II नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 28 अगस्त 1982

निर्देश सं० श्राई०ए०सी०/एक्यू०-2/एस० श्रार० 11/1-82/6579—श्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम डिचौन कलाँ, दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची मे पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन तारीख जनवरी, 1982

को पूर्वा वित सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्परित को उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि सित में वास्तविक स्प से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण को बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; जोर/या
- (स) एंसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों स्त्रों, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ं--- (1) श्री जगलाल धौर श्री बाल किशम सुपुन्न श्री रित राम, ग्राम डिचोन कलां, दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सतबीर सिंह श्रौर श्री सुरेन्द्र सिंह सुपुक्त श्री रित राम, श्री रघुबीर सिंह, सुपुत्र श्री गोगन राम, ग्राम डिकोन कलां, विरूक्ती ।

(भन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोंक्त सम्पर्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन के भीतर उथत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास् लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त क्षन्यों भौर पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि, कुल माप 11 बीघा ग्रौर 16 बिस्वे, ग्राम डिचोम कलां, दिल्ली में स्थित है।

> नरेन्द्र सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज ^{II} दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 28-8-1982

प्ररूप बार्ड, टी. एन. एस.----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 4 सितम्बर, 1982निर्देश सं० श्चाई० ए० सी०/एक्यू०-1 एस० श्चार० 4/1-82/526 -- श्चतः मुझे, एस० श्चार० गुप्ता,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परुवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- क के अधीन सक्षन प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं के०~79 है तथा जो कृष्ण नगर, दिल्ली 51 में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख जनवरी, 1982 को पूर्वों क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ने यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वों क्त संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिभत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:~~

- (क) अन्तरण से हुई किमी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दाने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के किए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्वैष्ध के स्थि;

अतः अस, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियमं की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखीत व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री सुरजीत सिंह श्रिलियास ब्रजीत सिंह सुपुत्र जोगिन्दर सिंह, निवासी, के०-79, कृष्ण नगर, दिल्ली-51,

(ब्रन्तरक)

(2) श्रीमती रमेण रामी खन्ना पत्नी,
 श्री निरन्दर कुमार,
 निवासी, के०-79 ए,
 कृष्ण नगर, दिल्ली-51 ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि भा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विस्तित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः ----इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, ओ 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्**स्**ची

ग्रनुसूची कल माप

प्रोपर्टी नं० के०-79 कुल माप 248 वर्ग गज, ग्रामीण एरिया घोण्डली, शाहदरा, दिल्ली-51 के कृष्ण नगर, दिल्ली 51 में स्थित है।

> श्चार० एस० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्चायुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली 110002

तारीख: 4-9-1982

मोहरः

प्ररूप आइं. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत चंड्रकाड

कार्यालय, सष्टायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-I, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनाक 6 सितम्बर 1982 निर्देश स० ग्राई०ए०सी०/एक्यू०/1/एस०ग्रार० IV/1-82/ 539—ग्रत मुझे, एस० ग्रार० गुप्ता,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु से अधिक हैं

श्रौर जिसकी स० भूमि का हिस्सा है तथा जो ग्राम करावल, नगर, दिल्ली में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ला श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी, 1982 को पूर्वों क्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृष्टें क्स सपित का उचित बाजार मृल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकारें) और अन्तरित (अन्तरितयाँ) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण मिलत में वास्तविक रूप से किया गया हैं:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त जिथ-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने वा उससे वचने में सुन्या के निए; बीट्र/या
- (क) एसी किसी अप या किसी भन या अस्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के किए;

अत. अच, उक्त अधिनियम, की भारा 269-गृ.के, अनुस्त्रक्ष में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभा<u>रा</u> (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री पृथ्वी राज भूटानी सुपुत्र श्री गोविन्द राम निवासी-8574/3, बस्ती श्रराकाणन, पहाडगज, नई दिल्ली ।

(मन्तरक)

(2) श्री नरेश चन्द सुपुत्न श्री छोटे लाल, ग्राम सयाना जिला बुलन्दशहर (यू०पी०)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाहियां करता हुं।

उन्द सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बव्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त सन्धों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नग्स्यी

भूमि की माप 10 बीघा मीर. 17 बिस्ते, रेक्ट नं० 38, किला 18 मीर 22, रेक्ट नं० 48, किला 12/1, रेक्ट नं० 39 किला मं० 17/2 ग्राम करावल नगर, दिल्ली में स्थित है।

> एस० ग्रार० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) सर्जन-रेंज-में विल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 6-9-1982

मोहरः

प्रस्थ आहे. टी. एनं. एसं.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म् (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-Ĭ, नई दिल्ली

नई विल्ली, दिनांक 6 सितम्बर 1982

निर्देश सं० श्राई०ए०सी०/एक्यू०/1/एस० ग्रार० III 1-82/1686—ग्रतः मुझे, एस० ग्रार० गुप्ता,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,,000/- रह. से अधिक है

भौर जिसकी सं० एम० सी० डी० सं० 2826, गली नं० 18-19, प्लाट नं० 89, ब्लाक नं० पी० बीडनपुरा, करोलबाग नई दिल्ली में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध धनुसूची में भौर पूर्ण क्य से विंणत हैं), रजिस्ट्रीकर्सा धिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों की, जिनें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गटा था किया जाना काहिये था छिपाने में मिष्यधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिकिन क्षाक्तियों, अर्थात:— (1) श्री महेन्द्र 'कुमार' 'श्रीर' श्री राजकुमार सुपुत्र श्री देवकी लन्दन, निवासी--392, नया बांस दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

(2) 1. श्री कंवल कृष्ण मुपुत श्री सदा नन्द 2. प्रबीण कुमार मुपुत्त श्री हिर कृष्ण, दोनों का निवास—17/5. वैस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली 3 श्री हर चन्द सिंह सुपुत्र श्री चन्दन सिंह, श्रीमती बलवन्त कौर पत्नी श्री हरचन्द सिंह दोनों का निवास, एच—53 ए, रजोरी गार्डन, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संस्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकरेंगे।

स्यख्टींकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

वन्स्ची

पक्का दो मजिला मकान, एम० मी० डी० नं० 2826. गली न० 18, 19, खसरा न० /प्लाट नं० 89, ब्र्लाक नं० पी, कुल माप 161 वर्गे गज, बोडलपुरा करोलवाग, नई दिल्ली में स्थिन हैं ।

> एस०आर० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-I दिल्ली, नई दिल्ली 110002

तारीख : 6-9-1982 मोहर प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

भ्रजंन रेज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 सितम्बर 1982

निर्देश सं० ग्राई०ए०मी०/एक्यू०/1/एस० ग्रार० 111/1 - 82/1720—श्रन मुझे, एस० ग्रार० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इमके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० एन 32 है तथा जो कालका जी, नई विल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 हैं (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख जनवरी, 1982 को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार स कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिकत उद्वेष से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उपत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी थन या अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए,

असः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिति स्पितियों, अर्थात :---

- (1) श्रीमती शंकर देवी पत्नी स्वर्गीय श्री दीन दयाल सिंह श्रीर श्रीमती अनिता देवी पत्नी श्री गुलशन कुमार पुत्नी स्वर्गीय श्री दीन दयाल सिंह, दोनों का निवास 20, दुग्गल कालोनी, खानपुर, देवला रोड, ग्राम-खानपुर नई दिल्ली द्वारा उनके अटोनी श्री बिहारी लाल सचदेवा सुपुत्न श्री अरूड़ामल, 8/20, कालका जी एक्सटेशन, नई दिल्ली।
 - (ग्रन्तरक)
- (2) श्री गंगा शरण सुपुत्न श्री फकीर चन्द श्रीर श्री सुनील कंसल सुपुत्र श्री गंगा शरण, दोनो का निवास, एन-32, कालकाजी, नई दिल्ली ।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं.

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खं) ६ स सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

जनसंची

प्रोपर्टी नं० एन ०32. माप 200 वर्ग गज, कालकाजी, नई दिल्ली में स्थित है।

> एस० आर० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I दिल्ली, नर्ध दिल्ली-110002

तारीख : 6-9-1982

प्रकृप बार्ष टी एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज 1, नई दिल्ली नई दिल्ली दिनांक, 4 सितम्बर 1982

निर्देश सं० म्राई०ए०सी०/एक्यू०/1/एस० म्रार० III /1-82/ 1651--श्रतः सुझे, एस० म्रार० गुप्ता,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत भिव्यनियम' कहा गया है), की बारा 269-ख के प्रश्नीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ॰ में अधिक है।

ष्प्रौर जिसकी सं० 16/1646, ब्लाक नं० एफ०/33 नाई बाला करोलबाग, नई दिल्ली मे स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची मे पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, में नई दिल्ली मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से पिधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखिन उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त आधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह³ भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री केवल राम, श्रीमती शीला देवी निवासी 16/1646, गली नं० 33, नाईवाला करोल बाग, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री निरमल सिंह निवासी 26/26, पुराना राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पल्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हीं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

म्यूनिसिपल नं० 16/1646, ब्लाक नं० एफ० खसरा नं० 951, 33—नाईबाला, करोलक्षाग, नई दिल्ली में स्थित है।

एस० म्रार० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर म्रायुक्त, (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज -I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 4-9-1982

प्रभप बाइं.टी.एन.एस. ------

अगयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 289-घ (1) के ग्रंथीन सूचना

सारत सरकीर

कार्यालय, महायक आपकार आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेज -1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 सितम्बर 1982

निर्देश स० ग्राई०ए०सी०/एक्यू०/13 एस० ग्रार० III/1-82/1682--श्रतः म्मे, एस० श्रार० गुप्ता, प्रायक**र अधिनियम, 1961 (1961** का 43) (जिम इसमें इसके पक्ष्वार् 'उका अधिनिषम' कटा गया है, का धारा 269 ख के ब्राह्मीन अपन प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर संपत्ति जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/ হ০ मे अधिक ∄ श्रीर जिसकी सं० ए-14-ए है तथा जो ग्रीन पार्क, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबद्ध ग्रन्मूची मे पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के म्रधीन तारीख जनवरी, 1982 को पर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुकेयह विद्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वीका संपत्ति का उचित याजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफान स, एसे दृश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्त-रिती (अन्तरितियो) के बीच एैसे अन्तरण के लिए तय पाया गया

(स) अस्तरण में हुई कि ती आप की बायन उस्त अधि-नियम, के प्रधीन कर देंगे के धर्मारण वे का बिरण में कमी करने या उससे बचमें में सुविद्या के लिए: ग्रीर/या

प्रतिफल, निम्नालिकत उद्दरिध्य से उक्त अन्तरण लिखित में

बास्तविक रूप से कींधन नहीं विया गया है ---

(ख) ऐसी कियी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिल्हें भारतीय धाय-कर श्रिष्ठनियम, 1922 (1922 का 11) मां इस्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्रमीजनार्थ धन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया बा या किया जाना चाहिए या, छिपाने में स्बिधा के लिए:

अतः जनन अधिनियम की धारा 269-च के अनुसरण मे, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री जगमोहन नाथ सँगल मुपुत श्री बदरी नाथ सँगल निवासी ए-14-ए० ग्रीन पार्क नई दिल्ली

(ग्रन्तरक)

(2) मैंसर्म साउथ दिल्ली बिल्डर्स (प्रा०)लिमिटेड, 23/2, युसुफ सराय, नई दिल्ली ।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हु ।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में संकिसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उच्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्मुची

बनी हुई सम्पूर्ण सम्पत्ति नं ० ए-14-ए० ग्रीन पार्क, नई दिल्ली का 11 प्रतिशत भाग ।

> एस० आर० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-', दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 4-9-82

प्ररूप बाई. टी. एन. एस -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भूजीन रेज ा, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 6 सितम्बर 1982

निर्देश सं० श्राई०ए०मीं०/एक्यू० 1/एस० श्रार० 3/1-82/1685—श्रतः मुझे, एस० श्रार० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/रु. स अधिक है

ग्रौर जिसकी सु जे० 544, है तथा जो नाई वाला करोल, बाग नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख जनवरी, 1982

(1908 का 16) के प्रधीन तारीख जनवरी. 1982 को पूर्वोक्त सर्पास्त के उचिन पाजार मृत्य स काम के त्रिमान प्रतिफल के लिए अतिरित की गई है और मुक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्ति सपित का उचिन बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिज्ञत में अधिक है और अनरक (अतरको) और अतिरिती (अंतिरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्ल कि निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप में किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अपने में सृविधा के लिए; और/या
- (का) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मंं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निक्तिनित व्यक्तियों अर्थात्:--- (1) श्री सुरजीत कौर पत्नी श्री श्रमृत सिंह, बुधीराजा, निवासी ई-45, बालीनगर, नई दिल्ली द्वारा श्रटानीं। श्री बृज लाल भाटिया सुपुत्न श्री काका राम भाटिया, निवासी 47/19, श्रोल्ड राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

'2) श्री मोती लाल भाटिया सुपुत्न श्री काका राम भाटिया, निवासी 37/14, श्रोल्ड राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली ।

(भ्रन्सरिती)

कां यह सूचना जारी करके पुर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उन्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध शद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लि। खत में किए जा पकीये।

स्पष्टीकरण: ---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्यय 20-त म परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्यय में दिया गया है।

अनुस्ची

सम्पत्ति, मकान नं० 62/2186-87 श्रीर 2193 से 2196, गली नं० 63 श्रीर 62, नाई वाला करोल बाग, नई दिल्ली, तथा भूमि का प्लाट सं० जे-544, खसरा नं० 544, क्षेत्रफल 222 वर्गगज, के पट्टाधारी श्रक्षिकार सहित ।

एस० म्रार० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

नारीख: 6-9-1982

प्रकप आई० टी॰ एन॰ एस॰----

आवकर अधिनियमः, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 मितम्बर, 1982

निर्देश मं० आई०ए०सी०/एक्यू०-/एस० म्रार० / 1-82/1690म्रतः मुझे, एस० म्रार० गुप्ता,

आयंकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269- खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्या, 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं एस०-311 है तथा जो ग्रेटर कैलास-1, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधिन तारीख जनवरी, 1982 को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसमें दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरित (अन्तरित्वों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिवक रूप से किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयु की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

- (1) श्री वेद प्रकाण दत्त सुपुत्त स्वर्गीय श्री दीना नाथ दत्त, निवासी—एफ०-101, रजौरी गार्डन, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- (2) श्रीमती कुसुम करनानी पर्ता श्री जगदीण राय करनानी, निवासी-11/22, पुराना राजेन्द्र तगर, नई दिल्ली।

(,ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारीं करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्षन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पक्टोकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

एक मंजिला मकान नं० एम० 311, ग्रेटर कैलाम-1, नई दिल्ली।

> एस० भार० गुप्ता सक्षम ग्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण श्रजंन रेज-1 दिल्ली, नई दिल्ली 110002

अतः, अब, उबत अधिनियम, को धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नेलिखित व्यक्तिस्यों, अर्थात् :—

तारीख: 4-9-1982

प्रकप बाई • टी • एन • एस • -

श्रायकर अभिनियम; 1981 (1981 का 43) की धारा 269-घ(1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजन रंज-1 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक, 4 सितम्बर 1982

निर्देश स० फ्राई० ए०सो०/एक्यू० 1/ एस० फ्रार० III/ 1-82/1785---फ्रतः मुझे, एस० फ्रार० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन स्क्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुट से अधिक है

र्योग जिसको स० ई०-83 है नथा जो ब्रानन्द निकेतन, नई दिल्ला में स्थित हैं (श्रार इसंस उपाबद श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्राधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकर्त्ता श्राधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख जनवरी, 1982 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्ति।तियों) दा बीव एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फल निम्निलिख्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्रो शोरी लाल कपूर, नवासी, 30, जबाहर लाल नेहरू रोड, कलकत्ता-16 ।

(भ्रन्तरक)

(2) रीता मदान, मी०-51, आनन्द निकेतन, नई दिल्ली-1100021।

को यह सूचना जारी कर के पृथोंक्त सपस्ति के अर्जन के लिए एतव्द्वारा कार्यवाहियां करता हंू।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के संबंध में कोई भी आक्षेप 1--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 विन की अवधि या तस्तंबंधी व्यक्तियों पर सूचना
 की तामील से 30 दिन की भविधि, जो भी भविधि
 बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोकन व्यक्तियों
 में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
 हितबद्ध किसी मन्य क्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताकारी
 के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पब्टोकरण :--इसमें प्रयुक्त गड़दों और पदों का जो 'सकत अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

यमसी

प्रोपर्टी नं० डो०-83 ग्रानन्द निकेतन, नई दिल्ली में स्थित है ।

ग्म० ग्रार० गुप्ता सक्षम भ्रधिकारी महायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेज-1, नई दिल्ली 110002

प्रत , अब , उक्त अधिनियम , की धारा 269-ग के अनुमरण मं , मं , उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन , निम्नलिखित व्यक्तियों , अर्थात :--

तारीख: 4-9-1982

मोह्र :

प्ररूप् आइ. टी. एन. एस.-----

आयफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) ऋर्जन रेंज-I नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 मितम्बर 1982

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन राक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क. में अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० एल०/16 है तथा जो कैलाण कालोनी, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूर्व। में पूर्ण रूप में वणित है), रजिस्ट्राकर्त्ता श्रीधकारी के वार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्राकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधन नारीख जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की अवित, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिये था छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

(1) श्रीमती आजादेवी पत्नी, श्री नरोत्तम दास भद्धा, श्री हरोश कुमार भड्छा सुपुत श्री नरोत्तम दास बह्धा, निवासी एल/16, कैलाश कालोनी, नई दिल्ली ।

(श्रन्तरक)

(2) श्री तरुण मिसल सुपुत श्री बी० बी० मिसल, निवासी ई०-18, ग्रेटर कैलाण, एन्क्लेव-II, नई दिल्ली।

(ग्रन्तर्रात्।)

क्ये यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूधना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुए।
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पस्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पस्टीकरण:—हसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

मन्स्ची

एक मंजिला मकान नं० एल० /16, कैलाश कालोनो, नई विल्ली-48, माप 402. 6/10 वर्ग गज ।

एस० ग्रार० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण ग्रर्जन रेंज-¹ दिल्ली, नई दिल्ली--110002

तारो**ध**: 4--9 ·1982

प्ररूप आद्दं.टी.एन.एस. ------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रेज-I, नई दिल्ला

नई दिल्ली, दिनोंक 6 सितम्बर 1982

निर्देश मं० श्राई०ए०सी०/एसपू०-1/एस० श्रार० III/ 1-82/1642--प्रतः मुझे, एस० श्रार० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम मोठापुर, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसमे उपावद्ध श्रनुसूर्व। में पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ती श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जनवर, 1982

का पूर्वों कत संपिति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूओ यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐमे दृश्यमान प्रतिफल का पन्धह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक कें दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा कें लिए; और/या
- (स) ऐमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने मे सविधा के सिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण माँ, भौँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु :——

- (1) कैपीटल ईस्टेट लिकसं, बी०-22, महारानो बाग, नई दिल्ली द्वारा जनरल ग्रटीनो श्रा के० डा० बक्सी सुपुत्र श्री एल० डी० वक्सी निवासी सी 28, विवेक बिहार, दिल्ली 32 (ग्रन्सरक)
- (2) श्रीमती मधु कमलेग श्रग्नवाल पर्ता श्री कमलेग नारायण श्रग्नवाल, निवासी 18, डाक्टर लेन, नई दिल्ली । (ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पृथाकित सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकींगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि माप 4 बीघा श्रीर 16 बिस्वे खमरा नं० 149 (3-0), 164 (1-16) ग्राम-मीठापुर, तहसील महरोली, नई दिल्ली में स्थित है।

> एस० म्रार० गुप्ता सक्षम म्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरोक्षण ग्रर्जनरेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

नारीख: 6-9-1982

मोहर ः

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रजंन रेंज-1 नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 6 सितम्बर, 1982

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम कंपाणेडा, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसमें उपावद्ध श्रनुसूर्चा में श्रीर पुर्णेक्प से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ला में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन नारीख जनवरी, 1982।

को पूर्वोक्त संपरिस के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिपत्न के लिए अन्तरित की गृह है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दृह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल, निम्नतिश्वित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त बिभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए: और/या
- (का) एति किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मिवधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:——

- 1. (1) ब्रह्मदत्तः ग्रलियाम बांका सुपुत्र श्रा फतेह मिह
 - (2) श्रामना मिसरी देवी
 - (3) श्रामर्ता मृग्ता देवी दोनो मुपुत्र स्वर्गीय श्रा फतेह सिह
 - श्री बद्दलू राम मुगुव श्रा नत्थू
 - 5. रोधन लाल मुपुत्र था नत्थू
 - 6. मनोहर मूप्त श्री बुधराम
 - 7 श्री महेन्द्र सिंह मुपूब श्री मुन्दर लाल ग्रीर
 - 8. श्रीमती गोमती देवी पत्नी श्री सुन्दर लाल जिम्मेबार हरिराम, सत नारायण श्रीर जैसा कि श्रसली श्रीभ-भावक श्री दया नन्द सभी नावालिक ग्राम कंपागेडा तहसील महर्गली, नई दिल्ली मे निवासी हैं।

(ग्रन्तरक)

 श्री स्नार के० श्रीवास्तव (एच० यू० एफ.) हारा कर्त्ता श्रीमती रेखा श्रीवास्तव पत्नी श्री स्नार के० श्रीवास्तव निवासी 3/21, शान्ति निकेतन, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तिगता)

को यह सूचना जारी करके पृथोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ध) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि खमरा नं० 377/2 (2-8), 378 (4-16) श्रौर 379 (2-8) फुल माप 9 बीघा श्रौर 12 बिस्वे ग्राम कांपाणेडा, तहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित है ।

एस० भ्रार० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी

महायक ग्रायकर ग्रायकत (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज-I दिल्ली, नई दिल्ली 110002

तारो**ख** : 6--9--1982

पारत सरकार

कार्याजय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1 नई दिल्ली

नई दिल्ली, देनांक 6 शितम्बर 1982

निर्देश सं० श्राई०ए०सो०/एक्यू०/।/एस० श्रार० III/1-82/
1672—श्रतः मुझे, एन० श्रार० गुप्ता,
श्रायकर श्रिशित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिले
इनमें इसके पक्ष्वात् 'उक्त श्रिधित्यम' बहा ग्या है), की
श्रारा 269-ख के श्रिधीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास अरने
का कारण है के स्थावर सम्पत्ति, जिसका खिंति बाजार मूह्य
25,000/- रु० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम रजोकरी, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्य अनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रोकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रोकरण श्रिधितयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीत तारांख जनवरी, 1982 । को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपरित का उचित् बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए; आर्र/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसो घन या प्रम्य पास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए चा, छिपाने में सुविधां के लिए।

(1) श्री राधेष्याम गुप्ता सुपुत्र श्री बनवारो लाल गुप्ता, निवासी, ए-1, सो०सी० कालोनी, दिल्ली-7

(ग्रन्तरक)

(2) श्री रामानन्द मुकेश कुमार मृपुत्र श्री घमन्डी लाल, निवासी, 540/15, बसई रोड, गुडगावा,

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजीन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तिया;
- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिन्धित में किए जा सकरी।

सम्बद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त खब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस ग्राम्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि कुल माप 4 वीघा ग्रार 3 बिस्बे खसरा नं 1619 (3-7), 1620 (0-16) ग्राम रजोक्तरी, नई बिल्ली में स्थित है।

एस० भ्रार० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रामकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) भ्रजन रेज-1 दिल्ली, नई दिल्ली 110002

तारीख: 6-9-1982

प्ररूप वाहै, टी. एन्. एस.----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)की घारा 2694 (1) के भ्रामीत सुननाः

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1 नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक, 6 सितम्बर, 1982

निर्देश सं० न्नाई०ए०सी०/एक्यू०/—1/एस०आर**०** 3/ 1-82/1673--- श्रतः मुझे, एस० श्रार० गुप्ता, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की वारा 249 ख के अधीन सकाम प्राविकारी को, यह विश्वात करने का कारच है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका कवित बाजार मृख्य 25,000/- रु० से बांधिक है भौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम रजोकरी, नई बिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई षिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जनवरी, 1982 । सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिकत्त के लिए धन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारव है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मध्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पम्बह् प्रतिचत से अधिक है और मन्तरक (अन्तरकों) और बन्नरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रम्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त सन्तरण निजित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है।---

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रधि-नियम के भ्रधीन कर देने से श्रन्तरक के दायित्व में बसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अग्य भास्तियों को, जिम्हे भारतीय आयकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर आधि-नियम; 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया वया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः, जब, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की घारा 269-च की उपधारा (1) को सुधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अधित:---

- (1) श्री राधा कृष्ण, गुप्ता सुपुत्र श्री हुकम चन्य गुप्ता निवासी, एच॰ 31, कैलाश कालोनी, नई दिल्ली। (ग्रस्तरक)
 - (2) रामानन्द श्रौर मुकेश कुमार सुपुत्र श्री घमन्डी लाल, निवासी, 540/15, बसई रोड, गुड़गांवा।

(श्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के स्रिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजरत में प्रकाशत की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीत से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति हारा;
 - (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए का सकोंगे।

स्वब्दीकरण: -- इसमें प्रयुक्त गब्दों ग्रीर पदों का, जो उनत अधिनियम के ग्रष्ट्याय 20-क में परिमावित है, वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में विया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि कुल माप, 4 बीघा खसरा नं० 1620 मिन, ग्राम रजोकरी, तहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित है।

> एस० आर० गुप्त। सक्षम अधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निराक्षण) श्रर्जन रेंज-1 दिल्लो, नई दिल्ली 110002

तारीख: 6-9-1982

प्रकृप बाइ . टी . एन . एस . ------

आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज-I; नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 3 सितम्बर 1982

निर्देश सं० भ्राई०ए०सी०/एक्यू०-I-एस० श्रार० III/ 1-82/1648--भ्रतः मुझे, एस० श्रार० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा ग्या है), की धारा 269 व के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्राँर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम छत्रपुर, नई दिल्ली में स्थित है (ग्राँर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण छव से विणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारताय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रयीन नारीख जनवरी, 1982

को पूर्वों कत सम्पत्ति के जिसत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, जसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरिधियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक क्ष्म से किथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयुकी बाब्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अन्यतियों वृतारा प्रकट नहीं किया भवा था वा किया थाना वाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

बतः बद, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

- 1 (1) श्रीमती माया कटोच पत्नी लेफ्टि० जनरल श्री के० एस० कटोच,
 - (2) लेपिट॰ जनरल श्री के॰ एस॰ कटोच सुपुत स्वर्गीय श्री मेजर जनरल जनक सिंह, निवासी, जिमखाना क्लब ।

(भ्रन्तरक)

 मैंसर्स सेठ ब्रादर्स, 704, रोहित हाउस टालस्टाय मार्ग, नई दिल्ली-110001

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पृतित के अर्जन के जिल्ला कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व वे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृत्रारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्रुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-कु में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अनुसूची

कुषि फार्म भूमि साथ बंगला, दिल्लं। नगर निगम की सीमा में छात्रपुर रोड पर, नई दिल्ली के छतरपुर ग्राम के रिवेन्यू एस्टेट में, संघ शासित राज्य दिल्ली में खसरा नं 1482/2, 1483/2, 1488, 1489-17.08 प्रथित् 3.625 एकड़ ।

एस० भ्रार० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी

सहायक म्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-I दिल्ली, नई दिल्ली 110002

तारीख : 3-9-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) से अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 3 सितम्बर 1982

निर्देश सं० श्राई०ए०सी०/एक्यू०/1-एस० श्रार० I^{II}/ 1-82/1768---ग्रतः मुझे, एस० ग्रार० गुप्ता,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) कि धारा 269-ख के अधी। सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम छतरपुर, नई बिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जनवरी, 1982। को पूर्वेक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल को पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के क्मीन निम्नुलिखित व्यक्तियों, अधीर् ६---

(1) श्री भ्रार० डी० नानोट सुपुत्र श्री फकीर चन्द भानोट, निवासी एन०-31, ग्रीन पार्क एक्टेंशन, नई दिल्ली ।

(श्रन्तरक)

(2) श्रीं ग्रार० के० जाल न (एच० यू० एफ) श्री बी० के० जाल_्न (एच०यू०एफ०) निवासी 218, लिंगी चेटी स्ट्रीट, मद्रास -1 ग्रौर श्री एम० के० जाल न (एच०यू०एफ०) निवासी 89, नेताजी सुभाष रोड, कलकत्ता ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायनाहियां करता हूं।

ावत सम्पृतित के वर्जन वे सम्बन्ध में वर्ड़ भी वाक्षेप:--

- (क) इस श्वामा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी स्वित्तवाँ पर सूचना की ताधिक से 30 दिन की अवधि , जो भी अवधि बाद में समाप्त होतीं हो, के शीतर पृवांकित व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति बुवारा:
- (ख) इस नूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्बद्ध किनी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकों के ।

स्यदःशिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त जिमित्रमा, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया गया हैं।

अन्स्ची

1/2 हिस्सा कृषि भूमि माप 4 गीघा श्रीर 16 बिस्वे खगरा नं. $256^{1}1(0-7)$, 256/2(0-7), 256/3(4-2) स्यूब वैल सहित दो कमरे, रसोई मोटर, फार्म ग्राउस, ग्राम छत्रपुर, तहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित है।

एस० म्रार० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी, सहायक भायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 3-9-1982

प्रकृप भाइं.टी.एन्.एस.------

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर भ्रागुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-1 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 3 सितम्बर 1982

निर्देश सं० भ्राई०ए०सी०/एक्यू०/1/एस० भ्रार० 111/ 1-82/1769—म्प्रत: मुझे, एस० भ्रार० गुप्ता,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (ित्रसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269- है के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास बारने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उन्जित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० कृषि भूमि है। तथा जो ग्राम एतरपुर
नई दिल्ली में स्थित है (भीर इससे उपायद्य श्रनुभूवी में
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिक री के कार्यालय,
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रांबनियम, 1908
(1908 का 16) के श्रधीन तारीख जनवरी, 1982।
को प्रवेक्त सम्पत्ति के जिल्ला काजार मूल्य से कम के दश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथाप्नोंक्त संपरित का उचित वाजार
मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिपल का
पन्ताह प्रतिकृति से अधिक है और प्रतिक्त (अंत्रका) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तए पाया गटा प्रतिफल निम्न लिखित उद्यंश्य से उक्त अन्त्रण लिक्ति में व स्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनिय्त के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसे आय या किसी धन अन्य आस्थियों की जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अस्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए

(1) श्री स्नार० डी० भानोट सुपुत्र श्री फकीर चन्द भानोट निवासी एन-31, ग्राम पार्क एक्टेन्शन, नई दिल्ली

(श्रन्तरक)

(2) श्री स्नार० के० जालन (एच० यू० एफ०)
श्री बी० के० जालन (एच० यू० एफ०)
निवासी 218, लिगी चैटी स्ट्रीट,
मद्रास श्रीर श्री एम० के० जालन (एच० यू०एफ)
89, नेताजी सुभाप रोड,
कलकत्ता ।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोंका सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन वी अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वान;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किभी अना व्यक्ति एवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्धों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

वनुस्पी

1/2 हिस्सा कृषि भूमि मार 4 बीघा प्रौर 16 बिस्वे खसरा गं \circ 256/1 (0-7) 256/2(0-7), 256/3 (4-2) ट्यूब वैंल सहित दो धमरे, रसोई मोटर, फार्न हाउस ग्राम, छतरपुर, महरौली, नहें दिल्ली में स्थित हैं।

्रसं०म्रार० गुप्ता स्क्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्गन रेंज⊶I दिल्ली, नई दिल्ली-110002

अतः अवः, उक्त गिधनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की अरा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नेलिस्ति व्यक्तियों, अर्थातु:—

तारीख: 3-9-1982

प्ररूप भार्यः टी. ए**न्, एस्<u>,</u>-=-**==

अत्यकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधान सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रंज-1 नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 3 शितम्बर,

निर्देश सं० श्राई०ए०सी०/एक्यू/1-एस० श्रार० 111/

1-82/1770-अतः मृझे, एस० आर० गुप्ता,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्गे इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' वृहा गया है"), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास कर्द का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम छतरपुर, नई दिल्ली में स्थित है(ग्रीर इसने उपावद्य ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारोख जनवरी, 1982। को पूर्वोक्त सम्पत्ति वे उचित बाजार मूल्य से कम के दुण्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूहप, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिक्रल का पन्द्रह प्रतिशत से पश्चिक है मौर म्रभ्तरक (यन्तरकों) श्रीर यन्तरिती (मन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण ह लिए 11 ताता पर प्रतिकत, निम्न**लियित** अद्देश्य से उत्तर घन्तरम निवित्त से वस्तविक रूप से कावित त्त्वीं किया गया है।---

- (क) ग्रन्तरम में हुई किसी आप की बाबर, उक्त मधि-नियम, के अधीन कर देने के भग्तरक के बायिए मे कमी करने या उसके बचने 🁯 सुविधा के हिना; **भौर/**ग
- (बा) ऐसे किसी प्राय या किए धन या रूप आ स्लिम को, जिन्हें तरतीय भागान यिविताम, 1922 (922 का 11) या उक्त ग्रसिनियम, या भ्राक्कर भ्रधि नेयम, 1957 (1957 हा 27) के प्रयोजनार्थं प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गरा या या किया जाना नाहिए । ' कियाने के म्बिया के 'लए;

द्यतः द्राव, अक्त अधिनिरम को धारा 269-ग के वनुसरण में, मैं उक्त धिनियम की भारा 2 89-व की स्पन्नाया (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धत्:--

(1) संजीब भानोट सुपुत्र श्री प्रार० डी० भानोट ग्रांर राजीव भानोट सुपुत्र श्री भ्रार० डी० भानोट श्रौर कुमारी शरूती भानोट सुपुत्नी श्री ब्रार० डी० भानोट, निवासी एन-31, ग्रीन पार्क एक्टेंन्शन, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री भ्रार० के० जालन (एच० यू०एफ०), बी० के० (एच० यू०एफ०) निवासी 218, लिगी चेटी स्ट्रीट, मद्राम -1 एम० के० जालान (एच० यू०एफ०) निवासी, 89 नेताजी सुभाष चन्द रोड, कलकत्ता ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हु।

उपत सम्पत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में काई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचता के राजनत में उन्नाम की तारीख से 45 दिन की अवधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील में 30 दि। को श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होतो हो. के भातर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजग्ल में उत्ताणा की नारील से 45 दित के भीतर उक्त स्थापर सम्यन्ति में हितबद किसी भन्य व्यक्ति गरा, प्रश्रोहराक्षरो क पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्योक्तरण:--इसमें प्रयुवन शक्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्राध-नियम के अध्यार 20 ह में परिभाषित है, बही श्रर्थ होगा, जो उन प्रध्याय में दिया गया है।

1/2 हिरसा कृषि भूमि माप 8 बीधा ग्रांर 16 बिस्बे, **बस**रा नं० 251 (4-16), 2:0/3 (3-4), 250/1 (0-16) ग्रान छतरपुर, तहसील गहरौली, गई दिल्ली में स्थित है।

> एस० श्रार० गुप्ता सक्षा प्राधिकारी ाहायक भ्रायवर भ्रायुका (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली 110002

गरीख : 3- 1-1982

भोहर:

शरूप आ**द**े.दी.**एन्.एस्**्न----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज•1 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 3 सितम्बर 1982

निर्वेश सं० श्राई०ए०सी०/एक्यू०/1/एस० श्रार० 111/ 1-82/1771—श्रतः मुझे एस० ग्रार० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किमी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री संजीब भनोट सुपुत्र श्री ग्रार० डी० भानोट श्रौर राजीव भानोट सुपुत्र श्री ग्रार० डी० भानोट श्रौर कु० शक्ती भानोट सुपुत्री श्री ग्रार० डी० भानोट, निवासी एन० 31, ग्रीन पार्क, एक्टेन्शन नई दिल्ली (श्रन्तरक)
- (2) श्री ग्रारं के जालन (एच० यू० एफ०) बी० के० जालन (एच० यू०एफ०) निवासी 218, लिंगी चैटी स्ट्रीट मद्रास, 1, एम० के० जालन (एच० यू० एफ०) निवासी 89 नेताजी नुभाष रोड, कलकत्ता ।

को यह स्वना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के सिष् कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई" भी वाक्षेप :-

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकासन की तारीच धं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवाँक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थब्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, मही कर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्षी

1/2 हिस्सा कृषि भूमि माप 8 बीघा ग्रीर 16 बिस्बे, खसरा नं० 251 (4–16), 250/3 (3–4) 250/1 (0–16) ग्राम छतरपुर, तहसील महरौली नई दिल्ली में स्थित है।

एस० ग्रार० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 3-9-1982

मोहरः

प्ररूप आई.टी.ए. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वाय्वत (निरीक्षण)

श्चर्णन रेंज-I नई बिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 6 सितम्बर 1982 निर्देश सं० ग्राई० ए०सी० /एक्यू०/1-/एस० ग्रार० III/ /1-82/1637—श्वतः मुझे, एस० ग्रार० गुप्ता,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उका अधिनियम' कहा गरा है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- रा. से अधिक है

शौर जिसकी संख्या कृपि भूमि है तथा जो ग्राम
गर्घरेपुर नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के
कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिकारी के
कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिकारी,
1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जनवरी, 1982
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान
श्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्घ है और मुक्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिश्रत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निक्तित में वास्तिक
कप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के बन्तरक के दायित्थ में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनिशम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनिशम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया ज्या था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण के मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अधीत् :--

- '1) डब्ल्यू० श्रार० जे० ग्रार० ऐसोसियेट, 45/47 बी० कनाट प्लेस, नई दिल्ली। द्वारा इसके साझीदार श्री श्रनिल मेहरा। (श्रन्तरक)
- (2) ग्रशोक कुमार सोनी सुपुत्न श्री शुप्ती लाल सोनी । निवासी, 33/28, ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली । (ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त संपरित के बुर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित् के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेष् :--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की सारीश से 45 विन की अविधिया सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधियाद में समान्त होती हो, को भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति
- (ख) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारी ब्रंसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित्य वृक्ष किसी अन्य व्यक्ति क्यांतर अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी गे।

स्पट्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि माप 3 बीचा ग्रौर 5 बिस्वे, खसरा नं० 290 मिन, चारदीवारी ग्रौर ट्यूव वैल सहित, ग्राम गघईपुर तहसील-महरौली, नई दिल्ली में स्थित है ।

> एस० श्रार० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जेन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 6-9-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I

नई दिल्ली, दिनांक 6 सितम्बर 1982

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वार करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम गधईपुर नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख जनवरी, 1982 को पूर्वों कत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक क ए से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबल, उक्स अभिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे क्यने में सृविधा के लिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविशा के लिए:

अतः अत्र अवत अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, अक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधान (1) के अधीतः निम्निसित व्यक्तियों, अधीतः — 11—276 GI₁82

- (1) श्रीमती श्रोमवती गुप्ता, मि० श्रवुल कुमार गुप्ता, 9-दरिया गंज दिल्ली मि० राम कंबर मि० ललित कंबर, कंबर, ए०-424, कृष्ण नगर, दिल्ली । (श्रन्तरक)
- (2) मैंसर्स मोन्टी लेबोरेट्रीज (प्रा०) लिमिटेड, 79-80, नेहरू प्लेस. नई दिल्ली । (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकींगे।

स्थाध्योकरण:--इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उद्धा अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खसरा नं० 288 और 289 ग्राम गर्घरपुर, तहसील महरौली, दिल्ली माप 9 बीघा और 1 बिस्वा ।

> एस० भ्रार० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-र्रे दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 6-9-1982

प्रस्पे आई० टी• मन•एस•---

मायक्तर मिधिनियस, 1961 (1961 का 43) को धारा 269व(1) के प्रधीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज-I

नई दिल्ली, दिनांक 6 सितम्बर 1982

निर्वेश सं० ग्राई०ए०सी०/एक्यू०/1/एस० ग्रार० III/ 1-82/1792---श्रत : मुझे, एस० श्रार० गुप्ता,

1-82/1792---अत : मुझ, एस० आर० गुप्ता, धायकर ग्राधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिमे इसमें इसके पश्चात् 'उना प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- स्पर्ये से अधिक है

भौर जिसकी सं० कृषि भूमि है । तथा जो ग्राम महरौली,
मई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपावत अनुसूची मे
पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली मे भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908
(1908 का 16) के श्रधीन तारीख जनवरी, 1982 .
को प्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है श्रौर मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
करते श्रिका से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भौर
भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—-

- (च) श्रन्तरण में हुई किसी श्राय की बाबन, उक्त धिंछ-नियम के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायिश्य में कमी करने या उससे बचने में मुक्षिष्ठा के लिए भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाष पा किसी धन वा प्रत्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय भ्राय-भर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त प्रधिनियम, भ धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के त्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया' या या किया जाना श्रीहण था छिपा में में सुविधा के लिए;

कतः वय, उकत अधिनियम, की धारा 269-ग के अवस्या में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित अधिनत्यों, अर्थात्

- (1) श्री मुखदेव सिंह गम्भीर मुपृत्न श्री ज्ञान सिंह गम्भीर, निवासी के०-42, कनाट ग्लेम, नई दिल्ली । (अन्तरक)
- (2) मैं मसं सूरी ब्रिक्स ट्रन्डस्ट्रीज, ग्राम महरौतो, नई दिल्ली द्वारा इसके साझीदार श्री राकेण कुमार सूरी

(ग्रन्तरिती)

का रर्प्रता रण करक र्रीमा उत्सार अर्जन के लिए कार्यमाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राञ्जेप :--

- (क) इस यूत्र ना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अनिधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जी भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में ने किसी स्पृति द्वारा;
- (ख) , प रवता ह राजरत न सकाणन हो नारीख स 45 दिन ह भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोत्ह्स्तक्षारों के पास त्रिखित में किए जो सर्वेगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उनत प्रिष्ठ-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है

जन्सुधी

कृषि भूमि माप 12 बीघा श्रौर 2 बिस्वे, एम० नं० 37, किल्ला नं० 3 (4-15), 5/1 (2-8) 8/2 (2-8) 9(1-2) 12 (1-9) ग्राम महरौली, तहसील महरौली, नई दिल्ली मे स्थित है ।

एस० म्रार० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रार्जन रेज-I डिल्लो, नई दिल्ली-110002

नारीख 6-9-1982 मोहर प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

अनायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष् (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजीन रेंज-I

नई दिल्ली, दिनांक 6 सितम्बर 1982

निर्देश सं० ग्राई०ए०सी०/एक्यू० III/1-82/1802-श्रतः मुक्ते, एस० ग्रार० गुप्ता,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- ह० में भिक्षक है

भौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम महरौली, नई विल्ली में स्थित है (शौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय नई विल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिकारी के कार्यालय कई विल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिकायम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख जनवरी, 1982 को पूर्वोक्त सम्पित के उचित बाजार मृत्य में कम के दृश्यमान प्रतिक्षण के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम महने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मंगति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल सं, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पत्यह प्रतिश्वत से श्रिधक है श्रीर श्रन्तरक (अन्तरकों) श्रीर श्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त कि निम्तिलिय उद्भय से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक का से कियत नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उका श्रिष्ठ नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उसमें बचने में मुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या अन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, वा धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अध उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ल की उपधारा (1) के स्थीन, निम्निस्थित व्यक्तियों, अधृति :——

- (1) श्री जगदीश, लीले, प्रेम चन्द सुपुत, श्री सोहन निवासी, ग्राम घिटोरनी, तहसील महरौली, नई दिल्ली । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री श्रार० डी० गुप्ता सुपुत्र स्वर्गीय एल० मनोहर लाल निवासी, 159 ए, शाहपुरजट, नई विस्ली । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां मुक्त करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजंत के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की घविष्ठ या तःसम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घविष्ठ, जो भी अविष्ठ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस भूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीज से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्पद्धी हरण :-इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त ग्रिक्षिनियम, कं प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही सर्च होगा, जो उन प्रध्यय म दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि माप 33 बीघा और 19 बिस्वे का 1/2 हिस्सा, मुस्तातिल नं० 61, िकल्ला नं० 19/2(2-16) 20(4-16) 21(4-16), 22(4-16), भुस्तातिल नं० 62, िकल्ला, नं० 16(4-16) 24(4-12), 25(4-16), मुस्तातिल नं० 63, िकल्ला, नं० 4/1(0-17), 5/1(0-17), मुस्तातिल नं० 64, िकल्ला, नं० 1/1(0-17) ग्राम महरोली तहशील महरौली, नई विल्ली में स्थित है।

एस० म्रार० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज-I दिल्ली, नई विल्ली-110002

तारीख: 6-9-1982

त्रक्ष आर्चा टी. एन्. एस्. ------

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-भ (1) के नभीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (दिरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज- नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 6 मिनम्बर 1982

निर्देश सं० श्राई०ए०सी०/एक्यू० I/एस० श्रार० 111/ 1-82/1803--श्रत मुझे, एस० श्रार० गुप्ता,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिस्का उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी म० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में, पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जनवरी, 1982 को पूबोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके स्त्रयमान प्रतिफल से, एसं दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितयाँ) के बीच एसं अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नतिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तिस में वास्त-विक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) जन्तरण संहुइ किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; जॉर/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विभा के लिए;

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) श्री जगदीश, लीले, प्रेम चन्द मुपुत्र श्री सोहन, निवासी, ग्राम---धिटोरनी, तहसील-महरौली, नई दिल्ली

(ग्रन्तरक)

(2) श्री भ्रार० डी० गुप्ता सुपुत्र श्री स्वर्गीय एल० भनोहर लाल, निवासी, 159 ए, शाहपुर जट, नई दिल्ली। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के नर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीह से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धिकरणः - इसमः प्रयुक्तः शब्दो और पदो का, जा उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क म परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

जन्त्रकी

कृषि भूमि 1/2 हिस्सा 33 बीघा ग्रौर 19 बिस्वे, मुस्तातिल नं० 61, किल्ला नं० 19/2 (2-16), 20 (4-16) 21 (4-16), 22 (4-16), मुस्तातिल नं० 62, किल्ला नं० 16 (4-16) 24 (4-12), 25 (4-16) मुस्तातिल नं० 63, किल्ला नं० 4/1 (0-17), 5/1 (0-17) मुस्तातिल नं० 64, किल्ला नं० 1/1 (0-17), ग्राम—महरौली, तहसील-महरौली, नई दिल्ली में स्थित है।

एस० श्रार० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारी**ख** . 6−9−1982 मोहर: प्ररूप आई.टी एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्योताः, सहायह प्रायहर प्रायमा (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 सितम्बर 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी० एक्यू०-1/एस० ग्रार०-Ш/
81-82/1627—श्रतः मुझे एस० ग्रार० गुप्ता
ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-स्र के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित गाजार मृ्ल्य
25,000/- रु. से अधिक हैं

त्रार जिसका सठकाय भूगम ह तथा जा ग्राम मालरबन्द, नइ दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरिस की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्षल, निम्निलिखत उद्देश्य से उचन अन्तरण निम्नित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सृविभा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विमा के सिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तिसों, अर्थात् ६—

 श्री ज्ञानी मिलियास ज्ञान चन्द सुपुत्र श्री भिखारी, निवासी, ग्राम मोलरबन्द, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती वया बती पत्नी श्री ज्ञानी श्रलियास ज्ञान चन्द निवासी ग्राम मोलरबन्द, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजप्त्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी अ्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टिकरणः — इसमं प्रयुक्त शब्दों और पूर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

नम्सूची

1/2 हिस्सा खसरा नं०-598,/599, 605, 606, 607, 608, 627/5 श्रीर

1/3 हिस्सा खसरा नं०-619, 620, 654/1, 616, 617 श्रौर

1/6 हिस्सा खसरा नं०-621, 786 सें है जो ग्राम-मोलर-बन्द, तहसील—महरौली, नई दिल्ली में स्थित है।

> ऐस० भ्रार० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 6-9-1982

मोहरः

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०

प्रायकर प्रिधिनियम, 1981 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्ण)
भार्जन रेंज-I, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक ६ सितम्बर 1982

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू०/1-/एस० ग्रार० III
1-83/1628—-यतः मुझे एस० ग्रार० गुप्ता
प्रायकर मिश्रिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त मिश्रिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख
क प्रभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृष्य 25,000/क्यए से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम मोलरबन्द, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इस उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जनवरी 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के दृश्यमान प्रतिक्रल के लिए मन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत से मधिक है ग्रीर मन्तरक (मन्तरकों) ग्रीर भन्तरितों (भन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया प्रा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में भाकतिकल, निम्नलिखित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के सिए; और/या
- (का) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था का किया जाना चाहिए था ख्वित भें सुविधा के सिए;

भ्रतः बन, उन्त प्रविनियम की धारा 269-ग के भनुसरण में, में, उन्त प्रविनियम की धारा 269-व की उपश्रारा (1) के अभीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, भ्रवीत्:—

- श्री ज्ञानी श्रलियास ज्ञान चन्द सपुत्र श्री भिखारी, निवासी ग्राम मोलरबन्द, तहसील—महरौली, नई विल्ली। (ग्रन्तरक)
 - 2. श्रीमती दया वती पत्नी श्री ज्ञानी श्रलियास ज्ञान चन्द निवासी ग्राम मोलरबन्द, तह्सील-महरौली, नर्ष दिल्ली।

(मन्तरिती)

को यह नुवारा नारो करके पूर्वीका सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पति के भ्रार्थन के सम्बन्ध में कोई भी भ्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस पुचना के राजरल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वश्वोकरण:--इसमें प्रयुक्त मध्यों पौर पदों हा, जो उक्त श्रवि-नियम, के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस भ्रष्टयाय में दिया गया है।

बुबुबुची

1/2 हिस्सा कृषि भूमि में जिसका माप 29 बीघा और 1 विस्वा है खसरा नं० 598, 599, 605, 606, 607, 608, 627/5 श्रौर 1/3 हिस्सा कृषि भूमि में जिसका माप 6 बीवा श्रौर 19 विस्व खसरा नं०-619, 620, 654/1, 616, 617 श्रौर 1/6 हिस्सा खसरा नं० 621, 786 में है जो ग्राम--मोलरबन्द, तहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित है।

एस० ग्रार० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज -I, विल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक 6-9-1982 मोहर: प्ररूप आर्डी टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांतय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 6 सितम्बर 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०-1/एस० श्रार०-III 1-82/1629---यतः मुझे, एस० श्रार० गुप्ता,

भायकर भविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भिधीन वश्य पाधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संरक्ति, जिसका उचित काजार मूल्य 25,000/- क० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो मोलरबन्द, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे पह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिक्षत ग्राधिक है और प्रस्तरक (अन्तरकों) भीर प्रस्तरित (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में बास्तविक खप से किथा नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण में हुई किसी भाग की बाबत उक्त प्रश्नि-नियम के संधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (स) ऐपी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम् की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निम्नतिसित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- 1. श्री हरी चन्द सुपुत्र श्री रष्टुबीर, निवासी ग्राम मोलरबन्द, नहसील महरौली, नई दिल्ली। (श्रन्नरक)
- 2 श्री श्रहण राय सुपुत्र श्री मुशील कुमार अग्रवाल, निवासी डी०-259, डिफेन्म कालोनी, नई दिल्ली। (ग्रान्तिनी)

को यह नुबना जारो करके पूर्वीका सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहिया करला है।

उना सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूबता के राजाद में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की सर्वाध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस भूवता के राजात में प्रकाशत को तारीख में 45 वित के भीतर उत्त स्थावर सम्पति में हितवद किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, अधोक्स्ताखरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्सीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अक्षितियम के भश्याय 20-क में परिभाणित हैं, वहीं भर्षे होगा, जो उस सभ्याय में विमागमा है।

वम्सूची

कृषि भूमि एरीया 13 बीघा श्रीर 13 बिस्वास, खसरा नं० 849 (0-14), 850 (2-17), 851 (1-0), 852(3-0), 853(4-12), 854(1-10) ग्राम मोलरबन्द, तहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित है।

श्रार० एस० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

नारीख: 6-9-82

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) हो बार। 269-च (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयंक्स (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 सितम्बर 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-1/एस० आर०-III/ 1-82/1630---यत:, मुझे, एस० आर० गुप्ता,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन मक्षम प्रधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मम्पत्ति, जिमका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम मोलरबन्द, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त संपित के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पर्वह प्रतिशत श्रीवक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्निकिक हम से किया नहीं किया गया है:--

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उनत श्रिष्ठिषयम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रीयित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर श्रीधित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

 श्री ज्ञानी भ्रलियास ज्ञान चन्द सुपुत्र श्री भिकारी, निवासी ग्राम मोलरबन्द. तहसील महरौली, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

2. श्री अशोक कुमार एम० श्रग्रवाल मुपुत्र श्री मनोहर लाल श्रग्रवाल, निवामी 70, टोडरमल रोड, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के भ्रजन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन क सम्बन्त्र में कोई भी आक्रोप :---

- (क) इस सूचना के राजान में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर मृचना की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भो श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खा) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रघोहरूताक्षरी के पास निश्वित में किए जा सर्केंगे।

स्पच्छीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रोर पदों का, जो उकत श्रिधिनियम के श्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

कृषि भूमि माप 16 बीधा ग्रौर 12 बिस्वे, खमरा नं० 855(4-16), 856(3-10) 857(1-15), 858(4-15), 859(1-16) ग्राम मोलरबन्द, तहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित है।

एम० भ्रार० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-1, विल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 6-9-1982

प्रकप भाई० टी• एन० एस०------

यायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के मधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली
नई दिल्ली-110002, दिनांक 6 सितम्बर 1982

निर्देश मं० श्रार्थ० ए० सी०/एक्यू०-1/एस० श्रार०-III/ 1-82/1712---यतः मुझे, एस० श्रार० गुप्ता,

पायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ह० से प्रधिक है,

श्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम बिजवासन, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रवीन, तारीख जनवरी 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफन के लिए प्रन्तरित की गई है घौर मुखे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है घौर प्रन्तरक (अन्तरकों) घौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रश्तरण से हुई किसी आय की बाबत, इना प्रधितियम, के प्रधीन कर देने के प्रम्तरक के वायिस्व में कभी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; प्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर श्रिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनयम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाये अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः ग्रब, उनतं ग्रिधिनियमं की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उकतं ग्रीधिनियमं की धारा 269-व की उपधारा (1) के ग्रिधीनः निम्नलिखितं व्यक्तियों, ग्रायीतः---12---276GI/82 श्री रधुबीर सिंह, जय सिंह श्रौर दिलबाध सिंह सपुत श्री सुमेर सिंह, निवासी ग्राम बिजवासन, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

2. मैंसमं सी० लाइल एन्ड कम्पनी (निर्माण) (प्रा०) लिमिटेड, 115 ध्रनसल भवन, 16 के० जी० मार्ग, नई दिल्ली।

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्प्रति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेत्र :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो
 भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकन
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति मे हितबद किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उक्त श्रिष्ठितियम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, बही श्रद्यं होगा जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि माप 17 बीघा ग्रौर 3 बिस्वे खसरा नं० 174 मिन (17—03) ग्राम—बिजवासन, नर्ष दिल्ली में स्थित है।

> एम० श्रार० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 6-9-1982

मोहरः

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस.------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ध (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज- , नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 6 सितम्बर 1982

निर्देश मं० ग्राई० ए० मी०/एक्यू०/1/एम० ग्रार०-III/1-82/1713—यत. मुझे, एम० श्रार० ग्रुप्ता,

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/रु. में अधिक है

धौर जिसकी म० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम बिजवासन, नई दिल्ली में स्थित है (धौर इससे उपावड अनुसूची में धौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन नारीख जनवरी, 1982

को पूर्वोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सो, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिष्ठात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित मे नास्तिक रूप से किंबत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए, और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के किए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिंखत व्यक्तियों, अर्थात् ः — श्री छत्तर सिह सुपुत्र श्री रतन सिह, निवासी, ग्राम—बीजवासन, दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

2 श्री गोपाल अन्साल मुपुत्र श्री चरन्जी लाल, निवासी 115 श्रन्साल भवन 16 के० जी० मार्ग, नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हा से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राज्यक्ष मो प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उवत स्थावर सम्पन्ति मा हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिकित मा किए जा सकेंगा।

स्पष्टीकरणः---इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उस्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि माप 14 बीघा श्रौर 6 विस्वे रेक्ट न० — 6, खसरा नं० 12 (4—16), 9(4—16), 2(1—08) 10/1 श्रौर 1/2(3—06) ग्राम विजवामन, नई दिल्ली में स्थित है।

(एस० श्रार० गृप्ता) सक्षम श्रिधिकारी सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज₌[[], दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारी**ज**ं 6-9-1982 मोहर प्ररूप आर्घ. टी. एन. एस ------

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2**69-ष (1) के अधीन स्**चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेज I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 6 सितम्बर 1982

निर्देश म० प्राई० ए० मी० /एस्यू०/ 1/एसस ग्राग०-III/ 1-82/1780--यत मुझे, एस० ग्रार० गष्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

यौर जिसकी स० कृषि भृमि है तथा जो ग्राम बिजवासन, नई दिल्ली में स्थित है (श्रांर इससे उपाबह प्रानुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितेफल के लिए अन्तरिती की गई है और मुभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीज एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण स हुई जिल्ली आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए. और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया का जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए.

अत अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के सधीन. निम्निलिसिन व्यक्तियों, अर्थात ---

 श्री बीमा सुपुत्र श्री लाला निवासी ग्राम—विजवासन, नई दिल्ली।

(श्रन्तरक)

2. श्री प्रवेश चन्द कपूर (एस० यू० एफ०) इसके कत्त के द्वारा श्री प्रवेश चन्द कपूर सुपुत्र श्री हरी चन्द कपूर निवासी ई-9, श्रशोक बिहार, फेस-1, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 विन की सविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा,
- (च) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त जिधनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

मन्त्रची

कृषि भूमि माप 11 बीघा ग्रीर 12 बिस्ये एम० न० 88, किल्ला न०-19(4--11) 22(4--16), 28(0--6), एम० न०-105 किल्ला नं0 2 मिन (2--0) ग्राम बिजावासन, तहसील महरोंनी, नई दिल्ली में स्थित है।

एस० म्रार० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेज J, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

नारीख 6-9-1982 मोहर प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 6 सितम्बर 1982

निर्देश मं० श्राई० ए० सी०/एनयू०-1/एस० श्रार०-III/ 1—82/1781—यत मुझे, एस० श्रार० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसकें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह बिश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम—विजवासन, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची मे भ्रौर पूर्ण रूप मे विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीम तारीख जनवरी, 1982

को पूर्विक्स संपरित के उचित बाजार भूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्स सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंक्रह प्रतिदात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिख्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट रहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सर्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं., उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :----

 श्री भीमा सुपृत्न श्री लाला निवासी, ग्राम—विजवासन, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती हरमोहन कौर सेठी पत्नी श्री हर मोहिन्दर सिंह सेठी श्रीर श्रीमती परमजीत कौर सेठी पत्नी श्री रतन सिंह सेठी, निवासी, एफ०-65, राजपुर रोड, देहरादून।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्बवाहियां करता हुं।

उक्स सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंपः ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 विन की अविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविभ, जो भी अविभ नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा स्कोंगे।

स्पस्टीकरण: ---इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बह्री अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्सूची

कृषि भूमि कुल माप 13 बीघा ग्रोर 8 बिस्वे का 1/2 हिस्सा, एम० नं०-88, फिल्ला नं०-9-12(4--8), 10-11, ईस्ट (3--1), 20(4-10), 21/2(1-9) ग्राम-बिजवासन, तहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित है।

एस० ग्रार० गुप्ता मक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

नारीख: 6-9-1982

प्रकृष ग्राई० टी० एन० एस०------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के स्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्यन रेज, 1 जालन्धर

नई दिल्ली, दिनाक 6 सितम्बर 1982
निर्देण स० ग्राई० ए० सी० (एक्यू०/1/एस० ग्रार०III/1--82/1782--यत भुझे, एस० ग्रार० गुप्ता,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे
इसके पक्षात् 'उक्त ग्राधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उवित वाजार मूल्य 25,000/रुपए में ग्रधिक है

ग्राँर जिसकी स० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम बिजवासन, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपावछ श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूह्य से कमके दृश्यमान प्रतिकत्त के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाय करने का कारग है कि यया पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित या जार कृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिथा से मधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) यौर अन्तरिती (अन्तरित्तियों) के बोच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक हुए से किया गया है:—-

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबन, उका अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; शीर/या.
- (का) ऐसा किसो आव या किसी बन या अन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में भृविद्या के लिए।

अतः बाब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

श्री भीमा सुपुत्र श्री लाला, निवासी, ग्राम—विजवासत, नई दिल्ली।

(श्रन्तरक)

2 श्रीमती हर मोहन कौर मेठी पत्नी श्री हर मोहिन्दर सिंह मेठी श्रीर परमजीत कौर मेठी पत्नी श्री रतन सिंह सेठी, निवासी, एफ०-65, राजपुर रोड़, देहरादून।

(ग्रन्तरिती)

को यह युवत। जारो करक पूर्वीका सम्मति के धर्जन के लि**ए कार्यवाहि**यां **शुरू कर**ता हूं।

उनन सम्वति कं प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी जाओप :---

- (क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नारोख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगें।

स्वब्दोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त श्रिध-नियम के श्रष्टयाय 20-क में परिमाषित है, वही ग्रथं होगा, जो उस श्रष्टयाय में विधा गया है।

नन्सची

कृषि भूमि माप 13 बीघा और 8 बिस्वे का 1/2 हिस्सा, एम० नं०-88, किल्ला नं०-9--12(4--8), 10-11, ईस्ट (3--1), 20(4--10), 21/12(1--9), ग्राम-- बिजवासन, नई दिल्ली में स्थित है।

एस० म्रार० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त निरीक्षण) ग्रर्जन रेज‼ दिल्ली, नई दिल्ली-110002

नारीख . 6-9-1982 मोहर: प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनाक 6 सितम्बर 1982

निर्वेण सं० स्राई० ए० मी०/एक्यू०/1/एस० स्रार०-III/ 1-82/1786—यत मुझे, एस० स्रार० गुप्ता,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम विजवासन, नई दिल्ली में स्थित है, (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी 1982

को पूर्विक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रितिफल को लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मृण्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तबिक रूप से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर घेने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सूबिधा के सिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों क्ये, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सूबिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण मः, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (।) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् --

- 1 श्री मोहिन्दर मिह मुपुत्र श्री मगल सिह निवासी ग्राम—बिजवासन, तहसील महरौली, नई दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती कृष्णा कपूर पत्नी श्री रघुबीर चन्द्र कपूर, निवासी एस०-344, ग्रेटर गैलाण-1, नई दिल्ली। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सपित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हु।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तायिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपित में हितबद्ध किसी अन्य ब्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारो।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

कृषि भूमि माप 8 बीघा ग्रीर 6 बिस्वे एम० नं० 88; किल्ला नं०-8 $\left(2-10\right)$, $13/2\left(3-8\right)$, $18/1\left(2-8\right)$ (18/1 $\left(2-8\right)$ ग्राम बिजवासन, नई दिल्ली में स्थित है।

एस० स्रार० गुप्ता मक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख 6-9-1982 मोहर. प्ररूप आहुर. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 सितम्बर 1982

निर्देश सं० श्रार्थं० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० श्रार०-III/ 1—82/1816—यतः मुझे, एस० श्रार० गुप्ता,

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० कृषि भृमि है तथा जो ग्राम—बिजवासन, नई दिल्ली में स्थित (श्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी 1982

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने में अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलियन व्यक्तियों, अर्थात :——

- मैसर्स गलेक्सी प्रोपर्टीज (प्रा०) लिमिटेड हिमालय हाऊस, 23 के० जी० मार्ग, नई दिल्ली-110001 । (श्रन्तरक)
- 2. मैसर्स वी० सी० बरमन एन्ड सन्स सर्विसिज (प्रा०) लिमिटेड 8/3, श्रासफ श्रली रोड, नई दिल्ली-2। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथां कत व्यक्तियों में ये किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्यष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

> एस० म्रार० गुप्ता सक्षम ऋधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

नारीख: 6-9-1982

प्ररूप आई'.टा.एन.एस.-----

आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय., सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
प्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 6 सितम्बर 1982

निर्देण सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०-III/ 1—82/1817—यतः मुझे, एस० आर० गप्ता,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम—विजवासन, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख जनवरी 1982

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण जिखित में अम्तविक रूप में कथिन नहीं किया गया है ---

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम कै अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमां करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; बार/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम्, 1922 (1922 का 11) या उकत अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में मूतिभा के लिए।

कतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिसित व्यक्तियों, अधीत् :--- मैसर्स गलेक्सी प्रोपर्टीज (प्रा०) लिमिटेड, हिमालय हाऊस, 23 के० जी० मार्ग, नई दिल्ली-1। (ग्रन्तरक)

 मैसर्स करमन फार्मम (प्रा०) लिमिटेड 8/3, श्रासफ श्रली रोड, नई दिल्ली-2।
 (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपन में प्रकाशन की तारी करें 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी स्पिक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सृषना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- सब्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्वष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त वान्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनसूची

17 बीघा श्रीर 7 बिस्वे मुस्तातिल नं०-48, किल्ला नं०-24(4—16), मुस्मातिल नं०-74, किल्ला नं०-4(4—12), 7(4-12), 8(0-10), 13/1(1-14), 18/2(0-16), 28(0-7), कुएं महित, ग्राम---बिजवासन, महरौली, नई दिल्ली।

एस० स्नार० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

ना**रीख**: 6-9-1982

प्ररूप आई॰ टी॰ एन॰ एस॰--आयक्र धिविनयम, 1961 (1961 का 43) की
आरा 269-म (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजेंन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 6 सितम्बर 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० ग्रार०-111/ 1-82/1836-यतः मुझे, एस० म्रार० गुप्ता, भायकर अधिनियम, 1961 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके परवास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है श्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-बिजवासन, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख जनवरी 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रक्षिफल के लिए अन्तरित की गई है घोर मुझे यह विज्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृख्य, उसके दुश्यभान प्रतिकल से, ऐसे दुश्यभान प्रतिकल का पन्द्रत् प्रतिशत में स्रधिक है और मन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) खन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत सक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर वेगे के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, ऑप/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या घन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ग्रारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः अव, उपत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उपत यधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्राधीन, निम्नलिखन व्यक्तियों. अर्थात्:——
13—276GI/82

 श्री भोलर मुपुत्र श्री पारप राम निवासी ग्राम— बिजवासन, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

2. श्री क्रिज महाजन सुपुत्र श्री चमन महाजन निनासी-58, वसन्त मार्ग, बसन्त बिहार, नई दिल्ली द्वारा उनके पिता श्री चमन महाजन।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर अपूर्वोक्त सम्पन्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहिया गुरू करता है।

उन्त सम्पति के पर्जन के सम्बन्ध में कोई मी धासेप :--

- (क) इस सूचना के राजरित में प्रकाशन की नारीच से 45 दिन की ग्रवधि ए उत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रचित, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी अति । हारा,
- (ख) इस सूजना के राजण्य में प्रभागत की तारीखा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति उत्ता प्रशाहस्ताक्षरी क पास लिखित में किए जा भनेते ।

स्पब्टीकरण: --- इवर्ने प्रमुका शब्दां और पर्शे का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के में परिमाणित है, बको अर्थ होगा जो उन अध्यार में दिया गया रे।

अनुसूची

कृषि भूमि माप 3 बीघा श्रौर 10 विस्वे एम नं० 105-किल्ला नं०-6, ग्राम—-विजवासन, तहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित है।

> एस० ग्रार० गुप्ता मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त(निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 6-9-1982

प्रकप गाई॰ टी॰ एन॰ एस॰----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेज-1, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 6 सितम्बर 1982

धौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम—बिजवासन, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), र्राजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16)) के ग्रिधीन तारीख जनवरी 1982

को पूर्वों कत सम्पित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण शिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण गे हर्ड विभी आय की वायत उक्त अधि-नियम े क्षीन केन्द्र करा रक्त क्षीयत्व रा कभी करने या उससे घपने भे क्षिका के लिए, और∕या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हुं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उदत आधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गर। भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्न्सिखित व्यक्तियों, अर्थात् .--

1. श्री भोलर सुपुक्ष श्री पारस राम निवासी ग्राम बिजवासन, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

2. श्री ब्रिज महाजन सुपुत्र श्री चमन महाजन निवासी 58, बसन्त मार्ग, बसन्त विहार, नई दिल्ली द्वारा उनके पिता श्री चमन महाजन

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

जकत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वो कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वाग,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वाय अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकोगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयूक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनसूची

कृषि भूमि माप 4 बीघा ग्रौर 16 विस्वे मुस्तातील न०-105, किल्ला न०-15 ग्राम—विजवासन, तहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित है।

> ्रास० म्रार० गुप्ता सक्षम म्रिधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख 6-9-1982 मोहर:

प्रकप आई• टी• एव• एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 10 मितम्बर 1982

निर्देण मं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०-1/एस० श्रार०-III/ 1-82/1722—यन, मुझे, एस० श्रार० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी स० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम सुन्तानपुर, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पिति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गईं हैं और मूफे यह विदेवास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पिति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एसं दृश्यमान प्रतिफल का पम्मूह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दारियत्न में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (य) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ण अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

कतः कथ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. श्री संजीव खुराना सुपुत्र श्री प्रीतम खुराना (9/10 हिस्सा) प्रीतम खुराना सुपुत्र श्री ज्ञान चन्द खुराना (1/10 हिस्सा) निवासी 9-ई/1, वसन्त विहार, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

2. श्री धनबीर सिंह मोदी सुपुत्र श्री दयाल सिंह मोदी, निवासी एल०-19, कालका जी, नई दिल्ली।

(म्रन्तरिती)

का यह स्थान जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकौंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि माप 2 बीघा और 8 बिस्वे खसरा नं०-55 भिन ग्राम सुलतानपुर, तहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित है।

> एस० ग्रार० गुप्ता गक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारी**ख** . 10-9-1982

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. ------

बादकर कींधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

म**ई** दिल्ली, दिनाक 10 सितम्बर 1982

/नर्देश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०-1/एस० म्रार०-III/ 1-82/1723—यतः, मुझे, एस० म्रार० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सामित कि कारण है कि स्थावर सामित कि कारण है कि स्थावर सामित है

श्रौर जिसकी गं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम सुल्तानपुर नई दिल्ली में स्थित है (ग्राँग इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण ग्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन तारीख जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण स हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीर् :-- श्री संजीव खुराना सुपुत्र श्री श्रीतम खुराना (9/10 हिस्सा) श्री प्रीतम खुराना सुपुत्र श्री ज्ञान चन्द खुराना (1/10 हिस्सा) निवासी 9-ई \(\gamma/1\), वसन्त बिहार, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

2. श्री जसबीर सिंह मोदी सुपुत्र श्री दयाल सिंह मोदी, निवाती एल०-19, कालका जी, नई दिल्ती । (अन्तरिती)

को शह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

अक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप '---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में भुकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्स-बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में सुमाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबद्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षणी के पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

वमुस्ची

कृषि भूमि माप 2 बीघा और 12 विस्वे खसरा नं 0-40 मिन जानुप (0-4), 38 मिन (0-10), 39(1-18) फ्राम सुल्तानपुर, तहसील गहरौली, नई दिल्ली में स्थित है \blacksquare

एस० ग्रार० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली,-110002

तारीख: 10-9-1982

प्ररूप आह. टी. एन. एम.-----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थं (1) के अधीन सुधना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकः श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 10 सितम्बर 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०-1/एस० श्रार०-III/ 1-82/ 1751—-यत:, मुझे, ए.प० श्रार० गुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परंपात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वत अर्ग का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मूल्य 25,000/- रुट से बाधिक हैं

भौर जिसकी सं० ष्टुपि भूमि है तथा जो ग्राम सुल्तानपुर, नई दिल्मी में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता ग्राधिक री के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रोकरण ग्रामियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन तारीख जनवरी 1981

को पूर्वाक्त संपत्ति को उचित वाजार मृन्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोच्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रियात अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाय गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्वेष्य में उक्त अन्तरण लिसित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की याबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाियत्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा अ लिए; और/वा
- (क) एंसी किसी बाय या किसी धन रा अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर आधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं कि ।। गया धा या किया जाना बाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः शब्द, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-छ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अयिक्तयों अर्थात्:—— श्री तिलोक चन्द मल्होता निवासी डी-87, ईस्ट ग्राफ कैलाश, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

 मैससं सुनील सिन्चैम लिमिटेड, 73-74, णीतला हाऊस, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह रूचना जारी करके पूर्विक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्धन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (कं) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में रामाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत न्यांक्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीब से 45 दिन के भीतर अकत स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किनी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्थष्टोकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्स्मी

कृषि भूमि माप 4 बीघा और 16 बिस्वे खसरा नं०-11 ग्राम-सुल्तानपुर, तहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित है।

> एस० श्रार० गुप्ता गक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

नारीख . 10-9-1982

प्ररूप आर्ड.टी.एन.एस.----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज 1, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 शितम्बर 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० मी० /ए स्यू०-ा/एस० श्रार०-ा।/ 1-82/1750—यत: मुझे, एस० श्राः० गुप्ता,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मृह्य 25,000/~ फ. से अधिक **ह**ै। श्रीर जिसकी सं कृषि भूमि है तथा जो ग्राम सुल्तानपुर, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारो के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1903 का 16) के ग्रधीन तारीख जनवरी 1982 को पूर्वाक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अर्न्तारत की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृषा कित सम्मत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत में अधिक ही और अन्त क (अन्तरकों) और अन्त-रिस्ते (अन्तरितियों) के बीच एोसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नोलिखित उद्देवरेंग में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुर्इ किसी आय की बाबत उबत अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंनी किसी नाय या किसो धन या अन्य आस्तियों वरे, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1557 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तिरती धनारा प्रकट महाँ किसा गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने थें स्विधा के लिए;

 श्री त्रिलोक चन्द मल्होत्रा, नियासी डी-87, ईस्ट श्राफ कैलाश, नई दिल्लो।

(प्रन्तरक)

 श्री एस० एन० खैतान, निवासी ए-123, नीति बाग, नई दिल्ली-49

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कथ्के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी अप सं 45 दिन की अवधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर पूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत अप्रिक्त में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त न्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहसाक्षरी के पास जिस्ता में किए जा सकोंगे।

स्वव्हीकरणः-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदी का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जे उस अकाय में दिया स्वा है।

अनुसूची

कृषि भूमि, माप 3 बीघा श्रौर 4 बिस्वे, खसरा नं०-12, ग्राम—सुल्तानपुर, तहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित है।

> एस० श्रार० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, मैं उक्त अधिनियम की धाग 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः——

तारीख: 10-9-1982

प्ररूप आर्दाटी, एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक ू 10 सितम्बर 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० I/एस० ग्रार०-III/ 1—82/1749—यतः मुझे एस० ग्रार० गुप्ता

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मान, निस्ता उचित बाजार मून्य 25,000/ रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम सुल्तानपुर, नई दिल्ली में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विभिन्न है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृशस्मान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फा निम्नलिखित उद्वरिय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त- बिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त विध-नित्यम के अधीन कर दोने के बन्तरक को वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; और/गा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हु भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विशा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,, निम्निसिखत व्यक्तियों, अर्थात् :---

 श्री तिलोक चन्द मल्होवा, निवासी डी-87, ईस्ट श्राफ कैलाश, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

 श्री मुनील खैतान, निवासी ए-123, नीति बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या त सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में के किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पित्त में हिंत- बस्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, बही पर्थ होगा, जा उस अध्याय में दिया गया **ह**ै।

अनुसुची

कृषि भूमि माप 4 बीघा श्रौर 9 बिस्वे खसरा नं०-2, ग्राम मुल्तानपुर, तहसील भहरौली, नई दिल्ली में स्थित है।

> एस० आर० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 10-9-1982

प्ररूप आहर् . टी . एत . एस . ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 सितम्बर 1982

निर्देश मं० श्राई० ए० मी०/एक्यू र्ा/एस० श्रार०-III/ 1-82/1622—अत: मुझे, एस० श्रार० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह व्हिवास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- एउ. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम गदाईपुर, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्राकर्ता ग्रिधिवारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्राकरण ग्रीधितयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जनवरी 1982

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल किल निम्नलिशत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम् के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिवित व्यक्तियों, मुख्ति :--- श्री श्रक्ष राय चोधरी सुपुत्र श्री डी० एन० राय चौधरी, यर्तमान निवास स्थान मीठापुर, बी० एरिया, पटना-1।

(भ्रल्तरक)

2. श्री स्वस्प राय चीधरी सुपुत्त श्री बी० एन० राय चौधरी, वर्तमान निवास स्थान ग्रानन्यम, 23-सीलवर सैन्डस बंगलो, जुहु तारा, बम्बई।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीविंत संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त संपर्तित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्र्धोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित् है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 4 बीघे 16 बिस्वे, खसरा नं० 371, ग्राम गदाईपुर, तहसोल महरौली, नई दिल्ली।

> एम० श्रार० गुप्ता गक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 10-9-1982

प्ररूप आहें.टी.एन्.एस्.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) शर्जन रेंज I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 सितम्बर 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू० I/एस० श्रार०-III/
1-82/1764---श्रतः मुझे, एम० श्रार० गुप्ता,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा,
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित बाजार मृत्य

25,000 / फ. से अधिक हैं

श्रीर निज्ञानों सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम गदाईपुर, नई दिल्लों में स्थित है (श्रीर इससे उपावत श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, नारोख जनवरी 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से ऐसे उत्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिषत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिक कल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवृक्त रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उपस अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में अभी करने या उससे ब्याने में सृविधा के लिए; और/सा
- (च) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य मास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए भा खिपाने में सविधा के लिए;

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अधीत्:——
14—276GI/82

1. श्री होरानन्द, श्रीमती साखी बाई, निवासी गांव गदाईपुर, तहसील, महरोली, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

 मोन्टरी लेबोरेट्रीज (प्रा०) लिमिटेड, 79-80, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को बहु सूचना जारी करके प्वांक्त सभ्यत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्परित के अर्थन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खसरा नं० 293 (2 बोघा ग्रौर 8 बिस्वे), खसरा नं० 294 माप 2 बोघा ग्रौर 8 बिस्वे, ग्राम गदाईपुर, नई दिल्ली में स्थित है।

> एस० श्रार० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक श्राय हर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 10-9-1982

मोहर 🐠

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-----

भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोंज I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 सितम्बर 1982

निर्देश सं ग्राई० ए० मी०/एक्यु ।/एस० ग्रार०-III/ 1-82/1765--अतः मुझे एस० ग्रार० गुप्ता (1961 का **जायकर ग्रधिनियम, 1961** (जिसे इसमे इसके रश्चात् 'उन्त प्रश्चितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन नजन प्राधिकारी की, पह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- कार्य से पधिक है श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम गदाईपुर, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इपसे उपाबढ प्रनुसूची मे श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजम्ही इर्ता प्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रोकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के प्रार्धान, तारीख जनवर्ग 1982 को प्रविक्त सम्पत्ति के उतित बाजा स्राह्म से कम के व्रथमान पत्रिकत के लिए प्रतारित की गई है और मुझे यह विश्वास करने हा इत्रा है है। प्याप्त्रीमन प्रमाति हा उचित बाजार पृष्यः उभक्ते पृथ्यमात प्रक्तिकल से, ऐसे दृश्यभाग प्रतिकल का पत्द्रह प्रतिका प्रधिक है और **श्रन्तर**क (अनारकां) और यन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भगरण के निए तय पाया गया प्रतिकार निम्नलिखित जहेश्य से इस्त प्रत्वरण विक्रित में बाध्वविक रूप से कथित नहीं किया भवा ै :---

- (क) यक्तरण मे हुई कियो आप की वाबत उक्त धिक-रायन के पंथीत कर देन हे अस्तरह के दायिख में करीं हरा ए। उससे बचने में मुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) तेमी किनो साप या कियो घर पा सन्य पास्तियों का, जिन्हें भारतीय श्रापकर अधिनियम, 1922 (1922 जा 11) यो उत्ता स्रिश्चिमम, या धनक पिंडिडियम, १४६७ (1957 को 27) के प्रणानार्थ अन्तरिया हो। अत्तर नहीं किया मया राष्ट्र किए को, छिपाने में संबंध के लिए;

धन: भव, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण भें, में, उका अस्तियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :— श्री नानक चन्द, चन्द्र भान, विशन लाल, गोपी चन्द, श्रमृत लाल, श्रमरती, साखी बाई, निवासी ग्राम गदाईपुर, नई दिल्ली।

(यन्तरक)

2. मोन्टरी लेबोरेट्रीज (प्रा०) लिमिटेड, 79-80, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविध, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति धारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्योकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उस्त प्रिधि-नियम के अध्यात 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में तिया गया है।

अनुसूची

खमरा न०-292 (2 बीधा ग्रौर 8 बिस्बे), ग्राम गदाईपुर, नई दिल्ली में स्थित है।

> एम० श्रार० गुष्ता नक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (fनरीक्षण) श्रजंन रेंज ^I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 10-9-1982

भोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- घृ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 सितम्बर, 1982 निर्देश सं० ग्राई०ए०सी०/एक्यू०-1/एस० ग्रार०-धि/1 82/1766, —ग्रत:मुझे, एस० ग्रार० गुप्ता, एयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिस्से दसमें

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम गदाईपुर नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पुर्ण म्हा से वर्णित है), रजिस्टीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्या-लय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रविनियम, के (1908 16) ग्रधीन जनवरी. को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हो और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फान, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री गोपी चन्द ग्राम गदाई पुर, तहसील महरौली नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

(2) मोन्टरी लेबोरेट्रीज, (प्रा) लिमिटेड, 79-80, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास विस्तित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खसरा नम्बर, 292 (2 बीघा थ्रौर 8 बिस्बे) ग्राम गदाईपुर, नई दिल्ली में स्थित है।

> एस० ग्राप्त गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 10-9-1982

प्ररूप बार्ष: टी. एन्. एस.---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

श्रजंन रेज-I, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांश 10 सितम्बर 1982

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू०/I/एस० आर III/ 1-82/1773—यत. मुझे एस० आर० गुप्ता

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपीत्त जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसको सं क कृषि भूमि है तथा जो ग्राम बिजन्नासन, नई दिल्ली में स्थित है (श्रार इसीस उपाबद प्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित ह), रिजस्ट्रोकिती श्रिधिकारों के कार्यालय, नई दिल्ली में भारताय राजस्ट्राकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) क अश्रीन, तारीख जनवरी 1982 को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है, और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित् बाजार मृत्य, उसके दश्मान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्न्लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आयु की बाब्त उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य शास्तियों की, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नृहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, छिपानी में सुविधा के सिए;

अतः जब उकत अधिनियम की भारा 269-ण के अनुसूरण कों, में उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) को अभीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अभृति :—

- श्री महाबीर िमह सुपुत्र श्री नन्हे मल, निवासी
 17-बंगलो रोड', दिल्ली (कमला नगर)।
 (श्रन्तरक)
- श्रीमती कमलेश वक्कड़, पत्नी श्री एन० एन० कक्कड़, निवासी भ्रार-511, न्यु राजिन्द्र नगर, नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पृषांकत सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्णन के सम्राप्त में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीक्ष से 45 दिन की अविध या तन्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के पीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस युचना के राजपन्न में प्रत्नाशन की तारीख से 4.5 दिन के भीतर स्थत स्थावर सन्यत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क ने परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जे उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि ताधादी 4 बिघे श्रीर 10 बिस्वे, खसरा नं॰ 32/16/2 मिन, स्थापित ग्राम बिजवासन, तहसील महरौली, नई दिल्ली।

> एसः ग्रारः गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-I, बिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 10-9-1982

प्ररूप बार्ड . डी . एन . एस . -----

कायकर अधिनियम, 1931 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्वना

भारत प्रस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 10 सितम्बर 1982

निर्देश स० ग्राई० ए० नी०/एक्यू०-1/एस० ग्राए०-III

1—85/1783—यन मुझे एस० ग्राप० गुप्ता
शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके परवाद 'उक्त अधिनियम' कहा ग्या है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु से अधिक है
ग्रीग निमकी स० दृष्पिभूमि है न्या जो ग्राम बिजवासम— नई
दिल्ली मे स्थित है (ग्रीग इमन उपाबद्ध श्रमुसूची मे ग्रीर पूर्ण
क्य से विणित है), रिजस्ट्री करण ग्राधिकारी के कार्यालय नई
दिल्ला मे भातीय एजिस्ट्रीकरण ग्राधिनयम, 1908 (1908

का 10) के अवान तारीख जनवरो 1982
को पूर्वाक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य रे कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल स एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अतरकों) और अतरिती (अंतरितियो) के वीच एसे अन्तरण के लिए ध्य पाया गथा प्रति-फल, निम्नलिखित उध्दृश्य से उक्त अन्तरण थिखित में बास्तिबक रूप से अन्निकत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक कै बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; बाँद/या
- (ब) ऐसी किसी आय रा किसी धन या अन्य जास्तियों का, रिन्ह भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ असिरिती द्वारा प्रकर नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था कियाने में स्विधा के लिए;

भतः असं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-क की उपधारा (1) के अधीन, निम्निशित व्यक्तियों, अधीत् .—

श्री मोहिन्दर निह मुपुत्र श्री मगल सिह निवासी---ग्राम---बिजवासम, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

2 श्रा सुभाष सुपुत्र श्री धनीराम निवासी मटोला पहाड़ गज, नहीं दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी आक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सबधी व्यक्तियों पर सूचना को तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हित- चब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्राक्त शब्बों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया है।

अनुस्ची

कृषि भूमि माप 5 बीघा और 2 बिस्टे मुस्तातीन न०-33, बिल्ला न०-27 ग्राम---बिन्धासम, तहरोल ---म इरौली, नई दिन्हों में स्थित है।

> एस० भ्रार गुप्ता सक्षम श्रामितरी सहायक भायकर श्राम्बत (निरीक्षण), भर्जन रेंज ^I दिल्ली, नई दिल्लो-110002

ताराख 10-9-82 मोहर: प्ररूप आहें .टी .एन .एस .-----

श्रायकर प्रविनयम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के घंधीर सुवना

भारत सरकाः

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, नई बिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 10 सितम्बर 1982

निदेश सं० प्राई० ए० सो०/एम्यू०/1/एस० आर०-III/ 1-82/1697----यत. मुप्ते, एम० श्रार**० गुप्त**ा, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' वहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित **बाजार मूल्य** 25,000∕- रत. से अ'धक हैं ग्रीर जिसको सं० एम०-64 है, तथा जो ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोक्ती भ्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्लो मे र जिस्हो करण श्रिधिनियम, (1908 का 16) के ग्रधीन, जनवरो 1982 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है मोर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके दुशामान अतिफन से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पम्बह प्रतिशत से बाधक है बीर बन्तरः (अन्तरकों) भौर भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गंभा प्रतिफल, निस्तलिखित उद्देश्य मे उक्त धस्तर्ग लिखित में वास्तविक रूप से कथिय नहीं किया गया 🖁 🚐

- (क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्छ प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के प्रायित्व में कमी करने ा उससे गजने में सुविधा क लिए; भौर/या
- (स) ऐसी किसी श्रीय या किस्त वन या अन्य श्रास्तियाँ की, जिन्हीं परिनीय ज्ञाहर प्रश्नित्यम, 192 (1922 जा 11) या उक्त अधिनियम या श्रतकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27 के प्रयोजन में सन्तरिती द्वारा प्रश्नित नहीं किया गया या या विषय नार नाहिए वा कियाने में सुविधा के 'गया

ग्रतः गव, उक्त अघिनियम हो धारा 269-म है समुसरम में, में, उक्त अधिनियम ' गरा 269-म स उपद्यारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, :-मर्पात्- सरबार सुखमन्दर सिंह और श्रीमती सुरेन्दरजीत कौर सिंधू, निवासी--एफ०-42, राजोरी गार्डन, नई दिल्ली।

(भन्तरक)

2. डा० ग्रदित्या कौल निवासी—एफ०-59, ग्रीन पार्क ग्रीर श्रीमती ग्रनिता गुप्ता निवासी—ए-11, ग्रेटर कैलाश एनक्लेव-11, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

डो यह सूचना जारी करक पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप .---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूचींक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उच्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्थारीकरणः ---इसमें प्रगुरत शब्दों और पदों का, भी 'उक्त स्रिष्टि-नियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं; वही स्रथें,होगा, जो उन अध्याय में विधा गया है ।

वन्त्या

बाली दुकान प्लाट न० एम०-64, ग्रेटर कैलाश-11, नई दिल्ली एरिया-195 वर्गगण।

> एस ० आर० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज ^I, दिल्तो, नई दिल्नी-110002।

विनांक: 1(-9-1982

मोहरः

प्रकप कार्यं . दी . एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II, नई **दिल्ली**

नई दिल्ली, दिनांक 6 सितम्बर 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/11/एस० श्रार०-Ш/ 1—82/6615 श्रतः, मुझे नरेन्द्र सिंह बायकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

बायकर बाधानयम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसम इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/ रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम—पालम, दिल्लों में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन; जनवरी 1982

की पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्ययमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृर्व है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्कल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त सन्तरण निधित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के श्रायित्व में कमी करने या उससे व्यने में सुविधा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी लाग या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय लायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ जन्तौरती द्वारा प्रकट नहीं किया गवा था या किया बाना वाहिए था, खिपाने में स्विभा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अन्सरक मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. श्री गोकल सुपुत्र श्रा जय मुख ग्राम—पालम, दिल्ली (ग्रन्तरक)
- श्रीमती नुसुम जैन पत्नी श्री रिवन्द्र कुमार जैन, निवासी,
 2/21, सदर बाजार, दिल्ला कैन्ट।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वीक्स संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशना की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तापील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के शीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधि-नियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वृही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में वियागया है।

अनुसूची

कुषि भूमि माप 1 वीघा 4 बिस्वे, ग्राम—पालम में स्थित है।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेज II, दिल्ली, नई दिल्ली-110002 ।

तारीख: 6-9-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज II, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 सितम्बर 1982

निवेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/II/एस० श्रार०-II/ 1-82/6651---यतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही, की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्परित, जिसका उनुवित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक है

और जिसकी मं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम—पालम, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसमे उपावद श्रनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिन्द्राकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिन्द्राकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी 1982

को प्वांक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के सरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल मो, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पुन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; जोर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—-

1. श्री राज सिंह श्रीर हुकम चन्द्र मुपुत्र श्री जगराम, निवार्गा, ग्राम—मटियाला, दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

2. श्री श्रन्प सिंह गुप्ता सुपुत्त श्री फेरू मल गुप्ता, नित्रासी, डब्स्यू० जैंड० ए-57, श्रोम विहार, श्रीर श्राई० डी० गुप्ता सुपुत्त श्री यू० एस० वैश्य, निवासी जैसा कपर है।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करतः हुं।

उक्त सम्पत्ति को वर्षन् को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिश्व से 45 दिन की अविध्या तर्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वींक्त व्यक्ति यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्ष्री के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विशा गया है।

<u>मृत्सूची</u>

भूमि माप 13 बिस्वे, ग्राम--पालम, दिल्ली में स्थित है।

नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 11, दिल्ला, नई दिल्ला-110002।

तारीख: 6-9-82

प्ररूप् आई. टी. एन. एस.----

भागकः अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 299-ए (1) के त्रानि मूचना

भारत गरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त, (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज II, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 6 मितम्बर 1982

निदोश सं० श्राई० ए० मा०/एक्यू०/II/एस० श्राच०-II/ 1-82/6616---यनः मुझे, नरेन्द्र सिंहः,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 र रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम--पालम, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसस उपावद श्रनुसूची में श्रीर पूर्णरूप में वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, जनवरी 1982

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्म्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरित्या) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क्ष) अन्तरण में हुए किसी आग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय था किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया ध) या किया जारा चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

भत जन, जक्त अधिनियम की धारा 269-म के अन्सरण में, मैं, जक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, जिस्तीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-15-276GI/82

 श्रा रण सिंह, सिसराम श्रीर होशियार सिंह सुपुत श्री गोकल श्रीर श्री उमेद सिंह सुपुत श्री शेर सिंह, निवासी, ग्राम—-पालम, दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

2 श्रीमती लाजनता पत्नी श्री राजकुमार, निवासी, 2/21, यदर बाजार, दिल्ली केन्ट, दिल्ली। (ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वों कर सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षंप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वाराः
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखान में किए जा सकेंगे।

स्थव्हीकरणः ---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित हु⁵, बहुी अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हु⁸।

भृत्सूची

भूमि माप 1 बीघा और 2 विस्वे, ग्राम—गालम, दिल्ली में स्थित है।

> नरेन्द्र सिह् सक्षम प्राधिकारी सहायकर्ष्ट्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज II, विल्लो, नई दिल्ला-110002 ।

नारीख 6-9-82 मोहर: प्रकृप भाई • टी • एन • एम •---

आयकर ग्रीविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)
भ्रजीन रोंज -II, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 सिल्म्बर 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू-II/ /एस० ग्रार०-II/ 1---82/6644---यतः मुझे नरेन्द्र सिंह भायकर ग्रिमिनयम, 1961 (196 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'जनतं अधिनियम' कहा की घारा 269-ख के प्रधीन सक्तम प्राधिकारी को, विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- इपए से प्रधिक है, भौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम--मिरजापुर, दिल्ली मे स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्टीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख जनवरी 1982 को पूर्वीक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुखेयह विश्वास करने का कारण है कि ययापूर्वीक्ट सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य उसके दुश्यभाग प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पम्बह प्रतिशत से अधिक है और मन्तरक (प्रस्तरकों) और अन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे क्रम्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित अहेरम से उन्त भ्रम्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) धन्तरण से हुई किसी घाय की बाबन उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के धायिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिय; औदाया
- (ख) ऐसी किमी आय या किमी घर या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिष्ठितियम, 1922 (1922 का 11) या उतन भिष्ठितियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जना चाहिए था, छिनाने में मुविधा के लिए;

- 1. श्रा रण सिंह, सिंतराम ग्रीर होणियार सिंह, सुपुत श्री गीमल सिंह, निवासी, पालम, नई दिल्ल-46 (श्रनरक)
- 2. श्री जवाहर सिंह सुपुत्र श्री साहब सिंह, निवासी, वी०पी० श्रो०, डाबरी, दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यमाहियां करता हुं।

उन्त सम्पति के प्रजैन के सम्बन्ध म कोई भी आक्रेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन म प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 पूचना की तामील से 30 दिन की भवित,
 जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के मीतर
 पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (ख) इस सुचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वित≼द किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोद्दस्ताक्षरी के पास सिखित में किये जासकेंगे।

स्पष्टीकरणः → इसमें प्रयुक्त शक्यों और पर्वो का, जो सकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है ।

अनुसूची

> नरेन्द्र सिंह् सक्षम <mark>प्रधिकारी</mark> सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जा रेंज I^I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

प्ररूप आइ'. टी. एन. एस. -----

नायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-मृ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायुक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज -II, नई दिल्ला

नई दिल्ला, दिनाक 28 श्रगस्त 1982

निर्देश सं० आई० ए० सो०/एनयू०/-II/एस० आर०-II / 1-82/6519---यतः मुझे नरेन्द्र सिंह आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी में डब्ल्यू जैंड-58 हैं तथा जो श्रोल्ड महार्बार नगर, नई दिल्ला में स्थित हैं (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिजस्ट्री एती श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ला में रिजस्ट्री उरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधान, तारीख जनवरी 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नुलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (का) अन्तरण सं हुई किसी आय की वाबत उक्त विध-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपानं में स्विधा के लिए;

 श्री गिरधारी लाल निवासी, डब्ल्यू० जैंड -58-बी, श्रील्ड महाबीर नगर, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

2. श्री घनण्याम वास, निवासी, डब्ल्यू० जैंड़०-58-बी०, ग्रोल्ड महाबोर नगर, नई दिल्ली।

(भन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों,
- (ख) इस सूचना के ,राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनसची

एक दो मंजिला मकान नं०-डब्स्यू० जैंड़०-58-बी०, श्रोल्ड महाबीर नगर, नई दिल्ली इस मकान का एरिया प्लाट नं०-51 में 200 वर्ग गज है।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1^I दिल्ली, नई दिल्ली-110002

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधित्:---

दिनांक : 28-8-1982

त्रक्य बाइ. टी. एम. एस.

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, संहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज 11, नई विल्ली नई दिल्ली, दिनांक 28 श्रगस्त, 1982

निर्देश सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यू०॥/एस० भ्रार० ॥/ 1-82/6653—-श्रनः मुक्ते, नरेन्द्रं सिंह,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० जी-202 है तथा जो नारायण विहार, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन जनवरी, 1982

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिवक स्वप से कथित नहीं किया गया है:~~

- (क) अन्तरण से हुर्इ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचन में मूबिधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

अत. अध उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) अहं अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—— (1) श्री सोन देव सञ्बरवाल, निवासी—-श्री-202, नारायण बिहार, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सतीण कुमार,निवासी—एफ-76, नारायण विहार,नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरिती)

कांग्रह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पर्तित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 विन की सर्वीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स ध्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्यारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की क्षारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोइस्ताक्षरी के पास् लिखित में किए जा सकोगे।

स्पष्टोकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दो और पर्दो का, जा उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो इस अध्याय में विया गया हैं।

श्रनुसूची

एक मकान नं० जी-202, माप 125 वर्ग गज, नारायण विहार, नई दिल्ली में स्थित है।

> नरेन्द्र सिंह मक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज ।।, दिल्ली, नई दिल्ली—110002

विनाम : 28-3-82

प्ररूप बाइ . टी . एन . एस . -----

मायका कॉलिनियम, 19€1 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) वे अधीन सुचना

भारत परकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-।।, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 28 श्रगस्त, 1982 ग. सं० श्चर्ड० ए० सी०/एक्य०-॥/एस०-श्च

निर्देश सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यू०-।।/एस०-भ्रार०-।।/ 1-82/6684---श्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० श्रार० ए०-76 है तथा जो श्राम नारायणा, इन्दरपुरी एक्सटेंन्शन, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक जनवरी, 1982 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूप्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्बत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूप्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्देष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप में किथन नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री विरेन्द्र कुमार सिंह्स सुपुन्न श्री शंकर लाल सिंहल, निवासी—ई० श्रार०-27, इन्दरपुरी, नई दिल्ली-12

(मन्तरक)

(2) मैसर्स जूनियर इण्टरप्राइजिज,
25/24, राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली
द्वारा उसके मैनेजिंग डायरेक्टर श्री सुरेन्द्र भाटिया।
(मन्सरिती)

क्यो यह सूचना जारी करके पूर्वों क्ष सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी आक्षंप .---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थात्रर सम्पत्ति में हित- बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पाकारणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

भृत्त्वी

प्रोपर्टी नं॰ प्रार॰ ए॰-76, खसरा नं॰ 1601, 1602, ग्राम नारायणा में है जो इन्दरपुरी एक्सटेंन्शन-2, नई दिल्ली की एप्रुब्ड कलोनी में स्थित है।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-॥, विल्ली, नई विल्ली -110002

दिनांक : 28-8-82

मोहर ।

प्ररूप आई. की. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-।।, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 28 ग्रगस्त 1982 निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०।।/एस० ग्रार०-।।/ 1-82/8761--- ग्रत मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसर्म इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 7 सी० यू० ए०/3 है तथा जो जवाहर नगर, दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इमसे उपाबद्ध ग्रनुमूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक जनवरी, 1982

को प्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आबत उक्त आधानयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः अध , उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण में , मैं , उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन , निम्निलिखित व्यक्तियों , अर्थात् :---

(1) श्रीमती कैलाशवती पुती श्री गुरुदक्त मल पत्नी श्री सुन्दर लाल चावला, के०/ग्राफ मैसर्स उत्तर प्रदेश इंजीनियरिंग कं०, हापुड़ रोड, गाजियाबाद ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मुरारी लाल सुपुत्न श्री केदार नाथ, निवासी—मकान नं० 265, गली प्रकाश, तेलीवाड्डा, विल्ली ।

(ब्रम्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथोंकत संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधा, जो भी अविध बाद में सुमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वार;
- (ख) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जौ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थहोगा, जो उस अध्याय में वियागया है।

अनुसूची

7 सी० यू० ए०/3, म्यूनिसपल नं० -12/5837-6, जवाहर नगर, दिल्ली में स्थित है।

नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज- Π , दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 28-8-82

मोहर 🛭

प्रकप भाई• टी• एन• एस•---

आयकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269+**ण**(1) के **मधी**त सु**ण**ता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-।।, नई दिल्ली नई दिल्ली, विनांक 28 श्रगस्त 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/।।/एस० श्रार०-।।/ 1-82/6675--श्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन ताता गाधि हारी की पर्विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समाति जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क्यमें से अधिक है

श्रौर जिसकी मं० प्लाट नं० 30 है तथा जो पंजाबी बाग, शकरपुर एरिया, दिल्ली में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जनवरी, 1982

पूर्वोवत समाति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भग्तरित को गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोकत ममाति का खावन बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल मे, ऐम दृश्यमान प्रतिकत का पन्द्रह प्रतिशत से मधिक है भीर भन्तरक (अन्तरकों) और भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित धहेश्य से उन्तर भन्तरण निष्वित में वास्तविक कम से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त ग्रिश्च-नियम के ग्रधीन कर देने के श्रन्तरक के वायिक्य में कमी करने या उससे जबने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी भ्राय या किनी घन या श्रन्य श्रास्त्यों को जिन्हें भारतीय पाय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रधोजनार्थ प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में मुविधा के लिए ;

कतः कव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण भीं, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिसित व्यक्तियों, अधीत्:—— (1) श्री ग्रमरजीत सिंह श्रीर श्री राजिन्दर सिंह सुपुत्र श्री दलीप सिंह, निवासी---577--578, डी॰ एस॰ न्यू॰ राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली ।

(श्रन्तरक)

(2) श्री क्रिज लाल (1/5 हिस्सा)
ग्रीर श्री भगवान दास (4/5 हिस्सा) सुपुत
श्री गनपत राय,
निवासी—8/8 पंजाबी बाग, नई दिल्ली
(ग्रन्तरिती)

को यह सुवना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्न सम्यत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपव में प्रकाशन की तारीख से 45 भिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर अकत स्वावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अघोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणा ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त सक्षि विषय के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस प्रध्याप में दिया गया है।

ग्रनुसूची

प्लाट सं० 30, रोड नं० 14, क्लास—सी०, माप 660-14 वर्गगज, पंजाबी बाग, ग्राम शकरपुर के एरिया में स्थित है ।

> नरेन्द्र सिह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनाक 28-8-82 मोहर : प्ररूप आहा.टी.एन एन.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, नई विल्ली नई दिल्ली, विनोक 2 सितम्बर 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०-॥-एम० श्रार०-॥/ 1-82/6606--श्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम टिकरी कलां, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जनवरी 1982

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल को लिए उन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) को यीच एसे जन्मान से दिए यह पान गम प्रतिकल निम्मितियों उद्योग्य ये पान पर्नाम कि विम्मितियों उद्योग्य ये पान पर्नाम कि विम्मितियों से सम्विक स्था में किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिशा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्सियों करें, जिल्हु भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) हे अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत्:—

(1) श्री सूरज मल सुपुत्र श्री अख्तावर निधामी——टिकरी कलां, दिल्ली ।

(ग्रन्सरक)

(2) श्री राम निवास सुपुत श्री सूरज भान, निवासी—2111, विनगर, दिल्ली श्री निरंजन लाल सुपुत्त श्री मुन्णी लाल निवासी—132, णान्ति नगर, दिल्ली ।

(भ्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उभत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारित में 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों क्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भोतर उका स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह³, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुमा है।

अनुसूची

भूमि माप, 3 बीघा थ्रौर 8 बिस्वे, ग्राम–टिकरी कलां, दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, दिल्ली, नई दिल्ली—110002

दिनांक : 2-9-82

प्ररूप वार्षः टो. एन्. एत्.------

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भागुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज ।।, नई घिल्ली नई दिल्ला, दिनांक 20 श्रगस्त 1982

निर्देश सं० भ्राई० ए० सी०/एध्यू०-॥/एस० भ्रार०-II/

1-82/8760—-ग्रतः मुन्ने, नरेन्द्र सिंहः,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इनके परचात् 'सक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-**च** के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सपरित जिसका उचित ब जार मूल्य 25,000/-रः. संअधिक हैं।

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 6, ब्लाक नं० डी है तथा जो भरोला कालोनी, भ्रादर्भ नगर, दिल्ली-33 में स्थित है (ग्रॉर इसमे उपाबद अनुसूची मे पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली मे रजिस्टीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जनवरी,

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्ये से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मुझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, १ कि चार्यान शिनकल से, एमें क्यमान प्रतिकल का बन्द्रह पतिकात से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण निष्वित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी वाय की वावत अक्त विध-नियम के अभीन कर दोने में अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- ं(श्व) एेसी किसी आयया किसी धन या अन्य अगस्तियो को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण ਜੋ, मी, जनम अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---16-276GI/82

- (1) श्रोमता केला गुप्ता पत्ना श्री जे० सी० गुप्ता, निवासी---139, मकान नं० 1870-सी, विनगर, दिल्ली -- 52 (भ्रन्तरक)
- (2) श्रीमती पुष्पा देवी पत्नी श्री गौरी शंकर, निवासी⊸~3354, गलो हनुमान मन्दिर, श्रार्यपुरा, मढजीमण्डी, दिल्ली-7 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में पकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मं ममाप्त होती हो, के भीतर प्वांकत म्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी अ पास लिखित में किए जा सक गे।

स्वक्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुधी

प्लाट नं 6, ब्लाक नं - डो. हकोकत राय रोड, माप 120 वर्ग गज, ग्राम भरोला के क्षेत्र में है जो प्रादर्श नगर के नाम में भी जाना जाता है।

> नरेन्द्र सिंह यक्षम प्राधिकारी महायक स्नाय हर सामुक्त (निर्राक्षण) म्रर्जन रेंज ।।, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 20-8-82

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 2 सितम्बर, 1982

निर्वेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०-II/एस० ग्रार०-2/1-82/6931—श्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं व कृषि भूमि है तथा जो ग्राखेरा खुर्द, दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुस्त्री में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली मे रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधान जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से एसे इत्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :—-

- (1) श्री जय राम सुपुत्र श्रां मौजोराम, निवासी---ग्राम ग्रौर पो० खेरा खुर्द, दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- (2) श्रा जगजीत सिंह सुपुत्न श्राः राम सरूप, निवासो---ग्राम ग्रौर पो० होलम्बी खुर्द, दिल्ली । (ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रों क्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में करोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपव में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितसक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

भनुसूची

भूमि तादादी 8 विघे 5 विग्वे, ग्राम खेरा खुर्द, दिल्ली ।

नरेन्द्र सिह्य सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुकः (निरःक्षण) अर्जन रेज-II, दिल्लो, नई दिल्ला-110002

विनांक 2~9-82 मोहर : प्ररूप मार्ड. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 2 सितम्बर 1982

निर्देश स० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०श्रार० 2/1-82/ 6690 --श्रत मुझे, नरेन्द्र निह,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

स्रौर जिसको स० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम नजफगढ़ दिल्ला में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्राफर्ता ग्रिधि हारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधान जनवरी, 1982

को प्वांक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्दोष्य से उक्त अंतरण लिखित मे वास्तिवक हम से कथित नहीं किया गया है ----

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे क्चने में सुविधा के लिए; और/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृत्वा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, में. उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----

(1) श्रामती सत्य रानी पत्नो एस० राम चन्द कुमार ग्रीर श्रीमती ग्रमृत लगा पत्नी श्री चन्धर प्रकाश कुमार नित्रासी-—215—216 बो०, वेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती मनोरमा कुमार पत्नी श्री श्रशोक कुमार श्रीमती कुष्णा खत्तर पत्नी श्री परमानन्द खत्तर, निशामी—360 डबन स्टोरी, न्यू० राजीन्दर नगर, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्रति के अर्जन के सम्बग्ध में कोई भी धाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथीं करा व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस मध्याय में विका गया ही।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादों 4 बीवे 16 विश्वे, स्थापित ग्राम नजफ-गढ़, दिल्ली ।

> नरेन्द्र सिंह् सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रजंनरेज-II, दिल्ली, नई दिल्ली -110002

दिन(क: 2-9-82

प्ररूप मार्च. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-ध(1) के अभीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाफ 2 सितम्बर 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० मा०/एक्यू०/2/एस० ग्रार०-2/82/6349--ग्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, को धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिनका म० कृष भूमि है तथा जो ग्राम नजफगढ़, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबड़ श्रमुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली मे रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रवीन जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य ससके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरितो (अन्तरितिया) के बीच एसं अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण स हुई किसी आय को बागत, उन्हर आधिनियम के अधीन कर द'ने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे यचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन विम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्रो सूरज प्रसाद सुपुत्र श्रा रघवीर सिह् निवासी---ग्राम--नजफगढ, दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री कुलदोप कुमार जुलका सुपुत्र श्री रोशन लाल जुलका । बी-53, कृष्णा पार्क, दिल्ला ।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अलेन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

वक्स सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध मीं कोई भी आक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधिया तन्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की शत्रिध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के नीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में संकिसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस भूचना के शाजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पन्ति में हितबद्ध कि ती जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए या सकेंगे।

स्यद्शीकरणः -- इसमें प्रयाकत शब्दों और पदों का, जो उकत अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्यय में दिया गया हैं।

वनुसूची

भूमि तादादी 5 बीघे 13 बिख्वे, स्थापित-ग्राम-नजफगढ़, दिल्ली ।

> नरेन्द्र सिंह मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-I^I, दिल्ली, नई विल्ला--110002

धिनांक : 2-9-82

प्ररूप आई.टो.एन.एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेज- Π , नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 2 सितम्बर 1982

आयकर अधिनियम., 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर संपत्ति, जिसका उचित बाजाए मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसको सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम बुरारी, दिल्लो प्रशान्सन दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इपसे उपाबद्ध धनुसूको में पूर्ण रूप में विजन है), रजिस्ट्रोकली ग्राधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रोकरण ग्राधिक्यम, 1908 (1908 का 16) के श्राधीन जनवरों, 1982

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि मधापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकाल से, एसे दृश्यमान प्रतिकाल का पन्द्रह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) बाँर अन्तरित (अन्तरितर्ग) के बीव एसे अन्तरण के लिए सम पाया गया प्रतिकाल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिबित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया ग्या है:——

- (क) अन्तरण मं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधिन कर दाने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसले बचले में सुविधा के लिए; और/या
- (त) एसी किसी आय या किसी धन या शन्य प्रास्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रवट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सूविधा के लिए;

अतः अवं, उम्स अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं,, उक्त अधिनियम की पारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिशित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रा करनार सिंह सुपुत श्री महंगा सिंह, निवासी-3-एफ/17 टैगोर गार्डेन नई दिल्ली (अन्तरक)
- (2) श्रीमती प्रेमलता मधोगरीया, 113/1-की चितरंजन एवेन्यू 5-फ्लोर, कलकत्ता-73 । (ग्रन्सरिती)

को यह राजना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्शन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी **स से**45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समापा होती हो, के भीतर पूर्वोक्स
 व्यक्तियों थें से किजी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उस्त स्थावर संपत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमों प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के शध्याय 20-क में परिभाषित हु⁵, बहा अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हा।

वन्स्यो

1/3 पश्चिमी हिस्से तादादी 4 बीधे श्रौर 18 बिख्ये, खसरा नं∘ 470, खता नं∘ 527, ग्राम⊷बुरारी, दिल्ली प्रशासन, दिल्ली ।

नरेन्स सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर प्रापुक्त (निर्दक्षण) श्रजेन रेंज-II, विल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 2-9-82

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज-2 , नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 सितम्बर 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/2~एस०-ग्रार०-2/1-82/6833—श्रत पुक्षे, नरेन्द्र गिह,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43 जिसे इसमे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हाँ), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हाँ कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हाँ

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम बुरारी, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता शिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक जनवरी, 1982

को पूर्वों कत् संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरिती) (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त यिशिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्व रा प्रकट नहीं किया गंग था या किया जाना चाहिए था, स्थिपन में सुविधा के लिए;

- (1) श्री रघु वंश सुपुत्र श्री भोदत्त निवासी-—ग्राम और पो० बुरारी, दिल्ली । (अन्तरक)
- (2) श्री मुन्शी राम मित्तल सुपुत्र श्री कुन्दन लाल मित्तल निवासी-12, सरफा खान रोड, कलकत्ता ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हो।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध मो कोई भी उनक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोच से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृष्ठित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिरणः ---- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अभयती

भूमि तादादी 1 बिघे 2 बिग्वे, ग्राम-बुरारी, दिल्ली ।

नरेन्द्र सिह भक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ा के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) को अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थातः——

दिनांक : 2-9-82

प्ररूप काइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायकत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 सितम्बर 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० श्रार०-2/ 1-82/6677---ग्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आएकर स्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिले **इसमें** इसके पश्चा। 'उन्त स्रधितियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के स्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक ही

श्रौर जिसकी सं० कृषि भूित है तथा जो ग्राम सिरसपुर, दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबड़ श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का प्रंवह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में रुविशा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (१) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् ध— (1) श्री रीजल सिंह सुपुत्र श्री नेकीराम निवासी---ग्राम सिरसपुर, दिल्ली।

(ग्रन्सरक)

(2) कुमारी गैजी घासी सुपुत्री श्री सैन दास घासी निवासी—ए०-31, वजीरपुर इण्डस्ट्रीयल एरिया दिस्ली ।

(म्रन्तरिती)

को सह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पृत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस श्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत ते 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तागील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबदुभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में फिए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो सकत अधिनियम, के अध्याय 20 क में प्रिभावित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

असमाची

मूमि तावादी 4 विघे 16 विषये , खसरा नं० 450, ग्राम-सिरसपुर, विल्ली ।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 2-9-82

प्ररूप आर्ह. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई विल्ली, दिनांक 28 ग्रगस्त 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी० /एक्यू०/।।/एस० श्रार०-।।/ 1-82/6592—श्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उनत अधिनियम' कहा गगा है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका टाजित बाजार मृत्य 26,000/• रु० में अधिक है

जिसकी सं० ई० सी०/6 है तथा जो इन्दरपुरी, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसमे उपावड़ श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य मे कम के दृश्यमान प्रति फल के लिए प्रस्तरित को गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उन्तिन वाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का उन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है थोर अन्तरक (अन्तरकों) थोर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से अन्त अन्नरण लिखित में वास्तविक रूप से कविन नहीं किया गया है:—

- (क) ज्रम्परण स हुई किसी भ्राय की बाबत जक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- ्ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या अग्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अवर प्रधिनियम, या धन-कर भ यनियम, 1957 (1073 का 27) के पथोजनार्ग अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः भव, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के भनुसरण में, में, इस अधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः— (1) श्री गुलशन कुमार ग्रोबर सुपुत्र श्री प्रेमा नन्द ग्रोवर, निवासी—बी०,-।, सैनिक सदन, नारायणा, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री रामप्रकाण कालरा सुपुत्र श्री बदरी नाथ कालरा निवासी---ए०-121, इन्दरपुरी, नई दिल्ली ।

(श्रन्तिरती)

को यह सूचना जारो करके पृत्रेंक्त संपर्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त नम्पित्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खाने 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की शमील से 30 दिन की सर्वाध, जी भी सर्वाध बाद में सभाष्य होती हो, के बीतर प्रश्नेंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (ख) इस सूत्रना के राजनत में प्रकाशन की तारोख से 45 विन के भीतर खरन स्थावर सम्पर्शि में हितब ख किसो अन्य व्यक्ति खारा अधोइस्ताखरी के पास लिखित में किए जा सर्वेगे।

स्वडहो करण : — इसमें प्रयुक्त मार्कों और पदों का, जो उक्त श्रश्रितियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अब होगा, जो उस अध्याय में विधा मया है।

अनुसूची

भूमि माप 500 वर्ग गज, प्लाट नं० ई० सी० / 6, इन्दरपुरी, नई विल्ली में स्थित है।

नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर यायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 28-8-82

मोहरः

त्ररूप कार्षं .टी . एन् . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्थना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 2 सिनम्बर 1982

निर्देश स० प्रार्ट० ए० मी०/एक्य्०/2/एस०-प्रार०-2/ 1-82/6607—- अत मुझे, नरेन्द्र सिंह,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियमें कहा गया हैं), 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मन्य 25,000/- रा संअधिक है

श्रीर जिसकी सर कृषि भूमि है तथा जो ग्राम साहिबाबाद दौलतपूर, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्व ग्रनसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिश्वकारी के कार्यालय, नई दिल्ली मे भारतीय रजिस्द्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिसाक जनवरी, 1982

को पर्दोक्त सपत्ति के उचित बाजार मृल्य सं कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त मपत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती अन्तरिनियां के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वदेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्सरक के दायित्व में कमी करन या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स्र) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-फर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयाजनाथ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया भारा विधा कर चाहिए भा, छिपाने में मविभा के लिए:

कत 🐧 , उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नितिसित व्यक्तियों, अधीत् .--17 276 G1/82

(1) श्री श्रजीत सिंह, भ्राजादिनह सुपुत श्री मार्ग राम योर जिले सिंह सुपुत्र श्री मण(राम, निवासी---ग्राम -साहिबाबाद दौलतपूर दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री नरायण सिह यादव सुपुत श्री चेतराम, निवासी---ग्राम श्रौर पो० कुमेहरा, जिला--गाजियाबाद यू० पी० ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सभ्मरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुः।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .

- (क) इस सुचना को राजपक्ष मं प्रकाशन की तारीख 45 विन की अथिथ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चनाकी तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मा समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तिया मं सं किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सुचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तियों दुवारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण ---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होंगा जा उस अध्याय में विया गया है।

अन्सूची

भूमि तादादी 2 विघे 4 विश्वे, ग्राम साहिवाबाद दौलतपूर, दिल्ली ।

> नरन्द्र सिह सक्षम प्राधिकारी गहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेज-2, दिल्ली नई दिल्ली-110002

दिनाक 2 - 9 - 82

प्रकृष आईं.टी.एन.एस.-----

ग्रायकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की आहा. 269-व (1) के समीन सुवना

भारत सरकार

कार्यालय., सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ध्रर्जन रेज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनाक 2 सितम्बर 1982

निर्देश स० ग्राई० ए० सी०/एक्स्०/2/एस०-श्रार०-2/ 1-82/6559—ग्रंत मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पर्यात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्कृत सम्पत्ति जिल्हा कि का उप 25,000/ राज्य अधिक है

शौर जिसकी स० कृषि भृमि है तथा जो ग्राम मलीकपुर, जेट नजफगढ, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रश्चिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिश्चित्यम 1908 (1908 का 16) के श्रश्चीन, दिनाक जनवरी, 1982

को पृत्रोंकत सपित्त के उचित बाजार मत्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेंक्ति संपति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत स अधिक है और अनरक (अतरकों) और अनिरित्री (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उकत अन्तरण जिन्ति मा वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिक में कमी करने या उसस इक्षत में स्प्रविधा के लिए; और/शा
- (क) एेसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में मृविधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की थारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:— (1) श्री दलीप सिंह सुपुत्र श्री परताप सिंह, निवासी-ग्राम-मिलकपुर जेर, नजफगह ब्लौक, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

(2) 1 श्री जगबीर सिंह 2 गुलाब सिंह मुपुत्र श्री चन्दर सिंह निवासी---ककरौला, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को गह सूचना जारी करके पर्वोक्त सम्पत्ति के अर्धन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन मा प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामिल से 30 दिन को अवधि, जो भी अवधि बाद मा समाप्त हाती हो, को भीतर पर्योकत व्यक्तियों में में किसी व्यक्तित द्वारा,
- (स) इस सचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हिस्बद्ध किसी अन्य प्यक्ति द्वारा, अक्षेत्रस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण----इसमो प्रयुवत शब्दो और पदो का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क मा परिभाषित हो, बही अर्थ हागा, जा उस अप्यास मा दिया गया हो।

अनसची

भूमि तादादी 10 विथे 8 विष्ये, ध्यसरा न 42/8/1 (0-2), 32/24/1(1-4), 24/2(3-12), 36/25/1 (0-14), 42/4(4-16) ग्राम-गलीकपूर जेर जजफगढ, नई दिल्ली ।

नरन्द्र सिह सक्षम प्राधिकारी महायक स्रायकर स्रायक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेज-2, (दल्लो, नई दिल्ली—110002

दिनाक 2-9-82 मोहर प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 2 सितम्बर 1982

निर्दश म० ग्राई० ए० मी०/एक्यू०/2/एस०-ग्रार०-2/1-82/6663—-ग्रन मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- स. गे अधिक है

श्रौर जिसकी स० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम अलीपुर, दिल्ली में स्थित है (श्रौर इसस उपायद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), र्राजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी, 1982

को पूर्वेक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रहें प्रतिशत सं अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित म वास्निक रूप में किथत नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुर्इ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुर्वीधा के लिए; और या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिनें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिये था छिपाने में सिवधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण रा , मौ , उक्त अधिनियम की धारा 260-त्र की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिस्ति व्यक्तियों , अर्थात् :--- (1) श्री जीत राम ग्रोर हर्ग राम सुपुत्न श्रा नथु राम, ग्राम-ग्रानीपुर, दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मोहिन्दर सिंह मुपुत्न श्री समत सिंह निवासी--प्राम ग्रलीपुर, दिल्ली

(ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वांक्त संम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपर्तित के अर्जन संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरेंगे।

स्पर्स्टाकरण.---इसमा प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मा परिभाषित हाँ, वहाँ अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

अनस्ची

कृषि भीम 4 बिघे 16 बिघ्वे, स्थापित ⊸ग्राम—अलीपुर, दिल्ली ।

> नरेन्द्र सिह मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनाक . 2-9-82 मोहार . प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेज-।।. नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 सितम्बर 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/11/एस० श्रार०--11 1-82/6594---श्रत. मुझे, नरन्द्र सिह्

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें इसमें पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास कारने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- राज्य अधिक हैं

धौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम सिरसपुर, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रशीन दिनांक जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्सरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिकार से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पामा गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मा बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मूबिधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गंग था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

(1) श्री रिशाल सिह सुपुत श्री नेकी राम ग्राम--सिरसपुरः दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

(2) मैंसर्स मोलो इण्टर प्राइजिज एक साझीदार फमं इसका रिजस्टर्ड प्राफिस ए०-31,वजीरपुर, ग्रुप इण्डस्ट्रीयल एरिया में है। श्री सेन दास घई सुपुत श्री सोहन लाल घई ग्रीर श्रीमती रिव किरण। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वांक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपत्ति को अर्जन को सबंध मां कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्यारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सर्पात्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास विस्ति में किए जा सकती।

स्पष्टीकरण:--इसमीं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मी परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय मी दिया गया है।

अनुसूची

भूमि माप 4 बीघा श्रीर 16 बिस्के खसरा नं० 449, ग्राम-सिरसपुर, दिल्ली में स्थित है

> नरेन्द्र सिंह् सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-।। दिल्ली, नई दिल्ली--110002

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिसित व्यक्तियों, अर्थान् :--

दिनांक : 6-9-82 मोहर : प्रक्रम आहाँ,टी एन एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा भारा 269-म (1) के अभीन सूमना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज ॥ नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनाक 6 सितम्बर 1982

निर्देश स० म्राई० ए० सी०/एक्यू०/11/एस० भ्रार०-॥/1-82/6682--भ्रत मुझे, नरेन्द्र सिह

आयकर अधिनियम, 1901 (1961 की 43) (जिस इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रु स अधिक है

स्रोर जिसकी म० कृषि भिम है तथा जा ग्राम इब्राहमपुर, दिल्ली में स्थित है (स्रोर इससे उपावद्ध प्रनुमूची में पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यात्रय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण स्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, दिनाक जनवरी, 1982

को पृशांकित सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया पित-फल, निम्निलित उद्देश्य से उका अन्तरण लिखित में वास्तिवक हम से कथित नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण सहुद्दं किसी साम की बाबत, उक्त किधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में किमी करने या उससे बचने में स्विधा को लिए, और/या
- (ख) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था छिपाने में सुत्रिधा के लिए,

अनः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मो, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अपीय, किस्तिमित क्यिकायो, ध्यांत - (1) श्री सत्य प्रकाण सुपुत्र श्री दवीदत्तनिवासी---3198,पहाडी ब्रारज, दिल्ला ।

(श्रन्तरक)

(2) श्री सुखबीर सिंह श्री मोहिन्द्र सिंह ग्रॉर श्री सरसराम सुपुत श्री मोहन लाल, निवासी—-ग्राम-इम्राहमपूर, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी कारके पूर्वा कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उनत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्तित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

अनुस्ची

कृषि भिम कुल माप 16 वीघा श्रीर 8 बिस्वे, ग्राम -इन्नाहिम-पुर,दिल्ली में स्थित है।

> नरन्द्र ।सह मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-।।, दिल्ली, नई दिल्ली~110002

दिनाक 6-9-82 गोहर प्ररूप आइ°, टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-।। नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 6 सितम्बर, 1982

निर्देश म० श्राई० ए० मी०/एक्यू०-॥/एम० श्रार०-॥/ 1-82/6652--श्रतः मुझे, नरन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह स अधिक है

ग्रौर जिसकी स० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम पालम, दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इसमें उपाबड़ ग्रनुसूची में पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारनीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनाक जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफाल के सिए अन्तिगत की गई है और मुक्ते यह विस्तास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार सूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफाल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफाल हा पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्निलिखा उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में कासानिक रूप से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उकत अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कसी करने या उससे बधने में सुविधा के लिए और/या
- (स) एंगी किसी अब्ध या किसी धन या अन्य आस्तियों करों, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दृष्टारा प्रकट नहीं किया गण या या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269 ग के अन्सरण मो, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्निल्खित व्यक्तियों, अर्थात :--- (।) श्री रार्जासह ग्रीर हुकम चन्द्र मुपुत्र श्री जगराम, निवामी---ग्राम-मटियाला, दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

(2) मेंसर्म सीता राम एण्ड सन्स, 1019 सीट-18 सी०, चण्डीगढ ।

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्परित क अर्जन के लिए कार्यवाही सुरू करता हूँ।

उक्त सम्म त के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील स 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त हाती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किनी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस स्चना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारील में 45 दिन के भीतर उक्त रथावर मम्पित्त मा हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अग्रहम्ताक्षरी के पाम लिखन मा किए जा सवामें।

स्पष्टोकरणः—हसमे प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाणित ह्री, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हुरे।

अनुसूची

भूमि माप 18 बिस्वे, ग्राम-पालम, दिल्ली में स्थित है।

> नरेन्द्र सिप्त सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-।। दिल्ली, नई दिल्ली~110002

दिनांक 6-9-82 मोहर प्ररूप बार्द .टी .एन .एस . ------

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

भारत गरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-॥, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 6 सितम्बर 1982

निर्देण सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/॥/एम० ग्रार०-॥/ 1-82/6661—ग्रतः मझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्तास करने का कारण है कि स्थावर संपन्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है।

ग्रौर जिसकी सं कृषि भूमि है तथा जो ग्राम सिरसपूर, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण व्या से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त संपित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त सम्पित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रितिफल से, एसे दृश्यमान प्रितिफल का पढ़ प्रितिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिली (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के निए तय पाया गया प्रितिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में थास्त्रिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण स हुई किसी आय की बाबस उथन अधि नियम के अधीन कर दाने के अन्तरक के दाणित्व में कमी करने या उससे ब्चने में सूबिधा के लिए; अरि/वा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मिविधा के लिए:

अतः अव, जक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भों, मौ, जक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, अधीत्:—— (1) श्री नरेण कुमार गुलाटी मुपुत श्री एम० एल० गुलाटी, निवासी---बी०/एफ०--2, टैगोर गार्डन, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री श्रगोंक श्रग्रवाल मुपुत श्री शंकर लाल श्रग्रवाल निवासी——डी०—308, सर्वोदय एन्कलेव, नई दिल्ली श्री श्रमर बनरा मुपुत श्री सज्जन मल बनरा डब्ल्यू०—148—ए०, ग्रेटर कैलाण-पार्ट--।, नई दिल्ली।

(ग्रन्त ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त मम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

अक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मो कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन का हारीख़ से 45 132 की जारे राया तस्त्राम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचनः की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में स किस्स की जन दूरारा,
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शास निश्चित में किए जा सकरो।

स्यष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मा परिभाषित है, वहां अर्थ होंगा शो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसची

मूर्मि माप 13 1/2 बिस्वे, खसरा न० 698, ग्राम-सिरसपुर, नई दिल्ली में स्थित है।

नरेन्द्र सिह सक्षम ग्रधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-॥ दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 6-9-82

प्ररूप आर्ड टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के बभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 सितम्बर 1982

निर्देश सं० ध्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस ग्रार-2/1-82/6627—ध्रत मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर श्रीधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इन त पश्चात् 'उक्त प्राधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रीधोन मजन प्राधिकारों का, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थान मन्दित, जिन हा उचित बाजार मूल्य 25,000/क्षण से अधिक है

ग्रौर जिसकी स० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम सरसपुर, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से बिल्ली है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, जनवरी, 1982

को पूर्विक्त मम्पिरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मभे यह विदेशास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पिर्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तिरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल किम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिकित में वास्तिवक हू से किश्व नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के रायित्य में कमी बारने या उसमें बचने में मृजिथा के लिए, और/या
- (स) एरेगी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आग-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयाजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट रही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मिया के लिए,

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिशित व्यक्तियों, अधीत् :---

(1) श्री ज्याम लाल मुपुत्न श्री मथुरा प्रमाद श्री गोरधन दास मुपुत्न श्री बार्न सिह, निवासी——ए— 465, ज्ञास्त्री नगर, दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री श्याम मुन्दर सुपुत्र श्री मालिंग राम बेला कपूर, और राधा रानी

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपर्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाट में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यवित्या में या किसी व्यक्ति द्यारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र से प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अत्रिक्षिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित से किए जा सर्कोंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिमाणित हो, बही अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया गया हो।

अनुसूची

कृषि भूमि माप । बीघा, खमरा नं० -- 159, ग्राम-सरसपुर, दिल्ली में स्थित है ।

> नरेन्द्र सिह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-11, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनाक : 6-9-82 मोहर : शरूप आ**र्द** .टी . एन् . **एस . ---**----

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अभीन सुचना

भारत् सरुकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज ।।, नई दिल्ली

नई विल्ली, दिनांक 6 सितम्बर, 1982

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०-॥/एस० म्रार०॥/1-82/6577—म्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं० प्लाट नं० 37 है तथा जो मीनाक्षी गार्डेन, दिल्ली में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद स्ननुसूची में पूर्व रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनांक जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त संपरित के उचित नाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रितिफ ल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित नाजार मूल्य, उसके दत्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के नीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे ब्चने में सुविधा के लिए; और/या
- (श) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए।

(1) श्रीमती बीना कपूर पत्नी श्री सुभाष कपूर, निवासी—जी०-24/4 ए०, राजौरी गार्डेन, दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती रामेश्वरी देवी पत्नी श्री फकीरचन्द, निवासी——डी०-3/9, मोडल टाऊन, विल्ली । • (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त क्यत्रितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पद्धीकरण :—-इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो अकत अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया ग्या है।

अनुसूची

प्लाट सं०-37, माप 200 वर्ग गज, खसरा नं० 300 कालोनी मीनाक्षी गार्डन, दिल्ली में स्थित है।

> [नरेन्द्र सिंह सक्षम श्रधिकारी

सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज-।।, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——
18—276GI/82

दिनांक : 6-9-82

मोहर ः

प्रस्प आर्थः टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-।।, नई दिल्ली
नई दिल्ली, विनांक 28 श्रगस्त, 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू० II/एस० श्रार०-॥/1-82/6662—श्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० एच० — 94/4 है तथा जो शिवाजी पार्क, ग्राम मादीपुर, दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्व रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय , नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उव्योध्य से उक्त अन्तरण लिखित मे बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया द्रौ:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कनी करने या उससे बचने में सुविधा केलिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय वा किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्कत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूर्विधा के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण मों, में , उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:—--

(1) श्री भगवन्त सिंह सुपुत्न श्री मंगल सिंह निवासी----6/32, श्रोल्ड राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती केला देवी पत्नी श्री मुरारी लाल प्रग्नवाल सुपुत्न श्री रामेश्वर प्रसाद श्रग्नवाल निवासी—-3026/5-ए०, राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना पारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाष्ट्रियां करता हुं।

उकत संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारौक से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह ते 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्बव्ध किसी अन्य व्यक्तियाँ द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सक्ते।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

1/2 बिना बंटा हिस्सा मकान नं० -एच०-94/4, ग्राम मादीपुर शिवाजी पार्क एरिया में स्थित है। इस मकान की माप 138 वर्ग गज है।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जेन रेंज-॥, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक 28-8-82

प्ररूप आहे. टी. एम. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्वत (निरक्षिण) ग्रर्जन रेज ।।, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 28 श्रगस्त, 1982

निदश सं० श्राई० ए० सी०/एक्य०-।।/एस० श्रार०--II/ 1-82/6672---श्रत मुझे, नरेन्द्र सिंह,

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए में अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम पूठ कला, नई दिल्ली-41 में स्थित है (भ्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, सारीख जनवरी, 1982

को पूर्वोक्स सम्पत्सि के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से., ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किशत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री रिशाल सिंह सुपुत्र · श्री धर्म सिंह, निवासी—ग्राम ग्रीर डाकखाना -पूठ, दिल्ली-41 (ग्रन्तरक)
- (2) (1) श्री उमराव सिंह (2) श्री बनजीत सिंह
 - (3) श्री हुकम सिह (4) श्री ग्रतर सिह
 - (5) श्री रणबीर सिंह सुपुत श्री रिशाल सिंह श्रीर (6) श्रीमती प्रेम देवी पत्नी श्री महावीर सिंह, सभी का निवास—ग्राम श्रीर डाकखाना—पुठ कलां, दिल्ली—41 ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई काक्षेप:---

- (क) इस भूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकर्गे।

स्पर्वकिरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'जनतं अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

वम्स्ची

कृषि भूमि माप 15 बीघा श्रीर 18 बिस्वे खसरा नं०-50/ 18(4-16), 56/2(4-16), 9(4-16) 12(1-10), रिवैन्यू एस्टेट, ग्राम-पूठ कला, दिल्ली-41 में स्थित है ।

नरेन्द्र सिह सक्षम श्रधिकारी

सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-॥, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 28-8-82

प्रकप भाई• टी• एन• एस•-

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

• प्रार्जनरेंज- , नई दिल्ली नई ल्लि, दिनांक 2 सितम्बर, 1982

निर्देश सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०-भ्रार०-2/1-82/6676-भ्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-च के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विण्वाम करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित नाजार मूल्य 25,000/- रु से प्रधिक है

मौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम सिरसपुर, दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक जनवरी, 1982

को पूर्वा कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्बद्धित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पण्यह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर मृभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सृतिधा के लिए;

अहः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अधित्:— (1) श्री रिसाल हिं सुपुत्त श्री नेक राम निवासी—ग्राम-सिरसपूर, दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती कमलेश घाई पत्नी श्री सैन क्षास, निवासी—ए०-31, वजीरपुर इन्डस्ट्रीयल एरिया, विस्ली ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की भ्रतिध या तत्सम्बन्धी भ्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रतिध, जो भी
 भ्रतिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोका
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस मूचना के राजपत में प्रकाशन की नारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबढ़
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धी सरण: --- इसमें प्रयुक्त शक्दों भीर पत्नों का, जो उकत श्रीधितियम के अध्याय 20-क में परिभाषि। है, बही भ्रयं हो गा, जो उस अध्याय में विधा गया है।

मन्स्ची

क्र**षि भू**मि 4 विघे 16 बिस्थे, खसरा नं० 509, ग्राम सिरसपुर, विल्ली ।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम भ्रधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेंन रेज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

विनांक: 2-9-82

प्ररूप आईं.टी.एन.एस . ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज-II, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 28 भ्रगस्त, 1982

निर्वेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/II/एस०श्रार०-II/ 1-82/6697-श्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं0 कृषि भूमि है तथा जो ग्राम घेवरा, दिल्ली राज्य में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुभूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई विल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जनवरी, 1982

को प्वोंक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल के एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की वाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वजने में सृविधा के स्लिए; और/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्षारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविभा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम् की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थास् :→— (1) श्री लक्खी मुपुत्र श्री टेका ग्राम---घेषरा, दिल्ली राज्य ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री हरी राम सुपुत्र श्री जगन्नाथ सी०-69, कीरती नगर, नई दिल्ली ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप्:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

कृषि भूमि माप 8 बीघा ग्रीर 8 बिस्त्रे मुस्तातिल नं०-70, खसरा नं० 8, 9/1 ग्रीर 18/1, ग्राम-घेवरा, नई दिल्ली में स्थित है ।

नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-, दिस्तो, नई दिस्तो–110002

विनांक: 28-8-82

प्रकप ग्राई० डी• एन• एस०----

ज्ञायक्षर श्रिष्ठितियम, 1961 (1961 का 43) की झारा 269-घ (1) के ब्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज ।।, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 28 श्रगस्त, 1982

श्रायकर अधिनियन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियन' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन मक्तम श्राधिकारी को; यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क० से श्रधिक है

ग्नौर जिसकी सं० म० नं० एच०-94/4 सथा जो शिवाजी पार्क, ग्राम-मादीपुर, दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक जनवरी, 1982

को पूर्वोंकत सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत संपरित का उचित् बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिका से, ऐसे वृश्यमान प्रतिकल का पण्डह प्रतिगत से प्रक्षिक है धीर प्रस्तरक (प्रक्रारकों) और अन्तरिती (प्रक्रितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरक के जिए तय पाया गया प्रतिकान, निम्निविधित उद्देश्य से उन्तरण लिखित में वास्तरिक का से कवित नहीं किया गया है ---

- (क) प्रस्तरण से हुई जिसी जाम की बाबत उक्त बधिनियम के शक्षीन कर देने के ग्रस्तरक के वायित्व में कभी करने या श्वससे बचने में सुविचा के लिए; श्रीर/या
 - (ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या अग्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय ग्रायकर पश्चिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अग्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए चा, धिपाने में सुविधा के लिए।

कतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखिल व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री बगवन्त सिंह मुपुत्र श्री मंगल सिंह निवासी—-6/32, ग्रोल्ड राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली । (ग्रन्तरक)
- (2) 1. श्रीमती केला देवी पत्नी श्री मुरारी लाल अग्रवाल 2 श्री मुरारी लाल अग्रवाल सुपुत श्री रामेश्वर प्रसाव अग्रवाल निवासी—3026/5 ए०, रणजीत नगर, नई दिल्ली

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जाड़ी करके पूर्वोक्त सम्मृति के वर्जन के तिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सुम्पृत्ति के वर्षन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्ः--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधि या तस्त्रम्बरधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीक्ष से 30 दिन की भवधि, जो भी ग्रविष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किनी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की वारोब से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में दितवड किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्किरणः -- इसमें प्रयुक्त कथ्यों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही क्षे होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनसची

1/2 बिना बंटा हिस्सा मकान नं० एच०-94/4, ग्राम-मादीपुर के शिवाजी पार्क एरिया में स्थित है।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्रधिकारी सहायक धायकर भायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-।।, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 28-8-82

प्ररूप बाई • टी • एन • एस •---

आयकर स्वितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के स्थीत सुचता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त निरीक्षण भ्रजीन रेंज –।।, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 28 अगस्त 1982

निर्देश मं० ग्राई० ए० मी०/एक्यू०/ Π /एस० ग्रार० Π / 1-82/6522--श्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

श्रायकर प्रक्षितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्ट प्रिवित्यम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- कि से प्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम श्रलीपुर, दिल्ली में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक : जनधरी, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफान के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर धन्तरक (धन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए त्रय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित छहेश्यों से उच्त धन्तरण लिखित में वाश्यविक रूप से किया नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से तुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियन के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; बौर/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय मायकर भिवित्यम, 1922 (1922 का 11) या अन्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के सिए;

अतः अख, उक्ष्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में,, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नीलिकित व्यक्तियों मुर्थात् :--- (1) श्री दीपचन्द सुपृत श्री दुलीचन्द निवासी---ग्राम श्रीर डाकखाना, श्रलीपुर दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री हुकम चन्व ग्रामपानी कर्ता श्री हुकम चन्व सन्स (एच० यू० एफ०) ग्रौर लाल चन्द चिमानी कर्ता लाल चन्**य स**न्स (एच० यू० एफ०) 9983, गली नाईबाली, नवाबगंज, दिल्ली-6 (ग्रन्तरिती)

को यह सूजना जारो करके पूर्वीका सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भाकीप :---

- (क) इस सूजना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर जक्त स्थाधर सम्पत्ति में हितबद किसी वन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पब्दीकरण । चन्द्रसमें प्रयुक्त शब्दों बीर पदों का, जो खकत अधि-विवस के बड़्याय 20-क में परिचायित हैं, वही धर्म होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि माप 16 बीघा श्रौर 14 बिस्वे, ग्राम श्रौर डाकखाना भ्रलीपुर, दिल्ली में स्थित है।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली—110002

विनांक : 28-8-8<u>2</u>

प्रक्रम आई० टी० एन० एम०-----

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सुभाना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज 2. नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 17 सितम्बर, 1982

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पति, जिस्ता अधिन काजार मन्य 25,000/ रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम दिश्रांय कलां दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक जनवरी, 1982

को पूर्वोंक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्भो यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एमें दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण में लिखित वास्तिवक रूप से किथिन नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण सं हाई किसी अध्यको बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक क दायित्व में कमी करने या उसम बचने से नृष्यिधा के लिए, और/या
- (स) एंगी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा एकट नहीं विद्या गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के बधीन, निम्नीलिखित व्यक्तितयों, अधितः---

(1) श्री रतन सिंह निवासी—-ग्राम ग्रौर पो० दिचांव कलां, दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री दवीन्वर सिंह निवासी—बी०-7, एक्स 81 सफदरजंग इनक्लेव, नई विल्ली ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवाँक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी बासे से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी सबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ाया है।

अनुसूची

कृषि भूमि ताददी 8 बिथे 3 बिथ्वे, खसरा नं० 153/1 (4-3) श्रीर 1012(4-0), ग्राम दीवांच कला दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 17-9-82

प्ररूप धाई • टी • एन • एस • ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजंन रेज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 17 सितम्बर, 1982

निर्देश म० ग्राई० ए० मी०/एक्यू०/2/एम० ग्रार०-2/ 1-82/6571—श्रन मुझे, नरेन्द्र सिंह,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को घारा 269-ख के अधीन सभम प्राधिकारी को यह विण्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- ६० से अधिक है और जिसकी म० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम हस्तमाल दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्व कप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फन के लिए प्रत्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि संवापूर्वोक्त सम्मत्ति का छचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकान से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रः प्रतिकान पश्चिक है श्रीर अन्तरक (श्रन्तरकों) और अन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखिन उद्देश्य से उक्त प्रत्तरण लिखिन में वास्तविक छन से कथित नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत उका अधिनियम के प्रधीन कर देते के प्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उसने जलते में सुविधा के लिए; क्षोर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः अव। उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्निलिश्वित व्यक्तियों, अभीत् :---19—276 GT/82

- (1) श्री रामानन्द निवासी-ग्राम ग्रीर पो० हस्तमाल, दिल्ली । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री मुरीन्दर पाल, निवासी—-ग्राम-श्रायापुर, जिला होणियारपुर पत्राप्त । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्यन के अप कार्यवाहिया करता है।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजनत्र में प्रकाशन की तारीख ने 45 दिन की अविधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की भविधि, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितब इस किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यब्दोक्तरग: --इसमें त्रपृक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधितियम के प्रष्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि नादादी 7 विघे 7 विषये, ग्राम–ह्म्नसाल, दिल्ली ।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रामकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्राजन रज-2, दिल्ली नई दिल्ली-110002

दिनाक 17-9-82 मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-11, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 10 श्रगस्त 1982

मी० श्रार० न० 1781/ एक्बी०/23/2/82-83—श्रत मुझे, श्रार० श्रार० शाह,

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सर्गाव दिसका उरित बाकर मृत्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी म० तोद न० 1769, वार्ड नं० 10 मोणी फालीया है। तथा जो सूरत में स्थित हैं (ग्रौर इसमें उपाबढ़ ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक जनवरी, 1982

को पूर्णोक्त संपितः के उपित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफ ल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मृत्य उसके द्वयमान प्रतिफल से, ऐसे द्वयमान प्रतिफल का प्रंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्क कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक क्य मे किथन नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृदिधा के लिए; आरि/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सविधा के लिए;

प्रत: धव, उग्त प्रधिनियम, की धारा 269-घ के प्रनुसरण मों, भौं, उक्त अधिनियम को भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तिकों, अर्थात्:---

- (1) श्री मनमोहन दास छवीलदास वाकावाला ।
 - (2) श्री मणीबेन मनमोहनदास वाकावाला ।
 - (3) श्री मुकेशचन्द्रा मनमोहनदास वाकावाला । मोणी फालीया / भेन रोष । सुरत ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती कमलाबेन मनहरलाल मधुकुज सोसाइटी मोदागरवार्ड । सुरत ।

(ग्रन्तिरिप्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रांकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपित्त में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

रपध्दोकरणः -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अमृस्ची

मिलकत जो नोद न० 1769, वार्ड नं० 10, सोणी फालिया, सूरत जनवरी, 1982 में रजिस्ट्री की गयी हैं।

> श्रार० श्रार० णाह् सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-I1, श्रहमदाबाद ।

दिनाक : 10-8**-**82

मोहर 🕆

प्ररूप बाइ े.टी.एन.एस.-----

अध्यक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) यर्जन रेज ॥ स्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनाक 10 ग्रगम्त 1982

ए० श्रार० न० 1782/एक्बी०/23-॥/82-83---ग्रन मुझे,र्श्रार० शाह,

भाय कर प्रधितियम, 1961 (1961 मा 43) (जिन दानी इसके पक्ष्मात् 'उन्ने श्रिधितियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अग्रोन नन प्राधिकारों का, यह विश्वाम करते का कार्य है कि स्यावर सम्पत्ति बिसका उचित बाजार मून्य 25,000/-इपए में श्रिधिक है

भौर जिसकी संव नोंद नव 1235-एव, (पी) रंगीलदाम मेहत है। तथा जो थेरी, गोपीपुरा, सूरत में स्थित हैं (भ्रौर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रिधकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक जनवरी, 1982

भी पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफन के लिए सन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उनके दृश्यमान प्रतिफल का प्रमुख प्रतिशा से अधिक है और अन्तरक (प्रश्वरकों) खोर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे सन्तरण के लिए तथा पाम गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिन में वास्त्रिक का में कथित नहीं किया गया है.——

- (क) मन्तरण में दुई किया वास की बासत, उनत अधिनियम के पन्नीत कर देने के अन्तरक के बाबिक्ष में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए छोर/या;
- (ब) ऐसी किनी माय या किसी धन या अन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर श्रिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उन्त भिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुनिधा के लिए;

भतः अब, उना प्रधिनियन की धारा 269-ग के धन्सरण में, में उन्त प्रधिनियम की नाम **269-थ की** उपजारा (1) के अधीन निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थातु:—— (1) रतनदीप को० हा० है। सोसाइटी का • प्रस्तावित प्रमोटर श्री सुरेशचन्द्रा फकीरचन्द्र झवेरी, माली फलिया, गोपीपुरा, सूरत ।

(भन्तरक)

- (2) श्री नवीन चन्द्रा मफतलाल शाह । गोपीपुरा । जुनी अदालत । सूरत ।
 - (2) श्री रेमीलाबेन नवीनचन्द्रा मेहता । गोपीपुरा । बावामीदी । सूरत ।
 - (3) निक्षिनकुमार रतीलाल शाह । दीवाली बाग । भ्रष्ठवा । मूरत ।

(ग्रन्तरिती)

को यत् सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के प्रार्टन क लिएकार्यवाहियां करता है।

उत्त सम्पत्ति कं धर्नेन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :-

- (क) इन मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तश्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रवधि, जो भी अवधि बाद में नमाप्त होती हो, के भीतर पूर्योकन उपनितयों में से किमी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीश्व से 45 दिन के भीतर खका स्यावर सम्पक्ति में हिन्बद किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधीहस्ताक्षरी के पास विखित में किएजा सकेंगे।

अनुसूची

मिल्कत जो नोद नं० 1235ए (पी) रगीलादास मेह णेरी, गोपीपुरा, सूरत, जनवरी, 1982 में रजिस्ट्री की गयी हैं।

> ग्रार० ग्रार० गाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-11, ग्रहमदाबाद

विनाक . 10-8-82 मोहर . प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 209-थ (1) के प्रधीन मुखना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज ।।, ऋहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनाक 10 भ्रगस्त, 1982

सी० भ्रार० न० 1783/एक्वी०/23-म/82-83-भ्रतः मुझे, भ्रार० ग्राह० गाह

श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- रुपये से श्रिधिक है

श्रौर जिसकी सं० श्रार० एस० नं० 167/1 श्रौर 168/2 (भाग) है। तथा जो प्लाट नं० 9 प्रनापनगर, इन्डस्ट्रीयल एस्टेट बड़ौदा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, बड़ौदा में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक 16-1-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृथ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वात करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से अधिक है और अन्तर्क (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है।—

- (क) अन्तरण से तुई किमी आय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; प्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था डिपाने में मृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण म, म, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निसिंखत व्यक्तियों, अधीत्:—

- (1) छबीलदास मणोलाल णाह्
 86, उद्योगनगर, श्रायुर्वेद कालेज के पीछे ।
 पाणीगेट बड़ौदा ।
- (2) णशिकान्त नागरदास ध्रुय । 50, रामसदन, ब्राह्मनवाडा रोड माटुंगा । वाम्बे⊶400019 ।

(ग्रन्तरक)

- (1) श्री रामचन्द्रा केणवलाल पाटनी ।
- (2) भगवान दास केशवलाल पाटनी
- (3) रमेणचन्द्रा केणवलाल पाटनी
- (4) सुरेणचन्द्र केशवलाल पाटनी । टाऊन के पास, वादी वादी, बड़ौदा ।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इन सूचना के राजात में प्रकाशन की तारी का से 45 विन की प्रविध या नश्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से िकसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पः टीकरण: → - इसमें प्रमुक्त शक्दों और पदों का, जो उकत अधि-नियम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भ्रष्टें होगा, जो उन्हें अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुला जमीन जो प्रतापनगर इन्डस्ट्रीयल एस्टेट सम्पूणं वर्णन विक्रीखन नं० 248 और 249 पर सब रजिस्ट्रर, बड़ौदा के कार्यालय मे तारीख 16-1-82 मे रजिस्ट्री की गयी है ।

> न्नार० श्रार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, श्रहमदाबाद

दिनाक : 10-8-82

प्रकृप बार्ष: टी. एन. एस. ----

अ।यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज ।।. ग्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 10 ग्रगस्त 1982

सी० ग्रार० न० 1784/एक्बी०-23-11/82-83--ग्रार० ग्रार० गाह.

बाधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परचात् 'उन्कत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 38, सैक्टर नं० 19 है। तथा जो गान्धी नगर टोणविप में स्थित है (श्रीर इगरे उपात्रद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, गांधीनगर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक 27-1-1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्या, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एमें दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि सिंह से बास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उनत अधिनियम के अधीन कर दन के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए, और/या
- (ख) एसा किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनका अधिनियम, या धनका अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जोना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की <mark>धारा 260-च की अपधारा (1)</mark> के अधीन निम्नतिस्थित व्यक्तियों अर्थात्:—— (1) श्री महेणवाई चीनु भाई सकर सहकारी लानी वजार ।
 गीता मन्दिर रोड ।
 श्रहमदाबाद ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री प्रदीप पुनजालाल द्रसह द्रसढ़ीस—पुनजालाल लल्लु भाई शाह, 16, णान्ती नगर । उसमानपुरा/ग्रहमदाबाद ।

(ग्रन्तर्रा)

को यह सूचना जारी करके पूर्विकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथोहस्ताक्षरी के पास लिस्सित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

जमीन स्रोर मकान जो सेक्टर नं० 19, प्लाट नं० 38, गांधी-नगर टाउनशिप सम्पूर्ण वर्णीत पर विक्रखत नं० 104 पर गांधी-नगर सब रजिस्ट्रार के कार्यालय में तारीख 27-1-1982 में रजिस्ट्री की गयी है ।

> श्रारं० श्रारं० णाह सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेंन रेंज ।।, ग्रहमदाबाद ।

दिनांक : 10·8-82

प्रकप बाह्र, टी. एत. एस.------

आयकर लिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यात्रय, सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-॥, श्रहमदाबाद म्रहमदाबाद, दिनाक 10 भ्रगस्त, 1982

पी० ग्रार० 1785/ एक्बी०-23/॥/82-83---ग्रत मुझे, ग्रार० ग्रार० शाह.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

स्रौर जिसकी स० प्लाट स० 25, सेक्टर न० 19, है तथा जो गाधी नगर टाउनिशा में स्थित ह (स्रीर इससे उपाबद्ध स्रनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, गाधीनगर में रिजिस्ट्रीकरण स्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनाक 16-1-82

को पूर्वेक्ति सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रांतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित याजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिम्नत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्दश्य से उन्त अन्तरण लिखित में बन्तियिक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मो कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के लिए ग्रीर/या

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नीनिष्ठित व्यक्तियमों, अर्थात् .-- (1) श्री रत्तीलाल खुशालदास पटेल "शेलटर" चिमनलाल गिरधरलाल मार्ग । एलिसबीज । श्रहमदाबाद ।

(ग्रन्थरक)

(2) श्री हसमुख भाई कस्तूरचन्द्र णाह एच० यू० एफ० 1 श्रीर 2, कर्ता—एच० यू० एफ० -1-हसमुखलाल कसतुरचन्द शाह । कर्ता—एच० यू० एफ०-2 मलेश हसमुखलाल शाह । 41, सथानक वासी । जैन सोसाइटी । नारायणपुरा श्रहमदाबाद ।

(भ्रन्त)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुए।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति युवारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपरित में हित-बद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण '--इसमें प्रयुवत शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

जमीन ग्राँर प्लिय जो सेक्टर नं० 19, प्लाट न० 25, गाधीनगर टाउनणिप सम्पूर्ण वर्णन विकीखत नं० 47 ग्राँर 48, गांधीनगर सब रजिस्ट्रार के कार्यालय में नारीख 16-1-1982 में रजिस्ट्री की गयी है।

> श्रार० श्रार० णाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-॥, श्रहमदाबाद ॥

विनांक 10-8-82 मोहर प्ररूप बाहा, टी. एन. एस.---

आयकर अभिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के अभीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालयः महायक ग्रायकर <mark>भ्रायक्त (निरीक्षण)</mark> श्रर्जन रेज-11ः श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 10 श्रगस्त 1982

पी० प्रार० नं० 1786/ $\frac{1}{2}$ स्वी० $\frac{23-2}{82-83-4}$ मुने, ग्रार० ग्रार० गाह.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी कां, यह विश्वत करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं सी एस नं 783/1 ग्रीर 783/2 है। है। तथा जो नीजामपुरा विसतार, बड़ीदा सिटी में स्थित हैं (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री-कर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, बड़ीदा में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक 11-1-82

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने वा कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितीयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित मे वास्तिवक क्ष्य में कथित नहीं किया गया हैं. --

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की भावत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे व्यन में सुविधा के लिए और/या
- (ख) एसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्भरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निणिक्षन व्यक्तियों, अर्थान् :--

- (1) शी कालीदास महिजी भाई पथीयार ।
 - (2) नटवर्रागह महिजी भाई पथीयार, नीजामपुरा । जहाँदा ।

(सन्तरक)

(2) श्री पटेल बालजी भाई णकरभाई, 56, सरदार नगर । नीजामपुरा । बड़ौदा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उत्रत सम्पत्ति क अर्जन के सम्बन्ध मा कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को अविधि, जो भी अविधि थाद में समाप्त हांती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वार;
- (स) इस सूचना के राजएत्र मो प्रकाशन की तारीत्व से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपस्ति मो हिन-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथाहरताक्षरी के पास लिखित मो किए जा गर्कोगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

खुला जमीन जो तीजामपुरा विस्तार, बडौदा िसटी में स्थित है और सम्पूर्ण वर्णित में विकीखत नज 168 और 170 पर, बड़ौदा सब रजिस्ट्रार के कार्यालय में तारीख 11~1-1982 में रजिस्ट्री की गयी है।

> श्रार० श्रार० णाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज –11, ग्रहमदाबाद ।

दिनाक : 10-8-1982

प्ररूप नाइ. टी. एन. एस. .----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेज H, प्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 11 श्रगस्त, 1982

पी० श्रार० नं० 1787//vनवी०-23/II/82-83—श्रतः मुझे, श्रार० श्रार० शाह,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख अ अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी मं० नं० 153 है तथा जो ग्रनकलेण्वर में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, श्रनकलेण्वर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक जनवरी, 1982

को पूर्वोंक्त सम्परित के उचित बाजार से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अर्जारित की गई है और मूफ्तें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश सं उक्त अन्तरण लिखिन में वास्तिवक कप में किथत नहीं किया गया है.

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्थ में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चोहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिमित व्यक्तियों,अर्थीत :---

(1) भी मुलाम नमिलियार भाई गाँर। (2) श्रव्युल रहीम मुलागनमानियार भाई । कागडीवार्ड । अनकलेक्वर ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री साद्रुधीन श्रब्दलरहीम बाला पीरमन नाका शनकलेण्यर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पृत्रों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद से समाप्त होती हो, के भीतर पृवक्ति व्यक्तियों से से फिसी व्यक्ति द्वारा,

(स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहम्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा गर्क में।

स्पष्टीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क म परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया

अनुसूची

मिलकत जो श्रनकलेण्यर एगा० नं० 153. जनवरी, 1982 में रिजिस्ट्री की गयी है ।

> श्चार० श्चार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहार्गक ग्रापकर ग्रायक्त (निरीक्षण) सर्वाव रेंक्र 11, श्रष्टमदावाद

दिनांक : 11-8-82

मोहर 🕙

प्ररूप आहें. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) का 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, II. श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 11 श्रगस्त 1982

पी० भ्रार० नं० 1788/एक्वी० $-23/\Pi/82-83-$ म्सः मुझे, भ्रार० भ्रार० भाह.

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ह के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० 25/ ए-1 (पी०) टी० पी० स्कीम, एफ० पी० 210, है। तथा जो नवागाम, सूरत में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना श्रिधकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित आजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंन्सह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिली (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाथा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में स्विधा के लिए, और/या
- (ष) एंनी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नत अधिनियम, या धन कार अधिनियम, या धन कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अरा अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनपरण भी, मी, अक्त अधिनियम की धारा 269-इ की उण्धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाद :-- (1) श्री ईश्वरलाल किकाभाई गडीयाली, नवापुरा, कारवा रोड, सूरत ।

(भ्रन्तरक)

(2) (1) श्रजश्रन्ता डायमण्ड अपार्टमेन्ट को० श्रो० हा० मोसायटी लिमिटेड । प्रधान श्री राजेन्द्रा गकोरभार्ड पटेल सग्रामपुरा, सूरत । (2) प्रजापनी परमोत्तम खोडाभाई दीपमंगल एस्टेट, श्रचवा गेट, सुरत ।

(अन्तरिती)

कार यह स्थाना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य गिहिया कारता हु।

उक्त सम्पन्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप.---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेहरूनाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और एदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहां अर्थ होगा जी उस अध्याय में विया गणा हैं।

अन्स्**ची**

सिलकियत जो श्रार० एस० नं० 25/ए०/1(पी०)नवागास, सुरत, जनवरी, 1982 में रजिस्ट्री की गयी है।

> स्रार० श्रार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज्-II, अहमदाबाद ।

दिनांक 11-8-82 मोहर

प्रकप् भाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 11 अगस्त 1982

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 1788-बी०/एक्वी०- $23/\mathrm{II}/82$ - 83 श्रतः मुझे श्रार० श्रार० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निद्यास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० जुना एस० नं० 25/ए/1 (पी०) टी०पा० एस०4-एफ० पी० 210, नवागांम है, तथा जो सूरत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड़ अनुसूर्य में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) एजिस्ट्रीकर्ता श्रीधारी के कार्यालय सूरत में एजिस्ट्राकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी 1982 को पूर्वोक्त सम्पित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रष्ट प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नीलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त आधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/सा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 क्ष्र ११) या उपत आधिनियम, या धन- कर औधीननम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निल्सित व्यक्तियों अर्थात् :-- श्रीमति, कुसुमाबेत भीमा भाई, गङायाला, नतापुरा, कारवा रोट, ग्राना।

(अन्तरक)

2. श्रव्यक्ता डायमण्ड एपार्डमीन्ट की-श्रो-हाउ० सोसायटी प्रमुख श्री राजेन्द्र। ताकीर भाई पटेल, साग्रामपुरा, सुरत ।

(2) प्रजापित परपोत्तम दास, खोडाभाई. दोपमंगल, अल्बा, सुरत ।

(ग्रन्तरितीः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अधिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में किसी व्यक्ति व्यक्ति ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

मिलकियत जो जुना सम्बे नं० 25/ए/1 (पा), नवागाम सुरत जनप्रसा, 1982 में रिक्स्ट्रा का गर्थ, है।

> श्चार० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर स्नाप्कन (निरोक्षण) स्रजन रोज-1¹, श्रहमदाबाद

तार्<u>ने खः: 11-8-1982</u>

25,000/- रत. से अधिक **ह**ै

प्ररूप माई० टी० एन० एस० -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज-II

श्रहमदाबाद, दिनांक 28 अगस्त 1982

निर्देश स० पा० फ्रांग्ठ न० 1820/एक्ट्रीं ०-23-II/82-83-- फ्रतः मुझे, फ्रांग्ठ श्रार० शाह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य

श्रीर जिसकी सं 1-2, श्रीर 103 दीनदाली है तथा जो तह जीरयामी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वणित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सुरत में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रवीन दिनांक जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पिति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उसत अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्स बिधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्हरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिस व्यक्तिसयों, अधीत :--

- 1. (1) श्र. मन्भाई छोट् भाई देलाई
 - (2) श्री जायन्तं, भाई छाटु भाई देसाई
 - (3) श्रो ईएवर भाई छोटु भाई वेसाई
 - (4) श्रां ऋरविन्द भाई छोटु भाई देसाई
 - (5) श्री मणिबेन छोटु भाई रनछोड़ भाई की विधवा गांव दोनदोलं।, तह० छोरयासी, सुरत।

(भ्रन्तरक)

- 2. (1) श्री धनजीभाई रतनजीभाई।
 - (2) श्राः राम भाई रतन भाई
 - (3) श्रं धयाभाई धनजंभाई
 - (4) श्रं बालुभाई राम भाई । अधिवनी कुमार रोड, पुलपाडा, तह० छोरयासी, सुरत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण:—हसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्धों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्**स्**ची

मिलिपियत जो एम० नं० 1-2 और 103, दीनदोली जनवरी, 1982 में रिजस्ट्री की गयी है।

> ग्रार० ग्रार० गाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायकर (निरीक्षण) ग्रजैन रेज-11, ग्रहमदाबाद

तारीख 28-8-1982 मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन्, एस.-----

भायकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के नधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेंज-II, महमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनाक 28 श्रगस्त 1982

निदेश मं० पो० घ्रार० नं० 1821/एक्की-/23-II/82-83---ग्रत. मुझे, श्रार० ग्रार० णाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाव्द सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा से अधिक है

श्रौर जिसकी स० न० 615, मोहा बराछ। है, तथा जो मुरत में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूनी में श्रौर जो पूर्ण रूप से विजित है) रिजिस्ट्रा कर्ता श्रीश्वकारों के अर्थालय सुरत में राजस्ट्रा करण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीन दिनाक जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का चन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे बास्तिक रूप से किया गया है:----

- (क) सन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उन्तर अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविभा के सिए; जीर/वा
- (का) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

 श्री लाल भाई वल्लभ भाई, मोडा, वराछा । तह् छोरयामी, मुरत ।

(भ्रन्तरक)

श्रीमावजी भाई घरमणी भाई,
 बीन० 4, वल्लभ नगर, सोसायटी,
 वराछा रोड, सुरत ।

(भन्तरिती)

कांयह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तमील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यानित ब्यानित;
- (स) इस मृथना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बच्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुसुची

मिलिकियत जो एस० नं० 615, मोढा वराष्ठा, जनवरी 1982 में रिजिस्ट्री की गयी है।

> श्रार० ग्रीर० जाह सक्षम प्रीधिहारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-II, ग्रहमदाबाद

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग क अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

नार्वाः 28-8-1982

माहर.

शरूप आई. टी. एन. एस.------

अग्रमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को भारा 269-अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजंब रेज-II, प्रहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनाक 28 ग्रगस्त, 1982

निवेश मं० पी० ग्राप्त न० 1822/एसवी०/23-II/82-83 ग्रत. मुझे ग्राप्त प्राप्त गाह

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 '- रा मं अधिक ही

भीर जिसकी मं० 647, माहा प्राराष्टा ह. तथा जा सुठा में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूच, में ग्रीर जो पूर्ण रूप म विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधि हार। के कार्यालय सुरत में रिजस्ट्री करण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जित्त बाजार मूण्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकत का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रन्तरिक (प्रन्तरका) और प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

- (क) अन्तरगत्म हुई किया आप्रका बाबत, एकत अधि-नियम, के अधीन कर देने के अग्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, भोर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या बक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा क लिए;

अतः ग्रथ, उक्त प्रधिनियन को धारा 269-ग के ग्रनु-सरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रामीम निम्नलिखत व्यक्तियों ग्रायीत:--- शे बनमालीभाई धयाभाई दलपत भाई जेरामभाई , मोढा वाराछा, तह्र चोरयासी, सुरत ।

(म्रन्तरक)

2 श्री बल्लभभाई सुखाभाई पटेल, श्री कानजीभाई कोलाभाई पटेल हानस सोमायटी. वराछा रोड, सुरत ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की प्रविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
 ब्रितवद किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी
 के पाम लिखिन में किए जा सकेंगे।

इयबदीकरण:-- इसमें प्रयुक्त मन्दों भीर पदों का, जो जन्त भिवित्यम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं भर्ष होगा जो उस भ्रष्ट्याय में विया गया है।

अनुसूची

मिलकियत जा एस० नं० 647, ब्लाक नं० 619, माढा वराछा , जनवरी, 1982 में रिजिस्ट्री की गया है।

> श्रार० श्रार० शाह सक्षम प्राधिकारी गहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रजेन रेंज-II, श्रहमदाबाद

नारीख: 28-8-1982

प्ररूप आर्इ. टी. एन. एस. - -- -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-I, ग्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 21 ग्रगस्त 1982 निदेश सं० पी० ग्रार० न० 2082/23-I/82-83---- श्रत मुझे, श्रार० श्रार० शाह

भायकार प्रितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परभात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 259-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का **कारभ है कि स्था**वर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000 / - रः. से अधिक है

भ्रौर जिसकी स० एफ० पी० 268 से 276, टी० पी० एस० 6, है तथा जो बंगला नं० 19, दी गुजरात **ब्रह्म ख**न्नीय सोसायटी, पालडी में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय श्रहमदाबाद, में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक 4-3-1982

का पूर्वीक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरण (अन्तरको) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वोध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उत्सरों नचने में सुविधा के लिये; बौर⁄या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय वायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो एवारा प्रकट नहीं किया गया था मा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए.

अतः सब, उक्त अभिनियमं की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ज की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- श्री ग्रीष्माबेन दीलीप भाई देसाई. गुजरात ब्रह्ममखद्रीय सोसायटी, पालडी, ग्रहमदाबाद ।
 - (2) श्री लीनीमाबेन दीलीप भाई देसाई, पालडी, श्रहमदाबाद।

(भ्रन्तरक)

- 2. (1) श्री हरीशभाई सोमाभाई पुंजारा,
 - (2) श्रीमती नलीनीबेन हरीशभाई पुंजारा, 2/बी, नानालाल पार्क, मनीनगर, श्रहमदाबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वाकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास् लिसित में किए जा सकरेंगे।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त अन्यों और पर्वों का, किंपिनियम्, के अध्याय् 20-क में परिभाषितः हैं, बही अर्थ होगा जो उत्तस मध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

मकान जिसका जमीन का कुल क्षेत्र फल 635 वर्ग यार्ड है, जो पालडी ग्रहमदाबाद, में स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार श्रहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता बिक्रीखत नं० 3150 श्रौर 43149/ 4-3-1982 है।

> आर० भ्रार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

तारीख . 21-8-1982

प्रकप आई० टी• एन॰ एस•----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-I,

ग्रहमदाबाद, दिनांक 19 ग्रगस्त 1982

निदेश सं० पी०श्चार० नं० 2081/23-I/82-83— श्रतः मुझे भ्रार० श्चार० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 479 है, तथा जो थलतेज, जिला श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 21-1-1982

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूह्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रित्यात से अधिक है भीर अन्तरिती (अन्तरितीं) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तक रूप से कथित नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; अदि/वा
- (क) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्सियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिया के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिमित व्यक्तियों, अर्थातः—— श्री गंगाभाई लालाभाई ग्रीर ग्रन्य गांव ग्रांबली, जिला श्रहमदाबाद

(भ्रन्तरक)

शाह गोविन्दभाई मफतलाल पटेल,
 9-ए, अमरदीप निवास, हिन्दु कालोनी,
 सरदार पटेल स्टेडियम के सामने
 ग्रहमदाबाद ।

(भ्रन्तरिती)

मने यह स्वना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त बुम्पुरिस् भी मुर्वत् भी बुम्बुन्ध् मी कोर्च भी माक्षेप:--

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ वे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, आंभी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास जिलाक में किए का सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त घळां और पदों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्यास 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 7 एकड़, (33880 वर्ग यार्ड) है, जो थल तेज, जिला ग्रहमदाबाद, में स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार श्रहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता बिकीखत नं० 967. 969, 972, 973/21-1-82 है।

> श्चार० श्रार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I. श्रहमदाबाद

नारीख: 19-8-1982

प्ररूप आहू .टी.एन.एस.------

आयकर र्जावनियम, 1901 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) क अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज-I,

भ्रहमदाबाद, दिनाक 19 भ्रगस्त 1982

निदेश स० पी०श्रारं० न० 280/23-I/82-83—श्रत मुझे श्रारं० श्रारं० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राध्कारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. स अधिक है

श्रीर जिसकी स० सर्वे न० 47-2, पैकी एफ० पी० 29, टी० पी० एस० 20 है, तथा जो चगीसपुर, श्रहमदाबाद में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबड़ श्रनुमूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिक्षिकारी के कार्यालय श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिक्षितमा, 1908 (1908 का 16) के श्रिक्षीन दिनाक 18-1-82 को पूर्वे कि सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिपत्त के निष् अन्तरित की गर्ड है और मुसे यह विदवास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त मम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशान से अधिक है और अन्तरक (अतरको) और अतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल का निम्न जीवत उददास स उक्त अन्तरण कि जित में बाम्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दों के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उनसे बचन में मृतिधा के लिए; बार/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिभा के लिए;

अत १४ व. उक्त पीधनियर, की धारा २६०-ग के अनुसरण मा, मी, उक्त अभिनियम की धारा २६०-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों अर्थात:-- श्री दीनकरभाई कानजीभाई परीख 'ललित कुज' नयवरगपुरा अहमदाबाद ।

(अन्तरक)

श्री चन्द्रकान्तमाई चीनुभाई श्रीमती कुमुाबेत, सी० पाह, मेकन्ट लेन, पचवटी, एलिसब्रीज, ग्रहमदाबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबंध म काई भी आक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा,
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हिल्बव्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए पा सकोंगें।

स्पट्टीकरण —-इसमे प्रयुक्त सब्बो और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान जिसका जमीन का कुल क्षेत्र फन 405 वर्ग याई है, जो टी॰ पी॰ एस॰ 20, चगीसपुर, श्रहमदाबाद में स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार श्रहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता बिक्रीखन न॰ 609/18-1-82 है।

श्रार० ग्रार० शाह मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-1, ग्रहमदाबाद

नारीख 19-8-1982 मोहर प्ररूप आर्ड टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनांक 19 ग्रगस्त 1982

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 2079/23-J/82-83—-श्रतः मुझे, श्रार० श्रार० शाह

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम् प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० एफ० पी० 368, टी० पी० एस० 3 है, तथा जो चंगीसपुर, मिट्ठाखाली, ग्रहमदाबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिप्टिकारी के कार्यालय श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रिप्टिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 20-1-1982

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उिचत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्से यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एेसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्थ में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सृविधा के लिए;

अतः अव, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) को अधिन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ।—— 21—276 GI/82

- श्री भीखाभाई जीयाभाई प्राह्मेट द्रस्ट की श्रांग से ट्रस्टी। श्री मनुभाई भीखाभाई श्रौग श्रन्य, न्यू ब्रह्मशास्त्रीय मोमायटी. एलिसब्रीज, श्रह्मदाबाद ।
 - (2) श्री डाहीबेन भीखाभाई पटेल ग्रौर ग्रन्य. न्यू ब्रह्मशास्त्रीय सोसायटी. एलिसबीज, ग्रहमदाबाद ।

(ग्रन्तरक)

 जन उमंग को-ग्राप-हाउ०- सोसायटी, लिमिटेङ की श्रोर से सेकेटरी . श्री श्रशोक कुमार मोहनलाल महेता, सर्वोदय नगर, शाहपुर दरवाजा, बाहर, श्रहमदाबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पव्यक्तिरणः --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

जमीन जिसका जमीन का क्षेत्र फल 5979 वर्ग थाई है जो मिट्ठाखाली, अहमदाबाद में स्थित है तथा सब र्राजस्ट्रार अहमदाबाद राजस्ट्रीकर्ता बिकीखत नं० 736/ 20-1-82 है।

> श्चार० श्चार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्चायुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज-ा, ग्रहमदाबाद

तारीख: 19-8-1982

ब्रक्षप लाई० टी० एन० एस०----

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 2+9 छ (1) के अधीन सुचना

भारत् सरकार

कार्यालय सक्षायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज- .

श्रहमदाबाद, दिनांक 16 श्रगस्त, 1982 निदेश सं० पी० श्रार० नं० 2078/23-1/82-83——श्रत मुझे, श्रार० श्रार० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम पाधिकारी को. यह विख्वास करन का कारण है कि स्थावर सपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रौर जिसकी स० एफ० पी० 67 72 73/31 है, तथा जो मधुकुंज मोसायटी, ब्लाक नं० 16, खोखरा, ग्रहमदाबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप में विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय ग्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम. 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 2-1-1982

को पूर्वेक्सि संपंक्ति के उचित बाजार मृल्य से क्रम के दृश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिषत अधिक है और अन्तरक (अंतरको) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्योध्य से उक्त अन्तरण मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियभ के अधीन कर दोने के अतरक के दायित्व में कभी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए बीर/या
- (का) एसी शिकसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का. जिन्हुं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था., छिपाने में सविधा के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिलित व्यक्तियों, अर्थान् :-- अी राधाबेन प्रेमजीभाई पटेल, 16-धी, मधुनुग, सोसावटी, मनीनगर, ग्रहमदाबाद।

(ग्रन्तरक)

अन्मुईयाबेन, कनुभाई पटेल, 16-बी, मधुकुज सोसायटी, मनीनगर, ग्रहमदाबाद ।

(ग्रन्तरिती)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मे कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील स 30 दिन की अविधि, जा भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उसत स्थावर सपित्त में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए रा मकरेंगे।

स्थव्योकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिट है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

मकान जिसका जमीन का कुल क्षेत्र फल 365 वर्ग यार्ड है, जो मनीनगर, ग्रहमदाबाद में स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार ग्रहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ना विकीखन न० 73/2-1-82 है।

श्चार० श्चार० शाह सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्चायकर श्चायुक्त (निरीक्षण), श्चर्जन रेजना,श्रहमदाबाद

तारी**ख** 16-8-1982 मोहर . प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज-[,

ग्रहमदाबाद, दिनाक 16 ग्रगस्त 1982

निदेण स० पी० श्रार० न० 2077/23-I/82-83---- श्रत

मुझे, ग्रार० श्रार० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है।, की धारा 269- ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का **का<u>द्</u>रण है कि स्थावर संपरित जिसका उथित** बाजार मृल्य 25,000/- रत्पए से अक्षिक हैं

स्रौर जिसकी म \circ सर्वे न \circ 142/3/1, 135/1/2, 134/, 137-123-2, 144-2-1, 181 फ्रीर 143/3 है, तथा जो गाव बोडकदेव, जिला श्रहमदाबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप स वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास फरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल में, एस दश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती ्अतंरिरतियों) के बीच एेसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-भाग निम्नालिभान **उददाश्य स उत्तन अन्तरण लिखित में बास्त**-। यन 🖶 ने कथित नहीं किया गया **ह**ै:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मो कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियो को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जा चाहिए था, छिपाने में सुविधा केलिए;

वत अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1) के अभीन, निम्मलिकित व्यक्तियाँ, अर्थातः ---

- श्रीमती दहीबेन, जोरताराम नाथाभाई की विधवा पत्नी , गाव श्रावली, जिला श्रहमदाबाद।
 - (2) श्री कानजीभाई परसोत्तम दास गाव बोडकदेव, जिला श्रहमदाबाद
 - (3) श्रीमती बालीबेन, ग्रबाराम, शकरभाई की विधवा पत्नी गाव बोडकदेव, जिला श्रहमदाबाद।
 - (4) श्री लाल भाई छगन लाल गाव बोडकदव, जिला प्रहमदाबाद
 - (5) सेधाभाई, पुजाभाई, गाव बोडकदेव, जिला ग्रहमदाबाद
 - (6) श्री कालीदास लल्लुभाई गाव बोडकदेव, जिला ग्रहमदाबाद
 - (7) श्री रतीलाल चतुरभाई श्रौर श्रन्य गाव बोडकदेव जिला ग्रहमदाबाद गाव भ्रोबली, जिला भ्रहमदाबाद ।

(ग्रन्तरक)

2 श्री मनुभाई हिमतभाई पटेल, ग्रौर ग्रन्य 'विजयन्ता' सरदार पटेल स्टेडियम के नजदीक, नवरगपूरा, श्रहमदाबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के उर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इ.स. स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन के जियि।, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कसे 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका क्षेत्र फल 32 एकड 17 गुठा है. (156937 वर्ग यार्ड), जो बोडकदेव, जिला श्रहमदाबाद में स्थित है तथा सब रिजस्ट्रार भ्रहमदाबाद रिजस्ट्रीकर्ता बिक्रीखन नं० 5451, 5506, 5670, 5479, 5466, 496, 497/13-1-82 है।

> ग्रार० ग्रार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज -I, श्रहमदाबाद

नागीख: 16-8-1982

मोहर

प्रारूप आहर्.टी.एन.एस.-----

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज-I, श्र**हमदाबाद** श्रहमदाबाद, दिनाक 16 अगस्त, 1982 निदश स० पी० श्रार०न० 2076/23- /82-83—श्रन मुझे श्रार० श्रार० गाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रु. से अधिक है

ग्राँर जिसकी स० सर्वे न० 546+547, सब प्लाट न० 8, टी० पी० एस० 28, एफ० पी० 681 है तथा जो वाडर्ज ग्रहमदाबाद में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय ग्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनाक 5-1-82

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिशत से, एसे दश्यमान प्रतिपत्त का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल् निम्नितिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण िलिसत में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बिधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक क दायित्व में किमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आया या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-अर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

नतः जब, उन्ततं निधिनियमं की धारा 269-मं के जनुसरण मा, मी, उक्त अधिनियमं की धारा 269-मं की उपभाग (1) के अधीन निध्नतिसित व्यक्तियों अधीत् :—— श्रीमती मत्यावती, बिहारी लाल महेन्द्रप्रसाद की विधवा पत्नी, द्वारा एम० एमैं० श्रोपल, ग्रदासपुरा, पजाब। (श्रन्तरक)

2 सेतुमल को ब्याप ब्हा ब मोसायटी प्रयोजक श्री निर्मल कुमार केणव भाई पटेल, 137, सरदार पटेल कालोनी, श्रहमदावाद-19

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में हो किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पित्त में हिन्छ दूध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका क्षेत्र फल 989 मीटर है, जो वाङज, ऋहम-ऋहमदाबाद में स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार ऋहमदाबाद रजिस्ट्री-कर्ता बिक्रीखत न० 177/5-2-82 है ।

> ग्रार० ग्रार० णाह सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-1, ग्रहमदाबाद

नारीख 16-8-1982 गोहर . प्ररूप बाईंटी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहामक आयकार आयुक्त (निरक्षिण) ग्रार्जन रेज-।,

ग्रहमदाबाद, दिनाक 16 ग्रगस्त, 1982 निदेश स० पी०ग्रार० न० 2075/23-/82-83— ग्रत मुझे ग्रार० ग्रार० गाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमा इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु. स अधिक है

श्रीर जिसकी स० बगला न० 19, मोठ चायानेर, सांसायटी है, तथा जो वाडज, अहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जा पूर्ण रूप से बर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनाक 5-1-1982

को पूर्णेक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यशाप्वींकन सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एस रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अंतरका) और अतिरती (अन्तरियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्मलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निखित में बाम्ति-

- (क) अन्तरण सं हुड किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व म कमी अपने या उससे वचने में सृविधा क लिए, और/धा
- (ख) ऐसी किसी अपय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिए था, छिपाने म स्विधा के लिए,

अत अब. उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण गा, भी एक अधिनियम का भारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री जेठालाल जीवनलाल गाधी धाँर भ्रन्य 50-बी, स्वसतिक सोसायटी, ग्रहमदावाद।

(भ्रन्तरक)

- 2 (1) श्री णिवाभाई केवलदास, पटेल, सर्व मगल सोमायटी नारनपुरा, श्रहमदाबाद।
 - (2) श्रीमती ज्योत्मता वेन मनीलाल पटेल, म्युनिसिपल प्लोट न० ए विभाग, मील कामदार सोसायटी के सामने, कलोल, जिला महेमाना (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करना है ।

उक्त संपत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाध्त होती हो, के भीतर पूर्वावत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना कं राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः---इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

मकान जिसका जमीन कुल क्षेत्रफल 715 वर्ग यार्ड हैं जो वाडज, ग्रहमदाबाद में स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार ग्रहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता बिक्रीखत न० 226/5-1-82 है ।

> श्चार० प्रार० णाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर प्रायुक्त, (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-I, श्रहमदाबाद

तारीय 16-8-82 मोहर: प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

कायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज-I, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनाक 16 श्रगस्त 1982 निदेश र्स० पी०श्चार० न० 2074/23-I/82-83—— अत मुझे, श्चार० श्चार० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-भ के संबीन सक्तम पाधिकारी को, यह विश्वास करने के कारग है कि स्यावर संति, जिनका उचित बाजार मून्य 25,000/-रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी स० सर्वे न० 25 है, तथा जो थलतेज, श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनाक 2-1-1982

को पूर्वीक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्रयमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किन निम्नलिखित उद्देश्य से अक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अग्तरम से हुई किमो त्राय की बावत छक्त अधि-नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी प्रत या ग्रन्थ प्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय ग्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या प्रतकर भीधिनियम, 1957 (1957 का 27) र प्रयोजनार्थ भन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मो, मौं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

 मगाजी वीमाजी डाफोर, गाव थलतेज, जिला श्रहमदाबाद।

(भ्रन्तरक)

2 मुपतीनगर को-भ्रो०-हा० मोसायटी लिमिटेड, मेक्रेटरी दलीचन्द, जवेरचन्द, ए-4, हरीदास कालोनी, नवजीवन प्रेस रोड, नवरगपुरा, भ्रहमदाबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थाना जारो करके पूर्वांक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण: -- इसमे प्रयुक्त शब्बों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित हौ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 27 गुठा है जो थलतेज, जिला भ्रहमदाबाद में स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार भ्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकर्ता बिकीखत न० 484, 49/2-1-1982 है।

> भ्राप्त श्रार० माह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेज- , श्रहमदाबाद

नारीख 16-8-1982 मोहर:

प्रक्रम नाइंटी एन एस ------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269(1) के अधीर सृपना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेंज-1, अहमदाबाद

घ्रहमदाबाद, दिनाक 16 ग्रगस्त 1982

निदेश मं० पी० आर० नं० 2073/23-Ĭ/82-83——ग्रन: मुझे, श्रार० श्रार० शाह

मायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख की अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० टी० पी० एस० 6, सब प्लाट नं० 461-2-ए, है तथा जो पालडी, श्रह्मदाबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) राजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रह्मदाबाद में राजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 22-1-82

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिष्ठत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गमा प्रतिफल फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गमा है:——

- (क) अन्तरण संहुइं किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/था
- (क) एसी किसी आया या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्कर अधिनियम, या अन्कर अधिनियम, या अन्कर अधिनियम, वा अन्कर अधिनियम, 1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में मृविधा के लिए;

शि शाह कमलाबेस बातचन्द भाई शालाकुन (पूर्व), लक्ष्मी भुवन, ब्लाक नं० 13, शांताकुन, (पूर्व), बोम्बे।

(श्रातरक)

श्री कान्तीलाल बाबुलाल शाह,
 मानेक फ्लेट्स, सुखीपुरा,
 न्यु शारदा मंदिर रोड,
 श्रहमदाबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचन के राजपत्र में प्रकाशन की लारील सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हा, के भीतर पूर्वोक्त अधिकत्यों में से किसी व्यक्ति दवारा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारोखा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुस्ची

फ्लेट जिसका क्षेत्रफल 112 वर्ग यार्ड है जो पालबी अहमदाबाद में स्थित है तथा सब रजिस्ट्रीर अहमदाबाद रजिस्ट्री-कर्ता बिक्रीखन नं० 978/22-1-82 है।

> श्रार० श्रार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-!, श्रहमदाबाद

भतः अद्य, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण माँ, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलि**षित व्यक्तियों, अर्थातः**---

ता**रीख**: 16-8-82

प्रक्रम आई० टा । एउ० एउ०-

ग्रानक**र अधि**नियम, 1981 (1961 हा 43) को आरा ्69-घ (1) के <mark>प्रधीन सूचन</mark>ा

भारत पर्हार

कार्यालय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-ा, ग्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 16 श्रगस्त 1982

निदेश मं०पी० श्रार० न० 2072/23-J/82-83--- प्रत मझे, श्रार० श्रार० शाह

पायकर मिनियप, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इयक पश्चात् 'उक्त पिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ख के मिनित सक्षम प्राधिकारी को, यह जिल्लाम करने का कारण है कि स्थावर सम्मति जिनव अवित याजर मन्य 25,000/- ए० से प्रधिक है

ग्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० 684-3 है, तथा जो सानन्द, जिला ग्रहमदाबाद में स्थित है (जौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से विजित है)रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय सानंद में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनाक जनवरी, 1982

को पूर्वो क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोंना सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रहै प्रतिशत अधिक है और धन्तरक (भन्तरकों) भीर ग्रम्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निविज्ञत में बास्तिका छूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरिती बारा पकट नहीं कि प या किया जाना चाहिए बा, क्रिपाने में मिक्सा के लिए

प्रस्त अधिनियम को बारा 26% म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम को बारा 26% म को उपधारा (1)
 के अधीन, निस्नितिविक व्यक्तियों, अर्थात् :---

। या पृजलाल कालोदास पटेल फ्रीर फ्रन्य पानदः, जिला फ्रहमदाबादः।

(श्रन्तर१)

2 श्री नरनारायन का-प्रा०-हा० सोसायटी लिमिटेड चेयरमैन चिमनलाल मोहनलाल ठक्कर, सानद, जिला अहमदाबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूत्रना जारो करके पूर्वीका प्रस्थित के अर्थेन के पर कार्यवाहियां करना है।

उनन सम्यति । इन्नांत के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (६) ३१ (बा क राजाव न जकागार का नारीज । 45 दिन की प्रविधि जा तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना को तामीज से 30 दिन की भविधि, जो भी अविधि बाद में सवाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (ब) इस प्वत इराजाला में प्रकाशन का तारीला ने 45 विन के भीतर जेवन स्थावर सम्पत्ति में हिंत-बढ़ किसी अन्य स्थावन द्वारा, अधोहरूनाकारी के गम निला में किए जा सकेंगे।

म्बद्धोक्तरण —-इसर्वे प्रयुक्त सन्दां ग्रीर पदों का, बा उना श्रीवित्यम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, तही अर्थे होता जो उस ग्रध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका क्षेत्र फल 0-21 गुठा है जो सानंद में स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार सानंद रजिस्ट्रीकर्ता विक्रीखत न० 27/28/जनवरी, 1982 है।

श्रार० श्रार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-ा, स्रहमदाबाद

तारीख: 16-8-1982

मोहर.

प्रकथ बाह्र टी. एन्. एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालम, सहायक नायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I.

श्रहमदाबाद, दिनांक 16 श्रगस्त, 1982

निवेश सं० पी०श्रार० नं० 2071/23-I/82-83—म्रन:

मुझे आर० श्रार० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्यास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मूल्य 25,000 ∕रु. से अधिक है

धौर जिसकी सं० सर्वे नं० 680-1, 2, 4-682 पैकी है, तथा जो सानंद, जिला अहमदाबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपायद्ध अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिक्षकारी के कार्यालय सानंद में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जनवरी, 1982

को पूर्वों कत सम्मिति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्मे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पिति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिक्तन, निम्निसिचित उद्देश्य से उकत अन्तरण निचित में बास्तिविक स्प से स्थित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुए किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (का) ध्रेसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिजाने में मृविधा के लिए;

अतः वस, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपभाग (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थीत् :— 22--276GI/82

 श्री भीखालाशं मोतीलाल पटेल और प्रत्य मानंद, जिला अहमदाबाद।

(भ्रन्तरक)

 नरनारायन को० श्राप० हा० सोसायटी लिमिटेड, चेयरमैन : चीमनलाल मोहन लाल ठक्कर, सानंद, जिला भ्रहमदाबाद ।

(श्रन्तरिती)

को गृह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त तम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :----

- (क) इस स्वान के राजपत में प्रकाशन की तारीय है 45 विन की जबभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की जबिंध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्थित द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीय के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के वास सिकित में किए वा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त बाब्दों और पदों का, को उक्त बिधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका क्षेत्रफल 2 एकड़ 1 गुंठा 0.28 गुंठा है जो सानंद, जिला श्रहमदाबाद में स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार सानंद रजिस्ट्रीकर्ता बिकीखत नं० 28/82/जनवरी, 1982 है।

> भार० भार० शाह नक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-I, ग्रहमदाबाद

तारीख: 16-8-1982

प्रकृप भाई० टी० एन० एन० ----

भायकर मिश्वनियम, 1941 (1961 का 43) को धारा 269-व (1) के भ्रष्टीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I,

श्रहमदाबाद, विनांक 16 श्रगस्त 1982

निदेश सं० पी० प्रार० नं० 2070/231/82-83— ग्रतः मुझे भ्रार० ग्रार० शाह

भायकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत प्रांतियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सम्भन प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सध्यति, जिसका उचित बाजार महय 25,000 स्थये से भ्रष्ठिक है

भौर जिसकी सं० एफ० पी० 255, सब प्लाट नं० 3 है, तथा जो णेखपुर खानपुर, श्रहमदाबाद में स्थित है (भौर ६ससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल मे, ऐमे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निखित उद्श्य से छक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक छप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत प्रक्त भ्रिध-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए ; खौर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या अन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अनः अन, उनत प्रविदेशन को नारा 269-व के धनुमरण में, मैं। उनत धिवित्रम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात्:--- श्री अनुभाई रमनलाल गज्जर और अन्य मीठाखनो रेलवे काप्तिग के नजदीक, एलिस्ब्रोज, श्रहमदाबाद।

(ग्रन्तरक)

 श्री नीताबेन प्रकाण भाई णइ श्रौर प्रत्य फतेड्झाई को खेली रतनयोल, श्रहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचता जारी करके पूर्वीक्त मगालि के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के प्रवेत के सन्वत्य में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इप पूचना के राजात्र में त्रकाणन की नारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होनो हो, के भीतर पूर्वीकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजगत में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्मत्ति में हितवाद किसी श्रम्य व्यक्ति द्वारा, श्रवाइस्याजरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

रपब्दीकरण:---इसर्ने प्रयुक्त शब्दों भीर पर्दों का, जो उक्त अधि-नियम क अञ्चाय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा,जो उस अञ्चाय में विया गया है।

नगुसूची

फ्लेट जिसका क्षेत्रफल 128.78 वर्ग यार्ड है, जो पहली मंजिल नं० 3-ए, श्रौर 2-ए नवरंगपुरा, शखपुर-खानपुर श्रहमदाबाद में स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार श्रहमदाबाद में, रजिस्ट्रीकर्ता बिकीखत नं० 3176 श्रौर 3180 जनवरी 1982 है।

> न्नार० म्नाह सञ्जम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर म्नायुक्त (निरीक्षण) मुर्जन रेंज-I, म्रहमदाबाद

तारीख 16-8-1982 मोहर: प्ररूप आई • टी॰ एन॰ एस०-

द्यायकर ग्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के भ्राचीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद, दिनांक 16 श्रगस्त 1982

निवेश सं० पी० ग्रार० नं० 2069/23-I/82-83—ग्रतः मुझे, ग्रार० ग्रार० शाह

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् ⁹ जकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थात्र संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ६० से अधिक है

श्रौर जिसकी स० ब्लाक नं० 1314 में 1318, 1327, 1337 से 1345 श्रौर 1321 है, तथा जो गांव शीलज, जिला श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुमूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विजित है) रिजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय ग्रहमदाबाद म रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन विनांक 3-1-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है गौर मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसक वृहयमान प्रतिफन ने ऐसे वृहयमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिणत अधिक है श्रीर अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियो) क बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्तलिखन उद्देश में उकन अन्तरण लिखित में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गण है:——

- (का) ग्रन्तरण सं हुई किसी घाय की जावन उपत ध्रिष्ठिन नियम के भ्रमीन कर देने के धन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे जजने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किमी धन या भ्रन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत ग्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भ्रम, उन्त भ्रधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उन्त अधिनियम की भ्रारा 269-घ की उपकारा (1) के अभीन, निम्नुसिनुसित व्यक्तियों, अर्थाह्य :--- कमल भंगल दास, मंगल बाग, एलिसक्रीज, महमदाबाव ।

(मन्तरक)

श्रीमती श्रंजली कमल मंगलदास श्रीर भ्रन्य मंगल बाग, एलिसक्रीज, भ्रहमदाबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वो क्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी घाक्षेप:--

- (क) इस सूत्रता के राज्ञात्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविधि, जो भी श्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रशायन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में द्वित-बंद किसी अन्य स्थावन द्वारा अधाहस्ताक्षरी के वास लिखा में किए जा सकों।

हपक्तीकरमः --इसमे प्रयुक्त शक्दों भीर पदों का, जो छक्त ग्रंक्षितियम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, वहीं भ्रयं होगा, जो उत्र अख्याय में दिया गया है।

धमन्त्री

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 12125 वर्ग यार्ड है, जो गांव शीलज, जिला श्रहमदाबाद में स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार श्रहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता विकीखत नं० 964/30-1-82 है।

> भ्रार० भ्रार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रज I, श्रहमदाबाद

तारीख: 16-8-1982

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीन स्पना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I,

ग्रहमदाबाद, विनांक 16 श्रगस्त 1982

निदेश सं० पी० भ्रार० नं० 2068/23-I/82-83—-भ्रतः मुझे, श्रार० श्रार० शाह

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उस्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 133, 144/2/2, 144/3, 142/3/2
143/2, है तथा जो गांव बोडकदेव, श्रहमवाबाद में स्थित है
इससे उपाबड श्रमुम्भी में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है)
रिस्ट्रीकर्ती श्रिष्ठक री के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण
श्रिष्ठिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रिष्ठीन दिनांक 25-1-82
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित् बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्तरह प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय
पाथा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उनत अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तकण स हार्क किसी आय की बाबत, उक्त निधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसकी बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनीर्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विभा के निए।

जतः अस, उक्त जीधीनयम की भाग 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त स्रीधीनयम की धारा 269-भ की उपधारा (1) क्रों अधीन निम्नतिकित स्यक्तियों, सर्भात् ध—र श्रीमती दीवालोधेन, परसोत्तम दास, जोइताराम की विधवा पत्नी, गांव ग्रांबली, जिला श्रहमदाबाद।
 (2) श्री रनछोड़ भाई लवजीभाई, गांव श्रांबली, जिला श्रहमदाबाद।

(म्रन्तरक)

 श्री मनुभाई हिमतभाई पटेल, "विजयन्ता", सरदार पटेल स्टेडियम के नजदीक, नवरंगपुरा, श्रहमदाबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पृत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत् अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा को उस अध्याय में दिया ग्या हैं।

वन्स्वी

जमीन जिसका क्षेत्रफल 9 एकड़ 7 गुंठा 44407 वर्ग यार्ड है जो गांव बोडकदेव जिला ग्रहमदाबाद में स्थित है तथा सब रिजस्ट्रार ग्रहमदाबाद रिजस्ट्रीकर्ता विकीखत नं 1063/ 25-1-82 ग्रीर 1169/27-1-82 है।

> म्रार० भार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज-ॉ, श्रहमदाबाद

तारीख: 16-8-82

प्रकप धाई• टी• एन० एस•-

कावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज -I

अहमदाबाद, दिनांक 16 श्रगस्त 1982

निदेग सं० पी० ग्रार० नं० 2067/23-I/82-83—ग्रतः मुझे, ग्रार० ग्रार० ग्राह ग्रायकर प्रधिनियम; 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त ग्राधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उन्ति नाजार मृह्य 25,000/- ६पये से ग्रीधक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 174 पैकी और 175-1 पैकी, 174-2, पैकी है तथा जो मैजपुर बोधा, श्रहमदाबाद में स्थित हैं (श्रीर इसते उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण क्य मे विणित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारों के कार्यालय अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनोंक 27-1-82 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐमे दृश्यमान प्रतिकल का पनद्वह प्रतिशत से प्रधिक है और पन्तरित (अन्तरिती) के भीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उनन भन्तरण लिखित में वास्त- विकल समें कायत नहीं किया गया है:—

- (स) ग्रन्तरण से हुई जिसी ग्राय की बाबत उपत ग्राध-निवम के ग्रधीन कर देने के ग्रम्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के बिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी वन वा अन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय मायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिलियम, या धनकर मिलियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपा के में सुनिम्न। के लिए।

जत अब, उक्त जिभिनियम की धारा 269-ग क जनुसरण में, में, उक्क अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के प्रधीम निम्निखित व्यक्तियों, प्रवित्:—

- श्री मनीलाल बसाभाई पारेख, मेहता शेरी, नरोडा रोड, मैंअपुर, बोघा, जिला अक्षमदाबाद।
 - (2) श्रीमती गंगाबेन सफल चन्द परसोत्तमदास की विधवा पत्नी, 3, कुंदन सोसायटी, गांव वासना, सरखेज रोड, श्रहमदाबाद।

(भ्रन्तरक)

जय ग्रंबे को-ग्रो०-हा० सोसायटी लिमिटेड,
 श्री नाथामारं जवेर भाई,
 हर्राक्षच चेम्बर्स फस्ट फ्लोर,
 ग्राक्षम रोड, ग्रहमदाबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वौक्त संपत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के संबंध में कोई भी धाला।

- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विस्तित में किए आ सकोंगे।

स्पच्छीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का, जो उबक्द अधिनियम, के अध्याय 20 के में परिभाषित हाँ, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 5943 वर्ग यार्ड है और 2978 वर्ग यार्ड है जो मैजपुर, बोघा, जिला ग्रहमदाबाद में स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार श्रहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता बिक्रीखत नं० 1080, 1081, 1082, 1084/27-1-82 श्रीर रजिस्ट्रेशन नं० 1076 श्रीर 1077/27-1-82 है।

धार० घार० गाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त(निरीक्षण श्रर्जन रेंज I अहमदाबाद

ता**रीख**ः 16-8-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

वायकर व्यथिनिय्म, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-घ (1) के अधीन सुपना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I.

भ्रहमदाबाद, दिनांक 16 अगस्त 1982

निदेश सँ० पी० ग्रार० नं० 2066/23-I/82-83----ग्रतः मुझे, ग्रार० ग्रार० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त' अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 107-2, प्लाट न० 5 है तथा जो श्रधीर, साबरमती, अहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपायछ अनुसूचो में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय श्रहमदाबाद में राजेस्ट्रोकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 29-1-82

को पूर्वेक्ति संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त मधिनियम के महाय 20-क में यथा परिमापित वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आसिथयों को जिन्हों भारतीय आय्-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जीना चाहिए था, ष्टिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के सुधीन, निम्निलिखित व्यक्तियमें, अर्थात:— श्री मफत लाल नारनदास प्रजायती, साबरमती, रामनगर, ग्रहमदाबाद।

(भ्रन्तरक)

2. श्री मीठालाल रनमलजी, नारायन भेपार्टमेंट, साबरमती, श्रहमदाबाद।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:--

- (क) इस स्पान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अवीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा स्कोंगे।

स्पस्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनिथम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पहली मंजिल पर फ्लेट जिसका क्षेत्रफल 102 वर्ग यार्ड है जो अचीर, साबरमती, श्रहमदाबाद में स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार श्रहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता बिक्रीखत नं० 1334/ 29-1-82 है ।

> श्चार० श्चार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोज-I, श्रहमदाबाद

तारोख: 16-8-1982

प्ररूप नाई. टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-I,

श्रहमदाबाद, दिनांक 16 श्रगस्त 1982

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 2065/23-1/82-83—ग्रतः मुझे, ग्रार० ग्रार० ग्राह

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रु. से अधिक है

भ्रीर जिनको नं० सर्वे नं० 231 भ्रीर 232 है, तथा जो गाव मकरबा जिला ग्रह्मदाबद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनु-सूचों में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यात्रय श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनाक 22-1-82

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्मान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्मान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जनतरण से हुई किसी आयकी बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; बॉर्√या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अत्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

1 नानं बेन , गांडाभाई पुनाभाई की विधवा पत्नी सरखे के रोड, गांव म करवा, जिला श्रहमदाबाद ।

(अन्तरक)

अशि शार्तालाल मोसरीमल शाह. (एच०यू०एफ०) की श्रोर से श्री वेदमल मालू, दुशान नं० 5, मस्फती मारकेट, कालुपुर, श्रहमदाबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जकत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्सित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण: --- इत्तमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुस्ची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 4 एकड़ 6 गुंठा है, जो गांव मकरबा, जिला ग्रहमदाबाद में स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार ग्रहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता बिकीखत नं० 70, 71 ग्रीर 72/ 22-1-82 है ।

> ग्रार० ग्रार० गाह् सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोज-I, ग्रहमदाबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :---

नारोख: 16-8-82

प्रकृष आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I,

ग्रहमदाबाद, दिनांक 16 ग्रगस्त 1982

निदेश सं० पो० श्रार० नं० 2064/23-^I/82-83—ग्रतः मुक्को, श्रार० श्रार० शाह

जायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'छकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसको सं० सी० एस० डब्स्यू नं० 3, सर्वे नं० 1178 पैकी है तथा जो पोरबंदर, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विजित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय पोरबंदर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधोन दिनांक 15-1-82

को पूर्वो कत संपरित के उथित बाजार मृत्य से कम के धरयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपति का उधित बाजार मृस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तृह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया हैं।--

- (क) जन्तरण सं हुएं किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सृविधा के लिए: आर/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अव, उकत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण वा, मा, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिश्चित व्यक्तियाँ, अर्थास् :---

 श्री जयेन्द्र कुमार गोपालजी बामनासीया द्वारा : श्री गोपाल दाम अर्फे धरम दाम, हरिलाल ग्रीर अन्य, अवेरी बजार, पोरबन्दर।

(अन्तरकः)

 श्री गोपाल दास उर्फ धरमदास, हरालाल और अन्य, जबेरी बजार, पोरबंदर।

(श्रन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त् संपर्तित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खसे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्योक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की क्षारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकोंगे।

स्वव्हीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

सनस्यों

मकान जिसका जमोन का क्षेत्रफल 112 वर्ग यार्ड है जो पोरबंदर में स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार पोरबंदर रजिस्ट्रीकर्ता बिकोखन नं० 157/16-1-1982 है ।

> ग्रार०¶ ग्रार० गाह् सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (किरोक्षण) ग्रर्जन रेज-1, ग्रहमदाबाद

तारीचा: 16-8-1982

राघ लाक सीवा आयोग नांदिस

भ-क्षिणानी परोक्षा, 1983

रर्ज दिल्ली, दिनाक ७ अक्तूदर 1982

सं. एफ-4/1/82-प । (ल)—-भारत के राजप्त्र दिनांक 9 जकतूबर 1982 में इस्पात और बान मंत्रालय द्वारा प्रकाधित नियमों के अनुसार नीचे पैरा 2 में जिल्लिखित पदा पर भती के लिए सघ लोक सेवा आयोग व्वारा अगरतला, अहमदाबाद, एंजल, इलाहाबाद, बंगलीर, भोपाल, बम्बई, कलकता, चण्डीगढ, कोचीन, कटक, दिल्ली, दिसपूर (गौहाटी), हैदराबाद, इम्फाल, इंटानगर जयपूर, जम्मू, जोरहाट, कोहिसा, लखनज, मद्रास, नागपूर, पणजी (गोवा), पटना, पार्ट ब्लेगर, शिलाग, शिमला, श्रीनगर और त्रिबेन्द्रम में 22 मार्च 1983 से एक प्रतियोगिया परीक्षा ली जाएगी।

आयांग यदि चाहें तो उकत परीक्षा उपयुंक्त केन्द्रो तथा तारीकों में परिवर्तन कर सकता हैं। यद्यपि उम्मीदवारों को उक्त परीक्षा के लिए उनकी पसन्द के केन्द्र दोने के सभी प्रयास किए जाएगे तो भी आयोग परिस्थितिवश किसी उम्मीदवार को अपनी विवक्षा पर अलग केन्द्र दो सकता है। जिन उम्मीदवारों को उक्त परीक्षा में प्रवेश दा दिया जाता है उन्हों समय सारणी तथा परीक्षा स्थल (स्थलों) की जानकारी दो वी जाएगी (अनुबंध । ऐरा 11 देखए)।

2 इस परीक्षा के परिणामों के आधार पर जिन पदों के वर्गों के लिए भर्ती की जानी हैं वे तथा विभिन्न पदों के लिए रिक्तियों की अनुमानित संस्था विचे दो जाती हैं :---

वर्ग । '(भाराीय म-विरान सर्वेक्षण, इस्पात और बान मंत्रालय के पद)

(1) भू-विज्ञानी (कनिष्ठ) 75 (इनमें अ० म० जा० के उम्मीविषारों के भूप 'क' जिए 25 और अ० ज० जा० के लिए 12 आरक्षित रिक्तियां सम्मिलित हैं।)

(ii) सहायक म-विज्ञानी 40 (इनमें अ० जा० के उम्मीदवारो के लिए गृप 'स्व' 14 और अ० ज० जा० के लिए ६ आरक्षित रिक्तियां सम्मिलित हैं।)

वर्ग ।। '(कोन्द्रांप्र भू जल दोर्ड', सिंचाई भन्नालय के पद) सहायक जल-भू-चेज्ञानी* ग्रम् 'ख'

*सरकार ने अभी तक रिकिश्णां प्रचित नहीं की है। उपर्युक्त संख्याओं में परिवर्तन किया जा सकता है।

प्रारंभ में नियुक्तियां अस्थायी आधार पर की जाएगी। स्थायी रिवितयां उपलब्ध होने पर उम्मीदवार अपने क्रमान्सार स्थायी रूप में नियुक्ति के पात्र होंगे।

3 उम्मीदनार उपय्क्ति पैरा 2 में उल्लिखित मभी या किसी एक पव पर नियानित के लिए परिक्षा से प्रवेश हो। आवेतन कर सकता हैं। उरे केवल उसी पद/उन्हीं पदों के लिए उम्मीदनार गाना जाएगा जिसके/जिनके लिए वह आवेदन करेगा। एक बार आवेदन-पक्ष भेजे जाने के बाद सामान्यन्या किसी पन्नार के परि-वर्तन की अनमित नहीं दी आएगी।

यदि ोर्ड उम्मीदवार एक से अभिक वर्ग के पदो के उम्मीद-वार की है भियत में प्रवेश पाना चाहता हो तो उसे भी एक ही आहेदन -पण भेजने की अभ्यष्टकता है। नीचे पैरा 6 में उक्लिखित शृल्क 23- 276 Gl/82 भी उस कंबल एक बार दोना होगा, उस प्रत्येक पद के लिए अलग-अलग नहीं जिसके लिए वह आवेदन कर रहा है।

विशेष ध्यान — उम्मीदवार को आवंदन पत्र में यह स्पष्ट रूप र लिखना होगा कि वह किन मेवाओं /पदों के लिए विचार किए जाने का इच्छान हैं। उसे यह भी सलाह दो जाती हैं कि वह अपनी इच्छान्सार जितनी चाहें उतनी बरीयताओं का उल्लेख कर ताकि याग्यता कम में उसके रैंक को ध्यान में रखते हुए नियुक्ति करते समय उसकी वरीयताओं पर भली भांति विचार किया जा सके।

उम्मीक्वारों द्वारा निर्दिष्ट उन सेवाओं/पवों के वरीयता कम में परिवर्तन से संबद्ध किसी अनुरोध पर तभी विचार किया जाएगा जब एना अन्रोध ''रोजगार समाचार'' में लिखित परीक्षा के परिणामों के प्रकाशन की तारीब में 30 दिन के अन्दर संघ लोक सेवा आयोग में प्राप्त हो जाए।

4 परीक्षा में प्रवंश चाहने वाले उम्मीदवारों को निर्धारित आवंदन-प्रपत्र पर सिंचन, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपूर हाउस, नई दिल्ली-110011 को आवंदन करना चाहिए। निर्धारित आवंदन-प्रपत्र तथा परीक्षा में संबद्ध पूर्ण विवरण रें 2/-(दो रापए) खेकर आयोग से डाक द्वारा प्राप्त किए जा सकते हैं। यह राशि सिंचव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलप्र हाउस, नई दिल्ली-110011 को मनीआर्डर द्वारा या सिंचव, संघ लौंक सेवा आयोग को नई दिल्ली प्रधान डाक घर देय भारतीय पोस्टल आर्डर, द्वारा भेजी जानी चाहिए। मनीआर्डर/पोस्टल आर्डर के स्थान पर चैक या करेसी नोट स्वीकार नहीं किए जाएगे। ये आवंदन-प्रपत्र प्रायोग के काउटर पर नकद भगतान द्वारा भी प्राप्त किए जा सकते हैं। रें 2/- (दो रुपए) की यह राशि किसी भी हालत में वापस नहीं की जाएगी।

टिप्पणी — उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे अपने आवेदन-पत्र भू-विकानी परीक्षा, 1983 के लिए निर्धारित मुद्रित प्रपत्र में ही प्रस्तुत करें। भू-विज्ञानी परीक्षा, 1983 के लिए निर्धारित आवेदन-प्रपत्रों से इतर प्रपत्रों पर भरे हुए आवेदन-प्रपत्रों पर विकार नहीं किया जाएगा।

5. भरा ह्आ आवेदन-पत्र आवदयक प्रलेखों के साथ सिंखन, सघ लोक सेवा आयोग, धौलप्र हाउस, नई दिल्ली-110011 को 6 दिसम्बर 1982 (6 दिसम्बर 1982) से पहले की किसी तारील से असम, संघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मिण-पूर, नागालैंड, त्रिप्रा, सिक्किम, जम्म और कश्मीर राज्य के लद्दाल प्रभाग, हिमाधल प्रदेश के लाहान और स्पीति जिले, अरुमान और निकाबार द्वीप समूह या लक्ष्ववीप और विदेशों में रहते वाल उम्मीदवारो के या जिनके आवेदन उपर्यंक्त में से किसी एक क्षेत्र से डाक द्वारा प्राप्त होते हैं उनके मामले में 20 दिसम्बर 1982 तक या उससे पहले डाक द्वारा अवक्य भिजवा दिया जाए या स्त्रयं आयोग के काउन्दर पर जाकर जमा करा दिया जाए। निधारित तारील के बाद प्राप्त होने वाले किसी भी आदवेन-पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा।

असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदोश, मिजोरम, मिणप्र, त्रागारीड, त्रिपरा, सिक्किम, जम्म और कश्मीर राज्य के लद्दाम प्रभाग, हिमाचल प्रदोश के लाहाल और स्पीति जिले, अंडमान और निकाबार द्वीप समूह या लक्षद्वीप और विदेशों में रहने ताने उम्मीद्वारों में आयोग यदि चाहे तो इस बात का लिखित प्रमाण प्रतान करने के लिए कह सकता है कि वह 6 दिसम्बर 1982 संपहले किसी तारीस से असम, मेघालय, अरुणाचल

पदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालीच, विपुरा, मिविकम जम्मू और कश्मीर राज्य की लद्दाख प्रभाग, हिमाचल प्रदाश क लाहील और स्पीति जिले, अंडमान और निकाबार द्वीपसमूह या लक्षद्वीप या विदाशों में रह रहा था।

- टिप्पणी (1) जो जम्मीदबार एंसे क्षेत्र के हैं अहां के रहने वाले आग्वन की प्रस्तुति होतु अतिरिक्त समय के हक-दार हैं उन्हों आबेदन-पत्र के संगत कालम में अपने पतों में अतिरिक्त समय के हकतार इलाके या क्षेत्र का नाम (अर्थाल असम मेंबोल्य, अम्मू तथा करमीर राज्य का नद्दाल प्रभाग) स्पष्ट रूप से निर्दिष्ट करना चाहिए अन्यथा हा सकता है कि उन्हों अतिरिक्त समय का लाभ न मिले।
- टिप्पणी (2) उम्मीववारों को सलाह दी जाती है कि वं अपने आवेदन-पत्र को स्वयं सं.लो.से.आ. के काउनंटर पर जमा कराएं अथवा रिजस्टर्ड अक द्वारा भेजे। आयोग के किसी अन्य कर्मचारी को किए गए आवे-दन-पत्रों के लिए आयोग उत्तरदायी नहीं होगा।
- 6. परीक्षा में प्रवेश बाहने वाले उम्मीदवारों को भरे हुए आवंदन-पत्र के साथ आयोग को रह. 48.00 (रह. अड़तालीस केवल) अनुस्चित जित्यों और अनुस्चित जन आतियों के उम्मीदवारों के मामले में रह. 12.00 (रह. बारह केवल) का खुल्क भेजना होगा जो कि सचित्र, संघ लोक मेवा आयोग को नई दिल्ली के प्रधान डाक घर पर देय रेखांकित भारतीय पोस्टल आर्डर या सचित्र, मंघ लोक सेवा आयोग को भारतीय स्टेट बैंक की मुख्य घाखा, नई विल्ली पर देय भारतीय स्टेट बैंक की किमी भी शाखा से जारी किए गए रेखांकित बैंक डाफ्ट के रूप में हो।

विदश में रहने वाले जम्मीदवारों को निर्धारित श्लक भारत के उच्च आयुक्त, राजदात या विदश स्थित प्रतिनिधि जैसी भी स्थिति हो, के कार्यालय में इस प्रकार जमा करना होगा कि वह "051 लोक सेवा आयोग परीक्षा शूल्क" के लेखारीर्ष में जमा हो जाए और आवेदन-पत्र के माथ उसकी रसीद लगा कर भेजनी चाहिए।

जिन आवेदन-पत्रों में उक्त अपेक्षाएं पूरी नहीं हॉगी उन्हें इक दम अस्वीकार कर विया जाएगा। यह उन उम्मीदवारों पर लागू नहीं होना जो नीमें के पैरा 7 के अंतर्गत निर्धाणित गुल्क में छूट बाहते हों।

- 7. आयोग यदि चाहे तो, उस स्थिति में निर्धारित श्रव्य से छूट दे सकता है जब वह इस बात से संस्कृद हो कि आवेदक या तो 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अविध में भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला दोश) से भारत आया हुआ वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है या वर्मा से वास्तविक रूप में प्रस्याविति मृलतः भारतीय व्यक्ति है और 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है या वह श्रीलंका से प्रत्याविति मृलतः भारतीय व्यक्ति है जो अक्तूबर 1964 के भारत-श्रीलंका समभिते के अन्तर्यत 1 नवम्बर 1964 को या उसके बाद भारत आया है या अने वाला है या तत्कालीन पिचम पाकिस्तान से वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है तथा उसने पहली जनवरी, 1971 और 31 मार्च, 1973 के बीच की अविध के दौरान भारत प्रवृजन किया था और निर्धारित शलक दोने की स्थित में नहीं।
- 8. जिस उम्मीदवार ने निर्धारित शुल्क का भगतान कर दिया है किन्तू उसे आयोग दवारा परिक्षा में प्रवेश नहीं दिया गया हो तो उसे रह. 30 00 (तीस रहपए केवल) अनुमूचित जातियों और अनुमूचित जन जातियों के मामले में 8 00 (आठ रहपए केवल) की राशि वापस कर दी आएगी! किन्तू यदि नियम 7 के टीने नरेट 1 की सर्ती के अनुसार परिक्षा में प्रवेश चाहने वाले

रमिक्बार का आवेदन-पत्त यस सूचना प्राप्त होने पर अस्वीकार कर दिया जाता है कि बहु अहं के परीक्षा में असफल रहा है अथवा वह उपयूक्त नांट के उपबन्धों की अपेक्षाओं का अन्यथा पालन नहीं कर सकीगा तो वह शुल्क वापसी का हकदार नहीं होगा।

उपयुक्ति तथा नीचे पैरा 9 के उपबन्धों कां छोड़कर अन्य किसी भी स्थिति में आयोग को भुगतान किए गए शुल्क की वापसी के किसी धाव पर न तो विचार किया जाएगा और न ही शुल्क को किसी अन्य परीक्षा या भवन के निए आरक्षित रखा जा मकेगा।

- 9. यदि कोई उम्मीदवार 1982 में भू-विज्ञानी परीक्षा में बीठा है और अब वह इस परीक्षा में प्रवेश का इच्छ्रक हो, तो वह परीक्षा परिणाम का अथवा नियुक्ति प्रस्ताव की प्रतीक्षा किए विना अपना आवेदन-पत्र निर्धारित तारीख तक आयोग के कार्यात्य में प्रस्तुत कर दो। यवि 1982 के परीक्षा परिणाम के आधार पर नियुक्ति होत् उनकी अनुशंसा हो जाती हो, तो 1983 के लिए उनकी उम्मीदवारी उनके अनुशंस पर रद्द कर दी जाएगी और उन्हों परीक्षा शुल्क वापस कर दिया जाएगा, किन्तु शर्त यह है कि उम्मीदवारी रष्द करने तथा शुल्क वापसी के बारों में उनका अनुशंध 1982 की परीक्षा के फाइनल परिणाम के "राजगार समाणार" में प्रकाशन की तारील में 30 विन के भीतर आयोग के कार्यालय में अवश्य पहुंच जाए।
- 10. आवंदन-पत्र प्रस्त्त करने के बाद उम्मीदवारी की वापमी के लिए उम्मीदवार के किसी प्रकार के अनुरोध पर किसी भी परि-स्थिति में विचार नहीं किया जाएगा।
- 11. जैसा कि नियमावली के परिशिष्ट । में निर्विष्ट हैं मभी विषयों के प्रश्नपत ''बस्तुपरक'' होंगे। तमूने के प्रश्न सिहत यस्तु पूरक परीक्षण में सम्बद्ध विवरण के लिए कृपया ''उम्मीप-वार स्चना विवरणिका'' का अनुबंध ।। दोन लिया जाए।

विनय भा, संयुक्त-सचिव, संघ लोक होवा आयोग

<u>अनुबंध ।</u> उम्मीदवारों को अनुदोश

1. उम्मीदवारों को चाहिए कि वे आवेदन-प्रपत्न भरने से पहले नोटिस और नियमावली को ध्यान से पढ़कर यह दोस लों कि वे परीक्षा में बैटने के पात्र भी हैं या नहीं, निर्धारित वर्ती की छाट नहीं दी जा सकती है।

आवोदन-पत्र भोजने से पहले उम्मीववार को नोटिस के पैरा 1 मों दिए गए केन्द्रों मों से किसी एक को, जहां वह परीक्षा दोने का इच्छाक ही, अंतिम रूप से चन लोग चाहिए।

उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि केन्द्र में परिवर्तन से संबद्ध अन्रोध को सामान्यस्या स्वीकार नहीं किया जाएगा। किन्त् जब कोई उम्मीदवार अपने उस केन्द्र में परिवर्तन चाहता है जो उसने उक्त परीक्षा होता अपने आबेदन में निर्दिष्ट किया था तो उसे सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को इस बात का पूरा अवित्य बताते हुए एक पत्र रिजन्टर्ड इक से अवस्य भेजना चाहिए कि वह केन्द्र में परिसर्तन क्यों चाहता है। एस अनुराधों पर गुणवत्ता के आधार पर विचार किया जाएगा किन्तु 22 फरवरी 1983 के बाद प्राप्त अनुरोधों को किमी भी स्थिति से स्वीकार नहीं किया जाएगा।

्र. उपमीदशार को आवेदन-प्रपन्न तथा पातिनी कार्ड अपने हाथ में स्याही या बाल प्वाइट पैन से ही भरने चाहिए। अधरा या गलत भरा हाआ आवेदन-पत्र अस्वीकार कर दिया जाएगा। उम्मीदवार यह ध्यान रखें कि आवेदन-पत्र भरते समय उन्हें भारतीय अंकों के केवल अंतरराष्ट्रीय रूपों का ही प्रयोग करना है। चाहे माध्यमिक स्कूल छोड़ने के प्रमाण-पत्र या इसके समकक्ष प्रमाण-पत्र में जन्म की तारीं हिन्दी अंकों में दर्ज है तां भी उम्मीदवार यह स्निविचत कर ले कि वे आवेदन-प्रपत्र में प्रविष्टि करते समय इसकी भारतीय अंकों के केवल अंतरराष्ट्रीय रूप में ही लिखें। वे इस बारे में विशेष सावधानी बरने कि आवेदन-पत्र में की गई प्रविष्टियां स्पष्ट और मुपाठ्य हों यदि ये प्रवृष्टियां अपाठ्य था भूमक हो तो उनके निर्वचन में होने वाली भान्ति या संबंह के लिए उम्मीदवार जिम्मदार होंग।

उम्मीदवार यह भी ध्यान रखे कि आयोग आवंदन-पत्र में प्रिविध्यों में परिवर्तन करने से संबद्ध किसी भी पत्र ब्यमहार को स्वीकार नहीं करेगा। इसलिए उन्हें आयेदन-पत्र सही रूप से भरने के लिए विश्व सावधानी बरतनी चाहिए।

सभी उम्मीदवारों को चाहे वे पहले से सरकारी नौकरों में हों या सरकारी औंचोंगिक उपक्रमों में या इसी प्रकार के अन्य संगठनों में हों या गैर-सरकारी संस्थाओं में नियुक्ति हों अपने आवेदन-पत्र आयोग को सीधे भेजने चाहिए। अगर किसी उम्मीदवार ने अपना आवेदन-पत्र अपने नियोक्ता के द्वारा भेजा हो और वह संघ लोक सेवा आयोग में दोर से पहुंचा हो तो उसे आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा भले ही वह नियोक्ता को आसिएी तारीख से पहले प्रस्तुत किया गया हो।

जो व्यक्ति पहले से ही सरकारों नौकरों में आकस्मिक या वैनिक वर कर्मचारी से इसर स्थायी या अस्थायी हिस्यत से कार्य प्रमारित कर्मचारियों की हैंसियत से काम कर रहें हैं या जो सार्वजनिक उद्यमों में कार्यरत है उन्हें यह परिवचन (अंडरटे-किंग) प्रस्तुत करना होंगा कि उन्होंने लिखित रूप से अपने कार्यात्य/विभाग के अध्यक्ष को सूचित कर दिया है कि उन्होंने इस परीक्षा के लिए आवंदन किया है। उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि यदि आयोग को उनके नियोक्ता से उनके उक्त परीक्षा के लिए आवंदन करने/परीक्षा में बैठने से सम्बद्ध अनुमति राकते हुए कार्ड पत्र मिलता है तो उनका आवोदन-पत्र अस्वीकृत कर दिया जाएगी/उनकी उम्मीदवारी रद्दे कर दी जाएगी।

- 3. उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र के साथ निम्नलिखित प्रलेख अवस्य भोजने चाहिएं:---
 - (1) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आर्डर या बैंक डाप्ट या शुल्क माफी होत वाबे के समर्थन में प्रमाण पत्र की अभि-प्रमाणित/प्रमाणित प्रति (देखिए : नेटिस का परा 6 और 7 और नीचं पैरा 6)।
 - (2) आयु के प्रमाण-पृत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रति-लिपि।
 - (3) शैक्षिक योग्यता के प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित प्रमाणित प्रतिनिधि ।
 - (4) उम्मीदबार को अपने हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 सें मी × 7 सें मी) के फोटो की धो एक जैसी प्रतियां भेजनी चाहिए। इनमें से एक प्रति आवेदन-पत्र के पहले पृष्ठ पर चिपका दोनी चाहिए और दूसरी प्रति उपस्थिति पत्रक पर निधीरित स्थान पर चिपका दोनी चाहिए।
 - (5) विधियत् भरा हुआ उपस्थिति पत्रक (आर्दन-प्रपत्र के साथ संलग्न)।

- (6) लगभग 11.5 सें. मी: ×27.5 सें. मी. आकार के बिना टिकट लगे हुए वो लिफाफे जिन पर आपका पता लिखा हो।
- (7) जहां लागू हो वहां अनुसूष्ति जाति/अनुसूषित जन जाति का होने के दावे के समर्थन में प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि (देखिए, नीचे पैरा 4)।
- (8) जहा लागू हा बहां आयु मं छूट के बावे में समर्थन में प्रमाण-पत्र की अभिश्रमाणित/प्रभाणित प्रतिलिपि (देखिए, नीचे पैरा 5) ।

टिप्पणी (1)----उम्मीदवारां को अपने आवेदन-पत्रीं के साथ उप-र्युक्त मद (2)., (3) , (7) और (8) में उल्लिखित प्रमाण-पत्रों की केवल प्रतियां ही प्रस्तत करनी हैं को सरकार के किसी राजपत्रित अधिकारी द्वारा अभिप्रमाणित हों अथवा स्वयं उम्मीबवारों द्वारा सही प्रमाणित हों। जो उम्मीदवार परीक्षा के लिखित भाग के परिणाम के आधार पर व्यक्तित्व परीक्षण होतु साक्षात्कार के लिए अर्हता प्राप्त कर लंते हैं उन्हें उपयुक्ति प्रमाण-पत्र मूल रूप में प्रस्तुत करने होंगे। लिखित परीक्षा के परिणाम संभवतः सितम्बर, 1983 में घोषित किए जाएंगे, उन्हें अपने मूल प्रमाण-पत्र साक्षात्कार के समय प्रस्तूत करने के लिए तैयार रखने चाहिए । जो उम्मीदवार उस समय अपेक्षित प्रमाण-पत्र मूल रूप में प्रस्तृत नहीं करेंगे उनकी उम्मीदवारी रदुद कर दी जाएगी और उनका आगे विचार किए जाने का वावा स्वीकार नहीं हारेगा ।

टिप्पणी (2):—-आवेदन-पत्रों के साथ भेजी गर्ड सभी प्रमाण-पत्रों की अभिप्रभाणित/प्रमाणित प्रतियों पर **उम्मीव**वार को हस्ताक्षर करने होंगे और तारी**स भी दोनी** होगी।

उपर्युक्त मद (1) से (4) तक में उल्लिखित प्रलेखों के विवरण नीचे दिए गए हैं और मद (7) और (8) में उल्लिखित प्रलेखों के विवरण पैरा 4 और 5 में दिए गए हैं:--

(1) (क) निर्धारित श्रुल्क के लिए रेखांकित इंडियन पोस्टल आर्डर :—प्रत्येक पोस्टल आर्डर अनिवार्यत् रेखांकित होना चाहिए और उस पर ''सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली के प्रधान डाकधर पर देय'' लिखा जाना चाहिए।

किसी अन्य डाकघर पर देय पोस्टल आर्डर किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किए जाएंगे। विरूपित या कटे-फटे पोस्टल आर्डर भी स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

सभी पोस्टल आडरों पर जारी करने वाले पोस्ट मास्टर के हस्ताक्षर और जारी करने वाले डाकघर की स्पष्ट मूहर होनी चाहिए।

उम्मीदवारों को यह अवश्य नोट कर लेना चाहिए कि ओ पोस्टल आर्डर न तो रोखांकित किए गए हों और न ही सिचव, संघ लोक सेवा आयोग को नई विल्ली के प्रधान डाकघर पर दोय हों, उन्हें भेजना सुरक्षित नहीं है।

> (स) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित बैंक ड्राफ्ट :— बैंक ड्राफ्ट भारतीय स्टेट बैंक की किसी शासा से पाप्त किया जाए और वह सचिव, संघ लोक सेवा कारोग को भारतीय स्टेट बैंक की मूस्य शासा, नई दिल्ली में दैय हो तथा विधिवत् रेखांकित् किया गया हो।

किसी अन्य बैंक में दियं बैंक ड्रापट किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किए जाएंगे। विरूपित या कटो-फटो बैंक ड्रापट भी स्वीकार नहीं किए जाएंगें।

टिप्पणी:— उम्मीदबारों को अपने आबंदन-पत्र प्रस्तृत करते समय बैंक ड्राफ्ट की पिछली ओर सिर पर अपना नाम तथा पता लिखना चाहिए। पोस्टल आर्डरों के मामले में उम्मीदबार पोस्टली आर्डर के पिछली ओर इस प्रयोजन के लिए निर्भारित स्थान पर अपना नाम तथा पता लिखें।

(2) आयु का प्रमाण पत्र :— आयोग जन्म की वह तारील स्वीकार करता है जो मैट्रिक लोग या माध्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रमाणपत्र या किसी भारतीय विश्वविद्यालय द्वारा मैट्रिक लोग के समकक्ष माने गए प्रमाण-पत्र या किसी विश्वविद्यालय द्वारा अनुरक्षित मैट्रिक लोगें के रिजस्टर में वर्ज की गई हो और वह उद्धरण विश्वविद्यालय के सम्भिक प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित हो। जो उम्मीदवार उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या उसकी समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चका है, वह उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या समकक्ष परीक्षा के प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रति-लिप प्रस्तृत कर सकता है।

आयु को सम्बन्ध में कोई अन्य दस्तावेज औसे जन्म क्ंडली-शपथपत्र, नगर निगम के सेवा अभिलेख से प्राप्त जन्म सम्बन्धी उद्धरण, तथा अन्य एोसे ही प्रमाण स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

अन्दोशों के इस भाग में आए हुए ''मैट्रिक्लेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र'' वाक्यांश के अन्तर्गत उपर्यूक्त वैकल्पिक प्रमाण-पत्र सम्मिलित हैं।

कभी-कभी मैट्रिक् लंशन/उच्चतर माध्यमिक परिक्षा प्रमाण-पत्र में जन्म की तारीख नहीं होती या आय के केवल पूरे वर्ष या वर्ष और महाने ही दिए होते हैं। एसे मामलों में उम्मीदवारों को मैट्रिक् लंशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र की अभि-प्रमाणित/प्रमाणित प्रतिनिपि के अतिरिक्त उस संस्था के हैंड-मास्टर/प्रिसिपल से लिए गए प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए जहां से उसने मैट्रिक लेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा उत्तीर्ण की हो। इस प्रमाण-पत्र में उस संस्था के दाखिला रिजस्टर में दर्ज की गई उसकी जन्म की तारीख या वास्तिवक आय लिखी होनी चाहिए। उम्मीदवारों को चेतायनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र के साथ इन अन्वेशों में यथा निर्धारित आय का पूरा प्रमाण नहीं भेजा गया तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है।

हिल्पणी: — जिस उम्मीवनार के पास पढ़ाई पूरी करने के बाव प्राप्त माध्यमिक विद्यालय प्रमाण-पत्र हो, उसे केवल आयु से सम्बद्ध प्रविद्य वाले पुष्ठ की अभि-प्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए।

टिप्पणी 2: — उम्मीववार यह ध्यान में रखें कि आयोग उम्मीव-वार की जन्म की उसी तारील को स्वीकार करेगा जो कि आबेबन-पत्र प्रस्तृत करने की तारील को मीट्रक लेजन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र या समकत परीक्षा के प्रमाण-पत्र में वर्ज है और इसके बाव उसमें परिवतन के किसी अनुरोध पर न तो विचार किया जाएगा और न उसे स्वीकार किया

विष्यणी 3:—- उम्मीबवार यह भी नोट कर लें कि उनके द्वारा किसी परीक्षा में प्रवेद्ध के लिए जन्म की तारील एक भार घोषित कर दोने और आयोग वृजारा उसे अपने अभिलेख में वर्ज कर लेने के बाद, उसमें बाद में या किसी परीक्षा में परिवर्तन करने की अनुमति नहीं वी जाएगी।

(3) शैक्षिक योग्यता का प्रमाण-पत्र : उम्मीदवार को एक एसे प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिप अदय्य भेजनी चाहिए जिससे इस बात का प्रमाण मिल सके कि नियम 7 में निर्धारित योग्यताओं में से कोई एक योग्यता उसके पास है। भेजा गया प्रमाण-पत्र उस प्राधिकारी (अर्थात् विश्वविद्यालय या किसी अन्य परीक्षा निकाय) का होना चाहिए जिसने उसे योग्यता विशेष प्रदान की हो। यदि एसे प्रमाण-पत्र की एक अभि-प्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि न भेजी जाए तो उम्मीदवार को उसे न भेजने का कारण् अवश्य बताना चाहिए और अपेक्षित योग्यता हो सम्बद्ध अपने दावे के प्रमाण में किसी अन्य प्रमाण-पत्र की प्रतिलिपि भेजनी चाहिए। आयोग इस माध्य पर उसकी गुणवता के आधार पर विश्वार करोग, किन्त् वह उसे पर्याप्त मानने के लिए बाध्य नहीं होगा।

टिप्पणी:—-यदि कोई उम्मीदिवार एंसी परीक्षा में बैठ च्का हो जिसे उत्तीर्ण कर लेने पर वह इस परीक्षा में बैठने का पात्र हो जाता है पर अभी उसे परीक्षा के परिणाम की सूचना ने मिली हो तो वह भी इस परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए आवेदन कर सकता है। जो उम्मीदिवार इस प्रकार की अहाँक प्रीक्षा में बैठना चाहता हो वह भी आवेदन कर सकता है। यदि एंसे उम्मीदिवार अन्य शतों पूरी करते हों तो उन्हें परीक्षा में बैठने दिया जाएगा। परन्त् परीक्षा में बैठने की यह अन्मित अनंतिम मानी जाएगी और यदि वे अहाँक परीक्षा में उत्तीर्ण होने का प्रमाण जन्दी से जल्दी और हर हालत में 30 ज्लाई 1983 से एहले प्रस्तृत नहीं करते तो यह अनुमित रद्द की जा सकती है।

(4) फोटो की यो प्रतियां : उम्मीदवार को अपने हाल ही के पामपार्ट आकार (लगभग 5 सें. मी. × 7 सें. मी.) के फोटो को दो एक जैसी प्रतियां भेजनी चाहिए । इनमें से एक प्रति आवंदन-प्रपन्न पर चिपका दोनी चाहिए और दूसरो प्रति उपस्थिति पत्रक में निर्धारित स्थान पर चिपका दोनी चाहिए । फोटो की प्रत्येक प्रति के उज्यर उम्मीदवार को स्याही सें हस्ताक्षर करने चाहिए ।

ध्यान वं:— उम्मीदवारों को चेतावनी वी जाती है कि यदि आवेदन पत्र के साथ उत्पर पैरा 3 (2), 3 (3) और 3 (4) में उल्लिखित प्रमाण-पत्र आदि में से कोई एक संलग्न न होगा और उसे न भेजने का उचित स्पष्टीकरण भी नहीं दिया गया होगा तो आवेदन-पत्र अस्वीकार कर दिया गया आएगा और इस अस्वीकृति के विरुद्ध कोई अपील नहीं सूनी जाएगी।

4. यदि कोई उम्मीदवार किसी अनुस्चित जाति या अनुस्चित जन जाति का होने का दावा करे तो उसे अपने दावे के
समर्थन में उस जिले के जिसमें उसके माता-पिता (या जीवित
माता या पिता) आम तौर से रहते हों, जिला अधिकारी, उपमण्डल अधिकारी या किसी अन्य एमें अधिकारी से जैमा कि नीचे
उल्लेख किया गया है, जिसे संबद्ध राज्य सरकार ने यह प्रमाणपत्र जारी करने के लिए सक्षम अधिकारी के रूप में नामित किया
हो, नीचे विए गए फार्म में प्रमाण-पत्र लेकर उसकी एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए। यदि
उम्मीदवार के माता और पिता दोनों की मृत्य हो गई हो तो यह
प्रमाण-पत्र उस जिले के अधिकारी से लिया जाना चाहिए जहाँ
उम्मीदवार अपनी शिक्षा से भिन्न किसी अन्य प्रयोजन से आम तौर
पर रहता है।

William Adv. o
भारत सरकार के अधीन पर्वो पर नियुक्ति के लिये आवेदन
करने वाले अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन-जातियों के
उम्मीववाराँ व्यारा प्रस्तुत किया जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म ।
प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/क्मारी*
गाव/करबा*
जिला/मंडल"
राज्य क्षेत्र की $^{\prime}$ की * निवासी हैं जाति $_{\circ}$ जन जाति
के/की [*] हीं जिसे निर्मालिखित के अधीन अनुसूचित जाति/
अनुसूचित जन जाति के रूप में मान्यना दी गई है:
अनुसूचित जातियां और अनुसूचित जन जातियां सूचियां
(आशोधन) आदोश, 1956; बम्बर्झ पुनर्गठन अधिनियम, 1960: पंजाब प्नर्गठन अधिनियम,, 1960; हिमाचल प्रदोश
ा १९७०, पजाव प्राप्त आधानवस्त, १९७०, हिमाचल अदश राज्य अधिनियम, 1970; उत्तरी-पुर्वी क्षेत्र (प्रार्गठन) अधि-
नियम, 1971; और अनुसूचिट जातियों तथा अनुसूचित जन
जातियों आदेश (संशोधन) अधिनियम, 1976 द्वारा यथा
संशोधित संविधान (अन्सूचित जातियां) आदश, 1950*
मंविधान (अनुसूचित जन आतिया) आदेश, 1950*, संवि-
धान (अनुसूचित जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र आदेश), 1951*,
संविधान (अनुस्चित जन जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश, 1951 संविधान (जम्म और काश्मीर) अनुमुचित जातियां
आवरेश, 1956*।
अन्सूचित जातियां तथा अन्सूचित जन जातियां (संद्रोधन)
अधिनियम 1976 द्वारा यथा संशोधित।
संविधान (अंडमान और निकाबार द्वीप-समूह) अनुसूचित जन
जातियां आदेश, 1959*।
संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जातियां आदेश,
1962* । संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जन
जातियां आवेश, 1962*।
संविधान (पांडिचरीं) अनुमूचित जातियां आदेश, 1964*।
संविधान (अनुसूचित जन जातियां) (उत्तर प्रधेश) आदेश,
1967*1
संविधान (गांवा, दमन और दिय) अनूसृचित जानियां आदशि,
1968*1
संविधान (गांवा, दमन और दिया) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1968*।
मंतिधान (नागालैण्ड) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1970*।
संविधान (सिक्किम) अनुसूचित जाति आदेश, 19781
मंबिधान (सिविकम) अनुसूचित जन जाति आदेश, 1978।
2 श्री/श्रीमती/क्रुमारी ^क
और/या [*] उनका परिवार आस्तौर से गांव/कस्बा [*]
जिला/मंडल *
म रहेपारहेपा है ।
हस्ताक्षर
**पदनाम
(कार्यालय की मोहर सहित)
स्थान
तारींख
राज्य/सम्बद्धाः

^अजो शब्द लागून हों उन्हें कृपया काट **द**े।

टिप्पणी --- जहां प्रयुक्त आमतौर से रहते / रहती हैं वाक्यांश का अर्थ बहीं होंगा जो ''रिप्रेजेंट शेन आफ दि पीपूल एक्ट, 1950'' की धारा 20 में हैं।

***जातियां/जन जातियां प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए सक्षम अधिकारी

- (1) जिला मीजस्ट्रेट/अतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट/ कलैक्टर/डिप्टी कमिश्नर/एडीशनल डिप्टी कमिश्नर/ डिप्टी कलैक्टर/प्रथम श्रेणी का स्टाइपेंडरी मैजिस्ट्रेट/ सिटी मीजिस्ट्रेट/मब-डिबीजनल मौजिस्ट्रेट/ताल्लुक मैजिस्ट्रेट/एकजीक्यूटिव मैजिस्ट्रेट/एक्स्ट्रा असिस्टेट कमिश्नर/प्रथम श्रेणी के स्टाइपेंडरी मैजिस्ट्रेट से कम ओहदो का नहीं।
- (2) चीफ प्रेंसिडॉसी भीजिस्ट्रेंट/एडीशनल चीफ प्रेंसिडॉसी मीजिस्ट्रेंट/प्रेंसिडॉसी मीजिस्ट्रेंट ।
- (3) रविन्यू अफसर जिसका आहदा तहसीलदार से कम न हो।
- (4) उस इलाक का सब-डिवीजनल अफसर जहां उम्मीद-वार और/या उसका परिवार आमतौर से रहता हो।
- (5) एडिमिनिस्ट्रेटर/एडिमिनिस्ट्रेटर का सचिव/डेबलप्-मेंट अफसर, लक्षद्वीप ।
- 5. (1) नियम 6 (स) के अन्तर्गत आयू में छूट का दावा करने वाले भारतीय भू विज्ञान सर्वोक्षण और केन्द्रीय भू-जल बोर्ड में नियोजित व्यक्तियों को अपने कार्यालय/विभाग के प्रधान से निम्निस्थित रूप में प्राप्त मूल प्रमण्ण-पत्र प्रस्तुत करना चाहिए:--

<u> उम्मीदवारों द्वारा प्रस्तृत किये जाने वाले प्रमाण-पत्र का</u> फार्म

> > कार्यालय की मृहर

*जो लागू न हों उसे काट दैं।

- (2) नियम 6 (ग) (2) या 6 (ग) (3) के अन्तर्गत रिधारिन आय्-सीमा में छूट का दावा करने वाले और/या उक्त नोटिस के पैराग्राफ (7) के अधीन घल्क से छूट का दावा करने वाले भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) में विस्थापित व्यक्ति को निम्नलिख्त प्राधिकारियों में से किसी एक से लिये गये प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिये प्रस्तृत करनी चाहिए कि यह भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान से आया हुआ वास्तिक विस्थापित व्यक्ति है और 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अविध के दौरान प्रवृजन कर भारत आया है :——
 - (1) दण्डकारण्य परियोजना के ट्रांजिट केन्द्रों अथवा विभिन्न राज्यों में स्थित राहत शिविरों के कौम्प कर्मार्डिट।
 - छ। इस इस प्राची अस्टि बहा वह इस अमग निवास कर रहा है।

- (3) अपने-अपने जिलों में शरणार्थी पूरवीस के प्रभारी अतिरिक्त जिला मैंजिस्ट्रेट ।
- (4) स्वयं प्रभारितः सब-डिवीजन का सब-डिवीजनल अफसर ।
- (5) श्वरणाथी पुनर्वास का उप-आय्क्त, पश्चिम बंगाल/ निदंशक (पुनर्वास), कलकत्ता ।
- (3) नियम 6 (ग) (4) अथवा 6 (ग) (5) के अन्तर्गत निर्धा-रित आयु में छूट का दावा करन वाले और/या उक्त नोटिस के पराम्राफ (7) के अधीन शुक्क में छूट का दावा करने वाले श्रीलंका से प्रत्यावर्तित या प्रत्यावर्तित होने वाले मूदतः भारतीय व्यक्ति को श्रीलंका में भारत के उच्च आमुक्त के कार्यालय से लिए गए इस आशय के प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रति-लिप प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक हैं जो 1 अक्तूबर, 1964 को या उसके बाद भारत आया है या आने वाला है।
- (4) नियम 6 (ग) (8) या 6 (ग) (9) के अन्तर्गत निर्धारित आयु सीमा में छूट का दावा करने वाले और/या उक्त नोटिस के पैराग्राफ (7) के अधीन शूल्क से छूट का दावा करने वाले बर्मा से प्रत्यावितत मूलतः भारतीय व्यक्ति को भारतीय राजदूतावास, रंगून द्वारा दिए गए पहिचान प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिप यह दिखलाने के लिए प्रस्त्त करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है, अथवा उसे जिस क्षेत्र का वह निवासी है उसके जिला मैजिस्ट्रेट से लिए गए प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिप यह दिखलाने के लिए प्रस्त्त करनी चाहिए कि वह बर्मा से आया ह्या वास्तिवक प्रत्यावितित व्यक्ति है और 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है।
- (5) नियम 6 (ग) (6) या 6 (ग) (7) के अन्तर्गत आयु में छूट चाहने वाले कीनिया, उगांडा तथा संयुक्त गणराज्य तंजानियां (भूतपूर्व टंगानिका और जंजीबार) से प्रवृजन कर आए हुए या जाम्बिया, मलावी जरे तथा इधियांपिया से प्रत्यावितित हुए उम्मीववार को उस क्षेत्र के जिला मैंजिस्ट्रेट से जहां वह इस समय निवास कर रहा है, लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभि-प्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तूत करनी चाहिए कि वह वास्तव में उपर्युक्त देशों से प्रवृजन कर आया है।
- (6) नियम 6 (ग) (10) अथवा 6 (ग) (11) के अन्तर्गत आयु सीमा में छूट चाहने वाले एसे उम्मीदवार को, जो रक्षा सेवा में कार्य करते हुए विकलांग हुआ है, महानिविधाक, पूनः स्थापना रक्षा मंत्रालय से निम्नलिखित निर्धारित फार्म पर इस आधाय को एक प्रमाण-पत्र लेकर उसकी एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तृत करनी चाहिए कि वह रक्षा सेवा में कार्य करते हुए शत्र देश के साथ संघर्ष में अथवा अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फार्जी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुआ और परिणामस्वरूप निर्मिक्त हुआ।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तृत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म:---

 विकलांग हुए और उस विकलांगता के परिणामस्वरूप निम्कत हुए।

"जो शब्द लागू न हों उसे कृपया काट दैं।

- (7) नियम 6 (ग) 12 या 6 (ग) 13 के अन्तर्गत निर्धारित आयू में छुट का दावा करने याले वियतनाम सं प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति को फिलहाल जिस क्षेत्र का वह निवासी है, उसके जिला मैजिस्ट्रेट सं लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिश्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तृत करनी चाहिए कि वह वियतनाम सं आया हुआ वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति है और वियतनाम से ज्लाई, 1975 से पहले भारत नहीं आया है।
- (8) जो भूतपूर्व सैनिक तथा कमीशन प्राप्त अधिकारी (आपात-कालीन सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों /अल्पकालीन सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों सिहत) नियम 6 (ग) (14) या 6 (ग) (15) की शर्तों के अधीन आयु सीमाओं में छूट का दावा करते हैं, उन्हों संबद्ध प्राधिकारियों से निम्निलिबित निर्धारित प्रपन्न में उन् पर लागू होने नाले प्रभाण-पत्र की एक प्रमाणित एन्ड प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए।
- - (क) उन्होंने पांच या पांच से अधिक वर्षों तक सैनिक सेवा की है और कार्यकाल के समापन पर कदाचार या अक्षमता के कारण बस्सित या कार्यभूक्त होने के अलावा अन्य आधार पर कार्यभूक्त हुए हैं।
 - (स) वे सैनिक सेवा के कारण हुई शारीरिक अपंगता या अक्षमता के कारण को कार्यमुक्त हुए हैं।

सक्षम प्राधिकारी का नाम तथा पदनाम मोहर

स्थान :

तारीव

(स) सेवारत कार्मिकां पर लाग्

2. उन्हें . . . से कार्यभक्त / मेवा निवृत्त होना है। अनका पीच वर्ष का कार्यकाल तक समाप्त होने की संभावना है।

3. उनके विरुद्ध कोई अनुशासनास्मक मामला लिम्बस नहीं ह[ै]।

> सक्षम प्राधिकारी का नाम तथा पदनाम मोहर

स्थान :

तारीख:

प्रमाण पत्र जारी करने वाले सक्षम प्राधिकारी निम्नलिसित हैं:--

(क) कमीयन प्राप्त अधिकारियों (आपातकालीन कमीयन प्राप्त अधिकारियों /अल्पकालिक सेवा कमीयन प्राप्त अधिकारियों सहित) के मामले से

गेना——कार्मिक सेवा निद्वेशालयः, सेना मृख्यालयः, नर्दे दिल्लीः।

नौसेना--कार्मिक सेवा निदशालय, नौसेना म्ख्यालय, नर्ष दिल्ली।

वाय सेना--कार्मिक सेवा निदंशालय, वाय सेना भ्रुष्यालय, नर्ड दिल्ली।

(ख) नौ सेना तथा वायु सेना के जूनियर कमीशन प्राप्त अधिकारियों /अन्य रौको तथा समकक्ष अधिकारियों के मामले में :---

सेना——विभिन्न र्जियोटल रिकार्ड कार्यालयों दवारा नौसेना——नौसेना रिकार्ड बम्बर्ड।

वायु सेना--वायु सेना रिकार्डा, नर्ड दिल्ली।

- (9) नियम 6 (ग) (16) या 6 (ग) (17) के अन्तर्गत आया में छूट और/या नोटिस के पैरा 7 के अन्तर्गत शुल्क में छूट का दावा करने वाले तत्कालीन पिष्टचम पाकिस्तान से विस्थापित व्यक्ति को निम्निलिखत प्राधिकारियों में से किसी एक अधिकारी से प्राप्त प्रमाणपत्र की एक अभित्रमाणित/प्रमाणित प्रति यह दर्शाने के लिए प्रस्तूत करनी चाहिए कि वह तत्कालीन पिष्टचम पाकिस्तार से वास्तिविक विस्थापित व्यक्ति है जो पहली जनवरी, 1971 तथा 31 मार्च, 1973 के बीच के अवधि के दौरान प्रवजन कर भारत आया था:—
 - विभिन्न राज्यों में ट्रांजिट केन्द्रों या राहत शिविरों के कैम्प कमांडीट।
 - (2) उस इलाके का जिला मीजिस्ट्रेट जहां का वह फिल-राज निवासी है ।
 - (3) अपने अपने जिलों में शरणाथीं पुनर्वास के प्रभारी अतिरिक्त जिला मीजिस्ट्रेट ।
 - (4) अपने प्रभार में सङ डिवीजन के अन्दर सब डिवी-जनल अफसर ।
 - (5) शरणाथीं पनुर्वास के उपायुक्त।
- 6. जो उम्मीदवार उज्पर पैरा 5 (2), (5) (3), 5 (4) तथा 5 (9) में में किसी भी बर्ग से मम्बद्ध हैं तथा नेटिस के पैरा 6 के उन्सार श्रन्क में छूट का दावा करता है उसको किमी जिला अधिकारी या सरकार के राजपत्रित अधिकारी या संसद सदस्य या राज्य विधान मंडल के सदस्य में, यह दिलताने के लिए कि वह निर्धारित श्रन्क दन की स्थिति में नहीं है, इस आश्रय का एक प्रमाण-पत्र लेकर उसकी अभि-प्रमाणित प्रमाणित प्रतिलिप प्रस्तुत करनी होगी।
- जिस व्यक्ति के लिए पात्रता-प्रमाण-पत्र आवश्यक ही उसे परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है। किन्तु उसे नियुक्ति

पस्ताव भारत सरकार के इस्पात और खान मंत्रालय (खान विभाग) या सिंचार्ड मंत्रालय जैसी भी स्थिति हो द्वारा आवश्यक पात्रता प्रमाण-पत्र जारी कर दिए जाने के बाद ही दिया जाएगा।

8. उम्मीदवारों का चेतावनी दी जाती है कि वे आवेदन-पत्र भरते समय कोई झूठ ब्यौरा न दें अथवा किसी महत्वपूर्ण सूचना को न छिपाएं।

उम्मीदवार को यह भी चेतावनी दी जाती है कि वं अपने द्वारा प्रस्तृत किए गए किसी प्रलंख अथवा उसकी प्रति की किसी प्रविष्ट को किसी प्रलंख अथवा उसकी प्रति की किसी प्रविष्ट को किसी भी स्थिति में न तो ठीक करें न उसमें कोई पिरवर्तन करें और न कोई फर बदल करें और न कोई फर बदल किए गए/झूठें प्रलंख प्रस्तृत करें। यदि एसे दो या इससे अधिक प्रलंखों या उनकी प्रतियों में कोई अध्विद्ध अथवा विसंगति हो तो विसंगति के सम्बन्ध में स्पष्टीकरण प्रस्तृत किया जाए।

9. आबंदन-पन दोर से प्रस्तूत किये जाने पर दोरी के कारण के रूप में यह तर्का स्वीकार नहीं किया जाएगा कि आवंदन-पन ही असक तारीख को भेजा गया था। आवंदन पन का भेजा जाना ही स्वतः इस बात का सूचक न होगा कि आवंदन-प्रपन्न पाने वाला पर्रीक्षा में बैठने का पान हो गया है।

आयोदन पत्र की पावती

10. आयोग के कार्यालय में प्राप्त प्रत्येक आवेदन-पत्र जिसमें दोर से प्राप्त आवेदन-पत्र भी मिम्मिलित हैं की पावती दी जाती हैं तथा आवेदन-पत्र की प्राप्ति के प्रतीक के रूप में उम्मीदवार की आवेदन पंजीकरण संस्था जारी कर दी जाती है। यदि किसी उम्मीदवार की उक्त परीक्षा के आवेदन पत्र प्राप्त करने के लिये निधीरित अंतिम तारीख से एक मास के अन्दर पावती नहीं मिलती हैं तो उसे तत्काल आयोग से पावती हत् सम्पर्क करना चाहिए।

इस तथ्य का कि उम्मीदवार को आवेदन पंजीकरण संस्था जारी कर दी गई है अपने आप यह अर्थ नहीं है कि आवेदन पत्र सभी प्रकार पूर्ण है और आयोग दवारा स्वीकार कर लिया गया है।

- 11. इस परीक्षा के प्रत्येक उम्मीदवार को अपने आवेदन-एत्र के परिणाम की सूचना यथाशीच दें दी जाएगी। किन्तू यह नहीं कहा जा सकता कि परिणाम कव सूचित किया जाएगा। यदि परीक्षा के गुरू होने की तारीख से एक महीने पहले तक उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र के परिणाम के बार में संघ लोक मेत्रा आयोग से कोई सूचना न मिले तो परिणाम की जानकारी के लिये उसे आयोग से तत्काल सम्पर्क स्थापित करना चाहिए। यदि उम्मीदवार ने एसा न किया तो वह अपने मामले में विचार किये जाने के दावे से वंचित हो जाएगा।
- 12. आवेदन पत्रों से संबद्ध पत्र व्यवहार—आवेदन प्रपत्रों से संबद्ध सभी पत्र आदि सचिव, संघ लोक संवा आयोग धीलप्र हाउस, बाहजहां रांड, नर्ड दिल्ली-110011 को भेजे जाए तथा उनमें नीचे लिखा ब्योग अनिवार्य रूप से दिया जाए .——
 - (1) परीक्षा का नाम
 - (2) परीक्षाका महीना और वर्ष
 - (3) उम्मीदवार की आवेदन पंजीकरण सं./रोल नम्बर अथवा जन्म की तारीख, यदि आवेदन पंजीकरण संख्या/रोल नम्बर सृचित नहीं किया गया है।

- (4) उम्मीदवार का नाम (पूरा तथा बड़े अक्षरों में)।
- (5) आवेदन पत्र में दिया गया डाक का पता।
- ध्यान व (1) जिन पत्रों आदि में उपयुक्ति ब्यौरा नहीं होगा, संभवतः उन पर ध्यान नहीं दिया जाएगा।
- ध्यान दें (2) यदि परीक्षा की समाप्ति के बाद किसी उम्मीबवार से पत्र प्रिषण प्राप्त होता है तथा इसमें उसका पूरा नाम और अनुक्रमांक नहीं दिया गया है सो उस पर ध्यान नहीं दिया जाएगा और कोर्ड कार्र-वार्ड नहीं की जाएगी।
- 13. पते में परिवर्तन— उम्मीदियार की इस बात की व्यवस्था करनी चाहिए कि उसके आवेदन पत्र में उल्लिखित पते पर भेजे गए पत्र आदि, आवश्यक होने पर, उसकी बदले हुए पते पर मिल जाया करें। पते में किसी भी प्रकार का परिवर्तन होने पर आयोग को उसकी सूचना उपर्यूक्त पैरा में उल्लिखित होने पर आयोग को उसकी सूचना उपर्यूक्त पैरा में उल्लिखित ह्यौर के साथ, यथाशीघ दी जानी चाहिए। यद्यपि आयोग एसे परिवर्तन पर ध्यान दोने का प्राप्रा प्रयत्न करता है किन्त वह इस विषय में कोई जिम्मदारी स्वीकार नहीं कर सकता।

अनुबन्धः ।।

उम्मीदवारों को सूचनार्थ विवरणिका

(क) वस्तपरक परीक्षण :---

आए जिस परीक्षा में बैठने वाले हैं वह ''वस्तूपरक परीक्षण'' होगा। इस प्रकार की परीक्षा (परीक्षण) में आप को उत्तर लिखने नहीं होंगे। प्रत्येक प्रश्न (जिसकी आगे प्रश्नांश कहा जाएगा) के लिए कई सुमाव गए उत्तर (जिसकी आगे प्रत्युत्तर कहा जाएगा) विए जाते हैं। उनमें से प्रत्येक प्रश्नांश के लिए आपकी एक उत्तर चुन लेना है।

इस विवरणिका का उत्वरिय आपको इस परीक्षा के बार में कुछ जानकारी घेना है जिससे कि परीक्षा के स्वरूप से परिचित न होने के कारण आपको कोई हानि न हो।

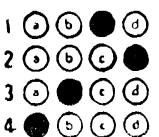
(स) परीक्षण का स्वरूप:

प्रश्न पत्र "परिक्षण पूस्तिका" के रूप में होंगे। इस पूस्तिका में कम संख्या 1, 2, 3 आदि के कम से प्रश्नांश होंगे। हर प्रश्नांश के नीचे a, b, c, d चिन्ह के साथ स्क्राए गए प्रत्यूत्तर लिखे होंगे। आपका काम एक सही या यदि आपको एक में अधिक प्रत्यूत्तर सही लगे तो उनमें से सर्वेत्तिम उत्तर का चुनाव करना होगा। (अन्त में दिए गए नमूने के प्रश्नांश देखें लें)। किसी भी स्थिति में, प्रत्येक प्रश्नांश के लिए आपको एक सही प्रत्यूत्तर का चुनाव करना होगा। यदि आप एक से अधिक प्रत्यूत्तर का चुनाव करना होगा। यदि आप एक से अधिक प्रत्यूत्तर चुन लेशे ही तो आपका प्रत्यूत्तर गलत माना जाएगा।

(ग) उत्तर दोने की विधि:

परीक्षा भवन में आपको एक अलग उत्तर पत्रक दिया जाएगा। जिसकी एक नम्ना प्रति आपको प्रवेश प्रमाण पत्र के साथ भेज दी जाएगी। आपको अपने प्रस्थातर इस उत्तर पत्रक में लिखने होंगे। परीक्षण प्रितका में या उत्तर पत्रक को छोड़कर अन्य किसी कागज पर निखे गए उत्तर नहीं जांचे जाएंगे।

जत्तर पत्रक में प्रवताओं की संस्थाएं 1 से 160 तक चार खंडों में छापी गर्झ हुँ। प्रत्येक प्रवताश के सामने a. b, c, d चिन्ह बाले बृत्ताळार स्थान छपे होते हुँ। परीक्षण प्रितका के प्रत्येक प्रवताश को पढ़ लेने और यह निर्णय करने के बाद कि कोन सा प्रत्यूचर सही या सर्वोत्तम है आपको उस प्रत्यूचर के अक्षर बाल बृत को पंसिल से पूरी तरह काला बनाकर अंकित कर दोना है, जैसा कि (आपका उत्तर दशीर के लिए) नीचे दिखाया गया है। उत्तर पत्रक के बृत्त को काला बनाने के लिए स्याही का प्रयोग नहीं करना चाहिए।



यह जरूरी है कि:---

- प्रश्नांशों के उत्तरों के लिए केवल अच्छी किस्म की एच. बी. पेंसिल (पेंसिल) ही लाएं और उन्हीं का प्रयोग करा।
- गलत निशान को बदलने के लिए उसे पूरा मिटाकर फिर से सही उत्तर पर निशान लगा दें। इसके लिए आप अपने साथ एक रबड़ भी लाएं।
- उत्तर पत्रक का उपयोग् करते समय कोई एसी असावधानी न हो जिससे वह फट जाए या उसमें मोड़ व सिलवट आदि पड़ जाए या वह खराब हो जाए।

(घ) कुछ महत्वपूर्ण विनियम :

- 1 आपको परीक्षा आरम्भ करने के लिए निर्धारित समय से बीस मिनट पहले परीक्षा भवन में पहुंचना होगा और पहुंचते ही अपना स्थान ग्रहण करना होगा।
- परीक्षण श्रूरू होने के 30 मिनट के बाद किसी को परीक्षण में प्रवेश नहीं विया जाएगा।
- परीक्षा गुरू होने के बाद 45 मिनट तक किसी को भवन छोड़ने की अनुमित नहीं मिलेगी।
- 4. परीक्षा समाप्त होने के बाद, परीक्षण पुस्तिका और उत्तर पत्रक निरीक्षक/पर्यविक्षक को सींप दाँ। आपको परीक्षण पुस्तिका परीक्षा भवन से बाहर ले जाने की अनुमति नहीं है। इस नियम का उल्लंघन करने पर कड़ा दोड़ दिया जाएगा।
- 5. आपको परीक्षा भवन में उत्तर पत्रक पर क्छ विव-रण भरना होगा तथा उत्तर पत्रक पर क्छ विवरण भी कृटबद्ध करना होगा। इसके बार में अनुवेश अपके प्रवेश प्रमाण पत्र के साथ भेज दिए जाएंगे।
- 6. परीक्षण प्रितका में विष्, गए सभी अनुदोश आपको साबधानी से पढ़ने हैं। इन अनुदोशों का साबधानी से पालन न करने से आपके नम्बर कम हो सकते हैं। अगर उसर पत्रक पर कोई प्रविष्टि मंदिन्ध हैं, तो उस प्रकांश के प्रत्यूचर के लिए आएकों कोई नम्बर नहीं मिलेगा। पर्यवेक्षक के अनुदोशों का पालन करें। जब पर्यवेक्षक किसी परीक्षण या उसके किसी भाग को आरम्भ या समाप्त करने को कहाँ में उनके अनुदोशों का तस्काल पालन करें।
- 7. आप अपना प्रवेश प्रमाण-पत्र साथ लाएं, आपको अपने साथ एक एच. बी. पेंसिल, एक रबंख, एक

पैंसिल शार्पनर और नीली या काली स्याही वाली कलम भी लानी होंगी। आपको सलाह दी जाती हैं कि आप अपने साथ एक एक क्लिप बोर्ड या हार्ड बोर्ड या कार्ड बोर्ड भी लाएं जिस पर कुछ लिखा न हो। आपको परीक्षा भवन में कोई खाली कागज या कागज का ट्रांश या पैमाना या आरखण उपकरण नहीं लाने हैं क्योंकि उनकी जरूरत नहीं हांगी। मंगने पर कच्चे काम के लिए आपको एक अलग कागज दिया जाएगा। आप कच्चा काम या श्रूरू करने के पहले उस पर परीक्षा का नाम, अपना रोल नंबर, और परीक्षण की तारीख लिखें और परीक्षण समाप्त होने के बाद उमे अपने उत्तर पत्रक के साथ पर्यविक्षक को वापस कर दै।

(इ) विशेष अनुदेश :

परीक्षा भवन मं अपने स्थान पर बैठ जाने के बाद निरीक्षक आपको उत्तर पत्रक देंगे। उत्तर पत्रक पर अपेक्षित सूचना भर दें। यह काम पूर् होने के बाद निरीक्षक आपको परीक्षण पुस्तिका देंगे। परीक्षण पुस्तिका मिलने पर आप यह अवस्य देख लें कि उस पर पुस्तिका की संख्या निसी हुई है अन्यथा, उसे बदलवा लें। आपको परीक्षण पुस्तिका तब तक खोलने की अनुमति नहीं है जब तक प्यविक्षक एसा करने के लिए न कहाँ।

(घ) क्रुष्ठ उपयोगी सुभाव

यद्यपि इस परीक्षण का उद्देश्य आपकी गित की अपेक्षा शूद्धता को जांचना है, फिर भी यह जरूरी है कि आप अपने समय का यथासंभव दक्षता से उपयोग करें। संतुलन के साथ आप जितनी जल्दी काम कर सकते हैं, करें पर लापरवाही न हो। आप सभी प्रश्नों का उत्तर नहीं वे पाते हों तो चिंता न करें। आपको जो प्रश्न अत्यंत कठिन मालूम पड़े उन पर समय व्यर्थ न करें। दूसरे प्रश्नों की आरे बढ़ें और उन कठिन प्रश्नों पर बाद में विचार करें।

सभी प्रश्नांशों के अंक समान होंगे। उन सभी के उत्तर दें। आपके ब्वारा अंकित सभी प्रत्यूत्तरों की संख्या के आधार पर ही आपको अंक दिये जायेंगे। गलत उत्तरों के लिए अंक नहीं काटे जाएंगे।

(छ) परीक्षण का समापन :

जैसे ही पर्यवेक्षक आपको लिखना बंद करने को कहाँ, आप लिखना बन्द कर दाँ। आप अपने स्थान पर तब तक बैठे रहाँ जब तक निरक्षिक आपके पास आकर आपसे सभी आवष्यक वस्तूएं ले जाएं और आपको हाल छोड़ने की अनुमित दाँ। आपको परीक्षण-पुस्तिका और उत्तर-पत्रक तथा कच्चे कार्य का कागज परीक्षा भवन से बाहर ले जाने की अनुमित नहीं हाँ।

नम्ने के प्रकाश (प्रक्न)

(नोट--- "मही/सर्वोत्तम उत्तर-विकल्प को निर्दिष्ट करता है।)

1. सामान्य अध्ययन :

बहुत उन्नाई पर पर्वतारोहियों के नाक तथा कान से निम्न-निस्तित में ये किस कारण से प्रकृत साव होता है?

- (a) रक्त का दाव वायुमण्डल के दाव से कम होता है।
- *(b) रक्त का दाय वायुमण्डल के दाय से प्रधिक होता है।
- (c) रक्त वाहिकाओं की धन्त्रक्मी तथा बाहरी शिराधीं पर दान समाम होता है।
- (d) रक्त का दाय वायुमण्डल के दाब के ग्रमुक्प बटना-बढ़ता है। 24—276 GI/82

3 कृषि

प्रस्तर में पूर्वों का सम्बद्ध विम्तविश्वित में ने तिसी एक उपाय से सम किया जा सकता है।

- *(a) वृद्धि नियंत्रक द्वारा छिड्काव
- (b) दुर दूर पौधे लगाना
- (c) सही ऋतु में पीछे लगाना
- (d) योड़े थोड़े फासले पर पौधे लगाना ।

4 (रसायन विशान) :

H3VO4 का एनहाड़ाइड निम्तलिखन में से क्या होता है ?

- (a) Vo₃
- (b) Vo₄
- (c) V₂O₃
- *(d) V205

5. (पर्पंशास्त्र) :

श्रम का एनाधिकारी शोषण निम्नलिखित में से किया स्थिति में होता है।

- *(a) सीमान्त राजस्व उत्पाद से मजदूरी कम हो।
- (b) मजर्री तथा मीमान्त राजस्व उत्पादन दोनों बराबर हों।
- (c) मजदूरी सीमान्त राजस्य उत्पाद से अधिक ही।
- (d) मनद्दरो सोमान्त भौतिक उत्पाद के बराबर हो।

(वैद्युत इंजिनियरी) :

एक समाक्ष रेखा को ध्रपेक्षिक परावैद्युताक 9 के परावैद्युत से सम्पू-रित किया गया है। यदि C मुक्त ग्रन्तराल में संवरण वेग दर्शाता है तो लाइन में संवरण का वेग क्या होगा?

- (a) 3C
- (b) C
- *(c) C/3
- (d) C/9

7. (भूविज्ञान) :

यैसास्ट में प्लेजियाम्लेस स्या हीता है।

- (a.) श्रालिगोक्नेज
- (b) नेव डोराइट
- (c) एल्बाइट
- (d) एनाचाँइट

8. (गणित):

मूल बिन्दु से गुजरने बाला झौर
$$\mathrm{d}^2 y = \mathrm{d} y$$
 $\longrightarrow ---\longrightarrow \mathrm{O}$ $\mathrm{d} \times^2 = \mathrm{d} x$

समीकरण को मंगत रखने वाला वक-परिवार निम्नलिखित में सेकिंग से निर्दिष्ट है ?

- (a) y = ax + b
- (b) y = ax
- (c) $y = ac^x + bc^{-x}$

•(d) y=ae = -a

9. (भौतिकी):

एक ब्रादर्श उब्ना इंजन 400° K के भीर 300° K तापकम के मध्य कार्य करता है। इसकी क्षमता निम्नलिखित में में नया होंगी?

- (a) 3/4
- +(b) (4-3)/4
- (c) 4/(3+4)
- (d) 3/(3+4)

10 (मांक्पिकी)

यदि ब्रिप्थ विचर का भाष्य 5 है तो इसका प्रसरण निम्नलिखित मंसेक्या होगा?

- (a) 4°
- *(b) 3
- (c) ∞
- (d) -5

11. (भूगोल):

बर्मी में दक्षिणी भाग की प्रत्यधिक समृद्धि का कारण निस्ततिकिया में से क्या है?

- (a) यहां पर खानिज साधनों का विपूल भण्डार है।
- *(b) बर्माकी आधिकांग नदियों का डेल्टाई मागहै।
 - (c) यहां श्रेष्ठ वन संपदा है।
 - (d) देश के अधिकांश तेल क्षेत्र इसी माग में हैं।

12. (भारतीय इतिहास):

काह्याणबाद के सर्वेष में निम्नलिखित में से क्या मध्य नहीं

- (a) बीडधर्म के उल्कर्ष काल में भी बाह्मणवाद के प्रमुणियों की सं बहुत अधिक यी।
- (b) बाह्मणयाद बहुत अधिक कर्मकांड ग्रीर ग्राडबर से पूर्ण धर्म या।
- (c) ब्राह्मणवाद के प्रच्युवय के साथ, विल सम्बन्धी यह कमें का महत्व कम हो गया।
- (d) व्यक्ति के जीवन-विकास की विभिन्न दशास्त्रों को प्रकट करने के लिए धार्मिक संस्कार निर्धारिक थे।

13. (दर्शन):

निम्निलिखिस में से निरीश्वरथावी वर्शन समृह कौनसा है?

(a) बीड, न्याय, चवार्क, मीमांमा

- (b) न्याय, वैशेषिक, जैन भीर मौद्र, चावार्क
- (c) बर्दीन, वेदान्त, सामग्र, चावार्क, योग
- *(d) बौद्ध, संख्य, मोमासः, चावार्क,

14. (राजनीति विज्ञान)

"वृत्तिगत प्रतिनिधान" का श्रर्थ निम्नलिखित में से क्या है ?

- (a) व्यवसाय के श्राष्ट्रार पर विद्यानमण्डल में प्रतिनिधियों का निविधन।
- (b) किमी समूह या किमी व्यावसायिक समुदाय के पक्ष का समर्थन,
- (c) किसी रोजगार संबंधी संगठन में प्रतिनिधियों का भुनाव ।
- (d) श्रमिक सर्वो द्वारा प्रप्रत्यक्ष प्रतिनिधिस्य ।

15. (मनोविज्ञान):

लक्ष्य की प्राप्ति निम्नलिखित में से किस को निर्देशित करती है?

- (a) लक्ष्य सम्बन्धी आवश्यकता में वृद्धि
- *(b) भावात्मक अवस्था सें न्यूनता
- (c) व्यावहारिक अधिगम
- (d) पक्षपातपूर्ण अधिगम

16. (समाजशास्त्र):

भारत मे पंचायती राज संस्थाओं की निम्न में से कौन सी है?

- *(a) ग्राम सरकार में महिलाओं तथा कमजोर वर्गों को औपचारिक प्रतिनिधित्व प्राप्त हुआ है।
 - (b) छुआछूत कम हुई है।
 - (c) बंजिस वर्गों के लोगों को भूरस्वामित्व का लाभ मिला है।
- (d) जन-साधारण सें शिका का प्रसार हुआ है।

टिप्पणी— उम्मीदवारों को यह ध्यान रखना चाहिए कि उपर्युक्त नमूने के प्रश्नोश (प्रश्न) केवल उदाहरण के लिए दिए गए हैं और यह अरूरी नहीं है कि ये इस परीक्षा की पाट्यक्थर्य के अनुसार हों।

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION (DEPARTMENT OF PERSONNEL)

New Delhi, the 14th September 1982

No. A-19021/13/82-AD. V.—The President is pleased to appoint Shri C. Janardhan IPS (AP-SPE) as Superintendent of Police on deputation in the Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment with effect from the forenoon of 1st Sept., 1982.

The 16th September 1982

No. A-19021/1/76-AD.V.—The services of Shri H. J. Dora, IPS (AP: 1965) Supdt. of Police, Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment, Hyderabad Branch are placed at the disposal of the Government of Andhra Pradesh with effect from 1st Sept., 1982 forenoon, on repatriation.

R. S. NAGPAL Administrative Officer (E) Central Bureau of Investigation

DIRECTORATE OF COORDINATION (POLICE WIRELESS)

New Delhi-3, the 13th September 1982

No. A.12012/1/81-Admn.—Shri C. L. Dhingra, Sr. Technical Asstt. (Stores) of the Directorate of Coordination (Police Wireless) has been promoted to the post of Extra Asstt. Director in the Directorate of Coordination (Police Wireless) in a temporary capacity in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- with effect from the forenoon of 10th August, 1982 until further orders.

B. K. DUBE Director Police Telecommunication.

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 13th September 1982

No. E-38013(4)/5/81-Pers.—On promotion, Shri N. G. Shukul assumed the charge of the post of Assistant Commandant CISF Unit, A.S.P., Durgapur with effect from the forenoon of 27th March 1981.

The 19th September 1982

No. E-32015(2)/2/81-PERS.—The President is pleased to appoint Shri Daljit Singh as Commandant, CISF Unit, BHEL Hardwar on the re-employment basis, with effect from the forenoon of the 22nd July, 1982.

SURENDRA NATH Director General

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi, the 16th September 1982

No. 11/12/81-Ad. I:—The President is pleased to appoint, by promotion, the under-mentioned Deputy Director of Census Operations, presently working as Joint Director of Census Operations, on ad-hoc basis in the offices as indicated against their name to the post of Joint Director of Census Operations in the same office, on a regular basis, in a temporary capacity, with effect from the fore-noon of the 17th August, 1982, until further orders:—

SI. No.	Name of the Officer	Name of the Office
1	2	3
1. Sh	ri B. T. Pillai	Office of the Director of Census- Operations, Kersla, Trivand- tum.

l	,		3
2. Shr	i Abdul Ghani		Office of the Director of Census Operations, Jammu & Kashmir, Srinagar.
3. Shr	i S. Sinha .	•	Office of the Director of Census Operations, West Bengal, Cal- cutta.
4. Shr	i Ardaman Singh		Office of the Director of Census Operations, U.T. Chandigarh.
5. Shr	i A. W. Mahatme	•	Office of the Director of Census Operations, Maharashtra, Bombay.
6. Dr.	H. Majumdar .	•	Office of the Registrar General India, New Delhi.

- 2. Shri Ardaman Sngh will also continue to function as Director of Census Operations, U.T. Chandigarh in an ex-officio capacity.
- 3. The headquarters of S/Shri Pillai, Ghani, Sinha, Singh, Mahatme and Majumdar will be at Trivandrum, Srinagar, Calcutta, Chandigarh, Bombay and New Delhi respect ively.

P. PADMANABHA, Registrar General,

MINISTRY OF FINANCE (DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS) BANK NOTE PRESS

Dewas-455002, the 14th September 1982

F. No. BNP/C/5/82.—In continuation to this Department's Notification of even number dated 28th March 1982 the appointment of Shri S. Chandrasekaran, as Accounts Officer on deputation on the existing terms is extended upto 28th February 1983.

M. V. CHAR General Manager

FINANCE COMMISSION

New Delhi, the 15th September 1982

No. 8FC-2(13)-A/82.—Shri M. L. Bhatia, Stenographer Grade 'B' of the C.S.S.S. and Private Secretary in the Eighth Finance Commission in the scale of Rs. 775—1200/-, has been appointed as Private Secretary in the scale of Rs. 1100—1600/- with effect from the forenoon of 1st September, 1982 and until further orders.

The 17th September 1982

No. 8 FC 2(17)-A/82.—Consequent on his transfer from the Department of Economic Affairs, New Delhi, Shri P. B. Dhawan, a Grade III Officer of Indian Economic Service and Senior Research Officer has been appointed as Officer-on-Special Duty in the Eighth Finance Commission in the scale of Rs. 1300—1800/- with effect from the afternoon of 2nd September, 1982 and until further orders.

No. 8 FC 2(16)-A/82.—Consequent on his transfer from Planning Commission, New Delhi, Shri Manohar Lal, Rescarch Officer has been appointed as Deputy Director in the Eighth Finance Commission in the scale of Rs. 1100—1600/-w.e.f. the forenoon of 1st September, 1982 and until further orders.

S. L. MATHUR Under Secy.

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDI'T CENTRAL REVENUES, NEW DELHI

New Delhi, the 16th September 1982

No. Admn.I/O.O. No. 268.—The Director of Audit, Central Revenues hereby appoints substantively Shri R. C. Goel an officiating audit officer of this office, against permanent posts of audit officers in the time scale of Rs. 840—1200/with effect from 1st September 1982.

No. Admn.I/O.O. 278.—Consequent on his attaining the age of superannuation, Shri K. K. Dewan a permanent audit officer of this office presently working as Welfare Officer will retire from the service of the Government of India with effect from the afternoon of 30th September 1982. His date of birth is 5th September, 1924.

No. Admn.I/O.O. 279.—Consequent on his attaining the age of superannuation, Shri T. R. Kapoor a permanent audit officer of this office will retire from the service of the Government of India with effect from the afternoon of 30th Sept. 1982. His date of birth is 28th September, 1924.

J. TIRUPATHI Joint Director of Audit (Admn.)

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT COMMERCE WORKS & MISC.

New Delhi, the 14th September 1982

No. Admn. III/28: The following officers of this organisation are appointed in a substantive permanent capacity of Audit Officers with effect from the date shown against each:—

SI.	Name .	 		te of onfirmation
1.	Shri P. C. Ohri			10-9-81
2.	Shri Sushil Kumar			1-11-81
3.	Shri A. N. Guha			1-12 81
				MUKERJI, or of Audit.

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-I KARNATAKA

Bangalore, the 29th July 1982

No. ES-1/A4/82-83/461.—The Accountant General-I, is pleased to promote the following permanent/officiating Section Officers to officiate as Accounts Officers in a purely temporary capacity until further orders without prejudice to the claims of their seniors, if any, with effect from the dates of taking their charge:—

- 1. Shri N. Ramachandra
- 2. Shri C. Venugopal
- 3. Shri Y. Annamalai

The 11th August 1982

No. ES. I/A4/82-83/503: The Accountant General-I Karnutaka is pleased to appoint the following officiating Accounts Officer in 'Substantive' Capacity in the grade of Accounts Officers in the same office with effect from the dates noted against their names.

S. Name of the Officer No.				Date from which confirmed
			-	
S/Shrì				
t. K. Balaji			,	1-11-80
2. K. R. Raja Rao .				4-4-81
3. S. P. D'Souza				18-1 2 -81
4. S. Sethurathnam .				5-4-82
5. Smt. M. S. Nagarathna				1-5-8 2
6. A. P. Kunju Kunju				1-7-82
Sr. Deputy	Α¢	count		KUPPUSAMY. General (Admn.)

MINISTRY OF LABOUR LABOUR BUREAU

Simla-171004, the 1st October 1982

No. 23/3/82-CPI.—The All India Consumer Price Index Number for Industrial Workers on Base: 1960=100 increased by ten points to reach 488 (Four hundred and eighty eight), during the month of August, 1982. Converted to Base: 1949=100 the index for the month of August 1982 works out to 593 (Five hundred and ninety three).

A. S. BHARADWAJ, Director

MINISTRY OF DEFENCE

INDIAN ORDINANCE FACTORIES SERVICE

ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta-16, the 13th September 1982

No. 41/G/82:—The President is pleased to appoint the undermentioned Officers as Offig. GM(SG)-Level 1/DDGOF-Level-I with effect from the date shown against them:—

(4) Shri D. R. lyer, Offg. DDGOF/Lev. 11 26th July, 1982.
 The 17th September 1982

No. 42/G/82.—On attaining the age of superannuation (58 years), Shri C. S. Gourishankaran, offg. Addl. DGOF/Member, Ordnance Factory Board retired from service with effect from 31st August, 1982/A.N.

V. K. MEHTA Director.

MINISTRY OF COMMERCE

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 16th September 1982

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL ESTABLISHMENT

No. 6/611/60-ADMN(G)/5186.—On attaining the age of superannuation Shri T. J. Stephen, Deputy Chief Controller of Imports and Exports (Grade I of CSS) in this office has been permitted to retire from Government service with effect from the afternoon of the 31st August, 1982.

A. S. KAUL Dy. Chief Controller of Imports and Exports

OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay-20, the 8th September 1982

No. 10(1)/82/CLB-11/8.—In exercise of the powers conferred on me by Clause 5(1) of the Cotton Control Order, 1955, I hereby make the following further amendments to the Textile Commissioner's Notification No. 10(1)/73-74/CLB-11 dated the 19th December 1974, namely:—

In the said Notification, for Explanation (1), the following shall be substituted, namely:—

"(1) The average monthly consumption will be computed on the basis of the figures reported by the manufacturer to the Textile Commissioner in Form CST-H for the preceding cotton year ending the 31st day of August."

T. RAMACHANDRA RAO Jt. Textile Commissioner (File No. 1(31)/81-82/Cotton)

(DEPARTMENT OF TEXTILES)

OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER FOR HANDLOOMS

New Delhi, the 16th September 1982

No. \(\Lambda - 12026/1/81-Admn.H(A)\).—The President is pleased to permit Shri A. V. Ramamurthy who was working as Director in the Indian Institute of Handloom Technology,

Varanasi under the Office of the Development Commissioner for Handlooms, Ministry of Commerce (Department of Textiles), New Delhi to retire from Government service with effect from the afternoon of 31st August, 1982.

Additional Development Commissioner for Handlooms

MINISTRY OF INDUSTRY

OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER (SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi-110011, the 30th August 1982

No. A-19018(566)/81-Admn.(G),—The President is pleased to appointment Shri Upendra Nathoba Shinde, Small Industries Promotion Officer (L/F), Small Industries Service Institute, Bombay as Asstt. Director (Gr. I) (L/F) at Small Industries Service Institute, Bangalore with effect from the forenoon of 29th July 1982 until further orders.

The 8th September 1982

No. 12(753)/72-Admn(G).—Consequent on his appointment as Manager (Technical) in the Bharat Leather Corporation Ltd., New Delhi, Shri D. K. Seth relinquished charge of the post of Deputy Director (Leather/Footwear) at Small Industries Service Institute, Hyderabad on the afternoon of 16-8-1982.

No. A.19018(276)/77-A(G).—The President is pleased to appoint Shri C. P. Srivastava, Asstt. Director (Gr. II)(E1), Small Industries Service Institute, Muzaffarpur as Asstt. Director (Gr. I) (E1/P1) on Ad-hoc basis at Small Industries Service Institute, Patna with effect from the forenoon of 2-8-1982 until further orders.

C. C. ROY, Dy. Director (Admn.)

ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA (KHAN VIBHAG)

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 10th September 1982

No. 4705D/A-32013 (4-Dailler)/78/19B.—Shri Batlu Singh, Senior Technical Asstt. (Drilling) in the Geological Survey of India is appointed on promotion to the post of Driller in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of 6th July, 1982, until further orders.

No. 4730D/A-32013(4-Driller)/78/19B.—Shri M. L. Kachroo, Senior Technical Assistant (Drilling) in the Geological Survey of India is appointed on promotion to the post of Driller in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of 1st July, 1982, until further orders.

S. K. MUKHERJLE, Director General

ZOOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-12, the 15th September 1982

No. F.9-1/82-Estt./24227.—The following Senior Zoological Assistants are hereby appointed to the post of Assistant Zoologist (Group B) in the Scale of Rs. 650—1200 in the Headquarters Office of the Zoological Survey of India, Calcuta, in a temporary capacity on ad-hoc basis with effect from the 31st August, 1982 (forenoon) until further orders.

- 1. Shir Amales Misra
- 2. Shri Manomoy Ghosh

3. Shri S K. Talugdar

Dr. B. K. TIKADER, Director, Zoological Survey of India

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING FILMS DIVISION

Bombay-26, the 15th September 1982

No. A 19012/8/82-Est.1.—Shri B. K. Swaminathan, an Accounts Officer in the Office of G.M. Telecom, Maharashtra Circle, Bombay has been appointed as Accounts Officer in the Films Division Bombay for a period of one year with effect from 13th September, 1982 (FN) on deputation basis.

H. G. BHANDARKAR, Asstt. Administrative Officer for Chief Producer

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 8th September 1982

No. A-12025/20/81(HQ)/Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri Prem Narain Chail to the post of Assistant Architect in the Directorate General of Health Services, New Delhi in a temporary capacity with effect from 31-5-1982 (foreneon) and until further orders.

No. A-12025/20/81(HQ)Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri Faqir Chand Luthra to the post of Assistant Architect in the Directorate General of Health Services, New Delhi in a temporary capacity with effect from 19-7-82 (forenoon) and until further orders.

The 13th September 1982

No. A.19019/25/80-Adm, I.—On return from foreign assignment with the Government of Iraq, Dr. (Smt.) Daya V. Sangal assumed charge of the post of Lecturer in Dentistry at Lady Hardinge Medical College and Smt. Sucheta Kriplani Hospital, New Delhi on the forenoon of 16th July, 1982.

No. A.38013/2/82-(HQ) Admn.I.—The President is pleased to permit Smt. G. Chopra, Section Officer, Directorate General of Health Services, New Delhi to retire voluntarily from Government Service w.c.f. the afternoon of 31st July, 1982.

T. C. JAIN, Dy. Director Administration (O&M)

(STORE I SECTION)

New Delhi, the 13th September 1982

No. A.19011/7/78-S1.—The President is pleased to appoint Shri Vishwa Vibhut to the post of Deputy Assistant Director General (Stores) in the Directorate General of Health Services, New Delhi, with effect from the forenoon of 27th August, 1982 and until further orders.

SHIV DAYAL Dy, Director Administration (ST)

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES

Bombay-400 001, the 8th September 1982

No. DPS, 2/15/80-Fst./19647.—The Director, Directorate of Purchase & Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Venkatramana Sripatha Rao, a permanent Storekeeper to officiate as an Assistant Stores Officer, on an ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-880-40-1000-EB-40-1200/- from May 3, 1982 (FN) to August 1, 1982 (AN) and in a regular capacity with effect from August 2, 1982 (FN) in the same Directorate until further orders.

The 10th September 1982

No, DPS/23/4/82-Adm./19725.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Pandharinath Hari Sawant, a permanent Purchase Assistant of this Directorate to officiate as Assistant Purchase Officer in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- on an ad-hoc basis in the same Directorate with effect from July 26, 1982 (FN) to September 4, 1982 (AN) vice Shri S. G. Jeble, Assistant Purchase Officer, granted leave.

S. KRISHNAN, Administrative Officer-II

Bombay-400 001, the 10th September 1982

No. DPS/2/1(16)/77-Adm./Vol. II/19846.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri M. R. Prakash, a permanent Jr. Storekeeper and officiating Storekeeper to officiate as an Assistant Stores Officer (Ad-hoc) in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in the same Directorate with effect from July 5, 1982 (FN) to August 5, 1982 (AN) vice Shri P. K. Radhakrishnan, Assistant Stores Officer granted leave.

B. G. KULKARNI, Assistant Personnel Officer

ATOMIC MINERALS DIVISION

Hyderabad-16, the 16th/17th September 1982

No. AMD-4/5/81-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Arjun Prasad, a permanent Junior Mechanic and officiating Scientific Assistant 'C', Atomic Minerals Division, as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the same Division in an officiating capacity with effect from the forenoon of February 1, 1982 until further orders.

T. D. GHADGE, Sr. Administrative & Accounts Officer

HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400 008, the 17th September 1982

No. 05012/R2/34/4095.—Chief Executive, Heavy Water Projects, appoints Shri N. Gangadharan Nair, a permanent Upper Division Clerk and officiating Assistant Security Officer of Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy to officiate as Assistant Personnel Officer in Heavy Water Plant (Baroda), with effect from the forenoon of August 21, 1982 until further orders.

R. C. KOTIANKAR. Administrative Officer

REACTOR RESEARCH CENTRE

Kalpakkam, the 4th September 1982

No. RRC/PF/99/81/11665.—Shri Yakub Baquer Sheriff, a permanent Scientific Assistant 'C' and temporary Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' of the Reactor Research Centre, Kalpakkam, has been relieved from government service with effect from the afternoon of 20-5-1981 on voluntary retirement.

K. V. SETHUMADHAVAN.
Chief Administrative & Accounts Officer
for Director, Reactor Research Centre, Kalpakkam

DEPARTMENT OF SPACE

CIVIL ENGINEERING DIVISION

Bangalore-560009, the 31st August, 1982
No. 4/8/81-CED(H):—Chief Engineer, Civil Engineering
Division, Department of Space, Bangalore is pleased to

appoint the undrmentioned persons as Engineer SB in the Civil Engineering Division Department of Space in a temporary capacity with effect from the date indicated against each and until further orders:

Si, Name No.	Date of appointment as Engineer-SB
1. Shri C. Sundaramurthy .	3-5-1982 (FN)
2. Kum. G. Y. Sundara Valli .	. 17-5-1982 (FN)
3. Shri S. Arumugam	. 16-7-1982 (FN)

H. Ş. RAMADAS, Administrative Officer-I for Chief Engineer

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 8th September 1982

No. A. 32013/10/80-EA:—The President has been pleased to sanction the continuance of ad-hoc appointments of the following officers to the grade of Senior Acrodrome Officer upto 14-2-1982.

S. No.	Name		Station
	S/Shri		
ì.	S. Mahalingam .		Madras.
2,	M. N. K. Menon .		Madras.
3.	A. C. John		Calcutta.
4.	R. Krishnamurthy		Kumbhigram.
5,	M. A. Paul		Nagpur
6,	O. P. Dhingra .		Bangalore
7.	M. P. Khosla .		Asstt. Director (Hqd).
8.	K. S. Prasad		Calcutta,
9.	N. D. Ghosh .		Calcutta.
10.	Ravi Tankha .		Delhi.
IJ.	C. R. Rao		Bhubaneshwar.
	R. S. Bhagwat		Calcutta.
	Kundan Lal .		
	K. C. Misra .		C.A.T.C. Allahabad.
	G. B. K. Nair		
	D. D. Sardana .		Delhi.
	K. N. Venkatachallai		
	S. C. Sekhri		Delhi.
	D. Ramanujam .		Madras.
	A. T. Verghese .	•	Coimbatore.
	K. V. S. Rao		Hyderabad
	N. P. Sharma .	•	Bombay (Libya)
	S. K. Banerjec	•	Varanasi.
	R. Kothandaraman		Trichy
25.	K. K. Saxena .		Delhi,
.6.			Bombay.
	S. A. Ram .	•	Imphal.
			Asstt. Director AIS Hqd.
	K. B. K. Khanna .	•	•
0.	D. N. Dhawan .		Bombay.

No. A-32013/3/81-EA:—The President has been pleased to sanction the continuance of Ad-hoc appointment of the following officers to the grade of Aerodrome Officer upto 31st December, 1982 or till the regular appointment to the grade are made, whichever is carlier:—

SI.	Name	 _		 Station
No.				
	S/Shri		-	
1.	H. S. Sandhu			Amritsar.
2.	H. D. Ghoshal			Porbandar.
3.	V. S. R. Rao			Hyderabad.
4.	P. K. Das .			Calcutta.

Sl. No.	Namo		Station	The 8th September 1982
	S/Shri			No. A.32013, 7/82-E.L.—On attaining the age of superan-
5.	P. K. Dey		. C.A.T.C. Allahabad.	nuation Shri M. M. Simon, Director, Air Routes & Aerodromes, Madras retired from Government service on the afternoon of
6.	Gopal Singh .		Delhi.	31st August, 1982.
7.	M. R. Naidu		. Ahmedabad	•
8.	M. K. Roy Chowo	lhury	. C.A.T.C. Alfahabad.	The 15th Fantarden 1082
9.	J. R. Soni .		. Delhi.	The 15th September 1982
10.	P. N. Dhar		. Calcutta.	
11.	R. D. Bajpai		. Patna.	No. A.31013/2/82-El.—The President is pleased to appoint
12.	J. L. Kapur .		. Delhi.	Shri P. R. Chandrasekhar in the grade of Director of Research
13.	M. G. Thorat		. Ahmedabad,	and Development in the Civil Aviation Department in a
14.	Prem Kumar		. Calcutta.	substantive capacity with effect from 6th July, 1981.
15,	M. Gopał .	,	. Madras.	
16.	C. G. Page ,		. Bombay.	S. GUPTA.
17.	Y. L. Soni .		⊅ ∃lhì.	Deputy Director of Administration
18.	Dharam Pal		Dellu.	1 ,
_19.	M. M. Bhardwaj	-	Delhi.	

New Delhi, the 8th September 1982

No. A. 32013/5/81-EC:—The President is pleased to appoint the following Assistant Communication Officers to the grade of Communication Officer on ad-hoc basis with effect from the date of taking over charge of the higher post and to post them to the station indicated against each:—

Sl. No.	Name					Present Stn. of posting	Station to which posted	Date of taking over charge
1.	Shri S. Sankaranarayanar	1				ACS, Bangalore	ACS, Madras	8-4-1982 (FN)
2.	Shri C. R. Narayanan					ACS, Vadodra	ACS, Madras	29-5-1982 (FN
3.	Shri J. George .					ACS, Gauhati	ACS, Gauhati	20-3-1982 (FN

The 9th September 1982

No. A-32013/5/81-EC.—The President is pleased to appoint Shri M. S. Sachdev, Assistant Communication Officer, Aero. Comm. Station, Gwalior to the grade of Communication Officer on ad-hoc basis with effect from 2nd June 1982 (FN) and to post him at Aero, Comm. Station, Delhi.

The 14th September 1982

No. A. 38013/1/82-EC:—The undermentioned three officers of Aeronautical Communication Organisation of the Civil Aviation Department relinquished charge of their

office on retirement on attaining the age of superannuation on 30-6-1982 (AN) at stations indicated against each:—

S. No.	Name & Designation	Station of posting.
	S/Shri	
	. Krishnamurthy, Fechnical Officer	Aero. Communication Station Madras.
	. L. Srivastava, Sr. Communication Officer.	Aero. Communication Station, Delhi.
	. H. Subramaniam Sr. Commn. Officer	Aero Communication Station, Bombay.
		- ,

The 17th September 1982

No. A. 32013/2/82-EC—The President is pleased to appoint the following four officers to the grade of Assistant Director of Communication on ad-hoc basis for a period of six months with effect from the date indicated against each and to post them at D.G.C.A. (Hqrs.):—

S. No.	Name & Designation			Present station of posting	Date of taking over charge.
s	S/Shri				
1.	A. G. Narasimha, Sr. Technical Officer			DGCA(HQ)	6-5-1982 (FN)
2.	Rakesh Kumar, Sr. Tech. Officer .	1		RCDU, New Delhi	21-6-1982 (FN)
3.	Arun Talwar, Sr. Commn. Officer			DGCA(HQ)	5-5-1982 (FN)
4.	R. C. Chitkara, Sr. Commn. Officer .			DGCA(HQ)	5-5-1982 (FN)

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS) (COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Gomantak Fertilivers & Minerals Private Limited

Panaji, the 13th September 1982

No. 203/G/3051.—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Gomantak Fertilisers & Minerals Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Panaji Hotels Limited

Panaji-403001, the 17th September 1982

No. 201/G/3080.—Notice is hereby given pursuant to subsection (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of the Panaji Hotels Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

M. L. GANVIR Registrar of Companies Goa, Daman & Diu, Panaii

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Mannya Cable Company Private Limited

Patna, the 15th September 1982

No. (1292)560/5/81-82/3917.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act. 1956 that at the expiration of three months from the date date hereof the name of the Maurya Cable Company Limited unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Tirbut Fruits and Agro Industrics Limited

Patna, the 15th September 1982

No. (937)/560/81-82,3920.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Tirhut Fruits and Agro Industries I td. unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

A. W. ANSARI Registrar of Companies, Bihar, Patna

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Pritam Estate Private Limited

Jullundur City, the 17th September 1982

No. G/STAT/560/5231.—Notice is hereby given pursuant to Sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Pritam Estate Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companics Act, 1956 and of Khajjar Finance & Chit Fund Company Private Limited

Jullundur City, the 17th September 1982

No. G/STAT/560/5233.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Khajjar Finance & Chit Fund Company (P) Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the register and the said company will be dissolved.

B. M. JAIN Registrar of Companies, Punjab, H. P. & Chandigarh.

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Cochin-682016, the 24th August 1982

ORDER

SUBJECT:- Estt-ITO Group 'B'-Promotion and postings-orders issue of-

C. No. 2/ESTT/CON/82-83:--The following promotion and postings are hereby ordered:

I. PROMOTION:

Shri P. M. Varghese, Inspector of Income-tax, O/O the I A C of IT (Acq.) Ernakulam is hereby appointed to officiate as Income-tax Officer, Group 'B' in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the date on which he takes over charge and until further orders.

He will be on probation for a period of two years. The above appointment is made on a purely temporary and provisional basis and is liable to termination at any time without notice.

II. TRANSFERS AND POSTINGS :

Sl. No.	Name				_	From	То	Remarks
1				 		3	4	5
1.	Shri T. John George	-			•	ITO(IA), O/O the CIT, Cochin.	ITO(T), O/O the CIT, Cochin.	Vacant post.
2.	Shri P. M. Varghese		-			ITO (on promotion as ITO Group 'B')	ITO(1A) O/O the CIT, Cochin.	Vice T. John George, tfd.

T. A. BALAKRISHNAN Commissioner of Income-Tax,

Cochin

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II G-13. GROUND FLOOR, CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 28th August 1982

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/1-82/6515.— Whereas I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 13, Block 1-10 situated at Rajouri Garden, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transfered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

in January 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
25—276GI/82

(1) Shri Subhash Chander Kathuria HUF & M/s Remesh Chander Kathuria & Sons HUF, both at A-47, Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Shital Kumar Bhandari S'o Karam Chand Bhandari R, o 9, Desh Bandu Gupta Market, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 13, Block J-10, Mg. 272 sq. yds. at Rajouri Garden, area of Vill. Tatarpur, Delhi State, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II, New Delhi

Date: 28-8-1982,

FORM ITNS --

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II G-13. GROUND FLOOR, CR BUILDING, I. P. ESTATE. NEW DELHI

New Delhi, the 28th August 1982

Ref. No. IAC Acq-II/SR-II/1-82/6602.—Wherens I. NARINDAR SINGH,

being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market vaule exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Agri, land, situated at Vill, Tikri Kalan, Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at

in January 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 26D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Jai Rattan S/o Sheo Ram R/o Vill. Tikri Kalan, Delhi.
- (2) Shi Anoop Singh S o Saroop Singh R/o 1859.
 Joor Bagh Tri Nagar, Delhi.
 (Tran-feree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

FXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agrı land. Mg. 4 Bighas 13 Biswas Vill. Tikri Kalan, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi

Date: 28-8-1982.

Seul;

FORM ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, J P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 28th August 1982

Rcf No IAC/Aug-II/SR-II/182/6558 -Whereas NARINDAR SINGH,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs 25,000/- and bearing No.

Plot No G-140 situated at Hari Nagai, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in January 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afores nd property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the followingersons, namely:—

- (1) Smt Ram Kaui W/o Capt. Sunder Singh Puri R/o A-210, Defence Colony, New Delhi.
- (Transfeloi)
 (2) Shii S Devindei Singh S/o S. Prithmi Singh R/o C 5A/78, Janak Puri, New Delhi.
 (Transfeloc)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable poperty within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Plot No. G-140, Mg 200 sq. yds 'G' Block Hari Nagui, New Delhi

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi

Date · 28-8-1982,

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sht. Amar Kaur W o Gurbachan Singh Sethi R/o No. 114-A, Wazirbagh, Sir Nagar, Jammu & Kashmir (Transferor)

(2) Smt. Manmohan Kaur W/o S. Darshan Singh R/o 2894, Ram Bazar, Mori Gate, Delhi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II,
G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I. P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 28th August 1982

Re. No. 1AC/Acq-II, SR-II/1-82/6570.—Whereas INARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 142, Kh. No. 540 situated at Sbiv Nagar Extn. Jai Road, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi in January 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and texpressions used herein a are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 142, Kh. No. 540, Mg. 210 sq. yds. Mauza Tihar, bearing house No. WZ-903 (New) 643-A(old) Shiv Nagar Extn. Jai Road, New Delhi

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi

Date: 28-8-1982.

FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMF-TAX,
ACQUISITION RANGE
G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I. P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 28th August 1982

Ref. No. IAC, Acq-II/SR-II/1-82/6604.—Whereas I NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Agri. land situated at Vill. Tikri Kalan, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in January 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shii Jai Ratton S o Sheo Ram R/o Vill. Tikri Kalan, Delhi. (Transiei 01)
- (2) Satya Perkash, Inder, Manoj Kumai sons of Rameshwai Dayal, 2385/213, Tri Nagar, Delhi Sunil Kumar S o Jagdish Chander, 175 E/2, Moradabad Smt. Versa Sukha W/o Hargobind, R/o 57 Bali Nagai, Delhi (Tinnsteree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- . (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land. Mg. 4 Bighas 12 Biswas Vill. Tikri Kalan,

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II New Delhi.

Date: 28-8-1982,

HORM LT.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE

G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I. P. ESTATE. NEW DELHI

New Delhi, the 28th August 1982

Ref No. IAC Acq -II/SR-II/1-82/6605.—Whereas I, NARINDAR SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Tikri Kalan, Delhi (and more fully described in the Scheduled annexed heacto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at in January 1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Suraj Mal S/o Bakhtawar R/o Vill. Tikri Kalau, Delhi.

(Transferor)
(2) Shri Suraj Bhan S o Bashasher Dayal 2734, Naya Bans, Delhi, Amir Chand S,o Telu Ram 197 C, Old Grupta Colony, Kucha Saligram, Sudershan Kr. R/o B-40, Ashok Vihar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agıı, land, Mg. 4 Bighas 12 Biswas Vill, "Tikri Kalan Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II New Delhi.

Date · 28-8-1982.

FORM J.T.N S .--

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi the 28th August 1982

Ret No IAC Auq-II SR-II/1-82/6695 -Whereas I NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that he immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No Agn land, situated at Vill Nangli Sakrawati, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at in January 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- Shri Jagan Nath S/o Sadhu Ram R/o WZ-423, Shiv Nagai, New Delhi.
- (2) Smt Poonam Malhotra W/o S P. Malhotra R o BF-25, Tagore Garden, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vert land, Mg. 20 Bighas 14 Biswas (1/5th share) Kh. No 27/7 2, 14,17,24, 25/2,27,29/4 Vill Nanglisakarawati, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II New Delhi

Date: 28-8-1982.

FORM J.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 28th August 1982

IAC Acq-II/SR-II/1-82/6636.—Whereas Nο NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Agri. land. situated at Vill. Raghopur, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at in January 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the oforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of he said Act, to the following persons, namely :-

(1) Skanda Farms, Raghopur Village Teh. Mehrauli, Delhi.

(Transferor)

(1) Pt. Ram Kishan Gaur S/o Pt. Janki Pershad R/o 609 Ward No. 3, Mehrauli, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri land, Mg. 17 Bighas 7 Biswas Killa Nos. 22 /9(2-15), 22/12(5-0), 22/8(4-16), 22/13(4-16)

> NARINDAR SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II New Delhi,

Date: 28-8-1982.

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II, G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 28th August 1982

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/1-82/6732.—Whereas, J. NARENDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agri. land situated at Vill. Ghewara, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in January 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

26-276GI/82

(1) Shri Surinder Kumar S/o Sh. Bihari lal R/o 21/24 West Patel Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Miss Gani Sirivastava D/o A. B. Lal R/o Janpath, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of .45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 6 Bighas 18 Biswas situated at Vill Ghewara, Delhi.

NARENDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 28-8-1982.

FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II, G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 28th August 1982

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/1-82/6694.—Whereas, INARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri, land situated at Vill. Hastsal, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in January 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been ar which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri S. K. Tyagi S/o O. S. Tyagi R/o Uttam Nagar, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Darshan Singh, Kuldip Singh, Amar Jeet Singh sons of Ruttan Singh R/o Viil. Nawada, Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCREDULE

Agri. land. Mg. I Bigha 1 Biswa Vill. Hastsal, Delhi.

NARENDAR SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 28-8-1982.

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II, G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 28th August 1982

Ref. No IAC/Acq 11/SR.Π/1-82/6714.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agri. Land situated at

Vill Dichaun Kalan, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi in January 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the ransfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Surender S/o Ram Narain through his Gen. Att. Sh. Ram Narain R/o Vill. Dabri, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Sita Bai W/o Sh. Shiv Dayal R/o E-336, Greater Kailash, Part-I, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/8th Share of Land mg. 75 Bighas 18 Biswas situated at Vill. Duchaun Kalan, Delhi.

NARENDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 28-8-82

FORM I.T.N.S .---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II,
G-13, GROUND FLOOR, I. P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 28th August 1982

Ret. No. IAC/Acq.II/SR.II/1-82/6713,—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have icason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agri. Land situated at

Vill. Dichaun Kalan, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Delhi in January 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Raj Karan S/o Ram Narain, through Att. Sh. Ram Narain R/o Vill. Dabri, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Shiv Dayal S/o Sh. Atma Ram R/o E-336, Greater Kailash, Part-I, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/8th Share of land mg. 75 Bighas 18 Biswas, situated at Vill. Dichaun Kalan, Delhi,

NARENDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 28-8-82

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 28th August 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR.II/1-82/6656.—Whereas, I, NARENDER SINGH

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe

as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri, land situated at Vill. Bakhtawarpur, Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at

1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Jan. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been uruly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, respect of any income arising from the transfer; and /ot
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :--

 The Rural Co-Op. Indl. Estate Ltd. Bakhtawaipur, Delhi through its president Sh. Kuldin Raj.

(Transferor)

(2) Smt. Shashi Gupta W/o Sh. Vinod Kumar and Smt. Sita Singhal W/o Sh. Parma Nand both R/o C-105, Ashok Vihar, Phase-I, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 6 Bighas 121 Biswas, of Vill. Bakhtawar pur, Delhi.

> NARENDAR SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 28-8-82

: 1448

FORM I.T.N.S

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 28th August 1982

Ref. No. JAC/Acq II/SR. II/1-82/6655.—Whereas I NARENDER SINGH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. land situated at Vill. Bakhtawar Pur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

Delhi on Jan. 82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said

instrument of transfer with the object of :-

1908) in the Office of the Registering Officer at

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the ransfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) The Rural Co-Op. Indl. Estate,
Ltd. Bakhtawar pur Delhi through its president sh.
Kuldip Raj.
(Transferor)

(2) Shri Laxmi Narain S/o Sh. Rati Ram Aggarwal R/o j-138, Ashok Vihar, Phase-I, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 9 Bighas 124 Biswas, of Vill. Bakhtawar Pur. Delhi.

NARENDER SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 28-8-82

FORM I.T.N.S.-

- (1) The Rural Co-Op. Indl. Estate, Ltd. Bakhtawar pur. Delhi through its president Sa. Kuldip Raj.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shii Shani Lal S/o Sh. Laxmi Narain, R/o J-138, Ashok Vihar, Phase-I, Delhi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 28th August 1982

No. IAC/Acq II/SR. II/1-82/6654.--Whereas NARENDER SINGH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri land situated at

Vill. Bakhtawar Pur, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on Jan. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the portion has not been taken to the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the ransfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land measuring 9 Bighas 121 Biswas of Vill. Bakhtawar pur Delhi.

> NARENDER SINGH, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 28-8-82

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D-(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NFW DELIHI

New Delhi, the 28th August 1982

Ref. No. IAC/Acq,II/SR-II/1-82/6657.—Whereas, I, NARENDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. Agri. Land situated at Vill.

Bakhtawarpur, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Officer at Delhi on Jan. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) The Rural Co-op. Indl. Estate, Ltd.
Bakhtawarpur, Delhi through its president
Sh. Kuldip Raj

(Transferor)

(2) Sh. Anil Kumar & Sudhir Kumar Ss/o Sh. Shoan Lal Both R/o 21-BD, Fstate, Delhi.

('Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned --

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 6 Bighas 161 Biswas of Vill. Bakhtawarpur, Delhi.

NARENDER SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 28-8-82

FORM I.T.N.S.—

(1) Sh. Surinder Kumar S/o Sh. Bihari Lal, R/o 21/24, West Patel Nagar, Delhi

(Transferor)

NOTICL UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Sh. Chuguddin Qureshi S/o Sh. H. Islamuddin R/o Quresh Nagar, Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGI-II, NEW DELLIII

New Delhi, the 28th August 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR.II/1-82/6731.--Whereas, J. NARENDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs 25,000/- and

bearing No. Agri, Land situated at

Vill. Ghewra, Delhi

tand more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Delhi on Jan. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
27-276GI/82

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

l and measuring 3 Bighas [3 Biswas situated at Vill Ghewra. Delhi

NARENDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II Delhi New Delhi

Date : 28-8-83

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 28th August 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR.II/1-82/6733.—Whereas, I, NARENDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinofter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. Agri, Lund situated at

Vill, Ghewra, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Officer at Delhi on Jan. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Sh. Surender Kumar S/o Sh. Bihari R/o 21/24, West Patel Nagar, Delhi, (Transfero

(2) Sh. Sat Kam Chadda S/o Sh. Kishan Chand R/o 65/61 New Rohtak Road, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given. in the Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 3 Bighas 4 Biswas Sit. at Vill. Ghewra, Delhi.

NARENDER SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 28-8-82

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 28th August 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/\$R.II/1-82/6603.—Whereas, I. NARENDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. Agri. Land situated at

Vill. Tikri Kalan, Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Delhi in Jan. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely : --

Sh. Jai Rattan S/o Sh. Sheo Ram R/o Vill. Tikri Kalan, Delhi.

(Fransferor)

(2) Sh. Radhey Lal, Prehlad Saran S/o Sh. Bhagwat Saran R/o Pilakhwa. Gaziabad. Sukhdev Kishan S/o Puran Chand 1939/148 Tri Nagar, Jasbir Singh S/o Sukhminder Singh S/o Sh. Ajmer Singh A-536 Shakti Nagar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 4 Bighas 12 Biswas situated at Vill. Tikri Kalan, Delhi.

> NARENDER SINGH. Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II. Delhi/New Delhi

Date: 28-8-82

Senl:

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 28th August 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/I-82/6634.---Whereas, 1, NARENDER SINGH,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and

bearing No. Agri, Land situated at Vill. Raghopur, Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at New Delhi in Jan. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Raghav Parms; Raghopur, Vill. Mehrauli, Delhi.

(Transferor)

(Transferor)

(2) Smt. Sona Devi W/o Pt. Ram Kishan Gaur, 609, Waid No. 3, Mehrauli, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri-Land in VIII. Raghopur, Delhi, Killa Nos. 22/18(4-16) 22/22 (4-16), 22/23 (4-16) total 14 Bighas 8 Biswas.

NARENDER SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date 28.8-82

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II,

NEW DELHI

New Delhi, the 28th August 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR.II/1-82/6633.—Whereas, I, NARENDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and

bearing No. Agri. Land situated at

Vill. Raghopur, Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Delhi on Jan. 82

for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the apparent consideration therefor to more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of uansfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transfer to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Raghav Farms: Raghopur, Teh. Mehrauli Delhi.

(Transferor)

(2) Pt. Ram Kishan Gaui S/o Pt. Janki Pershad, R/o 609, Ward No. 3 Mehrauli, Delhi.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ago. Land in Vill. Raghopur, Killa Nos. 22/19(4-16) 22/20 (2-7) 22/21 (4-7), 31/1 (3-18), total 15 Bigha 8 Biswas.

NARENDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 28-8-82

(Transferor)

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Sumitra Gupta W/o Sh. Om Parakash Gupta R/o No. B-482, Majlis Park, Delhi-33

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(1) Sh. Surinder Kumar S/o Sh. Panna Lat R/o No. K-2/1, Model Town, New Delhi-9.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II G-13, GROUND FLOOR C.R. BUILDING, I.P. ESTATE **NEW DELHI**

New Delhi, the 28th August 1982

Ref. No. IAC/ Δ cq.II/SR.II/1-82/8787.—Whereas, 1, NAR1 NDFR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and

bearing No. Plot No. 177 situated at

Vill. Azadpur, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on Jan. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeraid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afcresnid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from

the service of notice on the respective persons, which-

ever period expires later:

may be made in writing to the undersigned :-

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House on Plot No. 177, measuring 150 Sq. Yds. out of Kh. No. 13 situated in the area of Vill, Azadpur, in the abadi of Knwal Park, Delhi-33.

> NARENDER SINGH, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 28-8-82

FORM I.T.N.S .--

(1) Raghav Farms Raghopur, Mehrauli, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shii Jagdish Chander, Sh. Jai Parkash S/o Pt. Ram Kishan Gaur, R/o 609, Ward No. 3, Mehrauli, Delhi. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGI-II

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATF, NEW DELHI

New Deli, the 28th August 1982

Ref. No. IAC/Acq.-II/SR-II/1-82/6635.—Whereas, J. NARENDER SNIGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter

referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agri. Land situated at Vill. Raghopur, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 cf 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on January 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, in the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri Land in Vill. Raghopur, Killa No. 31/2 (5-19) 31/3 (7--2), total 13 Bighas I Biswa.

NARENDER SINGII
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date : 28-8-1982

FORM I.T.N.S .--

(1) Shri Sant Lal S/o Late Sh. Chhotu Ram R/o Vill. Baprola Delhi. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II,

G 13 GROUND 14 OOR CR BUILDING, LP. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 28th August 1982

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/1-82/6667.—Whereas, I. NARENDER SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. Agri Land situated at Vill. Baprola, Delhi

No. Agri Land situated at Vill. Baprola, Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on January, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforeshid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

(2) Shi D. N. Anand S/o Malik Chand, Anand R/o A-12, Naraina Vihar Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Land measuring 9 Bigbu 13 Biswas sit at Vill. Baptola Delhi State.

NARENDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date: 28-8-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 28th August 1982

Ref. No. 1AC/Acq-II/SR-II/1-82/8767.—Whereas, I, NARENDER SINGH,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. I-129, Kriti Nagar, situated at Kriti Nagar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on January 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Subhash Chander Bawaja S/o Sh. Hukam Chand Bawaja (2) Smt. Indra Bawaja W/o Sh. R. C. Bawaja both R/o I-129, Kriti Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(?) Shri Sham Lal Vij S/o Sh. Ladhe Ram R/o 135-A, Gurmandi Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

24 storeyed building built on free hold plot of land, bearing plot No. I-129, Kriti Nagar, New Delhi Mg. 200 sq. yds.

NARENDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date: 28-8-1982

Seal:

28 -276 GI/82

FORM ITNS -- -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOMF TAX. ACQUISITION RANGE-II

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, J. P. ESTATE, NEW DEI HI

New Delhi, the 28th August 1982

Ref. No. IAC Acq-II/SR-II/1-82|6717.--Whereas, I, NARENDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing No.

Plots No. C-139 & C-140 situated at Vill Jawala Hari, New Multan Nagar, Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on January 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds, the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) tacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:

(1) Smt. Manju Gupta, D/o Sh Om Parkash Gupta " 'o Sh Tagdish Kumar Gupta " o House " o 1 Fond the 2" Pumahi Bash New Oelhi.

(Transferer)

(2) Shi Gopi Nath 870 Sh. Chaman Lal and (2) Sh. Harish Kumar 8 o Sh. Chaman Lal (Real Brother) hoth 170 House No. H-120A. Shivaji Park. New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

FXPI ANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. C-139 and C-140 admensuring 373 1/3 sq xds, situated in approved Residential Colony know as New Multan Nagar, Rohtak Road, Delhi,

NARENDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date · 28-8-1982 Seal ·

FORM I.T.N.S .---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSET. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE G 13 GROUND FLOOR CR BUILDING, LP. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 28th August 1982

Rct. No IAC/Acq-II/SR-JI/1-82/6609 —Whereas, I, N/ARI NDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25 000/- and bearing No Plot No F-51, situated at Vill Jawala Han, New Multan Nagar, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registration Officer at Delbi on January 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the transfer of the value of the northern transfer. to believe that the test market value of the property alwested exceeds the apparent consideration therefor be more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of test.

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Vi. I hereby mutate proceedings for the acquisition of the acquisition following persons, namely :- -

- (1) Shii Parkash Lal Shikarpuii, soo Late Sh. Megh Raj 1/o Barrack No 4. C 2, Outram Lines, Kingsway Camp, Delhi. (Transferor)
- (2) Shii Gopal Krishan s/o Sh. Shanti Swaroop 1/0 C-9, Shivji Park, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property. within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.
- I pu les l'Acid of a exploision ased herein as tre defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter

THE SCHEDULL

Plot No 4-51, measuring 206-2/3 sq. yds. out of Kh. No 4/18, situated in the area of Vill. Jawala Harr, in the abadi of New Multan Nagar, Delhi.

> NARENDER SINGH Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Date : 28-8-1982

Scal:

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 28th August 1982

Rci. No. IAC/Acq-II/SR-II/1-82/8793.—Whereas, 1, NARENDER SINGH,

NARENDER SINGH, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) Thereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. F/63 situated at Rajouri Garden, Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred under the Registering Office, at 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office, at

has been transferred under the Registering Officer at 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on January 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesting the fair market value of the property as aforesting the fair that the fair market value of the property as aforesting the fair that the fair market value of the property as aforesting the fair that the fair market value of the property as aforesting the fair that the fair market value of the property as aforesting the fair that the fair market value of the property as aforesting the fair that the fair market value of the property as aforesting the fair that the fair market value of the property as aforesting the fair that the fair market value of the property as aforesting the fair that the fair market value of the property as aforesting the fair that the fair market value of the property as aforesting the fair that the fair market value of the property as aforesting the fair that the fair market value of the property as aforesting the fair that the fair market value of the property as aforesting the fair that the fair market value of the property as aforesting the fair that the f filteen per cent of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or avasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said act, in
 respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any moome of any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:— Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

(1) Shii Pritam Singh S/o Sh. Tailok Singh $R_{/O}$ 1-71, Rajouri Garden, New Delhi, through his Attorney Sh. Tulsi Ram.

(Transferor)

(2) Shii Ved Parkash Datt S/o Sh. Dina Nath Datt, R/o S-311, Greater Kailash No. 1, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from he date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

House and Plot No. F/63, mg, 261.3 sq. yds. situated at Rajouri Garden, area of Vill. Bassai Darapur Delhi State Delhi.

> NARENDER SINGII Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
> Acquisition Range-II
> Delhi/New Delhi

Date · 28-8-1982

FORM LT.N.S. ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSITE COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delto, the 28th August 1982

Rct. No. 1AC/Acq-II/SR-II/1-82/6688.--Whereas, 1, NARENDER SINGH,

NARENDER SINGH, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri 1 and situated at Vill. Ghevra, Delhi tand more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on January 1982

Delhi on January 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market alue of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) (1) Sh. Ishwar Singh

(1) Sh. Suraj Bhan
(2) Sh. Suraj Bhan
(3) Sh. Hans Raj Ss/o Sh. Hoshiar Singh,
(4) Smt. Suraj Kaur and
(5) Smt. Raj Bala D/o Sh. Hoshiai Singh R/o Vill. Ghevia, Delhi.

(Transferor)

(2) (1) Sh. Madan Lal S/o Sh. Jiwan Dass R/o 22/2, Rattan Nagar, K. Bagh, New Delhi
(2) Sh. Om Parkash S/o P C. Jain and
(3) Sh. Har Gobind Jaggi S/o Sh. Moti Ram

Jaggi,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expites later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Farmation: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Agri-Land measuring 3 Bigha 14 Biswas, bearing Kh. No. 80/5/2 situated in Vill. Ghevra, Delhi.

NARENDER SINGH Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :--

Date: 28-8-1982

FORM ITNS----

R/o Vill. Baprola. Delhi.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 28th August 1982

Ref. No IAÇ/Acq-II/SR-II/1-82/6666.—Whereas, I, NARENDER SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No

Agu-Land situated at Vill Baprola, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Delhi on January 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(1) Shii Sant Lal S/o Chhotu Ram,

(2) Shri Rajeev Anand S/o D N. Anand, R/o A-12, Naraina Vihar, New Delhi.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 9 Bigha 12 Biswas situated at VIII. Baprolu, Delhi.

NARENDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date: 28 8-1982

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT COMMISSIONER
OF INCOMETAX,
ACQUISITION RANGE-II

NEW DELHI.
New Delhi the 28th August 1982

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/1-82 6679.—Whereas, I. NARENDER SINGH,

being the Competent Authority ander Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 196) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agust and situated at Vill Ghewra, Delhi,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi on January 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating of concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely

(1) Shri Om Parkash Rana S/o Sh. Badam Singh, R/o 6030 Block No 2 Gali No. 48. Dev Nagar, Delhi.

(Transferee)

(2) Shri Shyam Lal Szo Sohan Lal Rzo 8772 Roshnara Road, Delhi.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 5 Bigha 1 Biswas sit. at Vill. Ghewra, Delhi

NARFNDER SINGII
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date: 28-8-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi the 28th August 1982

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/I-82/6716.--Whereas, I, NARFNDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agri-land situated at Vill. Dichaun Kalan, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on January 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the gonsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument o

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and|or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ram Narain S/o Butti R/o Vill. Dabri, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Veena Sehgal W/o Sh. Ramesh Sehgal R/o 275, D. S. New Rajinder Nagar, Delhi. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of his notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/8th Share of land, measuring 75 Bighas 18 Biswas, situated in Vill. Dichaun Kalan, Delhi.

NARENDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-fl.
Delhi/New Delhi

Date: 28-8-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE. NEW DELHI

New De'hi, the 28th August 1982

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/1-82/6696.—Whereas, I, NARENDAR SINGH.

being the Competent Authority under Section 2691; of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agri-Land situated at Vill. Nangli Sakrawati, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on January 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—29—276 GI/82

 Shri Jagan Nath, S/o Sh. Sadhu Ram R/o WZ 423 Shiv Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Gordhan Singh S/o Sh. Chandgi Ram R/o Vill. Hilambi Khurd, Delhi, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/5 Share of land, Mg. 20 bighas 14 biswas, Kh. No. 27/7/2, 14, 17, 25/2, 27, 29/4 situated in Vill. Nangli Sakrawati, Delhi.

NARENDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date: 28-8-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 28th August 1982

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/1-82/8765.—Whereas, I, NARENDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Property No. 6324. Plot No. 13, Block A, situated at Kamla Nagar, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on January 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 296C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri L. Jagan Nath S/o Sh. R. B. L. Ram Roop R/o 74, Todar Mal Road, Delhi. (Transferor)
- (2) Smt. Moti Lal Kunti Devi HUF, through its Karta, Moti Lal Goyal S/o Sh. Khichu Mal R/o 79, Prem Nagar, Delhi.

 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this medion in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Northern half portion of Property No. 6324, Plot No. 13 in Block 9, Kamla Nagar, Delhi.

NARENDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date: 28-8-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 28th August 1982

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/1-82/8828.—Whereas, I, NARENDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. 1 Block A, situated at Swaran Singh Road, Adrash Nagar, Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on January 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Arjan Dev Sethi S/o L. Mohan Lal Sethi R/o 205/R, Sonepat, (Model Town), Distt. Rohtak Haryana.

(Transferor)

(2) Shri Rattan Lal Gupta S/o Sh. Tika Ram Gupta R/o B4a/10, Rana Partap Bagh, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons, interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given to that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot No. 1 Block A, on Swaran Singh Road, Adrash Nagar, Delhi, area of Vill. Barola out of Kh. No. 35, 36, 38, as 262/258/217/4 & 263/258/217/4 measuring 213 sq. vds.

NARENDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 28-8-1982

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 28th August 1982

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/1-82/6521,—Whereas J. NARENDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 169B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. House No. B-10 situated at Inderpuri Colony, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on January 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Inome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Smt. Vidya Wati D/o late Sh. Bhagat, W/o Sh. Daya Krishan Khosla R/o 47/25, East Patel Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Dr. Mohan Chandra Joshi S/o Sh. P. N. Joshi C/o Yogeshwar Dayal Mishra, Khatriwara, Dist. Bulandshahar, U.P. & (2) Smt. Yog Maya Joshi, R/o as above.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the sa d immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Single Storeyed Inderpuri Colony, area of Vill. Narsima Delhi.

NARENDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date: 28-8-1982

(1) Shri Lakhi S/o Sh. Teka Vill. Ghewra Delhi State, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shii Hati Ram S/o Sh. Jagan Nath R/o C-69, Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-11

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW IDELHI

New Delhi, the 28th August 1982

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/1-82/6698.—Whereas, J, NARENDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 2691; of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reformed to as the said Act) have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agri. Land situated at Vill. Ghewra, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on January 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe hat the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduct on or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concerlment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purpose, of the Indian Inco ne-tax Act, 1922 (11 of 1922) or it e said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the requisition of the aforesake property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Ac, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesa'd persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Measuring 8 Bighas 5 Biswas, vide situated in the area of Vill. Ghewra, Delhi.

NARENDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

ite: 28-8-1982

- (1) Shri Kesar Dass rlo Q|46, West Patel Nagar, New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Sadar Singh Gulati ro Q | 46, West Patel Nagar,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME "AX,

ACQUISITION RANGE II, G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 28th August 1982

Ref. No. IAC|Acq. II|SR.II|1-82|8770.—Whereas, NARENDER SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinsfter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. Qrs. No. Q 46 situated at West Patel Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Delhi on January 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facil tating the conceniment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

New Delhi.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXFLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One Govt. Built Qrs. No. Q|46, West Patel Nagar, New Delhi.

> NARENDER SINGH. Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range II, Delhi New Delhi

Date: 28-8-1982

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF ENDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX.

G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 28th August 1982

Ref. No. IAC|ACq. II|SR.II|1-82|8820.—Whereas, I, NARENDER SINGH

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 14, Block B, situated at Shankracharya Road, Adarsh Nagar, Delhi-33

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on January 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Basant Kumar Chawla, s/o Shri Chawla, C-73A Majlis Park, Delhi, (Transferor)
- (2) Shri Bhagwan Singh slo S. Santokh Singh, A-13, Panchwati Colony, Delhi-33.

 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 14, Block 'B' on Shankracharya Road, Adrash Nagar, Delhi. Area 253 sq. yds. with bounded walls.

NARENDER SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range II,
Delhi|New Delhi

Date: 28-8-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANCE II, G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 28th August 1982

Ref. No. IAC|Acq.II|SR-II|1-82|6628.—Whereas, I. NARENDER SINGH

being the Competent Authority under Section 2693 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Sarasput, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Delhi on January 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;—

- (1) Shri Shyam Lal s|o Mathura Pershad, r|o B-175, Shastri Nagar, Delhi-52 and Gordhan Dass Sharma s|o Baru Singh R|o A-465, Shastri Nagar, Delhi. (Transferor)
- (2) Shii Vijay Kumar Puri s|o Late Shri Bal Kishan Puri i|o F-8, Ashok Vihar Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 2 Bigha Vill. Saraspur, Delhi.

NARENDER SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II,
Delhi|New Delhi

Date: 28-8-1982

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE

G-13, GROUND FLOOR OR BUILDING, LP. ESTATF, NEW DELHI

New Delhi, the 28th August 1982

Ref. No. IAC|Acq-II|SR-II|1-82|6584.—Whereas I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason

to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Agri, land situated at Vill, Burari, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on January 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- nb) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
30.—276 GI/82

 Shri Pawan Kumar Gupta s|o Tilak Ram r|o 156|11, Gujianwala Town, Delhi.

(Transferor)

(2) Shii Govind Kumar slo Om Parkash rlo E-30, Kamla Nagar, Delhi. (Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri, land Mg. 19½ Biswas Kh. No. 846 Vill. Burari, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II.
Delhi|New Delhi

Date: 28-8-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE. NEW DELHI.

New Delhi, the 28th August 1982

Ref No. 1AC/Acq. II/SR-II/1-82/6583.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri land, situated at Vill. Burari, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jan. 1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the non-viv as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursufance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Shri Pawan Kumar Gupta s/o Tilak Ram r/o 156/11, Gujaranwala Town, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Charanjit Kaur w/o Pritam Singh r/o C-2/109-C MIG Flats Lawrance Road, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri, land Mg. 19½ Biswas Kh. No. 546 Vill. Burari, Delhi

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 28-8-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 28th August 1982

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/1-82/6523.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,0007- and bearing No.

Agri, land, situated at Vill, Burari, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Dethi in Ian 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as ageed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1857);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Wilson Massey s/o S. Massey, r/o 222 Vill. Dhaka, Delhi,

(Transferor)

(2) Shii Vijay Kumar Maggon s/o Lal Chand Maggon, r/o 8769 Gali Rohat Ganj Roshan Ara Road, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri, land Mg. 1 Bigha 1 Biswa Kh. 479, Vill. Burari, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 28-8-82

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 28th August 1982

Ref. No. IAC/Acq.-II/SR-II/1-82/6712.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatfer referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri, land situated at Vill. Nangli Sakrawati, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in Jan. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any mone or other assets which have not been or which eight to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Ishwar Singh Sharma s/o Chhatar Singh, r/o RZ-22, Naya Bazar, Najafgarh, New Delhi.
- (Transferor)
 (2) Smt. Maya Devi w/o Mukand Lal Katyal,
 r/o WZ-31 Uggar Sain Market, Ashok Nagar,
 New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land. Mg. 1 Bigha, 5 Biswas Mustatil No. 32, Killa No. 21/2 Vill. Nangli Sakarawati, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 28-8-82

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 28th August 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/1-82/6527.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 /- and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Siraspur, Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jan. 1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent

consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Ramanand and Roop Chand Ss/o Shri Budha, r/o Vill Siraspur, Delhi

(Transferor)

 Shri Laxmi Narain Sharma s/o Ramji Lal, r/o A-229, Shashtri Nagar, Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land. Mg. 4 Bigha 16 Biswas, Kh. No. 38 Vill. Siraspur, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 28-8-82

FORM I.T.N.S.—

(1) Shri Rama Nand S/o Dhiraj r/o VPO Hastsal, Delhi,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMU-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Surinder Pal s/o Barkat Ram, r/o VPO Aiya Pui, Distt, Hoshiaipur, Puniab.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 28th August 1982

Rcf. No. IAC/Acq.-JI/SR-I/1-82/6571.—Whereas, I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Agri, land situated at Vill. Hastsal, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in Jan, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPINATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land. Mg. 7 Bighas 7 Biswas Vill. Hastsal, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this noitce under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 28-8-82

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

ACUQISITION RANGE-II, G-13 GROUND FI OOR CR BUILDING, I P. ESTATE, NEW DFI HI

New Delhi, the 28th August 1982

Rcf. No. IAC/Acq-11 SR-I1/1-82/6721 —Whereas, I. NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'snid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land. situated at Vill. Hastsal, Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Ian 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the ratties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been cr which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Azt, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Yad Ram s/o Budh Ram 1/0 Vill. Hastsal, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Sardul Singh 5/0 Sujan Singh, r/0 WZ-26, Tihar Vill. New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 4 Bighas 16 Biswas Vill. Hastsal, Delhi.

NARINDAR SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi,

Date: 28-8-82

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE,

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 28th August 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-J/1-82/8811.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No

Plot No. 8, Rd. No. 81 situated at Punjabi Bagh, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in Ian. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and than the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shii Sukh Dev Merha S/o Jagan Nath Mehra, R/o 8/81 Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Shashi Bhushan Nangia & Vandana R/o 8/81 Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House on plot No. 8 in Punjabi Bagh area of Vill. Bassai Darapur, Delhi Mg. 268.52 sq. yds.

NARENDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
New/New Delhi.

Date: 28-8-1982

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. FSTATE, NFW DELHI.

New Delhi, the 28th August 1982

Ref. No. IAC/Acq II/SR-II/1-82/6692,—Whereas, I, NARINDAR STNGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No.

Agri, Jand situated at Vill. Burari, Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Jan. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
31—276 GI/82

- (1) Shir Baltaj Singh and others S/o Shiv Pershad r o Vill. Haidar Pur, Delhi.
 - (Transferor)
- (2) Shri Ishwar Chand Gupta s/o Kali Ram, 1/o D-3/8, Model Town, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land Mg, Bigha & 4 Biswas (1200 sq. yds) Kh. No. 19/26 Vill. Burari, Delhi.

NARINDAR SI

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi.

Date: 28-8-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(t) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE

G-13. GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 28th August 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/1-82/6579.—Whereas, 1, NARINDAR SINGH.

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property

having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. land situated at Vill. Dichaun Kalan, Delhi, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi

for an apparent consideration

on Jan, 1982

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereby by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tay let 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) Shri Jug Lal & Paj Kishan Ss/o Rati Ram vill Dichaen Kalan Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Sathir Singh, Surinder Singh Ss o Rati Ram, Rajbir Singh S/o Gugan Ram, Vill. Dichan Kalan, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri, land Mg. 11 Bighas 16 Biswas Vill. Dichaun Kalan, Delhi.

NARINDAR SING!

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range II

Delhi/New Delhi.

Date: 28-8-1982

PART III--SEC. 11

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-J G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th September 1982

Ref. No. IAC/Acq,1/SR-IV/1-82/526.—Whereas, I, S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. K-79, situated at Krishan Nagar, Delhi-51.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at Delhi in January, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (b) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Surjit Singh alias Ajit Singh S/0 Sh. Joginder Singh r/0 K-79, Krishan Nagfiar, Delhi-51. (Transferor)
- (2) Smt. Ramesh Rani Khanna W/o Sh. Narinder Kumar r/o K-79A, Krishan Nagar, Delhi-51, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. K-79, situated at Krishan Nagar in the area of village Ghondli, Shahdara, Delhi-51 area 248 sq. yds.

S. R. GUPLA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I. Delhi/New Delhi

Date: 4-9-1982

FORM I.T.N.S,----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE. NEW DELHI

New Delhi, the 6th September 1982

Rcf. No. IAC/Acq.I/SR-IV'1-82/539.—Whereas, I. S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Piece of land situated at Village Karawal Nagar, Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in January, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Prithvi Raj Bhutani S/o Sh. Govind Ram r/o 8574/3, Basti Arakashan, Paharganj, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Sh. Naresh Chandra S/o Sh. Chhotey Lal, Vill. Sayana, Distt. Buland Shahr (U.P.).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Piece of land area 10 bighas 17 B. Rect. No. 38, Killa 18 & 22, Rect. No. 48, Killa 12/1, Rect. No.39, Killa No. 17/2, Vill. Karawal Nagar, Delhi.

S. R. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I.
Delhi/New Delhi.

Date: 6-9-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I G I3 GROUND FLOOR, CR BUILDING IP FSTATE NFW DELHI

New Delhi, the 6th September 1982

Ref. No. IAC/Acq I SR III/I 82/1686 —Whereas I S. R. GUPTA

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (here mafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25 000/ and bearing

MCD No 2826, Gali No 18, 19 Plot No 89, Block No P situated at Beadonpura, Karol Bigh New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in Linuary 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than inficen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the lattice has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said wit. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.—

(1) Sh. Mahendia Kumai and Raj Kumai both Ss/o Shii Devki Nandan both 1/o 392. Naya Bans Delbi

(Transferor)

(2) I Sh Kiny d Kiishan S o lite Sh Sada Nand 2 Patycen Kumar S/o Sh Haji Krishan both 1/o 17/5, West Patel Nagar New Delhi 3 Harchand Singh S/o Sh Chanan Singh Sml Balwant Kaui W/o S Harchand Singh both r o H 53 A Rajouri Gaiden New Delhi (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the some meaning as given up that Chapter

THE SCHEDULE

Pucca built double storey house, bearing MCD No 2826, Cali No 18 19 Khasra No /Plot No 89, Block No P situated at Bendonpura Karol Bugh New Delhi measuring 161 sq. yds

S R GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Ringe I
Delhi/New Delhi

Date 6-9-1982 Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1

G-13, GROUND I-LOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE,

NEW DELHI

New Delhi, the 6th September 1982

Rct. No. 1AC/Acq.1/SR-III/1-82/1720.-Whereas, 1, S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

N-32, situated at Kalkan, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908 in the office of the Registering Officer at New Delhi on January, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely :--

- (1) 5mt. Shankar Devi W/o late Sh. Din Dayal Singh & Smt. Anita Devi w/o Sh. Gulshan Kumar d/o late Sh. Din Dayal Singh both r/o 20, Duggal Colony, Khanpur Deoh Road, Vill. Khanpur, N.D. through their attorney Behari Lal Sachdeva S/o Sh Atura Mal, r/o 8/20, Kalkaji Extn., N. Delhi,

Sh. Ganga Shatan S/o Sh. Faqir Chand & Sh. Sunil Kansal S/o Sh. Ganga Shatan, both r/o N-32, Kalkaji, New Delhi.

(Transferce)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chanter.

THE SCHEDULE

Property No. N-32, measuring 200 sq. yds. situated at Kalkaji, New Delhi.

> S. R. GUPTA. Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-1 **Delhi**/New Delhi

Date : 6-9-1982

Seal ·

FORM LTNS -----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sh. Kowal Ram, Smf Sheela Devi r/o VVI/1646, Gali No. 33, Naiwala Karol Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) S. Nirmal Singh r/o 26,26. Old Rajinder Nagar, New Delhi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I

G-13. GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 4th September 1982

Ref. Uo 1AC /Acq.1 'SR-III, 1-82/1651,---Whereas, I, S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'saut Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. XVI/1646, Block No. F, situated at 33-Naiwala,

Karol Bagh, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

New Delhi in January, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 39 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Municipal No. XVI/1646, Block No. F, Kh. No. 951, 33 Nai Wala, Karol Bagh, New Delhi,

S. R. GUPTA, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-L. Delhi/New Delhi.

Date: 6-9-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Jagmohan Nath Saigal s/o Sh. Badri Nath Saigal, R/o A-14A, Green Park, New Delhi

(2) M/s. South Delhi Builders (P) ftd. 23/2, Yusuf Sutai, New Delhi

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, 1. P. ESTATE, NEW DELHI New Delhi, the 4th September 1982

Ref. No. JAC/Acq.-I/SR-JII/1-82/1682.—Whereas J, S. R. GUPTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25 000 / and bearing

note as the said Act'), have reason to believe that the finishable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 / and bearing No. A-14A, situated at Green Park, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in Jan. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said insrument of transfer with the object of—

(a) Jacilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPLANATION. - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHFDUIF

11% share in total built up property No. A-14A, Green Park, New Delhi.

S. R. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Dated : 4-9-1982

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMF TAX,

ACQUISITION RANGE-I,

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING,

I. P. ESTATE, NFW DELHI

New Delhi, the 6th September 1982

Ref. No. IAC/Acq.-I/SR-III/1-82/1685.—Whereas, I, S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said' Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

and bearing No. Plot No. J-544, Khasra No. 544 situated at Naiwala Karol Bagh, New Delhi.

cand more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at New Delhi in Jan. 1982

for an apparent consideraion which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:——32—276 GI/82

(1) Smt. Surjit Kaur w/o Shri Amrik Singh Budhiraja, R/o E-45, Bali Nagar, New Delhi, through her attorney Shri Brij Lal Bhatia s/o Sh. Kaka Ram Bhatin R o 47/19, Old Rajinder Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Moti Lal Bhatia s/o Sh. Kaka Ram Bhatia, R/o 37/14, Old Rajinder Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHFDULE

Property bearing House No. 62/2186-87 and 2193 to 96 Gali No. 63 and 62, Naiwala Karol Bagh, New Delhi with lease-hold rights of the land mg. 222 sq. yds. bearing Plot No. J-544 of Khasra No. 544 under the said house.

S. R. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 6-9-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Ved Parkash Dutt s/o Late Sh. Dina Nath Dutt R/o F-101, Rajouri Garden, New Delhi. (Transferor)

(2) Smt. Kusam Karnani w/o Sh. Jagdish Rai Karnani, R/o 11/22, Old Rajinder Nagar, New Delhi. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-I,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING,
I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 4th September 1982

Re. No. IAC/Acq.-I/SR-III/1-82/1690.—Whereas, I. S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. S-311, situated at Greater Kailash-I, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on Jan. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair marker value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 aud/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Single storey House No. S-311, Greater Keilash-I, New Delhi-48,

S. R. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Dated: 4-9-1982

FORM I.T.N.S.-

(1) Shri Shori Lall Kapoor. R/o 30-Jawahar Lal Nehru Road, Calcutta-16. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Rita Madan, C-51, Anand Niketan, New Delhi-

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

> (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the

New Delhi, the 4th September 1982

publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/1-82, 1785.—Whereas, S. R. GUPTA, being the Competent Authority under section 269B of the

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. D-83, situated at Anand Niketan, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in Jan. 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and or
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property No. D-83, Anand Niketan, New Delhi-110021.

S. R. GUPTA Competent_Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 4-9-1982

Scal .

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGF-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DFLHI

New Delhi, the 4th September 1982

Ref. No. IAC/ Λ cq.-I/SR- Π I/1-82/1804.—Whereas, I, S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. L/16, situated at Kailash Colony, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at in Jan. 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Agya Devi w/o Sh. Narotam Dass Chadha
 (2) Sh. Harish Kumar Chadha s/o Sh. Narotam Dass Chadha,

R/o L-16, Kailash Colony, New Delhi. (Transferor)

(2) Mr. Tarun Mittal s/o Sh. V. B. Mittal, R/o E-18, Greater Kailash Enclave-II, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Single Storey House No. L/16, Kailash Colony, New Delhi-48 Area: 402.6/10 sq. yds.

S. R. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Date: 4-9-1982

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Ollice of the inspecting assistant commissioner of income-tax
Acquisition range-i,
G-13 Ground Floor CR Building.
J. P. Estale, New Delhi

New Delhi, the 6th September 1982

Ref. No. IAC/Acq-I, SR-III/1-82/1642.—Wherens, I, S. R. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act').

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and No. Agrl. land situated at Vill. Meethapur, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in Jan. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) The Capital Estate Linkers, B-22, Maharani Bagh, New Delhi through general attorney Sh. K. D. Bakshi s/o Shri L. D. Bakshi, R/o C-20, Vivek Vihar, Delhi-32.

(Transferor)

(2) Smt. Madhu Kamlesh Agarwal w/o Sh. Kamlesh Narain Agarwal r/o 18, Doctor Lane, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land area 4 bigha 16 biswas falling in Khasra No. 149 (3-0) 164 (1-16) situated at Village Meethapur, Teh. Meh., New Delhi.

S. R. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Dated: 6-9-1982

Scul:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I,

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th September 1982

Ref. No. JAC/Acq.-J/SR-III/1-82/1809.—Whereas, I, S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Agr. land situated at Village Kapashera, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in Jan 1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) (1) Braham Datt alias Bunka s/o Sh, Fatch Singh
 - (2) Smt. Misri Devi (3) Smt. Murti Devi both d/o Late Sh. Futeh Singh,
 - Sh. Badlu Ram s/o Sh. Nathu,

 - (4) Sh. Badiu Ram s/o Sn. Nainu,
 (5) Sh. Roshan Lal s/o Sh. Nathu,
 (6) Sh. Manohar s/o Sh. Budh Ram,
 (7) Sh. Mahender Singh s/o Shri Sunder Lal and
 (8) Smt. Gomati Devi w/o Sh. Sunder Lal self Hari Ram, Sh. Sat Narayan and as Natural Guardian on behalf of Daya Nand (all minors) R/o Vill. Kapashera, Teh. Meh., New Delhi.
 (Transferor)

(Transferor)

(2) Sh. R. K. Shrivastava (HUF) through, Karta Smt. Rekha Shrivastava R/o 3/21, Shanti Niketan, New

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land khasra Nos. 377/2(2-8), 378(4-16) and 379 (2-8) total area 9 bigha 12 biswas situated at Village Kapathara Tali Maria Nos. 377/2(2-8), 378(4-16) and 379 shera, Teh. Meh., New Delhi.

> S. R. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Duted: 6-9-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th September 1982

Ref. No. IAC/Acq.-I/SR-III/1-82/1672.---Whereas, I, S. R. GUPTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No.

Agr. land situated at Village Rajokri, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi, in January, 1982

for an apparent consideraion which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 19:1);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shii Radhey Shyam Gupta 5/0 Sh. Banwari Lal Gupta, r/0 A-1, C. C. Colony, Delhi-7.

(Transferor)

(2) Shri Rama Nand, Mukesh Kumar ss/o Shri Gamandi Lal, r/o 540/15, Basai Road, Gurgaon.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land mg. 4 bighas and 3 biswas khasra No. 1619 (3-7), 1620 (0-16), situated in village Rajokri, New Delhi.

S. R. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 6-9-1982

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I. P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 6th September 1982

Ref. No. JAC/Acq. I/SR-III/1-82/1673.—Whereas, I, S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agr. land situated at Villake Rajokri, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in January, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair marker value of the aforaseid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Radha Krishan Gupta s/o Shri Hukam Chand Gupta, r/o H-31, Kailash Colony, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Rama Nand and Mukesh Kumar ss/o Shri Gamandi Lal, r/o 540/15, Basai Road, Gurgaon.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land mg. 4 bighas khasra No. 1620 min, situated in village Rajokri, Tch. Meh., New Delhi.

S. R. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Date : 6-9-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING I P ESTATE New Delhi

New Delhi, the 31d September 1982

Ref No IAC/Acq I/SR III/1-82/1648 —Whereas, I S R GUPTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/and bearing No

Agri land situated at Village Chhattarpur, New Delhi, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jan 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reducation of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1952 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely — 33—276GI/82

(1) Mrs Maya Katoch
w/o Lt Gen K S Katoch
2 Lt Gen K S Katoch
s o Late Major Gen Janak Singh,
1/o Jimkhana Club,

(Transferor)

(2) M/s Seth Brothers 704, Rohit House, Tolstoy Maig, New Delhi 110001

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Agriculture farm land with a Banglow with in the limits of Delhi Municipal Corporation Delhi on Chattarpur Road New Delhi in revenue 1-state of Village Chattarpur in the Union Territory of Delhi Khasras No 1482 2 1483/2, 1488 1489 17 08 i.e. 3 625 acres

S. R GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date . 3-9-82 Seal :

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, G-13 Ground Floor CR Building, I.P. Estate, New Delhi.

New Delhi, the 3rd September 1982

Ref. No. . . IAC/Acq.-I/SR-III/1-82/1768.—Whereas, I. S. R. GUPTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing No.

Agri. land. situated at Village Chattarpur, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jan. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for each transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri R. D. Bhanot
 Sho Shri Fakii Chand Bhanot,
 r/o N-31, Green Park Fxtn.,
 New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri R. K. Jalan (HUF), B. K. Jalan (HUF), r/o 218, Lingi Chettey Street, Madras-1, and M. K. Jalan (HUF), r/o 89, Netaji Subhash Road, Calcutta.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share in agri, land, mg. 4 bighas and 16 biswas bearing khasia Nos 256/1(0-7), 256/(0-7), 256/13(4-2) with tube well, two rooms kitchen, its motor, in Farm, House, Villago Chhattarpur, Teh. Meh., New Delhi.

S. R. GUPTA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 3-9-82 Seal;

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I.

G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE, NFW DELHI

New Delhi, the 3rd September 1982

Ref. No. IAC/Acq.-I/SR-JII/1-82/1769.—Whereas, I, S. R. GUPTA

being the Competent Authority under Section 269(B) of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agr. land situated at Vill. Chattarpur, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at in Jan. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shri R. D. Bhanot
 s/o Sh. Fakir Chand Bhanot
 r/o N-31, Green Park Extension,
 New Delhi.

(Transferor)
(2) Shri R. K. Jalan (HUF), B. K. Jalan (HUF),
1/0 218, Lingi Chettey Street,
Madras
M. K. Jalan (HUF)
89, Netaji Subhash Road,
Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share in agr. land mg. 4 bighas and 16 biswas bearing khasra Nos. 256/1(0-7), 256/2(0-7), 256/3(4-2), with tube well, two rooms, kitchen, its motor, Farm House, in village Chhattarpur, Teh. Meh., New Delhi.

S. R. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 3-9-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-I,

G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd September 1982

IAC/Acq.-I/SR-III/1-82/1770.—Whereas, I, S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agr. land situated at Village Chattarpur, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at ın Jan. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Sanjeev Bhanot s/o R. D. Bhanot and Rajeev Bhanot, s/o R. D. Bhanot and Miss Shruti Bhanot, d/o R. D. Bhanot r/o N-31, Green Park, Extn., New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri R. K. Jalan (HUF), B. K. Jalan (HUF), r/o 218, Lingi Chettey Street, Madras-1. M. K. Jalan (HUF) r/o 89, Netaji Subhash Road, Calcutta.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undereigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chanter.

THE SCHEDULE

1/2 share in agr. land mg. 8 bighas and 16 biswas bearing khasra No. 251 (4-16), 250/3(3-4), 250/1(0-16), situated in Village Chattarpur, Teh. Meh., New Delhi.

S. R. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisiion Range-I, Delhi/New Delhi.

Date: 3-9-82 Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd September 1982

Ref. No. IAC/Acq.-1/SR-III/1-82/1771.—Whereas, I, S. R. GUPTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agr. land situated at Village Chhattarpur, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on January 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Sanjeev Bhanot s/o R. D. Bhanot and Rajeev Bhanot s/o R. D. Bhanot and Miss Shruti Bhanot d/o R. D. Bhanot, r/o N-31, Green Park Extn., New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri R. K. Jalan (HUF), B. K. Jalan (HUF), r/o 218, Lingi Chettey Street, Madras-1.
 M. K. Jalan (HUF)
 r/o 89, Netaji Subhash Road, Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share in agr. land mg. 8 bighas and 16 biswas bearmg Khasra Nos. 251 (4-16), 250/3 (3-4), 250/1 (0-16), situated in Village Chhattarpur, Teh. Meh., New Delhi.

S. R. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date: 3-9-82

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th September 1982

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/1-82/1637.—Whereas, I, S. R. GUPTA

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Agri, land situated at Vill. Gadaipur, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Jan. 1982

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri W. R. J. R. Associates, Cannaught Place, New Delhi, through its partner Sh. Anil Mehra.

(Transferor)

(2) Shii Ashok Soni s/o Sh. Chuni Lal Soni, r/o 33/28, East Patel Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land mg. 3 bighas and 5 biswas bearing khasra No. 290 min, with boundary wall Tube Well, at Vill. Gadaipur. Teh. Meh., N. D.

S. R. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date: 6-9-82

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, G-13. GROUND FLOOR, CR BUILDING, J. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th September 1982

Ref. No. IAC/Acq.-I/SR-III/1-82/1757,---Whereas, I. S. R. GUPTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Gadaipur, New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Jan. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (7/ of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Mrs. Om Wati Gupta, Mr. Atul Kumar Gupta,
 Daraya Ganj,
 Mt. Ram Kanwar, Mr. Lalit Kanwar,
 A-5-24, Krishan Nagar, Delhi.

(Transferor)

 M/s. Montari Laboratories (P) Ltd., 79-80, Nehru Place, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Khasra No. 288 and 289 Village Gadaipur, Teh. Meh., Delhi, Area 9 bighas and 1 biswas.

S. R. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date: 6-9-82

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th September 1982

Ref. No. IAC/Acq.-I/SR-III/1-82/1792.—Whereas. I. S. R. GUPTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Agri. land situated at Village Mehrauli, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer

at Delhi on Jan. 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Sukhdev Singh Gambhir s/o Gian Singh Gambhir, (r/o K-42, Connaught Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Suri Bricks Industries, Village Mchrauli, New Delhi. through its partner Rakesh Kumar Suri.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land mg. 12 bighas and 2 biswas M. No. 37, killa No. 3 (4-15), 5/1(2-8), 8/2(2-8), 9(1-2), 12(1-9), situated in village Mehrauli, Teh. Meh., New Delhi.

S. R. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date: 6-9-82

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th September 1982

Ref. No. . IAC/Acq.-I/SR-III/1-82/1802.—Whereas, I, S. R. GUPTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

and bearing No.
Agri. land situated at Village Mehrauli, New Delhi.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering officer

at Delhi on Jan. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—
34—276 GI/82

(1) Shri Jagdish, Lile, Prem Chand a/o Sohan r/o Vill, Ghitorni, Teh. Meh, New Delhi

(Transferor)

 Shri R. D. Gupta s/o Late L. Manohar Lal, r/o 159-A, Shahpur Jat, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land falling in 1/2 share of 33 bighas and 19 biswas bearing Mustatil No. 61, Killa Nos. 19/2(2-16), 20(4-16), 21(4-16), 22(4-16), Mustatil No. 62, Killa No. 16(4-16) 24(4-12), 25(4-16), Mustatil No. 63 Killa No. 4/1(0-17), 5/1(0-17), Mustatil No. 64, Killa No. 1/1(0-17), situated at Village Mehrauli, Teh. Meh., New Delhi.

S. R. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date: 6-9-82

Scal:

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,

G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th September 1982

Ref. No. IAC/Acq I/SR-III/1-82/1803.—Whereas, I, S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agr. land situated at Village Mehrauli, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on Ian., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than iffteen per cent of such apparent conusideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Jagdish, Lile, Prem Chand ss/o Sohan, 1/o Village Ghitorni, Teh. Meh., New Delhi. (Transferor)

(2) Shri R. D. Gupta s/o Late L. Manohar Lal, r/o 159-A, Shahpur Jat, N. Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land falling in 1/2 share of 33 bighas and 19 biswas bearing Mustatil No. 61, Killa Nos. 19/2(2-16), 20(4-16), 21(4-16) and 22(4-16), Mustatil No. 62, Killa No. 16(4-16), 24(4-6), 25(4-16) Mustatil No. 63, Killa No. 4/1(0-17), 5/1(0-17), Mustatil No. 64, Killa No. 1/1(0-17), situated at Village Mehrauli, Teb. Meh., ND.

S. R. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
DELHI/NEW DELHI

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-9-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANG-I, G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Dolhi, the 6th September 1982

Ref. No. 1AC/Acq-I/SR-III/J-82/1627.—Whereas I, S. R. Gupta

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the "said Act"), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Agr. land situated at Village Molarband, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on January, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the padties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the eaid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Giani alias Gian Chand S/o Bhikari R/o Molarband, New Delhi.

 (Transferor)
- (2) Smt. Daya Wati W/o Sh. Gians alias Gian Chand R/o Vill. Molarband, Teh. Meh., New Delhi.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2th share in khasra No. 598, 599, 605, 606, 607, 608, 627/5 and 1/3rd share in khasra No. 619/620, 654/1, 616/617 and 1/6th share in khasra No. 621, 786 situated in village Molarband, Teh. Meh., New Delhi.

S. R. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date: 6-9-1982.

 Shri Giani alias Gian Chand S/o Bhikari R/o Vill. Molarband, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Smt. Daya Wati W/o Sh. Giani alias Gian Chand R/o Vill Molarband Teh. Meh., New Delhi. (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE 1, G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

> (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

New Delhi, the 6th September 1982

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/1-82/1628.—Whereas I, S. R. Gupta being the Competent Authority under Section 269B of the

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agr. land situated at Village Molarband, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on January, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between, the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1/2 share in agr. land mg. 29 bighas and 1 biswas khasra No. 598, 599, 606, 607, 608, 627/5 and 1/3rd share in agr. land mg. 6 bighas and 19 biswas khasra No. 619, 620, 654/1, 616, 617 and 1/6th share in khasra No. 621, 786, situated in village Molarband, Teh. Mch., New Delhi.

S. R. GUPTA, Competent Authority Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi, Acquisition Range-I New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-9-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Hari Chand S/o Shri Raghubir R/o Village Molarband, Teh, Meh, N Delhi. (Transferor)

(2) Shri Aiun Rai S/o Shri Sushcel Kumar Aggarwal R/o D-259, Defence Colony, New Delhi (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-1, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING I P ESTATE, NEW DELHI

New Delhi the 6th September 1982

Ref No 14C/Acq-I/SR-IIJ/1-82/1629 —Wherens, I, S R GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/and bearing

No Agr land situated at Village Molarband, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on January 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Ar land measuring 13 bighas and 13 bigwas, khasra Nos 849(0 14), 850(2-17) 851(1-0), 852(3-0) 853(4-12), 854(1-10) situated in village Molarband, Tch Meh, New Delhi

S. R. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons namely.

Date 6-9-1982 Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Giani alias Gain Chand S/o Shri Bhikari R/o Village Molarband, Teh. Meh., ND (Transferor)

(2) Shri Ashok Kumar M. Aggarwal S/o Shri Manohar Lal Aggarwal R/o 70, Todemal Road, New Delhi. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th September 1982

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/1-82/1630.—Whereas I, S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Agr. land situated at Village Molarband, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in January, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objection it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land mg. 16 bighas and 12 biswas, Khasra Nos. 855 (4-16), 856(3-10), 857(1-15), 858(4-15), 859(1-16), situated in village Molarband, Teh. Meh., New Delhi.

S. R. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date: 6-9-1982

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) S/Shri Raghbir Singh, Jai Singh and Dilbagh Singh Ss/o Shri Sumer Singh R/o Vill. Bijwasan, Delhi (Transferor)

(2) M/s C, Lyall & Co. (Construction) (P) Ltd., 115 Ansal Bhawan, 16 K. G. Marg, New Delhi, (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, G-13, GROUND FLOOR, CR BUILOING, I.P. ESTATE. NEW DELHI

New Delhi, the 6th September 1982

Ref. No. JAC/Acq-I/SR-III/1-82/1712.—Whereas I. S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (heroinafter referred to as the said Act) have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agr. land situated at Village Bijwasan, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, at New Delhi in January, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveble property within 45 days from he date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. lands measuring 17 bighas and 3 biswas comprised in Khasra No 174 min. (17-03) in Village Bijwasan, New Delhi.

S. R. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-1, Delhi/New Delhi.

Date: 6-9-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Shri Chhattar Singh S/o Sh. Rattan Singh, R/o Village Bijwasan, Delhi.
 - (Transferor)
- (2) Shri Gopal Ansal S/o Sh. Charanji Lal, 155 Ansal Bhawan, 16 K. G Marg, New Delhi (Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,

ACQUISITION RANGE-I, G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th September 1982

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/1-82/1713.—Whereas I, S. R GUPTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Agr. land situated at Village Bijwasan, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in January, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. lands mg. 14 bighas and 6 biswas comprised in Rect. No. 6, K. Nos 12(4-16), 9(4-16), 2(1-08) and 10/1 and 1/2 (3-06) in Vallage Bijwasan, Delhi.

S. R.GUPTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date: 6-9-1982

FORM LT.N S .---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, G-13. GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATF. NEW DELHI

New Delhi, the 6th September 1982

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III '1-82/1780.--Whereas I, S. R. GUPTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Agr. land situated at Village Bijwasan, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in January, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) racilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely — 35—276 G1/82

(1) Shri Bhima S/o Shri Lala R/o Village Bijwasan, New Delhi.

(Transferor)

(2) Parvash Chander Kapoor (HUF) through its Karta Shii Parvesh Chander Kapoor S/o Shii Hari Chand Kappor R/o E-9, Ashok Vihar Phase-I, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land Mg. 11 bir has and 12 biswas M. No. 88 Killa No. 19(4-11), 22(4-16), 28(0-6), N. No. 105, Killa Nos. 2 min. (2-0) situated in Village Bijwasan, Teh. Meh., New Delhi

S. R. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 6-9-1982.

FORM TINS----

(1) Sh. Blume 9/o Ch. Late R/o village Bijwasan,

(2) Mis Hai Mohan Kaui Sethi W/o Hai Mohinder Singh Sethi and Mrs. Prabhjit Kaui,

Sethi W/o Rattan Singh Sethi R/o F-65, Rajpur Road, Dehradun, (fransferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX

....

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI G-13 GROUND 11 OOR, CR BUILDING, I.P ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th September 1982

Ref. No. IAC/Acq I/SR-III/1-82 '1781.—Whereas, 1, S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a tair market value exceeding R: 25,000/ and bearing No. Agr. land situated at Village Bijwasan, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in Jan. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of he aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and hat the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (u) facilitating the reduction or evasion of the hability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 127 of 1957.

Now, therefore in pursuance of Section 269-C of the solid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share in agi land mg. 13 bighas and 8 biswas M. No. 88, killa No. 9-12 (48), 10-11, East (3-1), 20(4-10), 21/2(1-9), village Bijwasan, Tch. Meh., New Delhi.

S. R. GUPTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1, Delhi / New Delhi.

Date: 6-9-82

Senl :

(1) Sh. Bhuna S/o Sh. Lala R/o Village Bijwasan, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-I'AX

ACQUISITION RANGE-I. NEW DELHI G-13, GROUND FLOOR. CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th September 1982

RCI No. TAC /Acq.1/SR-III /1-82 / 1782 -- Whereas, I.

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and

bearing No. Agr. land situated at

Vill. Bijwasan, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in Ian. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid propery, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than hitteen per vent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said, Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said. Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to hie following persons, namely .-

(2) Mrs. Har Mohan Kaur Sethi W/o Sh Har Mohinder Singh Sethi and Mrs. Prabhjit Kaur Sethi W/o Rattan Singh Sethi R/o F-65, Rajpur Road, Dehradun,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1.2 share in agr. land mg. 13 bighes and 8 biswas M. No. 88, killa Nos. 9-12 (4-8) 10-11 East (3-1), 20 (4-10), 21/2 (1-9), situated in Village Bijwasan, New Delhi.

S. R. GUPTA,
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date : 6.9-82

Scal:

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Sh. Mohinder Singh S/o Sh. Mangal Singh R/o Village Bijwasan, feh. Meh., New Delhi,

(Transferor)

(2) Mrs. Krishna Kapoor W/o Sh. Raghubir Chander Kapoot R/o S-344, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI G-13, GROUND I-LOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th September 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/1-82/1786.—Whereas, J, S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Agr. land situated at Village Bijwasan, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in Jan. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax At, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this noitce under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land mg. 8 Bighas and 6 biswas M. No. 88, killa Nos. 8(2-10), 13/2(3-8), 18/1(2-8), 18/1(2-8), sinated in vilage Bijwasan, New Delhi.

S. R. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date: 6-9-82

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI G-13. GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE. NEW DELHI

New Delhi, the 6th September 1982

Ref. No. 1AC/Acq.I/SR-III/1-82/1816.—Whereas, I, S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable, property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agr. land situated at bearing No. Agr. land situated at

Village Bijwasan, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on Jan. 82

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s Galaxy Properties (P) Ltd.. Himalaya House, 23 K. G. Marg, New Delhi-110001,

(2) M/s V. C. Burman & Sons Services (P) Ltd., 8/3, Asaf Ah Road, New Delhi-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

16 bighas 13 biswas Mutatil No. 48, Killa No. 23(4-16), Mutatil No. 74, Killa No. 3 (4-16), 8(4-6), 13/1(1-14), 18/2(0-16), 27(0-5) with well in Bijwasan, Mehrauli, Delhi.

S. R. GUPTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date: 6-9-82

FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE I, NEW DELHI G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi the 6th September 1982

Ref. No. IAC /Acq I/SR-III /1-82/1817 —Whereas, I, S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market alue exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Agr. land situated at Village Bijwasan, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed here(o), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office, at on Jan, 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to beween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefor, in pursuance of Section 269C of the said Act. I needly imitate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the sauc of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/S Galaxy Propertie. (P) Ltd. Himalaya House, 23 k/G. Marg New Delhi-110001.

(Fransferor)

(2) M/s Burman Farms (P) 1td. 8/3, Asaf Ali Road, New Delhl-2

(Fransferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

17 bighas 7 biswas Mutatil No. 48 Killa No. 24(4-16), Mustatil No. 74, Killa No. 4(4-12), 7(4-12), 8(0-10), 13/1 (1-14), 18/2(0-16) 28(0-7), with well in Bijwasan, Mchrault, New Delhi

S. R. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-1, Delhi/New Delhi.

Date : 6-9 82 Seal :

NOTICF UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P ESTATE. NEW DELHI

New Delhi, the 6th September 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/1-82/1836 —Whereas. I, S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. Agr. land situated at

Vill Bijwasan, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on Jan. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the

property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said vet or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the asue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

(1) Sh. Bholar S/o Paras Ram R/o Bijwasan, New Delhi

(Transferor)

(2) Sh. Brij Mahajan S/o Sh. Chaman Mahajan R/o 58. Vasant Marg, Vasant Vihar New Delhi minor through his Father Shii Chaman Mahajan.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the sérvice of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri land mg. 3 bighas and 10 biswas M. No. 105, killa No. 6, situated in village Bijwasan, Teh. Meh., New Delhi.

S. R. GUPTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commission of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date: 6-9-82

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,

G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th September 1982

Ref. No. IAC/Acq J/SR-III/1-82/1838.—Whereas, I, S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Agr. land situated at Vill. Bijwasan, N. Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1968 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in Jan. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Bholar s/o Paras Ram, r/o Eijwasan, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Brij Mahajan s/o Chaman Mahajan, r/o 58, Vasant Marg, Vasant Vihar, New Delhi minor through his father Chaman Mahajan.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (e) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land mg. 4 bighas and 16 biswas Mustatil No. 105, killa No. 15, Village Bijwasan, Teh. Meh., New Delhi.

S. R. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
DFLHI/NEW DELHI

Date: 6-9-1982

(2) Shi Sanjiy Khurana s/o Sh. Pritam Khurana (9/10 share) Pritam Khurana s o Sh. Gian Chand Khurana (1/10 share), r/o 9-F 1, Vasant Vihar, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMIT TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Dhanbir Singh Modi s/o Shri Dayal Singh Modi, r o 1/19 Kalkaji New Delhi

(Fransferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,

G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I P. ISTATE NEW DELHI

New Delhi, the 10th September 1982

Ref. No. IAC/Acq 1 SR-III/1-82/1722,---Whereas, I, S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.

Agr. land situated at Village Sultanpur, New Dolhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Dolhi in Jan, 1982

for an apparent consideration which is less than the fatt market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

1 NPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agi land mg 2 bighas and 8 biswas bearing khasia No 55 min, situated in village Sultanpur, Teh. Meh. N Delhi

S. R. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I. DEI HI/NEW DELHI

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
36—276 GI/82

Date . 10-9-1982

NUTICI UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Shri Sanjiv Khurana 5/0 Pritam Khurana (9/10 shaie) Pritam Khurana 5/0 Gian Chand Khurana (1/10 share), r/0 9 F/1 Vasant Vihar, New Delhi

(Transferor)

(2) Shri lasbii Singh Modi 9/0 Dayal Singh Modi () 1 19 Kalkiji New Delhi

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I P ESTAIL NEW DELHI

New Delhi the 10th September 1982

Ref No IAC Acq I SR-III/1-82 1723 -- Whereas I S R GUPTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25 000/and bearing No

Agi land situated at Village Sultanpur, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in Jun. 1982

for in apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- Objections if any to the equisition of the hid property may be made in writing to the undersigned --
 - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
 - (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

- (a) Jacilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said. Ac in respect of any income arising from the transfer, and/or.
- (b) ficilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Not 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Agi land mg 2 bighas and 12 biswas bearing khasra No 40 min Janup (0-4), 38 min (0-10), 39 (1-18) situated at village Sultanpur, Teh Meh New Delhi

S R GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range I DFLHI/NEW DELHI

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the itorosaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:

Date 10-9-1982 Seal

(1) Shri Trilok Chand Malhotra 1/0 D 87, Fast of Kailash New Delhi

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMPTAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M s Sund Synchem Limited, 73.74 Sheetla House New Delhi

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST1 COMMISSIONLR OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGI I
G 13 GROUND FLOOR OR BUILDING I P ESTATE
NEW DELHI
New Delhi the 10th September 1982

Rct No IAC Acq I SR III/1 82/1751 --- Whereas, I, S R GUPTA

being the Competent Aithority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

Agr land situated at Village Sultanpui New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on Jan 1982

for an apparent consideration which is less than the fall market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partie has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sard Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following pursons namely

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

I MPIANATION — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULL

Agı land 4 bişhas 16 bişwas Khasra No 11, Vıllage Sultanpur, Feh Meh New Delhi

S R GUPLA Competent Authority In pecting Assistant Commissione, of Income tax Acquisition Range I Delhi New Delhi

Date 10 9-1982 Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (1) Shri Trilok Chand Malbotta, 1/0 D-87, Last of Kailash, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shii S. N. Khaitan, r/o A-123, Necti Bagh, N. Delhi-49.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I. P. ESTATF, NEW DELHI

New Delhi, the 10th September 1982

Ref. No. IAC/Acq 1/SR-III/1-82/1750.—Whereas, I, S R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agr. land situated at Village Sultanpur, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on Jan. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason, to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FARTANATION:—The terms and expressions—used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land 3 bighas 4 biswas Khasra No. 12, Vill. Sultanpur. Teh. Meh., New Delhi.

> S. R. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 10-9-1982

FORM ITNS------

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE JNCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shii Trilok Chand Malhotra, r/o D-87, East of Kulash, New Delhi.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Sund Khadan, 1/o A-123, Neeti Bagh. New Delhi.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGI-I, G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I. P ESTATE. NEW DELHI

Nev. Delhi, the 10th September 1982

Ref. No. IAC/Acq I/SR-III/1-82/1749.—Whereas, I, S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

Agr. land situated at Village Sultanpur, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at New Delhi on Jan., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

LAPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any mome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Agi land 4 bighas 9 biswas Khasia No. 2, Village Sultanpur, Tch. Mch. New Delhi.

THE SCHEDULE

S. R. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-1, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby iminte proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Date: 10-9-1982

Scal:

FORM J.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I. P. ISTAIE, NEW DELHI

New Delhi, the 10th September 1982

Ref. No. 1AC/Acq 1/SR-III/1-82 1622.—Whereas, I, S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agi. land situated at Village Gadaipui, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Net, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on Jan., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the tan market value of the property as aforesed exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction of eversion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- (1) Sh. Arup Roy Choudhury s'o Sh. D. N. Roy Choudhury, at present residing at Mithapur, B-Alea, Patna-1. (Transferor)
- (2) Shri Swarup Roy Choudhury
 s/o Sh. B. N. Roy Choudhury,
 at present residing of 'Anandam',
 23-Silver Sands Bunglow, Juhu Tara, Bombay.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agriculture land mg. 4 bigha 16 biswa comprised in khasra No. 371 Village Gadaipur, Teh. Meb., New Delhi.

> S. R. GUPIA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-1, Delhi/New Delhi

Date: 10-9-1982

FORM I.T.N.S.-

(1) Shri Hira Nand, Smt. Sakhi Bai, t/o Village Gadaipur. Teh. Meh., New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE JNCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Montari Laboratories (P) Ltd., 79-80, Nehru Place, New Delhi, GOVERNMENT OF INDIA

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I, G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I. P. ESTATE. NEW DELHI

New Delhi, the 10th September 1982

Ref. No. IAC/Acq I/SR-III/1-82/1764.—Whereas, I, S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agr. land situated at Village Gadaipur, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Jan., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(0) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Khasra No. 293 (2 bighas 8 biswas) in Village Gadaipur, Khasra No. 294 (2 bighas 8 biswas) New Delhi.

S. R. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

> Acquisition Range-1, Delhi: New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 10-9-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I P. ESTATE NEW DELIII

New Delhi, the 10th September 1982

Ref. No. IAC Acq I SR-III, 1-82/1765 —Whereas, I, S. R. GUPTA.

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agi. land situated at Village Gadaipur, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in Jan., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys of other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Nanak Chand, Chandra Bhan, Bishan Lal, Gopi Chand, Amiit I il Amarti Salbi Bhai, Gadaipur, New Delhi.

-CFransferor

(2) Montari Laboratories (P) Ltd., 79/80 Nehru Place New Delhi

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

I XPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULI

Khasra No. 292 (2 bighas 8 biswas) in village Gadaipur, N. Delhi

> S R. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissiones of Income-tax Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date : 10-9-1982 Scal .

FORM I.T.N.S.———

(1) Shri Gopi Chand, r. o Village Gadaipur, Teh. Meh., New Delhi. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Montari Laboratories (P) Ltd., 79-80. Nehru Place, N. Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,

G-13. GROUND FLOOR, CR BUILDING, I. P. ESTATE.

NEW DELHI

New Delhi, the 10th September 1982

Ref. No. IAC/Acq I/SR-III/1-82/1766.—Whereas, I, S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agr. land situated at Village Gadaipur, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the egisering Officer at New Delhi

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Khasra No. 292 (2 bighas and 8 biswas) in Village Gadaipur, ND.

> S. R. GUPTA Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons. namely :---

Date: 10-9-1982 Seal:

37-276 GI/82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,

G-13, GROUND FI OOR, CR BUILDING, L P ESTATE.

NEW DELHI

New Delhi, the 10th September 1982

Ref. No IAC/Acq I/SR-III/1-82/1773 —Whereas, I. S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agr. land situated at Vill. Bijwasan, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Jan., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property I have reason to believe that the fair market value of the property as domaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sail Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Shri Mahabir Singh s/o Nanley Mal, 1 o 17-Bunglow Road, Delhi (Kamla Nagar).

(2) Kamlesh Kakkar w/d Sh. N. N. Kakkar, r/o R-511, New Rajinder Nagar, New Delhi.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (1) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

I VPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Age land mg. 4 bighas and 10 biswas khasra No. 32/16/2 min, situated in village Bijwasan, Teh. Meh., New Delhi.

S. R. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Date: 10-9-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I. P ESTATL NEW DELHI

New Delhi, the 10th September 1982

Ref. No JAC Acq I SR-III/1-82/1783 —Whereas, I, S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have teason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25000/- and bearing No.

Agi land situated at Vill Bijwasan, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Jan, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 2691 of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Mohinder, Singh 5/0 Mangal Singh, 1/0 Bijwasan, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Subhash

5/o Dhani Ram,

1/0 Mantola, Pahar Ganj, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

TAPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land mg 5 bighas and 2 biswas, Mustatil No. kılla No 27, village Bijwasan, Teh. Meh., New Delhi.

> S. R. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-1. Delhi/New Delhi

Date : 10-9-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 10th September 1982

Ref. No. IAC/Acq I/SR-III/1-82/1697.—Whereas, I, S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. M-64, situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration

Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in Jan., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Sardar Sukhmander Singh & Mrs. Surinderjit Kaur Sindhu, r/o F-42, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferor)

(2) Dr. Aditiya Kaul, r/o F-59, Green Park & Mrs. Anita Gupta, r/o A-11, Greater Kailash Enclave-11, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant shop Plot No. M-64, Greater Kailash-II, New Delhi measuring 195 sq. yds.

S. R. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Date: 10-9-1982

FORM I.T.N.S.—

(1) Shri Gokal s/o Sh. Jai Sukh r/o Vill. Palam, Delhi. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Kusum Jain w/o Ravinder Kumar Jain r/o 2/21, Sadar Bazai, Delhi Cantt. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th September 1982

Ref. No. 1AC/Acq. II/SR.II 1-82/6615.—Whereas, I, NARENDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961 (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agu. Land situated at Vill. Palam, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on January, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afore aid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1 Bigha 4 Biswas situated at Vill. Palam, Delhi.

NARENDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tay
Acquisition Range-II,
DELHI/NEW DFLHI.

Date: 6-9-1982

(1) Shri Raj Singh & Hukam Chand s/o Sh. Jage Ram 1/o Vill. Matiala, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shir Anoop Singh Gupta s o Faru Mal Gupta & W.Z. A-57 Om Vihar & I. D. Gupta s/o Sh. U. S. Vaish as Above.

(Fransieree)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. I-\$1 ATE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th September 1982

Rcl. No. IAC/Acq.-II/SR.II/1.82/6651.---Whereas, I, NARENDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. Land situated at Vill. Palam, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on January, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land meaning 13 Biswas sit, at Vill. Palam, Delhi.

NARFNDAR SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
DELHI/NEW DEI HI.

Date: 6-9-1982

FORM NO ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE II
G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING, 1P FS1 \11
NEW DF1 HI

New Delhi the 6th September 1982

Ref No 14C/Acq-II SR II/1 82/6616 -- Whereas, I. NARFNDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/ and bearing

No Agri Land situated at Vill Palam, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on January, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Ram Singh, Sis Ram & Hossiar Singh Ss/o Sh Gokal and Sh Umed Singh 5 to Sher Singh 1/o Vill Palam, Delhi

(Transferor)

(2) Smt Lajwati w/o Ral Kumar r o 2/21, Sadar Bazar Delhi Cantt Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned '---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

I YPI ANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

l and measuring 1 Bigha 2 Biswas sit at Vill Palam. Delhi

NARENDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II,
DELHI/NEW DFI HI

Date: 6-9-1982

(1) Shri Ran Singh, Sis Ram & Hoshiar Singh Ss /o Sh, Gokal Singh All 1/o Palam, New Delhi. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Jawahar Singh s/o Sh. Sahab Singh r/o VPO: Dabri, Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th September 1982

Ref. No. IAC/Acq.-II/SR.II/1-82/6644. --Whereas, I, NARENDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

able property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. Land situated at Vill. Mirzepur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on January, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the

said instrument of transfer with the object of-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land measuring 10 Bighas 10 Biswas, of Vill Mirzapur, Delhi.

NARENDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
DELHI/NEW DELHI.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 6-9-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, 1P. ESTATE, NFW DELHI

New Delhi, the 28th August 1982

Ref. No. IAC/Acq.-II/SR.II/1-82/6519. ~Whereas, I, NARENDAR SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-bearing No.

D. S. House No. WZ-58B situated at Old Mahabir Nagar, New Delhi.

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Delhi on January, 1982 for an apparent consider

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Iudian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
38—276 GI/82

- (1) Shri Girdhari Lal r/o WZ-58B, Old Mahabir Nagar, New Delhi. (Transferor)
- (2) Shir Ghansham Dass 1, o WZ-58B, Old Mahabir Nagar, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice of the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One Double Storey House No. WZ-58B, Old Mahabir Nagar, New Delhi, with the land mg. 200 Sq., yds. bearing Plot No. 51, under the said house.

NARENDAR SINGH
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II.
DELHI NEW DELHI.

Date: 28-8-1982

- (1) Shri Som Dev Sabharwal r a G-202, Narain Vihar, New Delhi.
 - (Transferor)
- (2) Shri Satish Kumar 1 'o F-76, Natain Vihar, New Delhi. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 28th August 1982

No. 1AC/Acq.-II/SR.II/1-82/6653.—Whereas, I, NARENDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. G-202 situated at Narain Vihar, New Delhi Lereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on January, 1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

One house No. G-202, situated in Narain Vihar, New Delhi, with the lease hold right of the land mg. 125 sq. Yds.

> NARENDAR SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, DELHI/NEW DFLHI.

Date · 28-8-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, LP. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 28th August 1982

Ref. No. IAC/Ac NARENDAR SINGH, IAC/Acq.-11/SR.11/1-82/6684.--Whereas, J.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Property No. RA-76 situated at Inder Puri Extn. No. 2 an approved Colony, N. Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on January, 1982

for on apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid propcity, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trully stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for which ought to be disclosed by the transferee for the pulposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section (691) or the said. Let to the following persons, namely:

- (1) Shri Virender Kumar Singhal s/o Sh. Shankar Lal Singhal r/o No. ER-27, Inderpuri, New Delhi.
- (2) M/s. Junior Enterprises situated at No 25/24, Rajinder Nagar, New Delhi, through Managung Partner Sh. Surinder Bhatia. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the rervice of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

FAPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property bearing No. RA-76, out of Khasia No. 1601, 1602, situated in the area of Vill. Naraina in the abada of Inderpuri Extn No. 2 an approved Colony New Delhi-

> NARENDAR SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, DELHI/NEW DEI HJ.

Date 28 8-1982 Scal .

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATT, NEW DELHI

New Delhi, the 28th August 1982

Ref. No. IAC/Acq.-II/SR.II/1-82/876) —Whereas, I, NARENDAR SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

76 JUA 3, Mpl. No. 12/5837-6 situated at Jawahai Nagar Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registration officer at Delhi on January, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed up between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :--

 Smt. Kallash-Wati d/o Sh. Gurditta Mal w/o Sh. Sunder I al Chawla C o, M/s. Utterpradesh Engineering Co., Hapur Road, Ghaziabad.

(Transferor)

(2) Shri Murari Lal 5/0 Kedar Nuth 1/0 II No. 265, Gali Parkash, Teliwara, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this noice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

7C-UA 3, Mpl. No. 12, 5837-6, Jawahar Nagar, Delhi.

NARENDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-!I,
DFLHI NFW DEIHI.

Date 28 8 1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONLR OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II. G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, 1.P. FS1ATE, NEW DELHI

New Delhi, the 28th August 1982

Ref. No IAC, Acq.-II/SR.II/1-82/6675 -- Whereas, I, NARENDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to at the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Plot No. 30, on road No. 14, Class C situated at Punjabi Bagb, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer

at Delbi on January, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the tair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the fiability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the oforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely.—

 Shri Amarjit Singh & Bajinder Singh Ss 'o Sh. Dalip Singh r, o 577-578, D S. New Rajinder Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shin Brij Lal (1/5th Share) & Sh. Bhagwan Dass (4,5th Share) sons of Ganpath Rai 1/0 8/8, Punajbi Bagh, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 30, on toad No. 14, Class C. mg. 660.14 sq. yds situated at Punjabi Bagh, area of Vilt Shakurpur, Delhi.

NARENDAR SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
DELHI NFW DETHI

Date 28.8 1931 Seal :

6-7 E T TT

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATL, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd November 1982

Ref. No. IAC/Acq.-II/SR.JI/1-82/6606.--Whereas, I, NARENDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-bearing No.

Agri, Land situated at Vill. Tikri Kalan, Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on January, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Suraj Mal s/o Sh. Bakhtawar r/o Vill. Tikri Kalan, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Ram Niwas s/o Suraj Bhan r/o 2111, Tri Nagar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 3 Bighas 8 Biswas sit at Vill. Tikri Kalan,

NARENDAR SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II,
DELHI/NFW DFLHI

Date: 2-11-1982

FORM I.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II. G-13. GROUND FLOOR, CR BUILDING, LP. FSTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd November 1982

Ref. No. 1 to Acq -H/SR II 1-82 8760,-- Whereas, I. NARFNDAR SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Plot No 6, Block D, on Hakikat Rai id situated at Colony known as Adarsh Nagar, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on January, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than influence per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with he object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Kala Gupta w o Sh | L.C. Gupta, i o 130. Galt House No. 1870-C, Lii Nagai, Delhi (Transferor)
- (2) Smt. Pushpa Devi w o Sh. Gauri Shankar, 1/0 3554, Gali Hanuman Mandir, Aryapura, Subzi Mandi, Delhi-7. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersinged:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

FYPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 6, Block D, on Hakikat Rai Road, measuring 120 sq. Yds., in the area of Vill. Bharola, Colony known as Adarsh Nagar, Delhi-33.

NARENDAR SINGII
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
DELHI NEW DITHI

Date: 2-11-1982

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-11, G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, IP. I-STATE, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd November 1982

Ref. No. IAC/Acq.-II/SR II/1-82 6531,---Wherens, I, NARENDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Agri, I and situated at Vill. Khera Khurd, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on January, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said matrument of transfer with the object of ;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persors, namely:—

(1) Shri Jai Ram 5/0 Sh. Mauji Ram, 1 0 VPO : Kheta Ishurd, Dellu

(Transferor)

(2) Shii Jagjit Singh 8,0 Sh. Ram Sarup, 1/0 VPO: Holambi Khurd, Delhi.

(T)ausferee)

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 8 Bighas 3 Biswas, of Vill. Khera Khurd, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II.
DELHI/NEW DFI HI.

Date : 2-11-1982

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, G-13, GROUND 1-LOOR, CR BUILDING, 1P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd November 1982

Ref. No. IAC/Acq.-II/SR.II, 1-82/6690.—Whereas, I, NARFNDAR SINGH,

being the Competert Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Agri, Land situated at Vill, Najaf Garh, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on January, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons manuely:—

39-276 GI/82

(1) Smt. Satya Rani w/o S. Ram Chand Kumar and Amt Amrit Lata w/o Chander Parkash Kumar, r, o 215-216-B, West Patel Nagar, New Delhi. (Transferor)

(2) Smt. Manorma Kumai w/o Sh. Ashok Kumai Amt. Krishna Khattar w/o Paimanad khattai, r/o 360, Double Storey, New Rajinder Nagar, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri Land measuring 4 Bighas 16 Biswas situated Najaf Garh, Delhi.

NARENDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
DEI HI/NEW DELHI.

Date : 2-9-1982

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd November 1982

Ref. No. IAC/Acq.-II/SR.II/1-82/6549.—Whereas, I, NARENDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri, Land situated at Vill, Najaf Garh, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on January, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 ((27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Suraj Pershad s/o Raghbir Singh, r/o Vill. Najaf Garh, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Kuldip Kumar Julka s/o Sh. Roshan Lal Julka, r/o B-53, Krishna Park, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri Land measuring 5 Bighas 13 Biswas situated at Vill. Najaf Garh, Delhi,

NARENDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
DELHI/NEW DELHI.

Date: 2-9-1982

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II. G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd September 1982

Ref. No. IAC/Acq.-II/SR.II/1-82/6642.—Whereas, I, NARENDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing No.

Agri. Land situated at Vill. Burari, Delhi State, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi on January, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Kartar Singh s/o Sh. Mehnga Singh, r/o 3F/17, Tagore Garden, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Prem Lata Madhogaria, 113/1B, Chittranjan Avenue, 5th Floor, Calcutta-

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1 31d Share of Land mg. 4 Bighas and 18 Biswas vide Marca, No. 470 Khata No. 527 of Vill. Burari, Delhi State, Delhi.

NARENDAR SINGII
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
DELHI/NEW DELHI.

Date: 2-9-1982

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. G-13, GROUND FLOOR, OR BUILDING, LP ESTATE, 141 W. DELHI

New Delh, the 2nd September 1982

Ref. No. IAC/Acq-II SR.II/1-82/6833.—Whereas, I, NARENDAR SING!!

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Agri Land situated at Vill. Burari, Delhi (and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Delhi on January, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to following persons, namely:—

(1) Shri Raghu Vansh s/o Sh. Bho Dutt, r/o Vill, & P.O. Burari, Delhi.

(Transferor) Dittal

(2) Shri Munihi Ram Mittal 5/0 Kundan Lal Muttal, 1/0 12, Saria Khan Road, Calcutta.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as re defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1 Bigha 2 Biswas, Burati, Delhi.

NARENDAR SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
DELIII/NFW DEI HI.

Date : 2-9-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION F.ANGE-II, G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd September 1982

Ref. No. IAC/Acq.-II/SR.II/1-82/6677.—Whereas, I, NARENDAR SINGH,

Inspecting Assistant Commission of Income-tax, Acquisition Range, Banzalore,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri Land situated at Vill. Siraspur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Reg stration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on January, 1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ac., in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the trans'eree for the purposes of the Ind an Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Rishal Singh s/o Sh. Neki Ram, r/o Siraspur, Delhi.

(Transferor)

(2) Miss Shelly Ghaisee d/c Sh. Sain Lass Ghaisee, r/o A-31, Wazipur G. I. Area, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in he Official Cazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 4 Big ias 16 Big was bearing Kh. No. 450 At. Vill Siraspur, Delhi.

NARENDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
DELHI/NEW DELHI.

Date: 2-9-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 28th August 1982

Re^c. No. IΛC/Acq.-II/SR.II/1-82/6592.—Whereas, I, NARENDAR SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. EC/6 situated at Inder Puri, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on January, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any maneys or other asset which have not been or which bught to be disclosed by the transferate for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, er the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

- (1) Shri Gulshan Kumar Grover 8/0 Sh. Param Nand Grover, r/0 B-1, Sainik Sadan, Naraina, New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Ram Parkash Kalra s/o Sh. Badri Nath Kalra, r/o A-121, Inderpuri, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lind measuring 500 sq. Yds. bearing Plot No. EC/6, Inde puri, New Delhi.

NARENDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
DELHI/NEW DELHI.

Date: 28-8-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13, GROUND FLOOR, CR EUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd September 1982

Rcf. No. IAC/Acq.-II/SR.II/1-82 '6607.—Whereas, NARENDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Agri Land situated at Vill. Sahibabad Daulat Pur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on January, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shii Ajit Singh, Azad Singh s/o Sh. Mange Ram and Zilley Singh s o Sh. Munsha Ram, All r/o Village Shababad Daulat Pur, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Narain Singh Yadav s/o Sh. Chet Ram, VPO: Kumehra, Distt, Ghazinbad, U.P.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 2 Bighas 4 Biswas, of Vill. Sahibabad Daulat Pur, Delhi.

> NARENDAR SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II. DFLHI/NEW DELHI.

Date : 2-9-1982

1060 11 5----

NOTICE UNDER SECTION 269D 1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shir Dalip Singh s/o Sh. Partap Singh, o vill. Malikpi, Ici, Najatgath Block, New Delhi (Transferor)

(1) (1) Shiri Jirbir Singh, (2) Gulab Singh, 18870 Sh. Chander Singh, 150 Kakrola, New Delhi

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISTION RANGE II, G-13, GROUND FLOOR, OR BUILDING, IP. ESTATE, NEW DELL I

New Delhi, the 2nd September 1982

Ref. No. IAC / Acq -H SR II / 1 82/6550 --- Whereas I, NARENDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to in the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and

bearing No.

Agri Land situated at Vall Malikprijet Najaf Grib New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) bar been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on January, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have teason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay inv under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfered for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said. Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby imitate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

l and measuring 10 Bigha 8 Biswas Kh, No. 42/8/1(0-2) 32/24/1(3-12), 36/25 1(0-14), 24/4(4-16) in Vill. Malikpur Jer, Najafgarh, New Delhi.

NARENDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
DELHI/NEW DELHI.

Date: 2-9-1982

FORM NO. I.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Jit Ram & Hari Ram S/o Sh. Nathu Ram Vill. Alipur, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Mohinder Singh S/o Sh. Surat Singh R/o Alipur Delhi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, G-13 Ground Floor CR Building,, I.P. Estate, New Delhi.

New Delhi, the 2nd September 1982

Ref. No. LAC/Acq-II/SR-II/1-82/6663.—Whereas I. NARANDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. Agri. land situated at Vill. Alipur, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Jan, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--276 GI/82

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette,

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 4 Bighas 16 Biswas sit. at Vill. Alipur, Delhi.

> NARENDAR SINGH Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range II. Delhi/New Delhi.

Date: 2-9-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-

MISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th September 1982

Re. No. IAC/Acq-II/SR-II/1-82/6594.—Whereas I. NARENDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Agri. land situated at Vill, Siraspur, Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Jan. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons. namely:—

 Shri Risal Singh S/o Sh. Neki Ram r/o Vill. Siraspur, Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Molly Enterprises partnership firm having its registered office at A-31, Wazirpur Group Indl. Area, Delhi Sh, Sain Dass Ghai Sh, Sohan Lal Ghai & Smt. Ravi Kiran.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 4 Bighas 16 Biswas bearing Kh. No. 449 situated in the area and revenue estate Delhi. Siraspur.

NARENDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II, Delhi/New Delhi.

Date: 6-9-1982.

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II, G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th September 1982 Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/1-82/6682.--Whereas, I, NARANDAR SINGH

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agri, land situated at Vill. Ibrahimpur Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Delhi on Jan. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Satya Prakash S/o Devi Datt r/o 3198 Gali Jamadar Pahari Dhiraj, Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Sukhbir Singh S/o Mohan Lal r/o Vill. Ibrahimpur, Delhi. & Sh. Mohinder Singh & Laras Ram S/o Sh. Mohan Lal. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Measuring 16 Bighas 8 Biswas situated at Vill, Ibra-himpur, Delhi.

NARENDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range II, Delhi/New Delhi,

Date: 6-9-1982.

FORM I.T.N.S .-

(1) Shri Raj Singh & Hukam Chand S, o Jage Ram r/o Vill, Matiala, Delhi.

(2) M/s Sita Ram & Sons r/o 1019 Seet 18-C, Chandigarh.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, G-13 Ground Floor CR Building,, I.P. Estate, New Delhi.

New Delhi, the 6th September 1982

Ref. No. IAC 'Acq.II/SR-II $_{\rm I}$ 1-82/6652.—Whereas, I, NARENDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Agri land situated at Vill. Palam Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Jan. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the sand property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 18 Biswas sit. at Vill. Palam, Delhi.

NARENDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner o' Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 6-9-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMF TAX, ACQUISITION RANGE,

ACQUISITION RANGE-II, G-13, GROUND FLOOR, CF BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELIII

New Delhi, the 6t's September 1932

Rol. No. IAC/Acq.II/SR-II '1-82/6661,—Whereas, I, NARENDAR SINGH,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Siraspur, Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Jan. 1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating he conceilment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or he said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 o. 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said A.A., to the following persons, namely:—

(1 Sh. Najesh Kumar Gulati S o S. L. Gulati R/o B/F Tagore Garden, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shti Ashok Aggarwal S/o Shankar Lal, Aggarwal r/o D-308, Sarvodya Enclave, New Yelhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 15 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri, 1 and, Mg. 13, Biswas Kh. No. 698 Vill. Sitaspur, Delhi.

NARENDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 6-9-1982. Seal :

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Shyam Lal S/o Mathura Pershad. & Sh. Gordhan Dass S/o Baru Singh R/o A-465, Shastri Nagar, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Shyam Sunder S/o Sa'ig Ram R/o F-81, Ashok Vihar Phase I, New Delhi. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONEL OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th September 1982

Ref. No. IAC/Acq.II SR-II/1-82/6627.--Whereas, I. NARENDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair marker value exceeding Rs. 25,000 / and bearing Agri, land situated at Vill. Saraspur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been trans erred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Jan. 1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent considera-tion therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said insrument of transfer with the object ofObjections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the ervice of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazete.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Agri. land. Mg. 1 Bigha Kh. No. 159 Vill Saraspur, Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which cught o be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NARENDAR SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in prusuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 260D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 6-9-1982.

Soal:

(1) Smt. Vecna Kapoor W/o Subhash Kapoor, r/o G-24/4-A Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Parmeshwari Devi w/o Faqir Chand r/o D-3/9 Model Town, Delhi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
G-13 Ground Floor CR Building., J.P. Estate,
New Delhi.

New Delhi, the 6th September 1982

Ref. No. IAC/Acq.ll/SR-II/1-82/6577.--Whereas, I, NARENDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. ?7 situated at Part of K. No. 300, Minakshi Garden, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Jan. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri, land. Mg. 200 Sq. yds. Part of K. No. 300, Minakshi Garden, Delhi.

NARENDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 6-9-1982.

FORM I.T.N.S.--

(1) Shri Bhegwant Singh s/o Mangal Singh R/o 6/32 Old Rajinder Nagar, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961) (2) Smt. Kela Devi w/o Murari Lal Aggarwal r/o 3026/5A Ranjit Nagar, New Delhi

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 28th August 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/1-82/6652.—Whereas I, NARENDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to be leve that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. H 94/4-1/2 share situated at Shivaji Park, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Jan. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the sald Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half share of House No. H-94/4, Shivji Park, Vill. Madipur, Delhi Mg. 138.56 Sq. Yds.

NARENDAR SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 28-8-82

NOTICE UNDLR SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 28th August 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR.II/1-82/6672.—Whereas I, NARENDAR SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Agri. land situated at vill. Pooth Kalan, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Jan. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—41—276 GI/82

 Shri Rishal Singh s/o Sh. Dharam Singh r/o Vill. & P.O. Pooth Kalan, Delhi.

(Transferor)

(2) 1. Shri Umrao Singh 2. Sh. Baljit Singh 3. Sh. Bukam Singh 4. Sh. Attar Singh 5. Sh. Ranbir Singh s/o Sh. Rishal Singh & 6. Smt. Prem Devi wd/o Sh. Mahabir Singh all r/o VPO pooth Kalan, Delhi. (Transferec)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovuble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

t and measuring 15 Bigha 18 Biswas out of Kh. No. 50/18 (4-16), 56/2(4-16), 9(4-16), 12(1-10), situated in the revenue estate of Vill. pooth Kalan, Delhi.

NARENDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, New Delhi

Date: 28-8-82

(1) Thri Risal Circh 1/0 Sh Neki Ram 1/0 Vill. Siras-

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THF INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPFCTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, G-13 GROUND FLOOR OR BUILDING, IP ESTATE, NEW DELHI New Delhi, the 2nd September 1982

Rcf. No IAC/Acq II/SR II/1-82/6676—Whereas 1, NARENDRA SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No Agri. Land situated at Vill. Straspur, Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Jan. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income srising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Smt. Kamlesh Ghaice W/o Sh. Sean Dass r/o A-31, WP Indl Area Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 4 Bigha 16 Biswas hearing KH. No 509, at Vill Sir ispur, Delhi.

NARENDAR SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, New Delhi

Date 2-9-1982 Seal :

FORM I.T.N.S.-

(1) Shri Lakhi son of Teka R/o Vill. Ghewra, Delhi. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Hari Ram son of Jagan Nath R/o C-69, Kirti Nagar, New Delhi. (Transletce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NFW DELHI

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned-

New Delhi, the 28th August 1982

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Ref. No. [AC/Acq.II] SR-II/1-82/6697.—Whereas I, NARENDRA SINGH,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatfer referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given

in that Chapter.

No. Agri. land situated at Vill. (thewra, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on Lin. 1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have leason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration

property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apprent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) Jacilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Agr. land Mg. 8 Bighas and 8 Biswas Mustatil No. 70, Kh. No. 8, 9/1, & 18/1 Vill. Ghewra, Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) on the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

NARENDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the moresard property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 28-8-82

FORM I.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 28th August 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR.II/1-82/6670.—Whereas, I, NARENDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. H-94/4, situated at Shivaji Park, area of

Vill. Madipur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Jan. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Bagwant Singh s/o Sh. Mangal Singh r/o 6/32, old Rajinder Nagar, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Kela Devi w/o Sh. Murari Lal Aggarwal r/o 3026/5A, Ranjit Nagar, New Delhi & 2. Sh. Murari Lal Aggarwal s/o Sh. Rameshwar Parsad Aggarwal R/o as above.

(Transferce)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One half undivided share of house No. H-94/4, situated in colony known as Shivaji Park, area of Vill. Madipur, Delhi.

NARENDAR SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 28-8-82

(1) Shri Deep Chand 8/0 Sh. Duli Chand r/o Vill. & P.O. Alipur, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Hukam Chand S/o Ashpaani Karta of Hukam Chand sons (H.U.F.) & Lal Chand Chinnani Karta Lal Chand sons (HUF) 9983 Gali Mal Wali Nawab ganj, Delhi. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, G-13 GROUND FLOOR

CR BUILDING, I.P. FSTATE, NEW DELHI New Delhi, the 28th August 1982

Ref. No. IAC/Acq/II/SR.II/1-82/6522.—Whereas I, NARENDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Agri. land situated at Vill. Alipur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Jan. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

I:xPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 16 Bigha 14 Biswas sit. at. Vill. Alipur, Delhi.

NARENDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, New Delhi

Date: 28-8-82

Delhi on Jan. 1982

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. FSTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 17th September 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/1-82.6693.—Whereas I, NARENDRA SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri, land situated at Vill. Dichaon Kalan, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1911 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follous persons namely:—

(1) Shri Rattan Singh R/o VPO Dischaon Kalan, Delhi. (Transferor)

(2) Shri Davindei Snigh R/o B-7 Fxt. 81, Safdarjang Enclave, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri, land. Mg, 8 Bighas 3 Biswas No. 153/1(4-3) & 10/2 (4-0) Vill, Dichaon Kalan, Delhi,

NARENDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-II, New Delhi

Date 17 9-82 Scal:

(1) Shri Ramanand R/o VPO Hastsal, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shu Surinder Pal R/o VPO Aiya Pur, Distt. Hoshiarpur, (Pb) (Transfer**c**e)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, LP ESTATE, NEW DELHI

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

New Delhi, the 17th September 1982

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. IAC/AcqlI 'SR-II/1-82/6571 -- Whereas 1, NARFNDAR SINGH,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable-property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/and bearing No.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Agni land situated at Vill. Hastsal, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Jan. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe, that the fair market value of the property as afore-aid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(n) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Agu. land. Mg. 7 Bighas 7 Biswas Vill Hastsal, Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NARENDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons. Themsely:—

Date: 17-9-82

ical:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-JL AHMI'DABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 10th August 1982

Ref. No. P.R. No. 1781 Acq.23/II/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Nodhni No. 1769, Wd. No. 10 Soni Falia, situated at Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Surat on Jan. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any, moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- Sh. Manmohandas Chhabildas Vakawala,
 Maniben Manmohandas Vakawala
 Sh. Mukeshchandra Manmohandas Vakawala,
 Soni Falia, Main Road, Surat
- (2) Smt. Kamlaben Manharlal Madhukunj Society, Sodagarwad, Surot

(Transferce)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Nodh No. 1769, Wd. No. 10, Soni Falia, Surat registered in January, 1982.

R R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II Ahmedabad.

Date: 10-8-82

FORM (1NS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 10th August 1982

Ref. No. P.R. No. 1782 Acq 23 II / 82-83 - Whetens, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/-and bearing No.

Nodh No 1235A (P) Rangildas Mehta Sheji situated at Gopipura Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Surat on Jan 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, or the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—42—276 GI 82

(1) Promotor of proposed Rathadip Coop Housing Society Shri Suieshchandra Fakirchind Zaven, Mali Filia, Copipora Surat

(Transferor)

(2) I. Navinch india. Matatlal. Shah,
Gopipura, Juni. Adalat, SURAI.
2. Ramilahen. Navinchandra. Mehta,
Gopipura, Bayasidi, Surat.
3. Nitinkumai. Ratifal. Shah.
Diwah. Baug. Athway, Surat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

Property at Nodii No. 1235 V (P) Rangild is Mehta Sherr Gopipura, Surat registered in Jan. 82.

R R SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Ringe-H Ahmedabad.

Date 10-8-82 Seal:

FORM I.T.N.S -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 10th August 1982

Ref. No PR. No 1783 Acq 23-II / 82-83 — Wherens, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No R.S. No. 167/1 and 168/2 (Patt) Plot No 9 situated at Pratapnagar Industrial Estate, Buroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Baroda on 16-1-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Waelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1 Chhabildas Mandal Shah 86, Udhvognagar, Behind Avurved College, Pamgate, Baroda 2 Shashikant Nagardas Dhruv, 50 Ramsadan, Brahmanyada Road

(Transferor)

(2) 1 Ramehandra Keshavlal Patni
 2 Bhagwandas Keshavlal Patni
 3 Rameshchandra Keshavlal Patni
 4 Suteshchandra Keshavlal Patni
 near Town, Wadi Wadi Baroda.

Mattunga, Bomb 1y-400 019

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULT.

Open land at Pintapnagai Industrial Estate as fully described in the Sale-deed No. 248 and 249 registered in the office of Sub-registrat. Bareda on 16-1-82

R, R SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II Ahmedabad

Date 10-8 82 Seal :

FORM ITNS----

(1) Sh. Maheshbhai Chinubhai Thakkar Sahakari Lathi Bazar, Geeta Mandir Road, Ahmedabad,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Pradeep Punjalal Trust
 1) Ustee —Punjalal Lallubhai Shah
 6, Shantinagar, Usmanpura, Ahmedabad.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 10th August 1982

Ref. No. P.R. No. 1784 Acq. 23-II/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

Rs. 25,000/- and bearing No.
Plot No. 38 Sector No 19
situated at Gandhinagar Township
and more fully described in the Schedule approved.

situated at Gandhinagar Township (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar on 27-1-82 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforcasid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

I VPI MATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given on that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and plinth thereon situated at Sector No. 19, Plot No. 38 Gandhinagar township and as fully described in sale-deed No. 104 registered in the office of Sub-Registrar, Gandhinagar on 27-1-1982.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II Ahmedabad.

Date: 10 8-82 Seal.

, -

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely:-

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGI-II AHMEDABAD-380009 Ahmedabad 380009, the 10th August 1982

Ref. No. P.R. No. 1785 Acq.23-11/82-83.—Whereas I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot No. 25, Sector No. 19

situated at Gandhinagar Township

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Gandhinagar on 16-1-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:——

 Sh. Ratilal Khusaldas Patel, "Shelter" Chimanlal Girdharlal Marg, Ellisbridge, Ahmedabad,

(Transferor)

(2) Hasmukhbhai Kastuichand Shah HUF I and 2 Kaita of HUF 1—Hasmukhlal Kastuichand Shah Kaita of HUF. 2—Maulesh Hasmukhbhai Shah 41, Sthanak Vasi, Jain Society, Naranpura, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and plinth thereon situated at Sector No. 19 Plot No. 25, Gandhinagar township as fully described in Sale deeds No. 47 and 48 registered in the office of Sub-Registrar, Gandhinagar, on 16-1-82.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II Ahmedabad.

Date . 10 8-82

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 10th August 1982

Rcf. No. P.R. No. 1786 Acq.23-11, 82-83.—Whereas, J. R. R. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

C.S. No 783 '1 and 783/2

situated at Nizampura area, Baroda City

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Baroda on 11-1-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thorefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said in trumount of transfer with the object or.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-rection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

1. Kahdas Mahijibhai Pathiyar,
 2. Natversingh Mahijibhai Pathiyar,
 Nizampura Baroda

(Pransferor)

(2) Patel Valjibhar Shakerbhar, 56 Sardarnagar, Nizampura, Barodar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Open land at Nizompura area of Baroda City as fully described in sale-deeds No. 168 and 170 registered in the office of Sub-Registrar, Baroda on 11-1-1982.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II Ahmedabad

Date: 10-8-82

Scal:

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Pilaman

(1) 1. Gulamnabiyar bhai Gora

 Abdultahim Gulamnabiyar bhai--Kagdiwad, Ankleshwar.

(Transferor)

(2) Sh. Sadruddin Abdulrahim Bala Piraman Naka, Ankleshwar.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGF-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 11th August 1982

Ref. No. P.R. No. 1787 Acq.23/II/82-83.--Whereas, I, R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 296B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and beating No.

S. No. 153 situated at

Ankleshwar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ankleshwar on Jan 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect to any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

LAPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Ankleshwar S. No. 153, registered in Jan. 82.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 11-8-82

Sen1:

LORM HNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF 1HE INCOMETAN ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOMETAX ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 11th August 1982

Ref No P R No 1788 Acq 23/II 82 83 - Whereas R R SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov able property, having a fair market value exceeding Rs 25,000 / and bearing No S No 25/A1(P) T P Scheme F P 210 situated at Navagam Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on Jan 82

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent considera-tion therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said insrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/of
- (b) facilitating the concealment of any income (or any moneys of other assets which have not been of the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) of the said Act of the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957),

(1) (1) Shit Ishwailal Kikabh ii Ghadiali, Navapura Karva Road, Surat

(Transferor)

- (2) (1) Ajanta Dymond Apartment Co op-Housing Society Itd President Shri Rajendin Thakorbhat Patel-Sagrampur, Surat
 - (2) Prujapati Paisott im Khodabh ii—Dipmang il Es inte Alhwa Gitc Surat

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette

FYPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property at RS No 25/A/I (p) Navagam, Surat registered in Jan 82

> R R SHAIL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the iforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely -

Date 11.8.1982 Seal

FORM I.T.N S --- -

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVFRNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 11th August 1982

Ref. No. P.R. No. 1788-B Acq. 23/II 82.83 — Whereas, I.R. R. SHAH

being the competent authority,

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rb. 25,000/- and bearing

No. Old S No 25 A/I(p) I P.S-4—FP 210 situated at Navagam— Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on Jan 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid propety, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the respect of any income arising from the transfer; 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1951);

Now, therefore, in pulsuance of Section 269C of the said Act. 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. **aemely:---

(1) aut Kumudben Somablen Gladfolt Nacaputa, Kaiya Road Sutat

(Transferor)

- (2) (1) Ajanti Diamond Apartment Co-op Housing Society Ltd. President, Shii Rajendia Thakoibhai Patel Sagiampura, Surat
 - Prajapati Parsottamdas Khodabhai Dip mangal, Athya, Surat

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at old S. No. 25 A /1 (P) Navagam Surat registered in Jan. 82

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II Abmedabad

Date : 11-8-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT COMMISSIONER OF INCOME FAX

ACQUISITION RANGE II. AHMIDABAD

Ahmedabad 380009, the 28th August 1982

Ref No P R No 1820 Acq 23 II/82-83 —Whereas I R R SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25 000 and bearing No

S No 1-2 & 103 Dindoli situated at Tal Chorvasi, Choryasi

(and more fully described in the Schodule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Surat on Jun 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namley:—
43—276 GI 82

(1) 1 Shri Makhubhai Chhotubhai Desai
2 Shii Jayantibhai Chhotubhai Desai
3 Shri Ishvaibhai Chhotubhai Desai
4 Shri Arvindbhai Chhotubhai Desai
5 Maniben Wd/of Chhotubhai Ranchhodji
Village Dindoli Tal Choryasi – Suiat

(Transferor)

(2) 1 Shii Dhanjibhai Ratanjibhai
 2 Shri Ramibhai Ratnjibhai
 3 Shri Dahyabhai Dhanjibhai

Shri Balubhai Rambhai — Ashwinikumai Road, Fulpada Fal Choryashi, Surat

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Expranation —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at S No 1-2 & 103, Diudah registered in Jan 1982

R. R. SHAH

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II Ahmedabad

Date 28-8-82

Seal

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Lalbhai Vallabhai Mota Varachha, Tal: Chaurasi. Surat.

(Transferor)

 Shri Mavjibhai Dharamshibhai
 No. 4, Vallabhnagar Society, Varachha Road, Surat.
 (Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 28th August 1982

Ref. No. P R. No. 1821/Acq. 23/II '82-83. --Whereas, I R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing No.

S. No. 615. Mota Varachha situated at Surat,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on Jan. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at S. No. 615, Mota Varachha, registered in Jan., 1982

R. R. SHAH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II. Ahmedabad

Date: 28-8-82,

Seal,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAY ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Vanmalibh u Dahyabhu Malt Dalpatbhai Jerambhai Mota Varachha Tal Chaurusi, Surat

(Transferor)

(2) Shij Vallabhbhai Sukhabhai Patel Shij Kanjibhai Kalabhai Patel, Hans Society, Vainenha Road Suint

(Tiansfèice)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II AHMEDABAD

Ahmedabad-380009 the 28th August 1982

Ref No P R No 1822 \cq 23/11 82 83 —Whereas, I R R SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/and bearing No S No 647 Mota Varachha situated at Surat, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Surat on Jan 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

1 NPI ANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

Property at S No 647 block No 619, Mota Varachha registered in Jan 82

R R SHAH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely—

Date 28 8 82

Seal

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-JI, AHMI DABAD

Ahmedabad-380009, the 28th August 1982

Ref. No. P. R. No. 2082 Acq. 23-1/82-83.---Whereas, 1 R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

F. P. 268 to 276, T. P. S. 6 situated at Bunglow No. 19, The Gujarat Brahamxtriya Co. op. H. Society Ltd. Paldi, Ahmedabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in office of the Registering Officer at

Ahmedabad on 4th March 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfor; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shrimati Grismaben Dilipbhaj Desai Gujarat Brahamkshtriya Society, Paldi, Ahmedabad.
 Linimaben Dilipbhaj Desai, Paldi, Ahmedabad.

Shri Harishbhai Somabhai Punjara
 Smt. Naliniben Harishbhai Punjara
 Nanalal Park, Manunagar,

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building standing on land 635 sq. yd situated at Paldi, A'bad, duly registered by S. R. A'bad, vide Sale-deed No. 3150 & 3149/4.3.82

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedahad

Date: 21-8-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009 the 19th August 1982

Ref. No. P. R. No. 2081. Acq/23 (1/82-83 + Whereas, I. R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No 5 No 479 situated at Thalter, Dist. Ahmedabad tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 21st Lan. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Gandabhai Lalabhai & Others Village Ambli Dist; Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shah Govindbhai Mafatlal Patel, 9-A, Amaideep Niwas', Hindu Colony, Opp Saidai Patel Stadium, Nhmedabad

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1 and adm 7 acre 1e 33880 sq yds.—situated at Thaltej; Dist Ahmedabad, duly registered by S. R. Albad vide Saleded No. 967, 969, 972, 972, Nil/21-1-82.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 19-8-1982 Seal

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 19th August 1982

Ref. No. P. R. No. 2080 Acq.23/I/82-83.—Whereas, IR. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. S. No. 47-2 Paiki—F.P.S. 29, T.P.S. 20, situated at Changispur, Ahmedabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 18-1-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Dinkarbhai Kanjibhai Parikh, "Lolitkunj"—Navrangpura, Ahmedabad.

(Transferor)

 Shri Chandrakantbhai Chinubhai
 Mrs. Kusumben, C. Shah
 Lane, Panchvatt, Eleisbridge, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building standing on land 405 sq. yd. situated at T.P.S. 20—Changispur, Ahmedabad, duly registered by S. R. A'bad vide Sale-deed No. 609/18-1-82.

R. R. SHAH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 19-8-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD.
AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 19th August 1982

Ref. No. P. R. No. 2079.Acq 23/1/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. F. P. 368, T.P.S. 3 (varied) situated at Changispur—Mithakhali, Ahmedahad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 20-1-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the pattice has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- I. Bhikhabhai Jivabhai Private Trust. through trustee Shri Manubhai Bhikhabhai & others. New Brahamkshtriya Society, Elisbridge, Ahmedabad.
 - Dahiben Bhikhabhai Patel & Others, New Brahamkshtriya Society, Ellisbridge, Ahmedahad.

(Transferors

(2) Ian Umang Co. op H. Society Ltd. through Secretary, Shri Ashokkumar Mohanlal Mehta, Sarvoduyanagar, O 's Shahpur Darwaja, Ahmedabad.

(Transferees)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

FXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

I and with structure—land area 5979 sq. yds. situated at Mithakhali, A'bad, duly registered by S. R. A'bad vide saleded No. 736/20-1-82.

R. R. SHAH.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad.

Date · 19-8-1982,

 Radhaben Premjibhaj Patel, 16-B. Madhukunj Society, Maninagar, Ahmedabad.

(Transferor)

MOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Ansuyaben Kanubhai Patel, 16-B, Madhukuni Society, Maninagar, Ahmedabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE. ASHRAM ROAD.
AHMEDABAD-380009.

Ref. No. P.R. No. 2078.Acq.23.1/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tan Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

F.P. 67 + 72 + 73/31 situated at Madhukunj Society, B. No. 16, Khokharamahemadabad, Ahmedabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at at Ahmedabad on 2-1-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in this Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

THE SCHEDULE

Building standing on land 365 sq. yd. situated at Maninagar, Ahmedabad duly registered by S. R. A'bad vide Saledeed No. B/2-1-82.

R. R. SHAH.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad.

Dated: 16-8-1982

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE,

2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-360009

Ahmedabad-380009 the 16th August 1982

Ref No PR No 2077 Acq 23/1/82 83 — Whereas, I R R SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/-and bearing

No 142/3/1 135/1/2, 134 137 123-2, 144-2 1, 181 & 141/3 situated at Village Bodakdev Distr Ahmedabad has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on January 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922. (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—
44—276 GI/82

- (1) I Shrimati Dahiben widow of loitaram Nathabhai village Ambli Dist A bad
 - 2 Shii Kanjibhai Parsottamdas & Others Village Bodakdev, Dist A bad
 - 3 Smt Valiben widow of Ambaiam Shabkerbhai Village Bodakdev Dist A bad
 - 4 Shri Lalbhai Chhaganlal Village Bodakdev Dist A bad
 - 5 Shri Sendhabhai Punjabhai & Others Village Bodakdev Dist A bad
 - 6 Shri Kalidas Fallubhai Village Bodakdev Dist A'bad
 - 7 Shii Ratilaj Chaturbhai & Others village Ambli Distt Abad

(liansferor

(2) Shri Hanubhu Himitbhai Patel & Others Vijayanta' Neai Saidar Patel Stadium Naviangpuri Ahmedabad

(Transferces)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land adm 32A-17G ie 1,56 937 sq yd situated at Bodakdev Dist A bad, duly registered by S R A bad vide sale-deed Nos 5451, 5506, 5670, 5479, 5466 496, 497 / 13 1 82 ie propeity as duly registered therein

R R SHAH
Compe ent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range I
Ahmedabad

Date 16-8-1982 Seal .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMf-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMFDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 16th August 1982

Ref. No. P.R. No. 2076.Acq.23 I /82-83 -- Whereas, I, R R SHAH,

k R SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the band Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S No 546-4-547--sub, plot No 8, T.P.S. 28, FP 681 situated at Wadaj, Ahmedabad. (and more fully described in the Schedule annexed parety), have been transferred under the Registration Act.

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer of Ahmedabad on 5-1-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid proof the property as aloresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent agreed to between the parties has not been truly stated in the

said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said \ct, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aloresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely --

(1) Mrs. Satyavati widow of Biharilal Mahendraprasud, C/o M. M Opal Gurudaspura,-Punjab. (Transferor)

(2) Setumal Co, op. Housing Society proposed Shri Nirmal Kumar Keshaybhai Patel, 137, Sardar Patel Colony, Ahmedabad-19.

(Transferce)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the nublication of this notice in the Official Gazette.

FYPLANATION — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 989 mtr. situated at Wadaj, A'bad duly registered by S. R. A'bad vide Sale-deed No. 177/5-2-82.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedabad

Date: 16-8-1982

FORM I.T.N.S.- --

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 16th August 1982

Ref. No. P.R. No. 2075.Acq.23.J 82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable poperty, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Bungalow No. 19, Moth Champaner Society, Wadaj situated at Ahmedabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 5-1-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor ot pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons; namely:—

(1) Shii Jethalal Jivanlal Gandhi & Others. 50-B, Swastik Society, Ahmedabad.

(Transferors)

- (2) I. Shii Shiyabhai Kevaldas Patel, Saryamangal Society, Naranputa, Ahmedabad,
 - Smt. Iyotsnaben, Manilal Patel, Municipal Plot No. A-Vibhag, Opp. Mill Kamdar Society, Kalol, Dist. Mehsana.

(Transferces)

Objections, if any,, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building standing on land 715 sq. yd situated at Wadai, A'bad duly registered by S. R. A'bad vide sale deed No. 226/5-1-82.

R. R. SHAII Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I Ahmedabad

Dated: 16-8-1982

(1) Shri Mangaji Visaji Thakor Village Thaltej, Dist. Ahmedabad.

(Transferois)

(2) Muktinagar Co. op. Housing Society Ltd. Secretary, Dalichand Zaverchand A-4, Haridas Colony, Nayjivan Press Road, Navrangpura, Ahmedabad.

(Transferces)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMFDABAD-380009,

Ahmedabad-380009, the 16th August 1982

Ref. No. P.R. No. 2074.Acq 23.1 82-83,—Whereas, I, R. R. SHAH.

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S No. 25, situated at Thaltej, Ahmedabad.

(and more fully described in the Schedule annexd hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ahmedabad on 2-1-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 27 gunthas soituated at Thaltej Dist. A'bad duly registered by S. R. A'bad vide sale- deed No. 48 & 49 / 2-1-82.

R. R. SHAH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad.

Date: 16-8-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 (1)Shah Kamlaben Valchandbhai Santaeruz (East), Laxmi Bhuwan, Block No. 13, Santaeruz (East)—Bombay,

(Jiansferor)

(2) Shii Kantilal Babulal Shah, 3. Manek Flats, Sukhipura, New Sharda Mandir Road, Ahmedabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009.

Ahmedahad-380009, the 16th August 1982

Ref. No. P.R. No. 2073. Acq 23-1 82-83. -- Whoreas, T. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

T P.S. 6-- Sub Plot No. 461-2-A situated at Paldi, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 22-1-1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat adm, 112 sq. vd. situated at Paldi, A'bad duly registered by S. R. Ahmedabad, vide Sale-decd No. 978/22-1-82.

R. R. SHAH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Dated: 16-8-1982

FORM I.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD.

AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 16th August 1982

Ref. No. P.R. No. 2072.Acq.23 1/82-83. —Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing No. 684-3 situated at Sanand Dist. Ahmedabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sanand on Jan. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Vrajlal Kalidas Patel & Others Sanand, Dist. Ahmedabad.

(Transferors)

(2) Narnarayan Co. op. H. Society Ltd. Chairman, Chimanlal Mohanlai Thakkar, Sanand, Dist. Ahmedabad.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. O-21 G. situated at Sanand, duly registered by S. R. Sanand, vide Sale-deed No. 27/82/Jan. 82.

R. R. SHAH.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-l
Ahmedabad.

Date: 16-8-1982

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE

2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD.

AHMI-DABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 16th August 1982

Ref. No. P. R. No 2071 Acq 23-1/82-83.—Whereas, I. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 680-1, 2, 4 682 paiki situated at Sanand, Distt. Ahmedabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sanand on January 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shin Bhikhalal Motilal Patel & Others, Sanand, Distt. Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Namarayan Co. op. Housing Society Ltd., Chairman, Chimanlal Mohanlal Thakkar, Sanand, Distt. Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 2A-1G & 0.28 G situated at Sanand, Dist. Ahmedabad, dudy registered by S. R. Sanand, vide sale-deed. No 28/82/fan. 82.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 16-8-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETA'S, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,

AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 16th August 1982

Ref. No. P R. No 2070 Acq. 23-1/82-83 —Whereas, I, R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

F. P 255, sub. Plot No. 3 Shaikhput—Khapur, Ahmedabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad in Jan. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Ac to the following persons, namely:—

(1) Shii Amubha: Famanlal Gajjar & Others, Near Mithal hali Barlway Crossing Ellishbridge, Abricdabad

(Transferor)

- Nituben Prakashbhai Sheth & Others, Fatehbhar's Haveli, Ratanpole, Ahmedabad.
 - Renukaben Rameshbhai Sheth, Fatchbhai's Haveli Ratanpole, Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION '-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat adm 128.78 sq. vd. on 1st floor No. 3-A & 2-A, situated at Navrangpura. Shaikhpur, Khanpur, A'bad duly registered by S. R. A'bad, vide Sale-deed Nos. 3176 & 3180 January, 1982.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tux,
Acquisition Range-I. Ahmedahad

Date: 16-8-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAY ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
4hmedabad-380009, the 16th August 1982

Ref. No. P. R. No. 2069 Acq. 23-1/82-83 —Whereas, I, R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Block No 1314, 1327, 1315, 1341, 1316, 1334, 1317, 1340, 1343, 1350, 1339 1342, 1315, 1344, 1337, 1338, 1321 & 1318 situated at village Shilaj Dist Ahmedabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 30 1-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been tuily stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer
 and/or;
- 'b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

45-276 GI/82

 Shri Kamal Mangaldas, Mangal Baug, Illishridge, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Smt Anjali Kamal Mongaldas & Others Mangal Bung Hilsbridge, Ahmedabad

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned '---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, publication of this notice in the Official Gazette.
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

l and adm 12125 sq yd situated ai village Shilaj Dist. A'bad duly registered by S R A'bad vide Sale-deed No 961/30-1-82

R R SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I Ahmedabad

Date: 16-8-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMF-TAX,

ACQUISITION RANGE

2nd Floor Haudloom House Ashram Road, Ahmedahad-380009

Ahmedabad-380009, the 16th August 1982

Ref. No P R No 2068 Acq 23/1/82/83 - Whetens I R. R. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No

No. 133, 144|2|2 144/3, 142/3/2 143/2 situated at village Bodakdev, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 25-1-82 & 27-1-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believed that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person namely:-

- (1) 1. Smt Diwaliben widow of Parshottamdas Joitatani, village Ambli, Dist Ahmedabad. Shti Ranchhodbhai Lavjibhai,
 - village Ambli, Dist Ahmedabad

(Transferor)

(2) Shii Manubhai Himatohai Patel, "Vuijya-tana" Neai Saidarpatel Stadium Navrangpura, Ahmedabad

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

Land adm 9A-7G 1e 44407 sq vd situated at village Bodakdev, Dist. Ahmedabad, duly registered by S R. A'bad. vide Sale-deed No 1063/25-1-82 & R. No. 1169/ 27-1 82.

> R R SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 16 8-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 2nd Floor, Handloom House Ashram Road,

Ahmedabad-380009.

Ahmedabad-380009, the 16th August 1982

Ref. No P R No 2067 Acq 23/1/82-83—Whereas, I, R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No 174-paiki & 175-1 paiki, 174-2 paiki situated at Shajiput Bogha, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 27-1-1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shii Manilal, Babahar Parekh, Mehta Sheri, Naroda Road, Saijpur Bogha, Dist. Ahmedabad.
 - 2 Smt. Gangaben widow of Sankalchand Parshottamdas, 3, Kundan Society, village Vasane, Surkhej Road, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Jai Ambe Co. Op, Housing Society Ltd., Shii Nathabhai Zaverbhai, 11, Harisiddh Chambers, 1st Floor, Ashram Road, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of he aforesaid persons within a period of 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 5943 sq. vd. & 2978 sq. yd. situated at Saijpur Bogha, Dist. A'bad, duly registered by S. R. A'bad vide Sale-deed No. 1080, 1081, 1082, 1084/27-1-82 & R. No. 1976 & 1077/27-1-82.

R R. SHAH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Dt: 16-8-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

2nd Floor, Handloom House Ashram Road, Ahmedahad-380009.

Ahmedabad-380009, the 16th August 1982

Ref. No. P. R. No. 2066 Acq. 23/I/82-83.—Whereas, I. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No. 107-2, Plot No. 5 situated at Achiar, Sabarmati, Ahmedabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 29-1-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Mafatlal Narandas Prajapti, Sabarmati, Ramnagar, Ahmedabad.

(Transferor)

 Shri Mithalal Ranmalji, Narayan Apartment, Sabarmati, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat at 1st floor adm. 102 sq.yd. situated at Achiar, Sabarmati, A'bad duly registered by S. R. A'bad vide Saledeed No. 1334/29-1-82.

R. R SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1, Ahmedabad

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of his notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Dt.: 16-8-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

2nd Hoor, Handloom House Ashrom Road, Ahmedabad-380009.

Ahmedabad-380009, the 16th August 1982

Ref. No. P. R. No. 2065 Acq. 23/I/82-83.- Whereas, I. R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 296B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

231 & 232 village Makarba, Dist Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 22-1-82

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therein by more than tifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising form the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-to-Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforms and property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

 Smt Naniben widow of Gandabhai Punabhai, (Sarkhej Road), village Makarba, Dist. Ahmedabad,

(Transferees)

(2) Shri Shantilal Misrimal Shah (HUF), through Shri Vedmal Maloo, Shop No. 5, Maskati Market, Kalupur, Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in fhe Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

I'VPI MATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 4A-6G—situated at village Makarba, Dist. A'bad, duly registered by S. R. A'bad vide Sale-deed Nos. 70, 71, & 72/22-1-82.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I. Ahmedabad

Dt.: 16-8-82 Seal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD.

1HMFDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 16th August 1982

Ref. No. P. F. No. 2064 Acq. 23/I/82-83.—Whereas, I, R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing

C. S. W. No. 3—S. No. 1178 paiki situated at Porbandar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Porbandar on 16-1-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
Seal:

(1) Shii Jayendra Kumar Gopalji Bamanasia, c/o Shri Gopaldas alias Dharamdas Harilal & Others Zaveri Bazar, Porbandar

(Transferor)

(2) Shii Gopaldas aims Dharamdas Haulal & Others, Zaveri Bazai, Porbandar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building standing on land 112 sq. yd., situated at Porbandar, duly registered by S. R. Porbandar vide Sale-deed No. 157/16-1-82.

R. R. SHAH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Date: 16-8-1982

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION NOTICE

GEOLOGISTS' EXAMINATION, 1982

New Delhi, the 9th October, 1982

No. F.4/1/82-E.I.(B).—A competitive examination for recruitment to the posts mentioned in para 2 below will be held by the Union Public Service Commission at AGARTALA, AHMEDABAD, AIZAWL, ALLAHABAD, BANGALORE, BHOPAL, BOMBAY, CALCUTTA, CHANDIGARH, COCHIN, CUTTACK, DELHI, DISPUR (GAUHATI, HYDERABAD, IMPHAL, ITANAGAR, JAIPUR, JAMMU, JORHAT, KOHIMA, LUCKNOW, MADRAS, NAOPUR, PANAJI (GOA), PATNA, PORT BLAIR, SHILLONG, SIMLA, SRINAGAR and TRIVANDRUM commencing on 22nd March, 1983 in accordance with the Rules published by the Ministry of Steel and Mines in the Gazette of India, dated 9th October, 1982.

THE CENTRES AND THE DATES OF HOLDING THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE. TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. WHILE EVERY EFFORT WILL BE MADE TO ALLOT THE CANDIDATES TO THE CENTRE OF THEIR CHOICE FOR EXAMINATION, THE COMMISSION MAY, AT THEIR DISCRETION, ALLOT A DIFFERENT CENTRE TO A CANDIDATE, WHEN CIRCUMSTANCES SO WARRANT. CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION (See Annexure I, para 11).

2. The categories of posts to which recruitment is to be made on the results of this examination and the approximate number of vacancies in the various posts are given below:—

Category I: (Posts in the Geological Survey of India, Ministry of Steel & Mines).

(i) Geologist (Junior), Group A 75 (Includes 25 vacancies reserved for Scheduled Castes and 12 vacancies for Scheduled Tribes candidates).

(ii) Assistant Geologist, Group B 40 (Includes 14 vacancies reserved for Scheduled Castes and 6 vacancies for Scheduled Tribes candidates).

Category II: (Posts in the Central Ground Water Board, Ministry of Irrigation).

Assistant Hydrogeologist,*
Group B

*Vacancies not yet intimated by Government.

The above numbers are liable to alteration.

Appointments will be made on a temporary basis in the first instance. The candidate's will be eligible for permanent appointment in their turn as and when permanent vacancies become available.

3. A candidate may apply for admission to the examination in respect of all or any of the posts mentioned in para 2 above. He will be considered only for the post(s) he applies for. Once an application has been made, no change will ordinarily be allowed.

If a candidate wishes to be admitted for more than one category of posts he need send in only one application. He will be required to pay the fee mentioned in para 6 below

once only and will not be required to pay separate fee for each posts for which he applies.

N.B.—A candidate is required to specify clearly in the application form the Services/posts for which he wishes to be considered. He is advised to indicate as many preferences as he wishes to so that having regard to his rank in the order of merit, due consideration can be given to his preferences, when making appointments.

No request for alteration in the order of preferences for the Services/posts for which he is competing would be considered from a candidate unless the request for such alteration is received in the office of the Union Public Service Commission within 30 days of the date of publication of the results of the written examination in the Employment News.

4. A candidate seeking admission to the examination must apply to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, on the prescribed form of application. The prescribed form of application and full particulars of the examination are obtainable from the Commission by post on payment of Rs. 2.00 (Rupees two) which should be remitted to the Secretary, Union Public Service Commission Dholpur House, New Delhi-110011, by Money Order, or by Indian Postal Order payable to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office. Cheques or currency notes will not be accepted in lieu of Money Orders/Postal Orders. The form can also be obtained on cash payment at the counter in the Commission's Office.

This amount of Rs. 2.00 (Rupees two) will in no case be refunded.

Note.—CANDIDATES ARE WARNED THAT THEY MUST SUBMIT THEIR APPLICATIONS ON THE PRINTED FORM PRESCRIBED FOR THE GEOLOGISTS' EXAMINATION 1983. APPLICATIONS ON FORMS OTHER THAN THE ONE PRESCRIBED FOR THE GEOLOGISTS' EXAMINATION 1983 WILL NOT BE ENTERTAINED.

5. The completed application form must reach the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011 by post or by personal delivery at the counter on or before the 6th December. 1982 (20th December 1982 in the case of candidates residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizotam, Manipur, Nagaland. Tripura, Sikkim, Ladakh, Division of J&K State, Lahoul and Spiti District of Himachal Pradesh. Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep and for candidates residing abroad from a date pilor to 6th December 1982 and whose applications are received by post from one of the areas mentioned above) accompanied by necessary documents. No application received after the prescribed date will be considered.

A candidate residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura. Sikkim. I adakh Division of J&K State, Lahoul and Spiti District of Himachal Pradesh. Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep and a candidate residing abroad may at the discretion of the Commission be required to furnish documentary evidence to show that he was residing in Assam, Meghalaya,

Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura Sikkim, Ladakh Division of J&K State, Lahoul and Sp to District of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Iakshadweep or abroad from a date prior to 6th December 1982.

NOTE (1):—Candidates who are from areas entitled to additional time for submission of applications should also clearly indicate in their addresses in the relevant Column of the application the name of the particular area or region entitled to additional time (e.g. Assam, Meghalaya, Ladakh Division of J&K State etc.) otherwise they may not get the benefit of additional time.

NOTE (ii):—Candidates are advised to deliver their applications by hand at the UPSC counter or send it by Registered Post. The Commission will not be responsible for the applications delivered to any other functionary of the Commission.

6. Candidates seeking admission to the examination must pay to the Commission with the completed application form, a fee of Rs. 48.00 (Rupees Forty eight) [Rs. 12.00 (Rupees Twelve) in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and Scheduled Tribes] through Crossed Indian Postal Orders payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the New Delhi General Post Office or Crossed Bank Draft from any branch of the State Bank of India payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi.

Candidates residing abroad should deposit the prescribed fee in the office of India's High Commission, Ambassador of Representative abroad, as the case may be, for credit to account head "051-Public Service Commission—Examination Fees" and attach the receipt with the application.

APPLICATIONS NOT COMPLYING WITH THE ABOVE REQUIREMENT WILL BE SUMMARILY REJECTED. THIS DOES NOT APPLY TO THE CANDIDATES WHO ARE SEEKING REMISSION OF THE PRESCRIBED FEE UNDER PARAGRAPH 7 BELOW.

- 7. The Commission may at their discretion remit the prescribed fee where they are satisfied that the applicant is a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January 1964 and 25th March 1971, or is a bona fide repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June 1963, or is a bona fide repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November 1964, or is a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka under the Indo-Ceylon Agreement of October 1964, or is a bona fide displaced person from erstwhile West Pakistan and had migrated to India during the period between 1st January, 1971 and 31st March, 1973, and is not in a position to pay the prescribed fee.
- 8. A refund of Rs. 30.00 (Rupees Thirty) [Rs. 8.00 (Rupees eight) in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes], will be made to a candidate who has paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the Commission. If, however, the application of a candidate seeking admission to the examination in terms of Note 1 below Rule 7 is rejected on receipt of information that he has failed in the qualifying examination or will otherwise be unable to comply with the requirements of the provisions of the aforesaid Note, he will not be entitled to a refund of fee.

No claim for a refund of the fee paid to the Commission will be entertained, except as provided above, and in para 9 below nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection.

- 9. If any candidate who took the Geologists' Examination held in 1982 wishes to apply for admission to this examination he must submit his application so as to reach the Commission's office by the prescribed date without waiting for the results or an ofter of appointment. If he is recommended for appointment on the results of the 1982 examination his candidature for the 1983 examination will be cancelled on request and the fee refunded to him, provided that the request for cancellation of candidature and refund of fee is received in the Commission's office within 30 days of the date of Publication of the final result of the 1982 Examination in the Employment News.
- 10. NO REQUEST FOR WITHDRAWAL OF CANDIDATURE RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER HE HAS SUBMITTED HIS APPLICATION WILL BE ENTERTAINED UNDER ANY CIRCUMSTANCES.
- 11. The question papers in all the subjects as indicated in the scheme of examination at Appendix I to the Rules will consist of objective type questions. For details pertaining to objective type Tests including sample questions, reference may be made to "Candidates' Information Manual" at Annexure II.

VINAY JHA, Jt. Secy. Union Public Service Commission

ANNEXURE-I

INSTRUCTIONS TO CANDIDATES

1. Before filling in the application form the candidates should consult the Notice and Rules carefully to see if they are eligible. The conditions prescribed cannot be relaxed.

BEFORE SUBMITTING THE APPLICATION THE CANDIDATE MUST SELECT FINALLY FROM AMONG THE CENTRES GIVEN IN PARAGRAPH 1 OF THE NOTICE, THE PLACE AT WHICH HE WISHES TO APPEAR FOR THE EXAMINATION.

Candidates should note that no request for change of centre will normally be granted. When a candidate, however, desires a change in centre, from the one he had indicated in his application form for the Examination, he must send a letter addressed to the Secretary. Union Public Service Commission by registered post, giving full justification as to why he desires a change in centre. Such requests will be considered on merits but requests received after 22nd February 1983 will not be entertained under any circumstances.

2. The application form and the acknowledgement card must be completed in the candidate's own handwriting in ink or with ball point pen. An application which is incomplete or is wrongly filled in will be rejected.

Candidates should note that only International form of Indian numerals are to be used while filling up the application form. Even if the date of birth in the SSLC or its equivalent certificate has been recorded in Hindi numerals, the candidate should ensure that while entering it in the Application Lorm, he uses International form of Indian numerals only. They should take special care that the entries made in the application form should be clear and legible. In cast there are any illegible or misleading entries, the candidates will be responsible for the confusion and the ambiguity caused in interpreting such entries.

Candidates should further note that no correspondence will be entertained by the Commission from them to change any of the entries made in the application form. They should therefore, take special care to fill up the application form correctly.

All candidates, whether already in Government service or in Government owned industrial undertakings or other similar organisations or in private employment, should submit their applications direct to the Commission. If any candidate forwards his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late, the application, even if submitted to the employer before the closing date, will not be considered.

Persons already in Government Service whether in a permanent or temporary capacity or as workcharged employees other than casual or daily-rated employees or those serving under the Public Enterprises are, however, required to submit an undertaking that they have informed in writing their Head of Office/Department that they have applied for the examination.

Candidates should note that in case a communication is received from their employers by the Commission withholding permission to the candidates applying for/appearing at the examination, their application shall be rejected/candidature shall be cancelled.

- 3. A candidate must send the following documents with his application:---
 - (i) CROSSED Indian Postal Orders or Bank Draft for the prescribed fee or attested/certified copy of certificate in support of claim for fee remission (See paras 6 & 7 of the Notice and para 6 below).
 - (ii) Attested/certifled copy of Certificate of age.
 - (iii) Attested/certified copy of Certificate of Educational qualification.
 - (iv) Two identical copies of recent passport size (5 cm. × 7 cm. approx) photograph of the candidate, one of which should be pasted on the first page of the application form and the second copy on the Attendance Sheet in the space provided therein.
 - (v) Attendance Sheet (attached with the application form) duly filled in.
 - (vi) Two self-addressed unstamped envelopes of approximately 11.5 cms, × 27.5 cms,

- (vii) Attested/certified copy of certificate in support of claim to belong to Scheduled Caste/Scheduled Tribe where applicable (See para 4 below).
- (viii) Attested certified copy of certificate in support of claim for age concession where applicable (See para 5 below)

Note (i):—Candidates are required to submit along with their applications only copies of certificates mentioned in Items (ii), (iii), (vii) and (viii) above attested by a Gazetted officer of the government or certified by candidates themselves as correct. Candidates who qualify for interview for the personality test on the results of the written part of the examination will be required to submit the originals of the written examination also of the written examination are likely to be declared in the month of september 1983. They should keep the originals of the certificates in readiness for submission. At the time of interview. The candidature of candidates, who fail to submit the required certificates in original at that time, will be canofiled and they will have no claim for further consideration.

NOTF (ii):—Candidates are further required to sign the attested/certified copies of all the certificates sent along with application form and also to put the date.

Details of the documents mentioned in items (i) to (lv) are given below and of those in items (vii) and (viii) are given in para 4 and 5:—

(i) (a) CROSSED Indian Postal Orders for the prescribed fee-

Each Postal Order should invariably be crossed and completed as follows—

"Pay to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office."

In no case will Postal Orders payable at any other Post Office be accepted, Defaced or mutilated Postal Orders will also not be accepted

All Postal Orders should bear the signature of the issuing Post Master and a clear stamp of the issuing Post Office.

Candidates must note that it is not safe to send Postal Orders which are neither crossed nor made payable to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office.

(b) CROSSED BANK draft for the prescribed fce.

Bank Draft should be obtained from any branch of the State Bank of India and drawn in favour of Secretary, Union Public Service Commission payable at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi, and should be duly crossed.

In no case will Bank Drafts drawn on any other Bank be accepted. Defaced or mutilated Bank Drafts will also not be accepted.

BY THE COMMISSION AND NO SUBSE-QUENT REQUEST FOR ITS CHANGE WILL BE CONSIDERED OR GRANTED

- Note.—Candidates should write their name and address on the reverse of the Bank Draft at the top at the time of submission of their applications. In the case of Postal Orders the name and address should be written by the candidates on the reverse of the Postal Order at the space provided for the purpose.
- NOTE 3:—CANDIDATES SHOULD ALSO NOTE THAT ONCE A DATE OF BIRTH HAS BEEN CLAIMED BY THEM AND ENTERED IN THE RECORDS OF THE COMMISSION FOR THE PURPOSE OF ADMISSION TO AN EXAMINATION, NO CHANGE WILL BE ALLOWED SUBSEQUENTLY OR AT A SUBSEQUENT FXAMINATION.

(ii) Certificate of Age.—The date of birth accepted by the Commission is that entered in the Matriculation or Secondary School Leaving Certificate or in a certificate recognised by an Indian University as equivalent to Matriculation or in an extract from a Register of Matriculates maintained by a University, which extract must be certified by the proper authority of the University. A candidate who has passed the Higher Secondary Examination or an equivalent examination may submit an attested/certified copy of the Higher Secondary Examination Certificate or in equivalent certificate.

(iii) Certificate of Educational Qualification.—A candidate must submit an attested/certified copy of a certificate showing that he has one of the qualifications prescribed in Rule 7. The Certificate submitted must be one issued by the authority (i.e., University or other examining body) awarding the particular qualification. If an attested/certified copy of such certificate is not submitted, the candidate must explain its absence and submit such other evidence as he can to support his claim to the requisite qualification. The Commission will consider this evidence on its merits but do not bind themselves to accept it as sufficient.

No other document relating to age like horoscopes, affidavits, birth extracts from Municipal Corporation, service records and the like will be accepted

Note.—A condidate who has appeared at an examination the passing of which would render him eligible to appear at this examination, but has not been informed of the result may apply for admission to the examination. A candidate who intends to appear at such a qualifying examination may also apply. Such candidates will be admitted to the examination, if otherwise eligible, but their admission would be deemed to be provisional and subject to cancellation if they do not produce proof of having passed the examination, as soon as possible, and in any case not later than 30th July, 1983.

The expression Matriculation/Higher Secondary Examination certificate in this part of the instruction includes the alternative certificates mentioned above.

Sometimes the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate does not show the date of birth, or only shows the age of completed years or completed years and months. In such cases, a candidate must send in addition to the attested/certified copy of the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate, an attested/ certified copy of a certificate from the Headmaster/Principal of the Institution from where he passed the Matriculation/Higher Secondary Examination, showing the date of his birth or his exact age as recorded in the Admission Register of the Institution.

(iv) Two copies of Photograph.—A candidate must submit two identical copies of his recent passport size (5 cm x 7 cm. approximately) photograph, one of which should he pasted on the first page of the application form and the other copy on the Attendance Sheet in the space provided therein. Each copy of the photograph should be signed in ink on the front by the candidate.

Candidates are warned that unless complete proof of age as laid down in these instructions is sent with an application, the application will be rejected.

- N.B.—Candidates are warned that if an application is not accompanied by any one of the documents mentioned under paragraphs 3(ii), 3(iii) and 3(iv) above, without a reasonable explanation for its absence having been given the application will be rejected and no appeal against its rejection will be entertained.
- NOTE 1:—A CANDIDATE WHO HOLDS A COM-PLETED SECONDARY SCHOOL CERTI-FICATE NEED SUBMIT ONLY AN AT-TESTED/CERTIFIED COPY OF THE PAGE CONTAINING ENTRIES RELAT-ING TO AGE.
- 4. A candidate who claims to belong to one of the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes should submit in support of his claim an attested/certified copy of a certificate in the form given below from the District Officer or the Sub-Divisional Officer or any other Officer, as indicated below of the district in which his parents (or surviving parent) ordinarily resides, who has been designated by the State Government concerned as competent to issue such a certificate; if both his parents are dead, the officer signing the certificate should be of the district in which the candidate himself ordinarily resides otherwise then for the purpose of his own education.
- NOTE 2 —CANDIDATES SHOULD NOTE THAT ONLY
 THE DATE OF BIRTH AS RECORDED
 IN THE MATRICULATION/HIGHER
 SECONDARY EXAMINATION CERTIFICATE OR AN EQUIVALENT CERTIFICATE ON THE DATE OF SUBMISSION
 OF APPLICATION WILL BE ACCEPTED

Form of the certificate to be produced by Scheduled Castes and Scheduled Tribes candidates applying for appointment to posts under the Government of India

the Constitution (Jummu and Kashmir) Scheduled Castes Order 1956*.

the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959 as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962*

the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964^{\pm}

the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order, 1967*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968*

the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970*

the Constitution (Sikkim) Scheduled Castes Order, 1978

the Constitution (Sikkim) Scheduled Tribes Order, 1978*

Signature.....

**Designation.....

(with seal of office)

Place State*/Union Territory

Date

Please delete the words which are not applicable.

Noise.—The term "ordinarily reside(s)" used here will have the same meaning as in Section 20 of the Representation of the People Act, 1950.

**Officers competent to issue Caste/Tribe certificate;

- (i) District Magistrate/Additional District Magistrate/Collector/Deputy Commissioner/Additional Deputy Commissioner/Deputy Collector/1st Class Stipendiary Magistrate/City Magistrate/Sub-Divisional Magistrate/Taluka Magistrate/Executive Magistrate/Extra Assistant Commissioner.
 - †(Not below the rank of 1st Class Stipendiary Magistrate).
- (ii) Chief Presidency Magistrate/Additional Chief Presidency Magistrate/Presidency Magistrate.
 - (iii) Revenue Officers not below the rank of Tehsildar.
- (iv) Sub-Divisional Officer of the area where the candidate and/or his family normally resides.
- (v) Administrator/Secretary to Administrator/Development Officer, Lakshadweep.
- 5. (i) Persons employed in the Geological Survey of India and Central Ground Water Board claiming age concession under Rule 6(b) should submit a certificate, in original, from Head of their Office/Department in the following form:—

Form of certificate to be produced by Candidates

Signature.....

Ministry/Office.....

Office Stamp.....

*Strike out whichever is not applicable.

- (ii) A displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) claiming age concession under Rule 6(c) (ii) or 6(c) (iii) and/or remission of fee under paragraph 7 of the Notice should produce an attested/certified copy of a certificate from one of the following authorities to show that he is a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964, and 25th March, 1971:—
 - (1) Camp Commandant of the Transit Centres of the Dandakaranya Project or of Relief Camps in various States:
 - (2) District Magistrate of the Area in which he may, for the time being, be resident;

- (3) Additional District Magistrates in charge of Refugee Rehabilitation in their respective districts; (4) Sub-Divisional Officer within the Sub-Division in his charge;
- (5) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner, West Bengal/Director (Rehabilitation), in Calcutta.
- (iii) A repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka claiming age concession under Rule 6(c)(iv) or 6(c)(v) and/or remission of fee under paragraph 7 of the Notice should produce an attested/certifled copy of a certificate from the High Commission for India in Sri Lanka to show that he is an Indian citizen who has prigrated to India or or often let November 1964 or is a migrated to India on or after 1st November 1964, or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964.
- (iv) A repatriate of Indian origin from Burma claiming age concession under rule 6(c) (viii) or 6(c) (ix) and/or remission of fee under paragraph 7 of the Notice should produce an attested/certified copy of the indentity certificate issued to him by the Embassy of India, Rangoon, to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st June, 1963, or a copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may be resident to show that he is a bona fide repatriate from Burma and has migrated to Iudia on or after 1st June 1963.
- (v) A candidate who has migrated from Kenyu, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar) or who is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia, claiming age concession under Rule 6(c)(vi) or 6(c)(vii) should produce an attested/certified copy of a certificate, from the District Magistrate of the area in which he ways for the time being he resident to the area in which he may, for the time being, be resident to show that he is a bona fude migrant from the countries mentioned above.
- (vi) A candidate disabled while in the Defence Services, claiming age concession under Rule 6(c)(x) or 6(c)(xi) should produce an attested/certified copy of a certificate in the form prescribed below from the Director General, Resettlement, Ministry of Defence to show that he was disabled while in the Defence Services, in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof.

The form of certificate to be produced by the candidate.

Certified that Rank No.

Shri ... of Unit ... was disabled while in the Defence Services in operations during hostilities with a foreign country/in a disturbed area* and was released as a result of such disability.

> Signature Designation.....

*Strike out whichever is not applicable.

- (vii) A repatriate of Indian origin who has migrated from Vietnam claiming age concessoin under Rule 6(c)(xii) or 6(c)(xiii) should produce an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may for the time, being be resident to show that he is a bona fide repatriate from Vietnam and has migrated to India from Vietnam not earlier than July, 1975.
- (viii) Ex-servicemen and Commissioned Officers including ECOs/SSCOs claiming age concession in terms of Rule 6(c)(xiv) or 6(c)(xv) should produce an attested/certified copy of the certificate, as applicable to them, in the form prescribed below from the authorities concerned.
- (A) Applicable for Released/Retlied Personnel.

It is certified that No. Rank
Name whose date of birth is
has rendered service from
to in Army/Navy/Air Force and
he fulfils ONE of the following conditions:—

- (a) Has rendered five or more years military service and has been released on completion of assignment otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency.
- (b) Has been released on account of physical disability attributable to military service or on invalidment on

Name and Designation of the Competent Authority SEAL

Station

Date

(B) Application for serving personnel.

It is certified that No. Rank Name whose date of birth is is serving in the Army/Navy/Air Force

- - 3. No disciplinary case is pending against him.

Name and Designation of the Competent Authority SEAL

Station

Pate

Authorities who are competent to issue certificates are as follows:--

(a) In case of Commissioned Officers including ECOsf SSCOs.

Army—Directorate of Personnel Services, Army Hgrs. New Delhi.

Navy—Directorate of Personnel Services, Naval Hgrs. New Delhi.

Air Force—Directorate of Personnel Services, Air Hqus. New Delhi.

(b) In case of ICOs/ORs and equivalent of the Navy and Air Force.

Army-By various Regimental Record Offices.

Navy-Naval Records, Bombay.

Air Force-Air Force Records, New Delhi.

- (ix) A displaced person from eigenhale West Pakistan claiming age concession under Rule $6(c)(xv_1)$ or $6(c)(xv_1)$ and/or remission of fee under paragraph 7 of the Notice should produce an attested/certified copy of a certificate from one of the following authorities to show that he is a bona fide displaced person from cistwhile West Pakistan and had migrated to India during the period between 1st January, 1971 and 31st March, 1973:—
 - (1) Camp Commandar, of the Transit Centres or of Relief Camps in various States;
 - (2) District Magistrate of the Area in which he may, for the time being, be resident;
 - (3) Additional District Magistrates in charge of Reufgeo Rehabilitation in their respective districts;
 - (4) Sub-Divisional Officer, within the Sub-Division, in his charge:
 - (5) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner.
- 6. A candidate belonging to any of the categories, referred to in para 5(ii), 5(iii), 5(iv) and 5(ix) above and seeking remission of the fee under paragraph 7 of the Notice should also produce an attested/certified copy of a certificate fillow a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee
- 7. A person in whose case a certificate of eligibility is required may be admitted to the examination but the offer of appointment shall be given only after the necessary eligibility certificate is issued to him by the Government of India, Ministry of Steel and Mines (Department of Mines) or the Ministry of Irrigation as the case may be.
- 8. Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form.

Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in a document or its copy submitted by them nor should they submit a tempered/fabricated document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents or its copies, an explanation regarding the discrepancy may be submitted.

- 9. The fact that an application form has been supplied on a certain date will not be accepted as an excuse for the late submission of an application. The supply of an application form does not *ipso facto* make the receiver eligible for admission to the example.
- 10. Every application, including late ones, received in the Commission's Office is acknowledged and application Registration number is issued to the candidate in token of receipt of his application. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date prescribed for receipt of applications for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.

The fact that the Application Registration number has been issued to the condidate does not, ipso-facto mean that the application is complete in all respects and has been accepted by the Commission.

- 11. Every candidate for this examination will be informed at the carliest possible date of the result of his application. It is not, however, possible to say when the result will be communicated. But if a candidate does not receive from the Union Public Service Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.
- 12 Communications Regarding Application.—ALL COMMUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOLPUR HOUSE, SHAHJAHAN ROAD, NEW DELHI-110011 AND SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS:—
 - (1) NAME OF EXAMINATION.
 - (2) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.
 - (3) APPLICATION REGISTRATION NO./ROLL NUMBER OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE, IF THE APPLICATION REGISTRATION NO./ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.

- (4) NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).
- (5) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.

N.B. (i).—COMMUNICATIONS NOT GIVING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED IO.

N.B. (ii). IF A LETTER/COMMUNICATION IS RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER AN EXAMINATION HAS BEEN HELD AND IT DOES NOT GIVE HIS FULL NAME AND ROLL NUMBER, IT WILL BE IGNORED AND NO ACTION WILL BE TAKEN THEREON.

13. Change in address.—A CANDIDATE MUST SEE THAT COMMUNICATIONS SENT TO HIM AT THE ADDRESS STATED IN HIS APPLICATION ARE REDIRECTED, IF NECESSARY. CHANGE IN ADDRESS SHOULD BE COMMUNICATED TO THE COMMISSION AT THE EARLIEST OPPORTUNITY GIVING THE PARTICULARS MENTIONED IN PARAGRAPH 12 ABOVE. ALTHOUGH THE COMMISSION MAKE EVERY EFFORT TO TAKE ACCOUNT OF SUCH CHANGES THEY CANNOT ACCEPT ANY RESPONSIBILITY IN THE MATTER.

ANNEXURE-II

CANDIDATES INFORMATION MANUAL

A. OBJECTIVE TEST

Your examination will be what is called an 'OBJECTIVE TEST'. In this kind of examination (test) you do not write answers. For each question (hereinafter referred to as item) several suggested answers (hereinafter referred to as responses) are given. You have to choose one answer to cach item.

This Manual is intended to give you some information about the examination so that you do not suffer due to unfamiliarity with the type of examination.

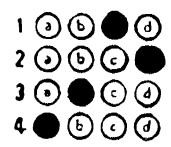
B. NATURE OF THE TEST

The question paper will be in the form of a TEST BOOK-LET. The booklet will contain items bearing numbers 1, 2, 3,.... etc. Under each item will be given suggested answers marked a, b, c, d. Your task will be to choose the correct or if you think there are more than one correct, then the best answer. (See "sample items" at the end). In any case in each item you have to select only one answer; if you select more than one, your response will be considered wrong

C. METHOD OF ANSWERING

A separate ANSWFR SHEET (a specimen copy of which will be supplied to you along with the Admission Certificate) will be provided to you in the examination hall. You have to mark your response on the answer sheet. Response marked on the Test Booklet or in any paper other than the Answer Sheet will not be examined.

In the Answer Sheet, number of items from 1 to 160 have been printed in four 'Parts'. Against each item, circular spaces marked, a, b, c, d, are printed. After you have read each item in the Test Booklet and decided which of the given answer is correct or the best, you have to mark the circle containing the letter of the selected answer by blackening it completely with pencil as shown below (to indicate your response). Ink should not be used in blackening the circles on the Answer Sheet.



IT IS IMPORTANT THAT-

- 1. You should bring and use only good quality HB pencil(s) for answering the items.
- To change a wrong marking, erase it completely and re-mark the new choice. For this purpose, you must bring along with you an eraser also.
- 3. Do not handle your Answer Sheet in such a manner as to mutilate or fold or wrinkle or spoil it.

D. SOME IMPORTANT REGULATIONS

- You are required to enter the examination hall twenty minutes before the prescribed time for commencement of the examination and get seated immediately.
- 2. Nobody will be admitted to the test 30 minutes after the commencement of the test.
- No candidate will be allowed to leave the examination hall until 45 minutes have elapsed after the commencement of the examination.
- 4. After finishing the examination, submit the Test Booklet and the Answer Sheet to the Invigilator/Supervisor. YOU ARE NOT PERMITTED TO TAKE THE TEST BOOKLET OUT OF THE EXAMINATION HALL. YOU WILL BE SEVERELY PENALISED IF YOU VIOLATE THIS RULE.
- 5. You will be required to fill in some particulars on the Answer Sheet in the examination hall. You will also be required to encode some particulars on Answer Sheet. Instructions about this will be sent to you along with your Admission Certificate.
- 6. You are required to read carefully all instructions given in the Test-Booklet. You may lose marks if you do not follow the instructions meticulously. It any entry in the Answer Sheet is ambiguous yow will get no credit for that item response. Follow the instructions given by the Supervisor. When the Supervisor asks you to start or stop a test or part of a test, you must follow his instructions immediately.
- 7. Bring your Admission ('critificate with you. You should also bring a HB pencil, an eraser, a pencil sharpener, and a pen containing blue or black ink.

You are advised also to bring with you a clip board or a hard-board or a card-board on which nothing should be written. You are not allowed to bring any scrap (rough) paper, or scales or drawing instrument into the examination hall as they are not needed. Separate sheets for rough work will be provided to you on demand. You should write the name of the examination, your Roll No. and the date of the test on it before doing your rough work and return it to the supervisor along with your Answer sheet at the end of the test.

E. SPECIAL INSTRUCTIONS

After you have taken your seat in the hall, the invigilator will give you the Answer Sheet. Fill up the required information on the Answer Sheet. After you have done this, the invigilator will give you the Test Booklet, on receipt of which you must ensure that if contains the booklet number, otherwise get it changed. You are not allowed to open the Test Booklet until you are asked by the Supervisor to do so

F. SOME USEFUL HINTS

Although the test stresses accuracy more than speed, it is important for you to use your time as efficiently as possible Work steadily and as rapidly as you can, without becoming careless. Do not worry if you cannot answer all the questions. Do not waste time on questions which are too difficult for you. Go, on to the other questions and come back to the difficult ones later.

All items carry equal marks. Attempt all of them. Your score will depend only on the number of correct responses indicated by vou. There will be no negative marking.

G. CONCLUSION OF TEST

Ston writing as soon as the Supervisor asks you to stop. Remain in your seat and wait till the invigilator collects all the necessary materials from you and permits you to leave the Hall. You are NOT allowed to take the Test Booklet, the answer sheet and the sheet for rough work out of the Examination Hall.

SAMPLE ITFMS (QUESTIONS)

(Note: -*denotes the correct/best answer option)

1. (General Studles)

Bleeding of the nose and the ears is experienced at high altitudes by mountain climbers because

- (a) the pressure of the blood is less than the atmospheric pressure.
- (th) the pressure of the blood is more than the atmospheric pressure.
- (c) the olood vessels are subjected to equal pressures on the inner and outer walls.
- (d) the pressure of the blood fluctuates relative to the atmospheric pressure.

2 (English)

(Vocabulary—Synonyms)

There was a record turnout of voters at the municipal elections.

- (a) exactly known
- (h) only those registered
- (c) veiv large
- *(d) largest so far.

3. (Agriculture)

In Arhar, flower drops can be reduced by one of the measurers indicated below

- *(a) spraying with growth regulators
- (b) planting wider apart
- (c) planting in the correct season
- (d) planting with close spacing.

4. (Chemistry)

The anhydride of H₃ VO₄ is

- (a) VO₃
- (b) VO₄
- (c) V_2O_3
- *(d) V₂O₅

5. (Economics)

Monopolistic exploitation of labour occurs when

- '(a) wage is less than marginal revenue product
- (b) both wage and marginal revenue product are equal
- (c) wage is more than the marginal revenue product
- (d) wage is equal to marginal physical product.

6. (Electrical Engineering)

A coaxial line is filled with a dielectric of relative permittivity 9. If C denotes the velocity of propagation in free space, the velocity of propagation in the line will be

- (a) 3C
- (b) C
- *(c) C/3
- (d) C/9

7. (Geology)

Plagioclase in a basalt is

- (a) Oligoclase
- *(b) Labradorite
- (c) Albite
- (d) Anorthite

8. (Mathematics)

The family of curves passing through the origin and satisfying the equation

$$\frac{d^2y}{dx^2} - \frac{dy}{dx} = 0 \text{ is given by}$$

- (a) y = ax + b
- (b) y = ax
- (c) $y = ae^x + be^{-x}$
- $\bullet(d)$ y = aex —a

9. (Physics)

An ideal heat engine works between temperatures 400° K and 300° K. Its efficiency is

- (a) 3/4
- *(b) (4---3)/4
- (c) 4/(3+4)
- (d) 3/(3+4)

10. (Statistics)

The mean of a binomial variate is 5. The variance is

- (a) 42
- *(b) 3
- (c) ∞
- (d) _5

11. (Geography)

The Southern part of Burma is most prosperous because

- (a) it has vast deposits of mineral resources
- *(b) it is the deltaic part of most of the rivers of Burma.
- (c) it has excellent forest resources.
- (d) most of the oil resources are found in this part of the country.

12. (Indian History)

Which of the following is NOT true of Brahmanism?

- (a) Brahmanism always claimed a very large following even in the heyday of Buddhism.
- (b) Brahmanism was a highly formalised and pretentious religion.
- *(c) With the rise of Brahmanism, the Vedic sacrificial fire was relegated to the background.
- (d) Sacraments were prescribed to mark the various stages in the growth of an individual.

13. (Philosophy)

Identify the atheistic group of philosophical systems in the following

- (a) Buddhism, Nyaya, Carvaka, Mimáma
- (c) Advaita, Vedānta, Sāmkhya,Cārvāka Yosa
- (d) Buddhism, Samkhva, Mimamsa, Carvaka

14. (Political Science)

'Functional representation' means

- *(a) election of representatives to the legislature on the basis of vocation.
- (b) pleading the cause of a group or a professional association.
- (c) election of representatives in vocational organization.
- (d) indirect representation through Trade Unions.

15. (Psychology)

Obtaining a goal leads to

- (a) increase in the need related to the goal
- *(b) reduction of the drive state
- (c) instrumental learning
- (d) discrimination learning.

16. (Sociology)

Panchayati Raj institutions in India have brought about ege of the following:

- *(a) formal representation of women and weaker sections in village government.
- (b) untouchability has decreased.
- (c) land-ownership has spread to deprived classes.
- (d) education has spread to the masses.

Note:—Candidates should note that the above sample items (questions) have been given merely to serve as examples and are not necessarily in keeping with the Syllabus for this examination.